



वार्षिक प्रतिवेदन

2020-2021



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Sikkim

डाक पता:

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
रावंगला, साउथ सिक्किम
सिक्किम, भारत - 737139
टेलीफोन: +91 7479013180

संपादक मंडल:

प्रो. एम. सी. गोविल
निदेशक, एनआईटी सिक्किम

डॉ. धनंजय त्रिपाठी
सहायक प्रोफेसर, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

डॉ. ऋचा मिश्रा
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

श्री सुमित कुमार
जनपद अभियांत्रिकी विभाग

डॉ. अविनाश कुमार
काणिकीय एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

श्री साहिल मिंडा
आंतरिक लेखा परीक्षक, एनआईटी सिक्किम

श्री विष्णु कुमार शर्मा
कार्यालय सहायक

विषय सूची

| | |
|--|----|
| संस्थान का ध्येय | 2 |
| संस्थान का लक्ष्य | 3 |
| निदेशक की कलम से... | 5 |
| 1. परिचय | 7 |
| स्थान | 9 |
| परिसर | 10 |
| प्रशासन | 12 |
| कोविड-19 महामारी के दौरान प्रमुख प्रशासनिक पहल | 13 |
| 2. शासी मंडल एवं अन्य समितियाँ | 16 |
| शासी मंडल | 16 |
| वित्त समिति | 17 |
| भवन एवं निर्माण समिति | 17 |
| अभिषद् के सदस्य | 18 |
| कुलसचिव | 18 |
| अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष | 18 |
| प्राध्यापक प्रभारी | 19 |
| संकाय सदस्यों की सूची | 20 |
| स्टॉफ सदस्यों की सूची | 21 |
| 3. शैक्षणिक कार्यक्रम | 22 |
| शैक्षणिक कार्यक्रम | 24 |
| प्रदत्त उपाधियाँ | 30 |
| तृतीय दीक्षांत समारोह | 32 |
| अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ | 33 |

| | |
|--|------------|
| 4. प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ | 37 |
| वेबिनार और वार्ता | 39 |
| वर्ष-वार नियुक्ति सांख्यिकी | 40 |
| शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में शाखावार नियुक्ति प्रतिशत | 41 |
| प्रशिक्षण | 42 |
| 5. छात्र कल्याण | 46 |
| कार्यक्रम और गतिविधियाँ | 48 |
| विभागीय क्लबों की गतिविधियाँ | 54 |
| अनुव्रत | 57 |
| निर्माण | 57 |
| छात्रों के लिए सुविधाएं | 59 |
| बालक छात्रावास | 61 |
| भोजनालय सुविधाएं | 62 |
| क्रीड़ा और खेल | 62 |
| 6. अस्थायी परिसर में बुनियादी ढांचे का विकास | 65 |
| 7. केंद्रीय पुस्तकालय | 71 |
| 8. अनुसंधान और नवाचार | 74 |
| 9. चिकित्सा सुविधाएं | 89 |
| 10. शैक्षणिक विभाग | 92 |
| संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग | 94 |
| कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग | 106 |
| विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग | 121 |
| यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग | 135 |
| जनपद अभियांत्रिकी विभाग | 154 |
| गणित विभाग | 164 |
| भौतिक विज्ञान विभाग | 166 |
| रसायन विज्ञान विभाग | 170 |
| मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग | 176 |
| 12. तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टेक्यूप-III) | 183 |
| 13. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के द्वारा सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रम | 197 |
| 14. लेखापरीक्षा प्रतिवेदन और वार्षिक खाता | 198 |



संस्थान का ध्येय

विश्व को चिर- स्थाई रूप में दर्शन, विवेक और मूल्य प्रणाली के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकीय ज्ञान देने की क्षमता हमारे भारत में है एवं यह हमारा दायित्व है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम इसमें अपनी पूरी भूमिका निभाएगा।





संस्थान का लक्ष्य

छात्रों को तकनीकी एवं वैज्ञानिक रूप से उत्कृष्ट बनाने तथा भूमंडलीय अवसरों के लिए तैयार करने के साथ ही मूलतः भारतीय एवं समग्रतः वैश्विक दर्शन तथा जीवन मूल्यों के प्रति सजग चिंतक अभियंताओं के रूप में दीक्षित एवं विकसित करना।





निदेशक की कलम से...

प्रौद्योगिकी कभी
भी महान शिक्षकों
का स्थान नहीं
लेगी, लेकिन
महान शिक्षकों के
हाथों प्रौद्योगिकी
परिवर्तनकारी हो
सकती है।

- जॉर्ज कौरोस

99

मुझे वित्तीय वर्ष 2020-21 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है, जिसमें संस्थान के प्रयासों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। मुझे यह जानकर वास्तव में प्रसन्नता हो रही है कि वैश्विक कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बावजूद, संस्थान ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के बीच अपना स्थान बनाने के लिए स्वयं को अत्यंत जोश एवं उत्साह के साथ अपने विजय (दृष्टि) की ओर अग्रसर किया है।

नोवेल कौरोना वायरस द्वारा किए गए 'नरसंहार' के कारण अचानक आए परिवर्तनों के बीच संस्थान समुदाय बहुत सहवर्तनीय रहा है तथा अभिनव ई-लर्निंग मैकेनिज्म के साथ अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा है। संस्थान में चुनौतियों को एक सकारात्मक भावना और अवसर के रूप में अपनाया गया, ताकि परेशानी के समय में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए गैर-ज़रूरी चीजों को भुला और नई चीजों को सीखा जा सके। संस्थान कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने में भी सक्रिय रहा है। मुझे यह बताते हुए अत्यंत गर्व एवं प्रसन्नता हो रही है कि एक अस्थायी परिसर से संचालित होने के बावजूद, संस्थान इस कठिन समय में भी अपने हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम रहा है।

शैक्षणिक मोर्चे पर, एनआईटी सिविकम ने विभिन्न बी.टेक., एम.टेक., एम.एस.सी., एवं पी.एच.डी. कार्यक्रमों तथा अनुसंधान आधारित समग्र शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया है। पिछले कुछ वर्षों में प्रवेश

लेनेवाले विद्यार्थियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है तथा वर्तमान में, 960 विद्यार्थी एनआईटी सिविकम में अपने पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं। संस्थान पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों में से वैश्विक लीडर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है तथा विद्यार्थियों की उद्यमशीलता और प्रबंधकीय कौशल को विकसित करने के लिए हर संभव प्रयत्न कर रहे हैं। हम नवाचार और पहुंच को बढ़ावा देने के लिए देश के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं।

संस्थान के प्लेसमेंट में पिछले वर्षों की तुलना में लगातार वृद्धि देखी गई है। संस्थान ने 72.86% प्लेसमेंट और 100% इंटर्नशिप के साथ, अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। संस्थान अपने विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय संगठनों में प्लेसमेंट दिलाने में सफल रहा है।

इस वर्ष संस्थान की सबसे उल्लेखनीय गतिविधि अनुसंधान एवं विकास की रही। संस्थान ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं/सम्मेलनों एवं वाह्य रूप से वित्त पोषित परियोजनाओं में प्रकाशनों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में, संकाय सदस्यों द्वारा डीएसटी, डीईआईटीवाई, आईसीसीएसआर, आदि द्वारा वित्त पोषित कई प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। संस्थान ने सक्षम मानव संसाधन बनाने के उद्देश्य से बाहरी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

एक सार्वजनिक वित्त पोषित शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान होने के नाते, संस्थान को विभिन्न स्तरों पर सभी हितधारकों के साथ जुड़ने का अधिकार है। सरकार ने संस्थान एवं उसके हितधारकों के बीच इस संबंध को मजबूत करने पर जोर दिया है तथा इसे हर संभव स्तर पर साकार करने के लिए सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया दी है। संस्थान ने सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और सामाजिक पहलों में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के समग्र विकास में सुधार करना, सभी हितधारकों को जोड़ना और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में मदद करना है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) में सामाजिक/पर्यावरणीय मूल्यों वाले उभरते बहु-विषयक क्षेत्रों में शिक्षा, नवाचार, रचनात्मकता एवं अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ावा देने को सर्वोपरि महत्व दिया गया है। देश को जिन अनेक सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है उनमें सभी नागरिकों को स्वच्छ पेयजल एवं सैनिटाइजेशन, गुणवत्तापूर्ण आईटी/डिजिटल बुनियादी ढांचा, बेहतर परिवहन, वायु गुणवत्ता एवं ऊर्जा तक पहुंच शामिल (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) है। एनईपी 2020 ने उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान को एकीकृत करने तथा सभी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्तापूर्ण अंतःविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देने का आदेश दिया है। एनआईटी सिविकम एनईपी-2020 में उल्लिखित उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में समग्र रूप से कार्य करने हेतु प्रतिबद्ध है। संस्थान के संकाय/कर्मचारी सदस्यों वाली विभिन्न समितियां इस समय नीति के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कार्य बिंदु/रोड मैप तैयार कर रही हैं।

इस संबंध में, शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नई शैक्षणिक सुविधाओं जैसे स्मार्ट क्लासरूम, प्रयोगशालाओं, इंटरनेट कनेक्टिविटी आदि का निर्माण किया गया है। संस्थान ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), स्वास्थ्य, पर्यावरण, ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में सामाजिक/तकनीकी/पर्यावरणीय मूल्यों वाले उभरते बहु-विषयक क्षेत्रों में अभिनव अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक 'उत्कृष्टता केंद्र' स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके अलावा, संस्थान ने एनईपी-2020 में सुझाए गए अन्य प्रमुख शैक्षणिक सुधारों जैसे 'मल्टीपल एंट्री-एग्जिट', 'अकैडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट', 'इंटरनेशनलाइजेशन', 'प्रोमोशन ऑफ इंडियन आर्ट एंड कल्चर' आदि को लागू करने की भी प्रक्रिया शुरू की है।

हालांकि, एनआईटी सिविकम को एक विश्व स्तरीय शिक्षण केंद्र बनाने के लिए बहुत कुछ किया जाना है, फिर भी मुझे विश्वास है कि हम ठोस नींव बनाने के लिए सही दिशा में हैं और दृढ़तापूर्वक विश्वास करते हैं कि अपने हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से, संस्थान अनेवाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा। इस अवसर पर मैं शिक्षा मंत्रालय (एमओई) और शासक मंडल के प्रति उनके अनवरत सहयोग, मार्गदर्शन एवं सुझावों के लिए आभार प्रकट करता हूँ। मैं संस्थान के संकाय एवं कर्मचारी सदस्यों को संस्थान की गतिविधियों/पहलों में निरंतर सहयोग देने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

सम्मान सहित

जय हिंद


प्रो. महेश चंद्र गोविल
निदेशक, एनआईटी सिविकम

परिचय

सिकिम पूर्वी हिमालय की गोद में सूदूर पूर्वोत्तर राज्य के रूप में स्थित है। सिकिम की स्थापना 17 वीं शताब्दी में तिब्बती बौद्ध धर्म के स्कूल, निंगम्मा लामा द्वारा बौद्ध साम्राज्य के रूप में हुई थी। आज भी सिकिम निःसंदेह अपनी समृद्ध और अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करता है।

भूटिया समुदाय के लोग जो तिब्बत से पलायन कर इधर आए थे और साथ ही लेप्चा समुदाय के लोग जो सिकिम के मूल निवासी थे, जिन्हें "दुनिया के अतिप्राचीन समुदायों में से एक" कहा जाता है, के द्वारा इस राज्य की स्थापना की गई थी। सिकिम की व्युत्पत्ति शास्त्रीय नाम के दो लिंबु शब्दों, 'सु' एवं 'खिम' से लिया गया है जिनका अर्थ क्रमशः 'नया' और 'महल' होता है। वर्तमान में, सिकिम विश्व का पहला 100% जैविक राज्य बनकर अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर रहा है। जैविक राज्य "आर्गेनिक स्टेट" की उपाधि अर्जित करने और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित होने के कारण निश्चित रूप से देश की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है। सिकिम राज्य ने अपनी प्रशंसा के नए अध्याय तब और जोड़े जब उसने 50 अन्य राज्यों की जैविक खेती के प्रस्तावित नीतियों को पीछे छोड़कर अपने राज्य की नीति के लिए 2004 में स्वर्ण पदक जीता। सिकिम राज्य के "सिकिम जैविक मिशन" ने राज्य को पूरे विश्व में एक मात्र 100% जैविक राज्य के रूप में स्थापित किया जो अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। खेती के आधुनिक तंत्र के अनुकूल बदलते हुए भी अपने पारंपरिक अनोखे तरीकों की परंपरा का निर्वाह करना तथा उनके लिए मान्यता प्राप्त करना वास्तव में सराहनीय है। जैविक कृषि को सिकिम की पारंपरिक खेती पद्धति के सबसे करीब माना जाता है, जो वृद्धि के लिए बाहरी तत्वों का कम से कम प्रयोग एवं रसायनों के उपयोग के प्रति पूरी तरह से उदासीनता बरतते हुए वर्षा पर आश्रित रहती है।

सिकिम की कला, साहित्य, रीति-रिवाज, संस्कृति और नृत्य की भव्यता और विविधता अपने आप में विशिष्ट और अद्वितीय है। सिकिम शब्द निश्चित ही विविध संस्कृति और रहस्यपूर्ण जातीय समुदायों की एक रहस्यमय भूमि को दर्शाता है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के आधार पर अपने समान संज्ञानात्मक विकास के कारण एकता और शांति में विद्यमान है। "नेपाली" इस राज्य की लोकभाषा है, लेकिन विभिन्न समुदाय अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं। सिकिम में नेपाली, भूटिया, लेप्चा, तमाङ, लिंबू, नेवारी, राय, गुरुंग, मंगर, सुनवार और अंग्रेजी, कुल मिलाकर ग्यारह अधिकारिक भाषाएँ हैं। यहाँ प्रमुख धर्म हिंदू और बौद्ध धर्म हैं, हालांकि, ऐसे लोग भी हैं जो ईसाई धर्म, इस्लाम और जैन धर्म का पालन करते हैं। लेप्चा मुनिवाद को अपना पारंपरिक धर्म मानते हैं, जो बौद्ध और ईसाई धर्म के साथ सह-अस्तित्व रखता

है। सिकिम, सांस्कृतिक असमानता के क्षुद्र अनुष्ठानों से परे विविधता में एकता की अवधारणा को पूरा करता है क्योंकि यह अपनी अनूठी संस्कृति और परंपरा की सहज मूल चेतना को आत्मसात करता है।

सिकिम एक लंबे समय तक एक साम्राज्य बना रहा और 1975 में 22 वें राज्य के रूप में विलय से पहले भारत द्वारा संरक्षित राज्य था। भारत सरकार ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया है, इसलिए, भारत सरकार ने भारत के अन्य राज्यों के साथ इन क्षेत्रों में भी ऐसे उच्च संस्थानों की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिकिम ऐसे प्रयास का ही एक सुपरिणाम है जिसका उद्देश्य विश्व स्तर के बुनियादी ढाँचे और उत्तम शैक्षणिक उपकरण प्रदान करके छात्रों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिकिम, सिकिम राज्य में उच्च गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा की जरूरतों को पूरा करने वाला एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान है। यह वर्ष 2010 में 11 वीं पंचवर्षीय योजना के भाग के रूप में भारत सरकार द्वारा संसद के एक अधिनियम द्वारा स्वीकृत दस नए राष्ट्रीय संस्थानों में से एक है। इस स्थापना का उद्देश्य उक्तष्ट तापूर्ण तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता और मानव संसाधन का सृजन करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना है। भारत सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्चतम कौशल और क्षमता संपन्न मानवीय संसाधन विकसित करने में संस्थान की भूमिका को ध्यान में रखते हुए एक 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' का दर्जा दिया है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद द्वारा शासित, संस्थान में चार वैधानिक निकाय हैं, अर्थात्, शासी मंडल, वित्त समिति, भवन और निर्माण समिति और अभिषद्। संस्थान पूरी तरह से भारत सरकार, नई दिल्ली के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है एवं संस्थान को पूर्ण वित्तीय और शैक्षणिक स्वायत्तता प्राप्त है।

अगस्त 2010 में अपनी स्थापना के उपरांत, संस्थान रावंगला दक्षिण सिकिम में स्थित एक अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है। एक विषम जलवायु, खराब परिवहन, परिसर की छोटी जगह एवं अनेक चुनौतियों के बावजूद, संस्थान प्रारम्भिक समस्याओं को सुलझाते हुए शैक्षणिक उक्तष्टा की दिशा में धीरे-धीरे लेकिन निरंतर आगे बढ़ा है। संस्थान का मानना है कि ग्रामीण विकास राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है; अतः संस्थान गरीबों और वचितों हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लाभ के साथ-साथ ज्ञान के आदान-प्रदान को सक्षम करने के लिए प्रयासरत है। संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र सामाजिक विकास संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होकर राज्य भर के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को सहायता प्रदान करने में लगे हुए हैं।

संस्थान की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसके साथ जुड़े लोगों को सामाजिक जिम्मेदारी और अपनेपन की भावना प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। इसने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा राष्ट्र के वंचित वर्गों को सुदृढ़ एवं सशक्त करने का मार्ग प्रशस्त करने हेतु नई पहल की है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, कणिका एवं संचार अभियांत्रिकी, और विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी में तीन (3) स्नातक कार्यक्रमों के साथ अपनी यात्रा शुरू की, जिसमें तीस (30) छात्रों के प्रवेश का प्रावधान रखा गया। वर्तमान में लगभग हजार छात्र राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में नामांकित हैं। संस्थान जनपद अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी, कणिका और संचार अभियांत्रिकी, और यांत्रिकी अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, सूक्ष्म कणिका और वीएलएसआई डिजाइन और रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। संस्थान सभी अभियांत्रिकी विषयों, आधारभूत विज्ञान और मानविकी जैसे कार्यक्रमों में विद्या वाचस्पति की उपाधि भी प्रदान करता है।

संस्थान छात्रों के संपूर्ण विकास में विश्वास करता है अतः उन्हें तकनीकी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेल आयोजनों जैसी सह-पाठ्यचर्चा और पाठ्योत्तर गतिविधियों की दिशा में मजबूत रुझान विकसित करने पर एक अंतर्दृष्टि के साथ सशक्त बनाया जाता है। स्टाफ और संकाय सदस्यों के सक्षम नेतृत्व के मार्गदर्शन में -अभियंत्रण, वार्षिक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम, वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उद्घम्- और वार्षिक खेल जैसे समारोहों का आयोजन किया जाता है। संस्थान में युवा और ऊर्जावान छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जो नवाचार के माध्यम से सीखने के माहौल के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए विचारों के विकास को बल देते हैं। पूरा करने की कोशिश करता है। तकनीकी कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी आयोजित की जाती है जहां छात्र प्रोटोटाइप वर्किंग मॉडल प्रदर्शित करते हैं। उद्योग और शिक्षाविदों के विशेषज्ञों द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों और सेमिनारों

पर कई कार्यशालाओं का आयोजन भी इन अवसरों पर किया जाता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम देश के युवाओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाता है और उन्हें आधुनिक समयानुकूल आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्र के समग्र विकास में अपनी भूमिका निर्वहन के लिए प्रोत्साहित करता है।

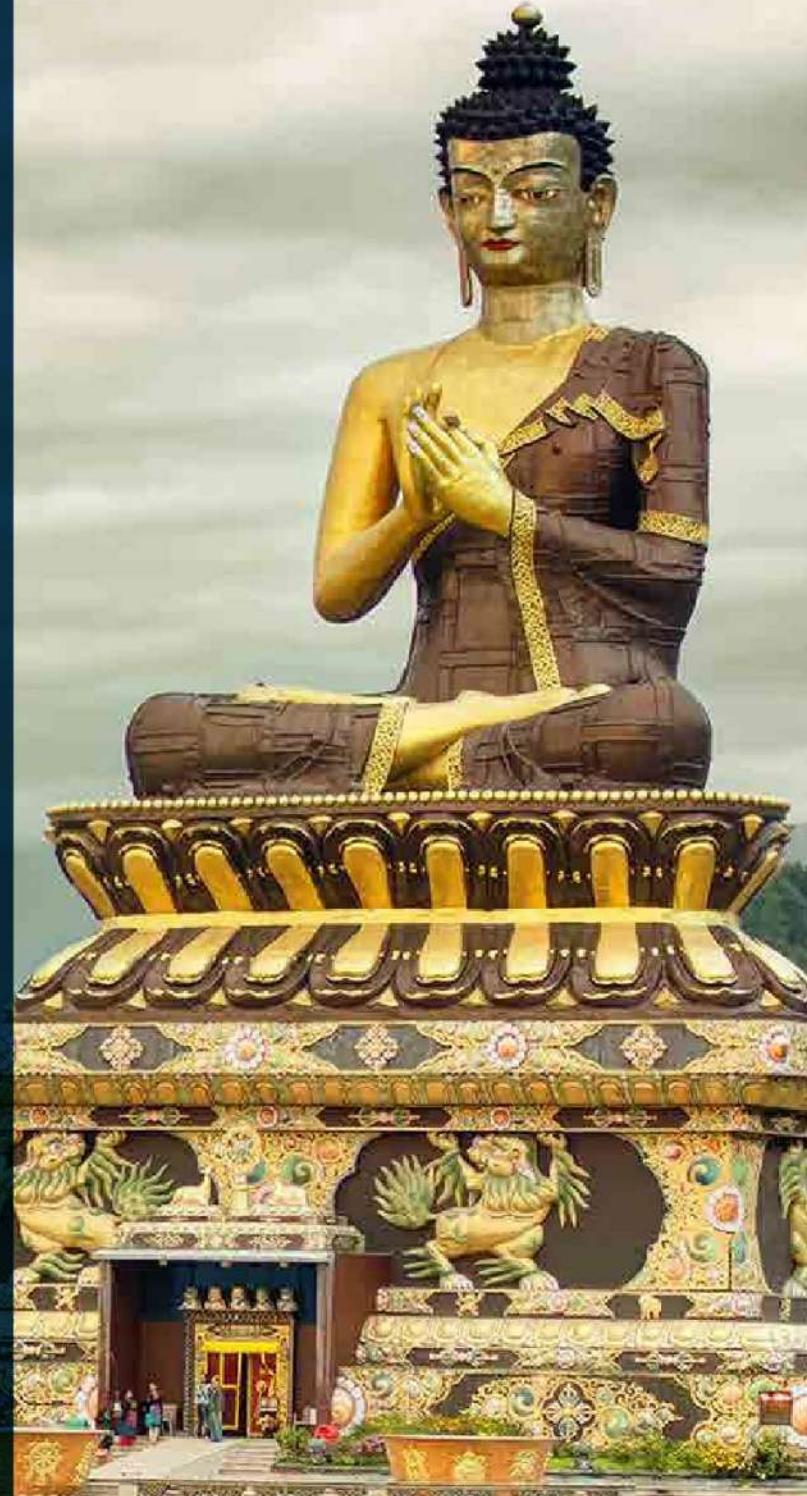
उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में, तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ ही संस्थान नैतिक मूल्यों को स्थापित करता है ताकि यहां से उत्तीर्ण होने वाले छात्र अच्छे नागरिक बन सकें एवं समाज तथा राष्ट्र को लाभान्वित करने में अपना सक्रिय योगदान दे सकें। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि राज्य की सांस्कृतिक विविधता एवं पारंपरिक और धार्मिक विविधता कैसे शिक्षार्थियों की बौद्धिक क्षमता को विकसित करने पर प्रभाव डाल सकती है। संस्कृति और परंपरा की ऐसी विविधताओं को अपनाने से नवाचार और उत्कृष्टता के विचारों का अंकुरण हो सकता है और एक समग्र विकास के माध्यम से अपनी मेधा को भी संस्कारित किया जा सकता है। संस्थान के छात्रों ने इस तरह की वृद्धि का प्रदर्शन किया है क्योंकि वे सिक्किम के भौतिक वातावरण और मौसम की स्थिति की विषमताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता के अनुकूल अपने आपको ढालने में सफल रहे हैं। संस्थान नए परिवेश के साथ सौहार्दपूर्ण जीवन जीने की योग्यता विकसित करके पूर्ण शिक्षा का अर्थ बताता है। इसके अलावा, इसकी सांस्कृतिक विविधता उन्हें वनस्पतियों और जीवों की दुनिया के प्रति संवेदनशील बनाती है और धीरे-धीरे उनके मन को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और प्राकृतिक मूल्यों को स्वीकार करने के लिए प्रशिक्षित करती है जो छात्रों की इस पीढ़ी के लिए एक बहुत बड़ी आवश्यकता है। हमारे छात्र इस तेजी से बदलती तकनीक और तेजी से बढ़ते आधुनिकीकरण की दुनिया में, हमारी समृद्ध जैव विविधता को बचाए रखना चाहते हैं और यह सराहनीय है कि वे इसे और विकसित करते रहना चाहते हैं। इस प्रकार संचालित शिक्षण कार्यक्रमों के साथ संस्थान छात्रों को प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति संवेदनशील रूप से भी तैयार करने हेतु एक मंच प्रदान करता है और इस मिथक को तोड़ता है कि तकनीकी संस्थान प्रकृति एवं जैव विविधता का लालन-पालन नहीं करते हैं।

स्थान

सिकिम एक ऐसा सदाबहार राज्य है जो बर्फ से ढके पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता व विविध समृद्धी को दर्शाता है एवं विश्व की वनस्पतियों, मनमोहक जीवों, प्राचीन झरनों, पवित्र झीलों, पवित्र गुफाओं, औषधीय पेड़ों, गर्म झरनों, कोमला धाराओं की नैसर्गिक संपदाओं से संपन्न है। सुलभ धूंध और बादलों के साथ हिमाच्छादित हरियाली इस पर्वतीय स्थान की शानदार सुंदरता को चार चाँद लगाती है। यहाँ दुनिया का तीसरा सबसे ऊँचा पर्वत कंचनजंघा है। पर्वत माला कंचनजंघा, सिकिम के संरक्षक देवता के रूप में भी पूजनीय है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिकिम, वर्ष 2010 में अपनी स्थापना के बाद से एक अस्थायी परिसर से काम कर रहा है जो दक्षिण सिकिम के रावंगला में स्थित है।

रावंगला या रावांगला या रावोंगला एक छोटा शहर है जो भारतीय राज्य सिकिम के दक्षिण सिकिम जिले में आठ हजार (8000) फीट की ऊँचाई पर स्थित है। यहाँ हिमालय या उच्च पर्वतीय प्रकार की जलवायु है, जहां मौसम में उत्तर-चढ़ाव के साथ-साथ ऊँचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात और बर्फबारी होती है। रावंगला में सर्दियों का तापमान हिमपात के समय शून्य से भी नीचे जाता है। सिकिम की राजधानी गंगटोक से 80 किमी की दूरी पर स्थित यह एक शांत छोटा क़स्बा है। इस छोटे क़स्बे को शहर के प्रसिद्ध बुद्ध पार्क में भगवान गौतम बुद्ध की एक सौ तीस (130) फीट ऊँची प्रतिमा के निर्माण के लिए व्यापक रूप से प्रशंसा प्राप्त हुई है।

परिसर से निकटतम रेलवे स्टेशन, न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन, पश्चिम बंगाल है जो परिसर से लगभग एक सौ अठारह (118) किमी दूर है। हवाई संपर्क बागडोगरा हवाई अड्डे से उपलब्ध है जो कैंपस से लगभग एक सौ बत्तीस (132) किमी दूर है। यह संस्थान अस्थायी परिसर से शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित कर रहा है और भौगोलिक तथा अन्य कारकों की चुनौतियों को पार करते हुए अपने उद्देश्य के प्रति समर्पित भाव से लीन है।



परिसर

रावंगला में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम एक ऐसे परिसर में है, जो शुरू में तिब्बत शरणार्थियों के लिए निवास कैप के रूप में कार्य करता था। इस 'रिफ्यूजी कैप' ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के परिसर में तब्दील होने में कई शुरूआती चुनौतियों का सामना किया। हालांकि, संस्थान ने सीमित संसाधनों के बावजूद नाम और प्रतिष्ठा स्थापित करके एक मानक स्थापित किया है। सीमित संसाधनों और जगह की कमी के साथ पर्यावर्णीय कठिनाइयों की चुनौतियों का मजबूती से सामना करते हुए और सुधारात्मक उपायों के माध्यम से अपनी आभा और विकास की अभिवृद्धी के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम निश्चित रूप से एक प्रेरणा स्रोत है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने शिक्षण भवनों, प्रशासनिक ब्लॉक, हॉस्टल, फैकल्टी और कर्मचारियों के लिए निवास आदि को पुनर्निर्मित करने के लिए कठोर प्रयास किए हैं, जिससे प्रत्येक भवन के आकार के अनुरूप निर्माण एवं साज सज्जित किया जा सके तथा सीमित स्थान के भीतर शिक्षण की विभिन्न शाखाओं को समायोजित किया जा सके। यह भी व्यातव्य है कि परिसर और रावंगला शहर में स्थानीय असुविधाओं, खराब अवसंरचनात्मक सुविधाओं और न्यूनतम आवश्यक जीवन सुविधाओं के कारण, जैसे कि संकाय सदस्यों एवं कार्मिकों के लिए समुचित संख्या में आवास सुविधा ना होना है, चिकित्सा सुविधा, स्कूलों और अन्य बुनियादी आवश्यक सेवाओं की कमी का होना संस्थान प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती रही है। संस्थान छोड़ने वाले संकाय और कर्मचारियों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि हुई है, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में संस्थान कुछ बुनियादी जीवन सुविधाएं प्रदान करके संस्थान में अच्छे संकाय और कर्मचारियों को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। हाँलांकि यह न्यूनतम मानकों के अनुसार भी पर्याप्त नहीं होगा।

संस्थान, अपने सीमित परिसर क्षेत्र में, आउटडोर खेल के मैदानों, चिकित्सा इकाई और लड़कों और लड़कियों के लिए व्यायामशालाओं के साथ-साथ अन्य अनिवार्य प्रतिष्ठानों से सुसज्जित है। वर्तमान में, परिसर में सोलह (16) तीन-मंजिला ब्लॉक हैं, जिनमें से प्रत्येक में छह (06) दो छोटे कमरे वाले अपार्टमेंट हैं, कुल मिलाकर छियानवे (96) अपार्टमेंट हैं जो लड़कों के हॉस्टल, लड़कियों के हॉस्टल, और संकाय और स्टाफ अपार्टमेंट और विभिन्न विभागों और कार्यालयों के रूप में उपयोग किए जाते हैं। रहने वालों को गर्म पानी उपलब्ध कराने के लिए सभी हॉस्टल गीज़र से सुसज्जित हैं।

क्लासरूम, संगणक प्रयोगशाला, संकाय कमरे और संकायाध्यक्ष विद्यार्थी मामले के कार्यालय और संकायाध्यक्ष शैक्षणिक के कार्यालय सहित अच्छी तरह से निर्मित शैक्षणिक भवन परिसर में स्थित है। सिक्किम में पहला सुपरसंगणक "परम कंचनजंगा" भी शैक्षणिक भवन में स्थित है। इसके अलावा, संस्थान का प्रशिक्षण और स्थानन प्रकोष्ठ भी शैक्षणिक ब्लॉक में है। हाँलांकि, सुपरकम्प्यूटर केंद्र अब पुराना हो चुका है और इसके उन्नयन की आवश्यकता है। कक्षाओं को अब स्मार्ट कक्षाओं में परिवर्तित कर दिया गया है जो हीटर और प्रोजेक्टर जैसी सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

संस्थान के प्रशासनिक भवन को हाल ही में पुनर्निर्मित किया गया है और इसमें निदेशक कार्यालय और सचिवालय, कुलसचिव कार्यालय, संकायाध्यक्ष के कार्यालय, लेखा अनुभाग, सम्मेलन / बैठक कक्ष, परीक्षा कक्ष और एक रसोई कक्ष हैं। प्रशासनिक भवन से सटे एक केन्द्रीय भंडार एवं कनिष्ठ अभियन्ता जनपद व विद्युत के कार्यालय अब पूरी तरह कार्यात्मक हैं।



नामांकित छात्रों की संख्या को पूरा करने के लिए, दो पूर्वनिर्मित भवनों को छात्रावास के रूप में निर्मित किया गया था और लगभग तीन सौ चालीस छात्रों के लिए बोर्डिंग के रूप में कुशलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, छात्र संख्या में वृद्धि के कारण, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम अपने परिसर में सभी छात्रों को समायोजित करने में विफल रहता है और इसलिए, संस्थान ने रावंगला शहर में कई अच्छी तरह से निर्मित और अर्ध-सुसज्जित इमारतों को किराए पर लिया है और उन्हें छात्रावास के रूप में उपयोग कर रहा है।

पिछले वर्षों में संस्थान अपने प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए छात्रों को दूर के शिक्षण संस्थानों में भेजने हेतु विवश था क्योंकि संस्थान बुनियादी प्रयोगशाला सुविधाएं भी प्रदान करने में असमर्थ था। विदित है कि प्रयोगशालाएं किसी भी तकनीकी संस्थान के पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण अंग हैं, संस्थान में इस संदर्भ में कुछ नए शेड बनाए गए हैं और प्रयोगशाला सुविधाओं और कक्षाओं के लिए जगह की कमी की समस्या को कम करने के लिए अस्थायी परिसर में बिल्ड-अप स्थान को यथासंभव बढ़ाया गया है। मंत्रालय की इच्छानुसार, संस्थान की अध्ययन शाखाओं और विभागों में विविधता लाने के लिए यह अस्थायी व्यवस्था अभी भी अपर्याप्त हैं। अस्थायी परिसर संस्थान के विकास में बाधक है। संस्थान के लिए स्थायी परिसर की स्थापना इन दीर्घकालीन लंबित मुद्दों को हल करने के लिए एकमात्र व्यवहार्य समाधान है। अत्याधुनिक सुविधाओं और विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे के साथ एक स्थायी परिसर न केवल संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि मानव-पूँजी संसाधन निर्माण में भी सहायक होगा और हमारे छात्रों को विश्व नेतृत्व करने योग्य बनाएगा।

सिक्किम सरकार ने पूर्वी सिक्किम के खामडोंग के दुंग - दुंग ब्लॉक में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 100 एकड़ भूमि के आवंटन का आश्वासन दिया है। सिक्किम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने संस्थान को दिनांक 12 दिसंबर 2019 को अपने पत्र द्वारा भूमि के अधिग्रहण के लिए अपनी सहमति दी है। संस्थान भूमि की भौतिक प्राप्ति का इंतजार कर रहा है ताकि संस्थान तकनीकी शिक्षा को और अधिक सक्षम रूप में प्रदान कर सके और पूरी क्षमता के साथ देश के विकास में योगदान दे सकें, जो वर्तमान अस्थायी परिसर में संभव नहीं है। हालांकि, छात्रों के सीखने की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

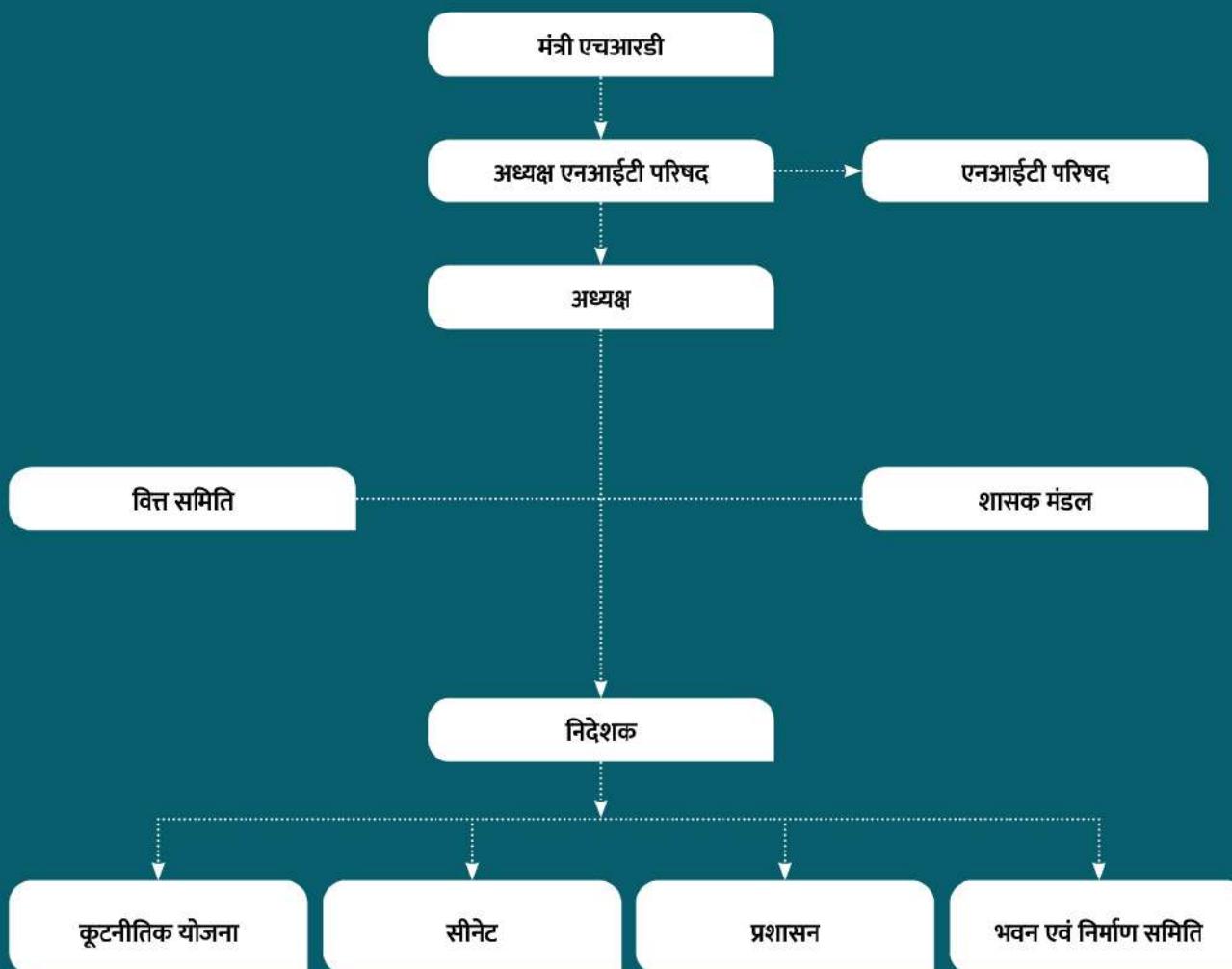
रावंगला शहर, परिसर से सिर्फ 2.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हालांकि, यहाँ बैंक, डाकघर और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की पेशकश करता है, लेकिन एक छोटा शहर होने के नाते, इसमें सीमित सुविधाएं और स्वास्थ्य देखभाल की बहुत कम सुविधाएं हैं। संस्थान प्राकृतिक और नैसर्गिक सुंदरता की प्रचुरता के साथ एक सुरम्य स्थान पर स्थित है। कंचनजंगा, माउंट पंडिम, माउंट, सिनिओल्चु, माउंट, काबरु, आदि प्रमुख पर्वत हैं जो रावंगला से स्पष्ट दिखाई देती हैं। ऊंचाई पर भिन्नता के कारण इस स्थान की जलवायु जटिल और अत्यंत विविध है। इसके अलावा, दूरस्थ दुर्गम स्थान और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे तथा अस्थायी परिसर होने के कारण संस्थान प्रबंधन को अनेक कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।



प्रशासन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम 2010 से भारत सरकार के अधीन संचालित एक स्वायत्त संस्थान है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान अधिनियम 2007 के अनुसार, संस्थान शासी मंडल द्वारा प्रशासित किया जाता है और निदेशक संस्थान का प्रमुख होता है। शासी मंडल में भारत सरकार, सिक्किम सरकार, उद्योगों, अन्य संस्थानों और संकाय के प्रतिनिधि हैं। निदेशक संस्थान के प्रथान शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं। उन्हें संकायाध्यक्ष द्वारा विभिन्न विभागों के प्रमुखों, प्रभारी प्राध्यापक, कुलसचिव और अन्य अधिकारियों एवं संस्थान की विभिन्न समितियों के प्रमुखों द्वारा दिन-प्रतिदिन के कार्यों में सहायता प्रदान की जाती है।

एनआईटी सिक्किम का प्रशासनिक पदानुक्रम



संस्थान छात्रों के सह-पाठ्यिक आवासीय और मनोरंजक गतिविधियों को प्रभावित करने के लिए विभिन्न समितियों, जैसे संस्थान कैटीन समिति, छात्र सहायता कल्याण समिति, छात्रावास और भोजनालय समिति आदि का प्रबंधन करने के लिए छात्रों को अवसर प्रदान करता है।

कोविड-19 महामारी के दौरान प्रमुख प्रशासनिक पहल

कोविड -19 वायरस (महामारी) जो पहली बार वुहान-चीन में देखी गयी थी, दुनिया भर में तेजी से फैल गयी, जिससे सम्पूर्ण विश्व तथा भारत में भी लोगों के दैनिक जीवन में एक शोकपूर्ण अवधि पैदा हुई। नोबल कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए, भारत सरकार द्वारा विभिन्न निवारक उपाय किए गए जैसे कि सामाजिक दूरी, मास्क पहनना और

अंत में देशव्यापी लॉकडाउन। जिससे, देश में दैनिक जीवन, स्वास्थ्य, उद्योग, वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और शैक्षिक प्रणाली की संरचना में मूलभूत प्रभाव पड़ा। वास्तव में, संपूर्ण शिक्षण-अधिगम, अनुसंधान और मूल्यांकन पद्धतियों में व्यापक परिवर्तन देखा गया है।

कोविड -19 महामारी के दौरान शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए उपाय

शिक्षा मंत्रालय ने कोविड-19 के विषय में जनता को शिक्षित करने के लिए महामारी के दौरान कोविड-19 के उचित व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। जैसे यूट्यूब, ऑल इंडिया रेडियो, दूरदर्शन और सरकारी वेबसाइटों आदि के माध्यम से मास्क पहनने, हाथ धोने, सोशल डिस्टेंसिंग, फिजिकल डिस्टेंसिंग के बारे में जागरूकता फैलाई। मंत्रालय द्वारा लिए गए अन्य पहल नीचे दिए गए हैं:

- पीएम ई-विद्या, जो शिक्षा के लिए मल्टी-मोड एक्सेस को सक्षम करने के लिए डिजिटल/ऑनलाइन/ऑन-एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को उपलब्ध करता है।
- दीक्षा (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग)
- टीवी चैनलों- स्वयं प्रभा टीवी चैनल के माध्यम से शिक्षा तक पहुंच
- स्वयं मूक्स -ओपन स्कूल और पूर्व शिक्षा सेवा के लिए
- श्रवण बाधित छात्रों के लिए सांकेतिक भाषा में एक डी.टी.एच चैनल संचालित किया जा रहा है। वृष्टिबाधित और श्रवण बाधित छात्रों

के लिए, डिजिटली एक्सेसिबल इंफार्मेशन सिस्टम (डेज़ी) और सांकेतिक भाषा में अध्ययन सामग्री विकसित की गई है; जो एन आई ओ एस वेबसाइट / यूट्यूब पर उपलब्ध हैं।

- ई-पाठ्यपुस्तकों तैयार की गई और संचारित की गई।
- नेशनल रिपोजिटरी ऑफ ओपन एजुकेशनल रिसोर्स्स (एनआरओईआर)
- कोविड-19 में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए आत्मनिर्भर भारत के तहत मनोदर्पण अभियान लांच किया गया है।

एन आई टी सिक्किम में कोविड-19 संबंधित पहल

देश के उच्च शिक्षा प्रणाली भी मौजूदा परिस्थितियों के प्रभाव से बची नहीं है और वास्तव में महामारी के दौरान सबसे बुरी तरह प्रभावित प्रणालियों में से एक है। महामारी से उत्पन्न इन परिस्थितियों ने ना केवल उच्च शिक्षा संस्थानों के सामान्य कामकाज को बाधित किया है, बल्कि छात्रों के मन में उनके भविष्य और कॉर्पोरेट्स और उद्योगों के साथ उनकी नौकरी की विश्वसनीयता के बारे में संदेह पैदा किया है। हालांकि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अपने दृष्टिकोण के साथ अटूट और अडिंग रहा है। इसलिए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने महामारी के दौरान शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए एक अनुकूल और परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। महामारी का मुकाबला करने और कोविड -19 मुक्त भविष्य सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम द्वारा कुछ प्रमुख पहल इस प्रकार हैं:

मार्च 2020 के लॉकडाउन के बाद केंद्र सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर एकत्र होने वाले लोगों की संख्या को सीमित करने के उपायों को लागू करना शुरू कर दिया। इन उपायों ने देश के प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान के सामान्य कामकाज को बाधित कर दिया है। हालांकि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम देश में महामारी के प्रसार को रोकने के लिए सभी आवश्यक निर्णय ले रहा है। उच्च शिक्षा संस्थान के वास्तविक मूल्यों को बनाए रखने के लिए सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संस्थान ने एक ऑनलाइन मोड में काम करना शुरू किया है। ताकि संस्थान की सभी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियाँ प्रभावित न हों:

- देश में महामारी के प्रकोप के बीच छात्रों को छात्रावास खाली करने का निर्देश दिया गया और उन्हें संस्थान परिसर से उनके घर तक के यात्रा के दौरान संस्थान के संकाय प्रभारी, वार्डन और कर्मचारीओं द्वारा सहायता प्रदान की गई।
- यूजीसी और मन्त्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार महामारी के दौरान परीक्षा और शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित छात्रों की शिकायतों का निवारण करने के लिए एक कोविड-सेल की स्थापना की गई है। इस समिति के सदस्य इस प्रकार से हैं:

| | |
|---------------------|---------|
| डीन अकादमिक | अध्यक्ष |
| डीन छात्र कल्याण | सदस्य |
| एसोसिएट डीन अकादमिक | सदस्य |
| सभी विभाग प्रमुख | सदस्य |

- संस्थान के कर्मचारियों ने कोविड-19 महामारी से निपटने में राष्ट्र की मदद करने के लिए कोविड राहत कोष में उदारतापूर्वक दान दिया।

पीएम-केर्यसंकड़ - रु 2,45,485/- (रुपये दो लाख पैंतालीस हजार चार सौ अस्सी-पांच मात्र)

सीएम-फंड - रु 4,51,000 (रुपये चार लाख इक्यावन हजार मात्र)

- संस्थान के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट गतिविधियों को विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेरोकटोक जारी रखा गया है। मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग के कुछ छात्रों को छोड़कर तीसरे वर्ष के तकनीकी स्रातक और अंतिम वर्ष के तकनीकी स्रातकोत्तर छात्रों को दी जाने वाली लगभग सभी इंटर्नशिप को ऑनलाइन इंटर्नशिप में परिवर्तित कर दिया गया। संस्थान को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि किसी भी भर्तीकर्ता ने महामारी के कारण छात्रों को दिए गए किसी भी नौकरी के प्रस्ताव को वापस नहीं लिया है।
- देशव्यापी लॉकडाउन के कारण संकाय और स्टाफ सदस्यों को घर से काम करने का निर्देश दिया गया था।
- 2020-21 सत्र के प्रथम वर्ष के प्रौद्योगिक स्रातक और तकनीकी स्रातकोत्तर के छात्रों के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया को पूरा किया गया है और 1 दिसंबर 2020 से ऑनलाइन कक्षाएं प्रारम्भ की गयी हैं।
- छात्रों को ऑनलाइन सीखने के तरीके अनुकूल बनाने में मदद करने के लिए मेंटर-मेंटी परामर्श प्रणाली लागू की गई है।
- महामारी के कारण प्रथम सेमेस्टर प्रौद्योगिक स्रातक कार्यक्रम के शैक्षिक कैलेंडर को संशोधित किया गया और सीनेट द्वारा अनुमोदित किया गया है।
- शासक मंडल से मंजूरी लेने के बाद सभी छात्रों के लिए इवन सेमेस्टर 2020-21 के लिए छात्रावास शुल्क पूरी तरह से माफ कर दिया गया और केवल संस्थान शुल्क लिया गया है।
- महामारी की स्थिति में छात्रों को होने वाली कठिनाई को देखते हुए इवन सेमेस्टर (जनवरी-जून 2020-21) के बैकलॉग विषयों वाले छात्रों के लिए पंजीकरण शुल्क भी पूरी तरह से माफ कर दिया गया है।
- अधिकांश छात्र गांवों से हैं और गांवों में अपेक्षाकृत खराब आईटी। इंफ्रास्ट्रक्चर फ्रेमवर्क को ध्यान में रखते हुए: संकाय सदस्यों को व्याख्यान नोट्स, असाइनमेंट, लाइव ऑनलाइन कक्षाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग आदि साझा करने के लिए भी कहा गया है। छात्रों को NPTEL, NDL, INFLIBNET, MOOCs, आदि का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।
- अधिकांश प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन शिक्षा मंत्रालय के वर्चुअल प्रयोगशाला प्लेटफॉर्म का उपयोग करके पूरा किया गया।
- संस्थान का तीसरा दीक्षांत समारोह 7 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया। प्रौद्योगिक स्रातक और प्रौद्योगिक स्रातकोत्तर 2018 और 2019 और एम एस सी 2019 पास आउट छात्र को विभिन्न पदक और डिग्रियां प्रदान की गईं। इसके अलावा दीक्षांत समारोह के दौरान तीन (03) पी.एच.डी. डिग्री भी प्रदान की गईं।



- संस्थान ने कई संकाय विकास कार्यक्रम/ कार्यशालाएं/ अल्पकालिक पाठ्यक्रम/ वेबिनार आयोजित किए।
- कोविड -19 उपयुक्त मानकों का पालन करते हुए संस्थान ने अपनी सभी वैधानिक बैठकों का आयोजन ऑनलाइन मोड में किया। शासक मंडल, वित्त समिति, भवन और कार्य समिति की बैठकें, आदि सभी ऑनलाइन मोड में संपन्न हुईं।
- संस्थान ने छात्रों के करियर की संभावनाओं पर महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए ऑनलाइन मोड में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया। इसका विवरण इस प्रतिवेदन के प्लेसमेंट अनुभाग में पाया जा सकता है।
- सभी हितधारकों के लिये समर्थन और प्रभावी दूरदर्शिता की मदद से संस्थान में आज तक कोई भी कोविड-19 संक्रमित नहीं है। संस्थान को यह बताते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि ऑनलाइन मोड में बदलते हुए शैक्षणिक और अनुसंधान प्रणाली गतिविधियों में बाधा नहीं आई।

शासी मंडल एवं अन्य समितियाँ

शासी मंडल

आचार्य महेश चन्द्र गोविल
निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
पदेन सदस्य-सह-अध्यक्ष
रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: direc-tor@nitsikkim.ac.in
govilmc@gmail.com

श्री जी. पी. उपाध्याय
सदस्य
भारतीय प्रशासनिक सेवा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग, सिक्किम सरकार
ईमेल: gpupadh-yaya@gmail.com

श्री उगेन चोपेल
सदस्य
राज्य नामित
ईमेल: ugyen-chopel@gmail.com

आचार्य चंदन महंत
सदस्य
संकायाध्यक्ष, छात्र मामले, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी
ईमेल: chandan@iitg.ernet.in

डॉ. धनंजय त्रिपाठी
सदस्य, सहायक आचार्य
मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: dhananjaystripathi9@nitsikkim.ac.in

डॉ. रंजन बसाक
सदस्य, सहायक आचार्य
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: basakran-jan@nitsikkim.ac.in

संयुक्त सचिव या
उनके नामित माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
Email: nit.edu@nic.in

संयुक्त सचिव और
वित्तीय सलाहकार, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
ईमेल: jsfa.edu@gov.in

डॉ. अचिंतेश एन. विश्वास
सचिव
कुलसचिव (प्रभारी) और सचिव, शासी मंडल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: registrar@nitsikkim.ac.in

वित्त समिति

आचार्य महेश चन्द्र गोविल

निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
सिक्किम, पर्देन, सदस्य-सह-अध्यक्ष
रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: director@nitsikkim.ac.in
govilmc@gmail.com

श्री जी. पी. उपाध्याय

बीओजी नॉमिनी
भारतीय प्रशासनिक सेवा, अतिरिक्त¹
मुख्य सचिव, मानव संसाधन विकास
विभाग, सिक्किम सरकार
ईमेल: gpupadhy-yaya@gmail.com

डॉ. धनंजय त्रिपाठी

बीओजी नॉमिनी, सहायक आचार्य
मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग,
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: dhananjaytripathi9@
nitsikkim.ac.in

संयुक्त सचिव या उनके नामित
माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110 001
ईमेल: nit.edu@nic.in

संयुक्त सचिव और वित्तीय
सलाहकार, माध्यमिक और उच्च
शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास
मंत्रालय, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110 001
ईमेल: jsfa.edu@gov.in

डॉ. अचिंतेश एन. विश्वास

कुलसचिव (प्रभारी) और सचिव, शासी
मंडल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
सिक्किम, रावंगला,
दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: registrar@nitsikkim.ac.in

भवन एवं निर्माण समिति

आचार्य महेश चन्द्र गोविल

निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
सिक्किम,
पर्देन, सदस्य-सह-अध्यक्ष
रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: director@nitsikkim.ac.in

श्री मनीष कुमार जिंदल

मुख्य अधिशासी अधिकारी, शिक्षा
एवं प्रशिक्षण राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड
(एन.ए.बी.ई.टी.)
ईमेल: man-ishjindal.hsbte@gmail.com

श्री राज कमल मित्तल

निदेशक (Trg. & Co-ord)
कॉलेज ऑफ मिलिट्री
इंजीनियरिंग, पुणे
ईमेल: rkmittal123@gmail.com

श्री रोडन थापा

मुख्य अभियंता, ऊर्जा एवं विद्युत
विभाग, सिक्किम सरकार
राज्य सरकार से इलेक्ट्रिकल
इंजीनियरिंग में विशेषज्ञ
(बीओजी द्वारा नामित)
ईमेल: rodanthapa@gmail.com

डॉ. अरबिंद पांडा

अधिष्ठाता प्रभारी
योजना और विकास, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी
संस्थान सिक्किम
ईमेल: dpd@nitsikkim.ac.in

डॉ. अचिंतेश एन. विश्वास

कुलसचिव (प्रभारी) और सचिव, शासी
मंडल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
ईमेल: regis-trar@nitsikkim.ac.in

अभिषद् के सदस्य

| क | निदेशक | |
|----|---|---------|
| | आचार्य महेश चन्द्र गोविल निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, पदेन अध्यक्ष | अध्यक्ष |
| ख. | बाह्य सदस्यगण: | |
| | आचार्य अद्रजीत गोस्वामी गणित विभाग, आईआईटी खड़गपुर | सदस्य |
| | आचार्य सुप्रिया अग्रवाल अग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय | सदस्य |
| | आचार्य ललित कुमार अवस्थी, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर | सदस्य |
| | आचार्य वीरेंद्र सिंह विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बाँस्के | सदस्य |
| ग | अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष, एनआईटी सिक्किम | सदस्य |
| घ | डॉ. अचिंतेश एन. विश्वास कुलसचिव (प्रभारी) और सचिव, शासी मंडल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान | सचिव |

कुलसचिव

डॉ. अचिंतेश एन. विश्वास

सहायक प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान विभाग,

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139

ईमेल: registrar@nitsikkim.ac.in

अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष

| | |
|--|----------------------------|
| • अधिष्ठाता (शैक्षणिक मामले) | डॉ. रंजन बसाक |
| • अधिष्ठाता (प्रशासन, संकाय एवं स्टाफ मामले) | डॉ. अचिंतेश नारायण बिश्वास |
| • अधिष्ठाता (संकाय कल्याण) | डॉ. एम डी नुरज़मन |
| • अधिष्ठाता (विद्यार्थी मामले) | डॉ. संग्राम राय |
| • अधिष्ठाता (शोध एवं परामर्श) | डॉ. अंजन कुमार रे |
| • अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास) | डॉ. अरबिंदा पांडा |
| • सह अधिष्ठाता (शैक्षणिक) | डॉ. अनिंद्य विश्वास |
| • सह अधिष्ठाता (विद्यार्थी मामले) | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| • विभागाध्यक्ष (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) | डॉ. प्रत्यय कुइला |
| • विभागाध्यक्ष (काणिकीय एवं संचार अभियांत्रिकी) | डॉ. संजय कुमार जाना |
| • विभागाध्यक्ष (विद्युत एवं काणिका अभियांत्रिकी) | डॉ. सौरभ मल्लिक |
| • विभागाध्यक्ष (पांत्रिकी अभियांत्रिकी) | डॉ. शम्भूनाथ बर्मन |
| • विभागाध्यक्ष (जनपद अभियांत्रिकी) | डॉ. अनिंद्य विश्वास |
| • विभागाध्यक्ष (गणित) | डॉ. ओम प्रकाश |
| • विभागाध्यक्ष (भौतिक विज्ञान) | डॉ. अनिंद्य विश्वास |
| • विभागाध्यक्ष (रसायन विज्ञान) | डॉ. तारकनाथ कुंडू |
| • विभागाध्यक्ष (मानविकी और समाज विज्ञान) | डॉ. धनंजय त्रिपाठी |

प्राध्यापक प्रभारी

| | |
|---|----------------------------|
| • पूर्व छात्र मामले एवं संसाधन सूजन | श्री मो. सरफराज आलम अंसारी |
| • सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारिक संरक्षन | डॉ. प्रत्यय कुम्हला |
| • ज्ञान, सूचना एवं शिक्षण सक्षमता | डॉ. रंजन बसाक |
| • पुस्तकालय | डॉ. अंजन कुमार रे |
| • परीक्षा नियंत्रक प्रभारी | डॉ. सौरभ मल्लिक |
| • भू-निर्माण, बागवानी और पर्यावरण संरक्षण | श्री नीलांजन दत्ता |
| • प्रकाशन और वेब सूचना प्रणाली | डॉ. धनंजय त्रिपाठी |
| • अध्यक्षा (महिला शिकायत प्रकोष्ठ) | सुश्री गोपा भौमिक |
| • खेल, क्रीड़ा और सांस्कृतिक गतिविधियाँ | डॉ. रवि श्रीवास्तव |
| • भारतीय भाषा एवं संस्कृति संवर्धन | डॉ. धनंजय त्रिपाठी |
| • प्रशिक्षण एवं नियोजन क्रियाकलाप | डॉ. धनंजय त्रिपाठी |
| • स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| • अध्यक्ष - नवाचार प्रकोष्ठ | डॉ. अंजन कुमार रे |
| • अध्यक्ष अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ | सुश्री गोपा भौमिक |
| • भंडार एवं क्रय क्रियाकलाप | डॉ. तारकनाथ कुंडू |
| • वाहन एवं परिवहन प्रबंधन क्रियाकलाप | डॉ. सौरभ मल्लिक |
| • सामुदायिक विकास एवं जागरूकता क्रियाकलाप | डॉ. शम्भूनाथ बर्मन |
| • निर्माण एवं अनुरक्षण क्रियाकलाप | श्री. देबाशीष राय |
| • विद्युत एवं ऊर्जा संरक्षण प्रयत्न पहल | डॉ. प्रदीप कुमार |

संकाय एवं स्टॉफ विवरण

संस्थान में उच्च योग्यताधारी, समर्पित, ख्याति प्राप्त और पूर्ण रूप से प्रशिक्षित संकाय सदस्य हैं। संकाय के 90% से अधिक सदस्य विभिन्न विषयों में विद्या वाचस्पति उपाधि धारक हैं। संस्थान धीरे-धीरे देश भर के मेधावी युवाओं को आकर्षित करके उत्तर-पूर्व क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान छात्रों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है और मंत्रालय द्वारा निर्धारित मौजूदा मानदंडों के अनुसार, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान को 12: 1 का छात्र-संकाय अनुपात बनाए रखना है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम में वर्तमान छात्रों की संख्या (विद्या वाचस्पति छात्रों को छोड़कर 960) के अनुसार, संकाय सदस्यों की कुल संख्या अस्सी (80) होनी चाहिए। वर्तमान में, केवल 38 संकाय पदों को शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है और 26 संकाय सदस्यों के साथ वर्तमान छात्र - संकाय अनुपात 37 : 1 है।

छात्रों की न्यूनतम आवश्यकता को पूरा करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा कम से कम 42 अतिरिक्त संकाय पदों के संकाय अनुपात को मंजूरी दी जानी है। अस्थायी परिसर में सुविधाओं की कमी के कारण, संस्थान को भर्ती में समस्याओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को संस्थान में बनाए रखने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यह अत्यंत विचारणीय है कि कई संकाय सदस्यों ने पहले ही खराब सुविधाओं एवं अन्य असुविधाओं के कारण इस्तीफा दे दिया है जैसे कि समुचित आवास सुविधा का अभाव, चिकित्सा सुविधा की कमी, स्कूलों और अन्य बुनियादी आवश्यक सेवाओं का अभाव आदि। संकाय सदस्यों की कमी की समस्या को हल करने के लिए अतिरिक्त संकाय सदस्यों की भर्ती की नियोजना की गई है। इन अपरिहार्य समस्याओं के बावजूद, संस्थान ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं छोड़ी है, इसलिए संस्थान की वृद्धि और स्थायी परिसर की समस्या के समाधान में और अधिक संभावनाओं को देखते हुए (संस्थान इस वर्ष स्थाई परिसर प्राप्त करने के लिए अत्यधिक आशान्वित है), अतिरिक्त संकाय पदों की स्वीकृति वांछनीय है। अतिरिक्त संकाय पदों को स्वीकृति देने के लिए कई अनुरोध शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को भेजे गए हैं, ताकि संस्थान सुचारू रूप से कार्य कर सके।

| कैडर | चार स्तरीय कैडर नियमों के अनुसार स्वीकृत पदों की संख्या | वर्तमान संकाय |
|------------------|---|---------------|
| सहायक प्राध्यापक | 22 | 26 |
| सह प्राध्यापक | 11 | 00 |
| प्राध्यापक | 05 | 00 |
| कुल | 38 | 26 |

संकाय सदस्यों की सूची

| क्रमांक | नाम | विभाग |
|---------|----------------------------|--------------------------------|
| 1 | आचार्य महेश चन्द्र गोविल | |
| 2 | डॉ. संग्राम राय | |
| 3 | डॉ. प्रत्यय कुइला | |
| 4 | मो. सरफराज आलम अंसारी | |
| 5 | सुश्री गोपा भौमिक | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी |
| 6 | श्री बन्वध बालाजी नाइक | |
| 7 | श्री तरुण विश्वास | |
| 8 | श्री पंकज कुमार केसरवानी | |
| 9 | डॉ. संजय कुमार जाना | |
| 10 | डॉ. हेमत कुमार कथानिया | काणिकीय और संचार अभियांत्रिकी. |
| 11 | डॉ. सुरजीत कुडू | |
| 12 | सुश्री रेशमी धारा | |
| 13 | डॉ. अंजन कुमार रे | |
| 14 | डॉ. सौरव मल्लिक | |
| 15 | डॉ. अरबिंद पांडा | विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी |
| 16 | डॉ. प्रदीप कुमार | |
| 17 | श्री मलय राय | |
| 18 | डॉ. शंभू नाथ बर्मन | यांत्रिकी अभियांत्रिकी |
| 19 | डॉ. रंजन बसाक | |
| 20 | डॉ. रवि श्रीवास्तव | |
| 21 | डॉ. ओम प्रकाश | गणित |
| 22 | डॉ. एम. नुरुज्जमन | |
| 23 | डॉ. अनिद्य विश्वास | भौतिक विज्ञान |
| 24 | डॉ. तारक नाथ कुडू | |
| 25 | डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास | रसायन विज्ञान |
| 26 | डॉ. सुमित साहा | |
| 27 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी | मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान |

इसके अतिरिक्त, संस्थान के मूलभूत/आवश्यक ढांचे और शिक्षा व प्रशासन दोनों से सम्बन्धित गतिविधियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। अधिकारी के कैडर में अस्थायी / तदर्थ कर्मचारियों के साथ काम करना भविष्य में कई चुनौतियों को आमंत्रित कर सकता है और संस्थान के उचित कामकाज में बाधा डाल सकता है। कर्मचारियों की अपर्याप्त संख्या के कारण संस्थान में समुचित सेट-अप का अभाव है। यह लेखा, अवसंरचना, शिक्षाविदों, भण्डारण और खरीद आदि जैसे महत्वपूर्ण वर्गों को भी नुकसान पहुंचाता है। इसलिए, संस्थान के उचित कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए, संस्थान ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को बार-बार विस्तृत रूप से नीचे दिए गए कम से कम इक्यावन (51) अतिरिक्त गैर-शिक्षण पदों को मंजूरी देने के लिए अनुरोध भेजा है। वर्तमान स्वीकृत संख्या केवल सैंतीस (37) है।

| क्रमांक | कैडर | स्वीकृत पद |
|---------|--|------------|
| 1 | कुलसचिव | 01 |
| 2 | उप कुलसचिव | 00 |
| 3 | सहायक कुलसचिव | 01 |
| 4 | पुस्तकालयाध्यक्ष | 00 |
| 5 | उप पुस्तकालयाध्यक्ष | 00 |
| 6 | सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष | 01 |
| 7 | वरिष्ठ विद्यार्थी क्रियाकलाप एवं क्रीड़ा अधिकारी / सहायक अभियंता | 00 |
| 8 | विद्यार्थी क्रियाकलाप एवं क्रीड़ा अधिकारी | 00 |
| 9 | वैज्ञानिक अधिकारी / तकनीकी अधिकारी | 01 |
| 10 | अधिशासी अभियंता | 01 |
| 11 | चिकित्साधिकारी | 00 |
| 12 | तकनीकी सहायक / कनिष्ठ इंजीनियर / एसएएस सहायक / नर्स | 09 |

| क्रमांक | कैडर | स्वीकृत पद |
|---------|---|------------|
| 13 | अधीक्षक / लेखाकार | 03 |
| 14 | निजी सहायक | 00 |
| 15 | तकनीशियन / प्रयोगशाला सहायक / कार्य सहायक | 10 |
| 16 | वरिष्ठ तकनीशियन | 00 |
| 17 | वरिष्ठ सहायक | 00 |
| 18 | कनिष्ठ सहायक | 05 |
| 19 | आशुलिपिक | 01 |
| 20 | फार्मासिस्ट | 00 |
| 21 | बहुउद्देशीय कर्मचारी | 04 |
| | | कुल 37 |

स्टॉफ सदस्यों की सूची

| क्रमांक | नाम | पदनाम |
|---------|-------------------------------|--|
| 1 | श्री बापी मंडल | कनिष्ठ सहायक, निदेशक कार्यालय |
| 2 | श्री राम प्रसाद नेपाल | सहायक कुलसचिव |
| 3 | श्रीमती निशिता छेत्री | कनिष्ठ सहायक, कुलसचिव कार्यालय |
| 4 | श्री भरत प्रधान | कनिष्ठ सहायक, लेखा अनुभाग |
| 5 | श्री राहुल कुमार ब्यहुत | लेखाकार |
| 6 | सुश्री चन्द्र कुमारी राय | लेखाकार |
| 7 | सुश्री क्षिरिंग ज़ंगमो भूटिया | कनिष्ठ सहायक, अधिष्ठाता (प्रभारी) विद्यार्थी मामले कार्यालय |
| 8 | सुश्री सोनम चोडेन तमांग | बहुउद्देशीय कर्मचारी, अधिष्ठाता (प्रभारी) अकादमिक मामले कार्यालय |
| 9 | श्रीमती पूनम सिंह | बहुउद्देशीय कर्मचारी, एफआईसीएमए कार्यालय |
| 10 | श्रीमती चन्द्रमा मजूमदार | तकनीशियन, जैव विज्ञान |
| 11 | श्री तपन छेत्री | प्रयोगशाला तकनीशियन, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी |
| 12 | श्री अमित तमांग | तकनीकी सहायक, काणिकीय एवं संचार अभियांत्रिकी |
| 13 | श्री सिद्धार्थ प्रधान | प्रयोगशाला सहायक, कणिका एवं संचार अभियांत्रिकी |
| 14 | सुश्री दीपिका छेत्री | तकनीकी सहायक, विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी |
| 15 | श्री मनीष कुमार | प्रयोगशाला तकनीशियन, विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी |
| 16 | श्री अमित मैती | तकनीशियन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी |
| 17 | श्री भास्कर भट्टराई | कनिष्ठ अभियन्ता / तकनीकी सहायक (जनपद) |
| 18 | श्री रेवा नाथ शर्मा | कनिष्ठ अभियन्ता / तकनीकी सहायक (जनपद) |
| 19 | श्री अमृत शर्मा | कनिष्ठ अभियन्ता, (विद्युत) |
| 20 | सुश्री चंदा मोक्तन | तकनीशियन, जनपद अभियांत्रिकी |
| 21 | श्री सुभो दास | तकनीकी सहायक, जनपद अभियांत्रिकी |
| 22 | सुश्री. सहेली साहा | कनिष्ठ अभियन्ता, जनपद |
| 23 | श्री सुमन पाठक | प्रयोगशाला सहायक, रसायन विज्ञान विभाग |
| 24 | श्री हैप्पी मंडल | प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान विभाग |

शैक्षणिक कार्यक्रम





1. शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान पांच विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम अर्थात् प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.), अभियांत्रिकी और विज्ञान के विशेष क्षेत्रों में दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम अर्थात् प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम.टेक.) और विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एससी.) की उपाधि प्रदान करता है। इसी प्रकार, अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी/विज्ञान/मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में पूर्णकालिक/अंशकालिक अनुसंधान कार्यक्रम अर्थात् विद्या वाचस्पति की उपाधि भी प्रदान की जाती है।

सारणी-1: विभागवार कार्यक्रमों की प्रस्तुति

| क्र.सं. | विभाग | स्नातक कार्यक्रम | स्नातकोत्तर कार्यक्रम | पी.एच.डी. कार्यक्रम |
|---------|--|---|--|--|
| 1 | जनपद अभियांत्रिकी | जनपद अभियांत्रिकी में स्नातक | | |
| 2 | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में स्नातक | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति |
| 3 | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में स्नातक | माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और बीएलएसआई डिजाइन में स्नातकोत्तर | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति |
| 4 | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में स्नातक | विद्युतीय अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पॉवर एंड इलेक्ट्रिक ड्राइव्स) में स्नातकोत्तर | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति |
| 5 | यांत्रिक अभियांत्रिकी | यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातक | | यांत्रिक अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति |
| 6 | रसायन विज्ञान | | रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर | रसायन विज्ञान में विद्या वाचस्पति |
| 7 | गणित | | | गणित में विद्या वाचस्पति |
| 8 | भौतिक विज्ञान | | | भौतिक विज्ञान में विद्या वाचस्पति |
| 9 | मानविकी और सामाजिक विज्ञान | | | अंग्रेजी/अर्थशास्त्र में विद्या वाचस्पति |

संस्थान के ये सभी कार्यक्रम सीनेट द्वारा नियोजित एवम् पर्यवेक्षित हैं। सीनेट संस्थान का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है। सीनेट को सीनेट की स्थायी समिति (एसएससी), सीनेट स्नातक समिति (एसयूजीबी), और सीनेट स्नातकोत्तर समिति (एसपीजीबी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जो सीनेट के निर्णयों को लागू करने में भी मदद करते हैं। सीनेट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के परामर्श से विभागों द्वारा कार्यक्रमों की समय समय पर समीक्षा की जाती है। विशेषज्ञ समिति कार्यक्रमों, पाठ्यक्रम मूल्यांकन प्रक्रिया आदि की समीक्षा करती है। सभी दिशा-निर्देश और कार्यक्रमों का मूल्यांकन अंग्रेजी में किया जाता है। सभी शैक्षणिक गतिविधियाँ सीनेट द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक पंचांग के अनुसार ही निष्पादित की जाती हैं।

कोविड-19 महामारी की अभूतपूर्व शुरुआत के कारण, सीनेट ने छात्रों और शिक्षण बिरादरी के हित में सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए शैक्षणिक सत्र 2020-21 को ऑनलाइन माध्यम से शुरू करने का निर्णय लिया है। मौजूदा छात्रों के लिए विषम सेमेस्टर समय पर शुरू हुआ जबकि केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड (सीएसबी) 2020 के माध्यम से प्रवेश में बिलंब के कारण नए प्रवेश में सामान्य स्थिति की तुलना में चार माह की देरी हुई। जूम, गूगल मीट, स्काइप आदि ऑनलाइन माध्यमों से पाठ्यक्रमों का प्रसार एवं मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित रणनीति को नियोजित किया गया:

| अंग | विवरण | अधिकतम अंक |
|---------------|--|------------|
| असाइनमेंट्स | प्रत्येक इकाई से कम से कम एक असाइनमेंट दिया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि असाइनमेंट सभी इकाइयों को सम्मानित करता हो और उसमें संख्यात्मक/आंकिक प्रश्न शामिल हो। | पच्चीस |
| मौखिक परीक्षा | फोन/स्काइप के माध्यम से पाँच से दस मिनट के बीच प्रश्न पूछने के लिए क्रमशः प्रथम पचास प्रतिशत और शेष पचास प्रतिशत पाठ्यक्रम से दो मौखिक परीक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए। | बीस |

| अंग | विवरण | अधिकतम अंक |
|---------------------------|--|------------|
| ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार-1) | वस्तुनिष्ठ प्रश्न, रिक्त स्थानों की पूर्ति, संक्षिप्त उत्तर प्रकार जैसे प्रश्न बनाए जाएंगे और परीक्षा किसी भी ऑनलाइन माध्यमों से आयोजित की जाएगी। पंद्रह/बीस मिनट की दो ऐसी परीक्षाएं आयोजित की जाएगी जिसमें प्रथम परीक्षा प्रथम पचास प्रतिशत पाठ्यक्रम से तथा द्वितीय परीक्षा शेष पचास प्रतिशत पाठ्यक्रम से ली जाएगी। | बीस |
| ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार-2) | दीर्घ उत्तरीय प्रश्न/निबंध प्रकार, आंकिक प्रश्न (यदि संभव हो) सेट किए जाएंगे और किसी भी ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। साठ- एक सौ बीस मिनट की एक ऐसी परीक्षा पूरे पाठ्यक्रम से आयोजित की जाएगी। छात्र प्रश्न पत्र हल करने के बाद अपने समाधान/हल किसी भी ऑनलाइन माध्यम से भेजेंगे। | पच्चीस |
| रिपोर्ट | प्रत्येक पाठ्यक्रम से एक विषय पर रिपोर्ट, जिसमें हालिया तकनीक पर प्रगति शामिल हो। रिपोर्ट की न्यूनतम शब्द सीमा पांच सौ होनी चाहिए। छात्रों को पाठ्यक्रम समन्वयक के परामर्श से ही उस पाठ्यक्रम से विषय का चयन करना होगा और रिपोर्ट बनाने के बाद पाठ्यक्रम प्रशिक्षक को भेजना होगा। (बेहतर समन्वय के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक छात्रों को उसकी क्षमता के अनुसार विषय प्रदान करेंगे।) | दस |

ये सभी निर्णय छात्रों को किसी भी प्रकार के शैक्षणिक नुकसान से बचाने और संस्थान के छात्रों और शिक्षण संकाय के हित को प्राथमिकता देने के लिए किए गए।

छात्रों के संचार कौशल को बढ़ाने और निपुण करने के लिए 2018 में मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा प्रोफेशनल प्रैक्टिस (अंग्रेजी) "नामक एक ऑडिट पाठ्यक्रम लागू किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप सभी विभागों में अनुवर्ती सेमेस्टरों में छात्रों के परिणामों में सकारात्मक बदलाव आए और प्लेसमेंट ड्राइव में भी बेहतर प्रदर्शन देखा गया। यह उल्लेख करना अनिवार्य है कि 2018 में पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम को शामिल करने के बाद से संस्थान के समग्र प्लेसमेंट रिकॉर्ड में लगातार वृद्धि देखी गई है।

प्रवेश प्रक्रिया

• प्रोद्योगिकी स्नातक (बी. टेक.)

स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश, केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों(सीएफटीआईएस)/राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) के लिए भारत सरकार की सामान्य नीति के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई मेन) के योग्यता के आधार पर किया जाता है। सीटें संयुक्त सीट आवंटन प्रक्रिया (जोसा)/सीएसएबी) द्वारा आवंटित की जाती है जिसमें सिविकम राज्य के गृह राज्य कोटे के तहत 50% तथा शेष 50% भारत सरकार द्वारा अन्य राज्यों के उम्मीदवारों से विशुद्ध रूप से जेईई मुख्य परीक्षा में भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई एक केंद्रीकृत परामर्श प्रणाली द्वारा तैयार रैंकिंग के आधार पर पूर्ण की जाती है। इसके अलावा, विदेशी नागरिकों के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित नीति (डीएएसए/आईसीसीआर, आदि) के तहत चयनित विदेशी नागरिकों/प्रवासी भारतीयों को सीधे कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रदान किया जाता है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग व्यक्ति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए सीटें आरक्षित हैं।

• प्रोद्योगिकी स्नातकोत्तर (एम.टेक.)

गेट उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए प्रोद्योगिकी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश एक सामान्य प्रवेश प्रक्रिया सेंट्रल काउंसिलिंग फॉर मास्टर्स ऑफ टेक्नोलॉजी (सीसीएमटी) के तहत किया जाता है। सरकारी संगठनों/उद्योग/केंद्रीय वित्त पोषित संस्थानों आदि से प्रायोजित उम्मीदवारों के लिए प्रवेश, एक परीक्षा/साक्षात्कार/गेट स्कोर के आधार पर उपलब्ध है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रायोजित उम्मीदवार छात्रवृत्ति प्राप्त करने के पात्र नहीं हैं, भले ही वे गेट में उत्तीर्ण हों। सीसीएमटी आवंटन के पश्चात् खाली बची सीटों को सीसीएमटी द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंड के अनुरूप संस्थान प्रवेश परीक्षा के माध्यम से भरा जाता है।

• विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एससी.)

विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश आईआईटी जैम स्कोर के आधार पर एनआईटी में विज्ञान स्नातकोत्तर के लिए केंद्रीकृत परामर्श की प्रक्रिया(सीसीएमएन) के माध्यम से किया जाता है। सीसीएमएन आवंटन के पश्चात् खाली बची सीटों को सीसीएमटी द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंड के अनुरूप संस्थान प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है।

• विद्या वाचस्पति कार्यक्रम (पीएच.डी.)

(नियमित/अंशकालिक/प्रायोजित) विद्या वाचस्पति कार्यक्रमों में प्रवेश संबंधित विभाग द्वारा आयोजित संस्थान स्तर के व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से किया जाता है।

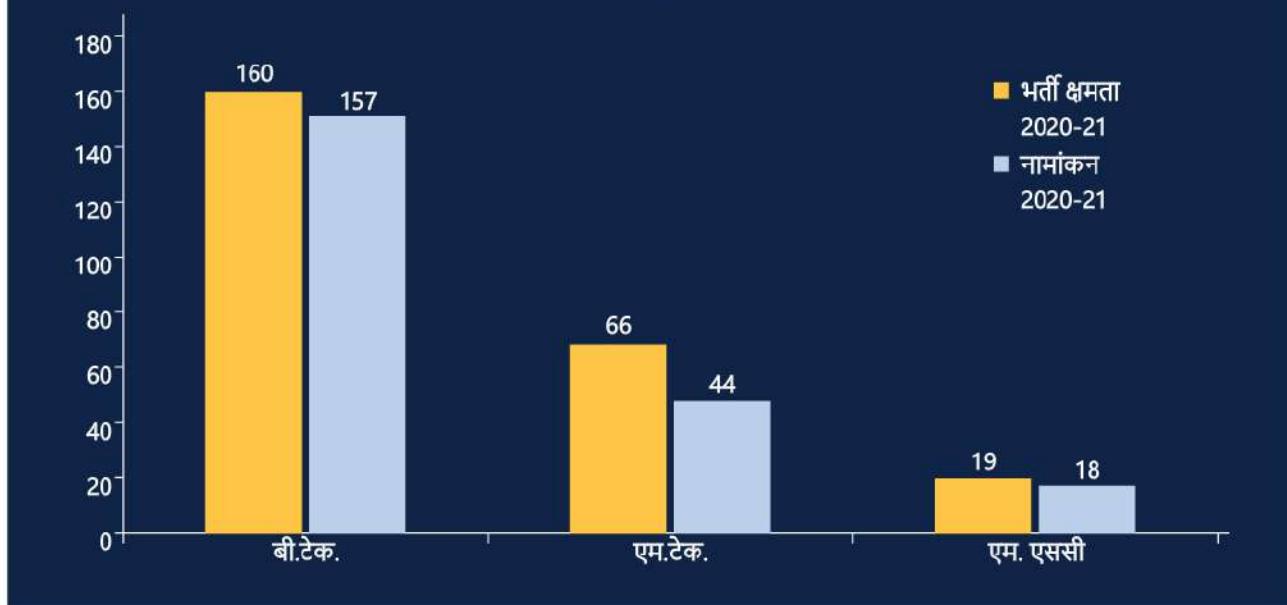
1.1. प्रवेश विवरण 2020-21

सारणी-2: शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में प्रवेश प्राप्त छात्र

| क्र. स. | विभाग | प्रौद्योगिकी सातक | | प्रौद्योगिकी सातकोत्तर | | विज्ञान सातकोत्तर | |
|---------|--|-------------------|-----------------|------------------------|-----------------|-------------------|-----------------|
| | | प्रवेश क्षमता | वास्तविक प्रवेश | प्रवेश क्षमता | वास्तविक प्रवेश | प्रवेश क्षमता | वास्तविक प्रवेश |
| 1 | जनपद अभियांत्रिकी | 30 | 29 | | | | |
| 2 | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | 40 | 41* | 22 | 10 | | |
| 3 | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी | 30 | 29 | 22 | 17 | | |
| 4 | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी | 30 | 29 | 22 | 17 | | |
| 5 | यांत्रिक अभियांत्रिकी | 30 | 29 | | | | |
| 6 | रसायन विज्ञान | | | | | 19 | 18 |
| | कुल | 160 | 157 | 66 | 44 | 19 | 18 |

नोट: कोविड-19 महामारी के कारण विद्या वाचस्पति कार्यक्रम में प्रवेश नहीं हुआ। एक उम्मीदवार (आईसीसीआर) प्रायोजित कोटा से प्रौद्योगिकी सातक कार्यक्रम में सम्मालित हुआ।

चार्ट -1: वर्ष 2020-21 में भर्ती संख्या एवं वास्तविक प्रवेश दर्शनीवाला चार्ट



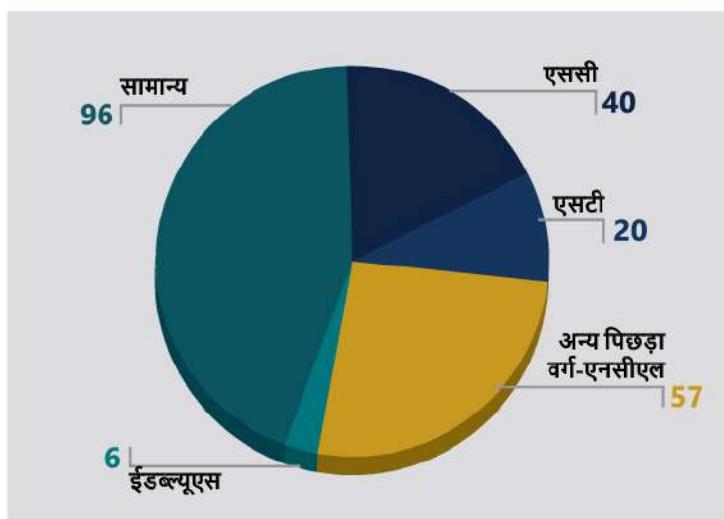
सारणी-3: शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में प्रवेश की श्रेणी और लिंगवार विवरण

| कार्यक्रम | विभाग | दो हजार बीस-इकोस में वास्तविक प्रवेश | श्रेणी | | | | | लिंग | | विशेष श्रेणी दिव्यांग | |
|-----------|-------|--------------------------------------|----------|----------|------------------|----------------------------|-----|------|-------|-----------------------|----|
| | | | अनु. जा. | अनु. जन. | अन्य पिछड़ा वर्ग | आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग* | सा. | कुल | पुरुष | महिला | |
| बी.टेक. | सीई | 30 | 04 | 05 | 13 | उपलब्ध नहीं | 07 | 29 | 23 | 06 | 00 |
| | सीएसई | 40 | 08 | 04 | 09 | उपलब्ध नहीं | 20 | 41 | 32 | 09 | 01 |
| | ईसीई | 30 | 06 | 03 | 06 | उपलब्ध नहीं | 14 | 29 | 22 | 07 | 01 |
| | ईईई | 30 | 05 | 03 | 05 | उपलब्ध नहीं | 16 | 29 | 22 | 07 | 00 |
| | एमई | 30 | 05 | 02 | 08 | उपलब्ध नहीं | 14 | 29 | 23 | 06 | 00 |

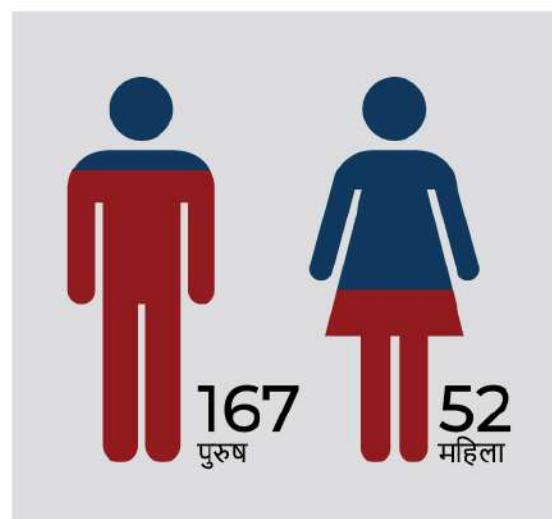
| कार्यक्रम | विभाग | दो हजार बीस-इक्कीस में वास्तविक प्रवेश | श्रेणी | | | | | | लिंग | | विशेष श्रेणी |
|-----------|---------------|--|----------|----------|------------------|----------------------------|-----|-----|-------|-------|--------------|
| | | | अनु. जा. | अनु. जन. | अन्य पिछड़ा वर्ग | आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग* | सा. | कुल | पुरुष | महिला | |
| एम.टेक. | सीएसई | 22 | 03 | 01 | 01 | 00 | 05 | 10 | 08 | 02 | 00 |
| | ईसीई | 22 | 03 | 01 | 04 | 03 | 06 | 17 | 13 | 04 | 00 |
| | ईईई | 22 | 03 | 01 | 06 | 01 | 06 | 17 | 14 | 03 | 00 |
| एम.एससी | रसायन शास्त्र | 19 | 03 | 00 | 05 | 02 | 08 | 18 | 10 | 08 | 00 |
| | कुल | 245 | 40 | 20 | 57 | 6 | 96 | 219 | 167 | 52 | 02 |

*वर्ष 2020-21 में प्रोद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के आरक्षण पर विचार नहीं किया गया क्योंकि इससे नए राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थानों को छूट दी गई है।

चार्ट-2: वर्ष 2020-21 में प्रवेश का श्रेणीवार विवरण



चार्ट-3: वर्ष 2020-21 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का लिंग वितरण



चार्ट -4: विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के तरीके

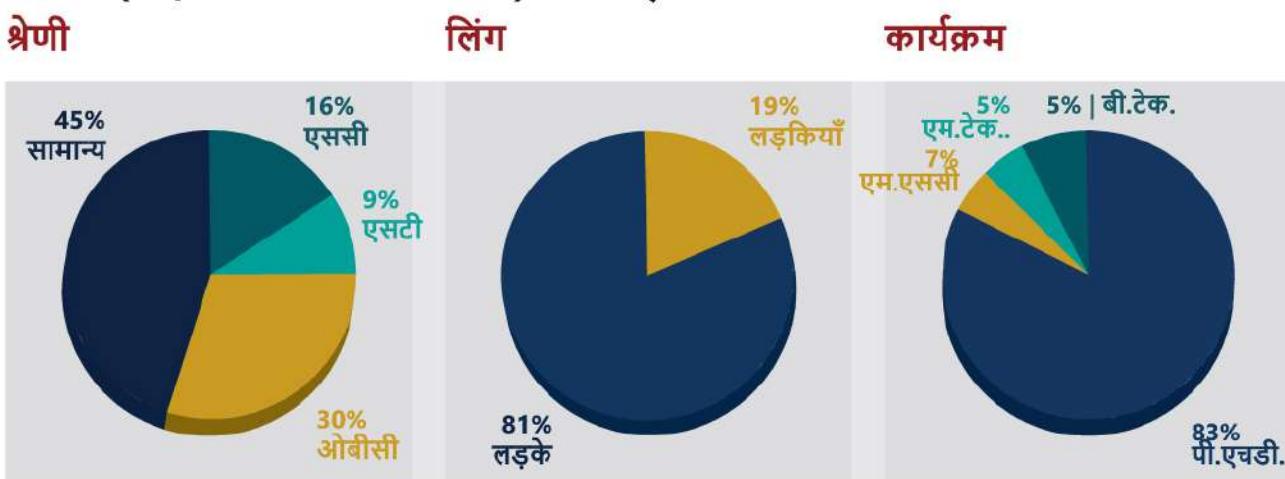


1.2 वर्ष 2020-21 में नामांकित कुल छात्र

सारणी-4: 2020-21 के दौरान छात्रों की सामूहिक शक्ति

| कार्यक्रम | दिव्यांग | | | | दिव्यांग | | | दिव्यांग |
|------------|------------|-----------|------------|------------|------------|------------|------------|----------|
| | एससी | एसटी | ओबीसी | सामान्य | कुल | महिला | पुरुष | |
| बी.टेक. | 136 | 86 | 241 | 345 | 808 | 668 | 140 | 8 |
| एम.टेक. | 11 | 3 | 14 | 37 | 65 | 54 | 11 | 0 |
| एम. एससी | 4 | 1 | 17 | 22 | 44 | 22 | 22 | 0 |
| पी.एचडी. | 4 | 2 | 18 | 29 | 53 | 40 | 13 | 0 |
| कुल | 155 | 92 | 290 | 433 | 970 | 784 | 186 | 8 |

चार्ट-5: (वर्ग, लिंग और कार्यक्रम वार) परसेंटेज़िल में छात्रों का वितरण



1.3. शैक्षणिक कैलेंडर

शैक्षणिक कैलेंडर इसी तरह से तैयार किया जाता है कि छात्रों के सभी पाठ्यक्रम, सह- पाठ्यचर्चा और अन्य संबंधित गतिविधियाँ/ कार्यक्रम पूरे सत्रार्ध काल में अच्छी तरह से वितरित हो।

शैक्षणिक कार्यालय द्वारा तैयार शैक्षणिक कैलेंडर, सीनेट द्वारा अनुमोदित होता है। 2020-21 के शैक्षणिक सत्र के लिए शैक्षणिक कैलेंडर की प्रमुख गतिविधियाँ हैं:

सारणी-5: विषम सत्रार्ध 2020-21 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर

| क्र. स. | गतिविधियाँ | प्रौद्योगिकी सातक (द्वितीय, चतुर्थ वर्ष), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर और विज्ञान सातकोत्तर (द्वितीय वर्ष) | प्रौद्योगिकी सातकोत्तर और विज्ञान सातकोत्तर (प्रथम वर्ष) | प्रौद्योगिकी सातक (प्रथम वर्ष) |
|---------|---|--|--|--|
| 1 | अभिविन्यास/प्रेरण कार्यक्रम | | एक अक्टूबर, दो हजार बीस | तीस नवंबर से पांच दिसंबर, दो हजार बीस |
| 2 | कक्षाओं का प्रारंभ | तीन अगस्त, दो हजार बीस | तीन अक्टूबर, दो हजार बीस | सात दिसंबर, दो हजार बीस |
| 3 | प्रथम ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार-1) एवं प्रथम मौखिक परीक्षा | सात से नौ सितंबर, दो हजार बीस | नौ - ग्यारह नवंबर, दो हजार बीस | अठाईस दिसंबर से दो जनवरी, दो हजार इक्कीस |
| 4 | द्वितीय ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार-1) एवं द्वितीय मौखिक परीक्षा | दो - सात नवंबर, दो हजार बीस | इक्कीस - पच्चीस दिसंबर, दो हजार बीस | पच्चीस - तीस नवंबर, दो हजार इक्कीस |
| 5 | ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार - 2) | तेईस नवंबर- तीन दिसंबर, दो हजार बीस | इक्कीस - उत्तीर्णीस जनवरी, दो हजार इक्कीस | आठ - उत्तीर्णीस मार्च, दो हजार इक्कीस |
| 6 | परिणामों की घोषणा | चौबीस दिसंबर, दो हजार बीस | तीन फरवरी, दो हजार इक्कीस | छब्बीस मार्च, दो हजार इक्कीस |
| 7 | विषम सत्रार्ध की शुरुआत | अठारह जनवरी, दो हजार इक्कीस | एक फरवरी, दो हजार इक्कीस | पांच अप्रैल, दो हजार इक्कीस |

सारणी 6: सम सत्रार्ध 2020-21 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर

| क्र. सं. | गतिविधियाँ | प्रोद्योगिकी स्रातक (द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ वर्ष), प्रोद्योगिकी स्रातकोत्तर और विज्ञान स्रातकोत्तर (द्वितीय वर्ष) | प्रोद्योगिकी स्रातकोत्तर और विज्ञान स्रातकोत्तर (प्रथम वर्ष) | प्रोद्योगिकी स्रातक (प्रथम वर्ष) |
|----------|---|---|--|--|
| 1 | कक्षाओं का प्रारंभ | अठारह जनवरी, दो हजार इक्कीस | एक फरवरी, दो हजार इक्कीस | पांच अप्रैल, दो हजार इक्कीस |
| 2 | प्रथम ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार-1) एवं प्रथम मौखिक परीक्षा | पंद्रह-बीस फरवरी, दो हजार इक्कीस | बाईस- सताइस फरवरी, दो हजार इक्कीस | छब्बीस से अठाईस अप्रैल, दो हजार इक्कीस |
| 3 | द्वितीय ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार -1) एवं द्वितीय मौखिक परीक्षा | बाईस - सताइस मार्च, दो हजार इक्कीस | बाईस - सताइस मार्च, दो हजार इक्कीस | चौबीस, पच्चीस एवं सताइस मई, दो हजार इक्कीस |
| 4 | ऑनलाइन परीक्षा (प्रकार - 2) | छब्बीस अप्रैल से सात मई, दो हजार इक्कीस | छब्बीस अप्रैल से सात मई, दो हजार इक्कीस | अट्ठाइस जून से तीन जुलाई, दो हजार इक्कीस |
| 5 | परिणामों की घोषणा | इकतीस मई, दो हजार इक्कीस (अन्य के लिए) पंद्रह जून, दो हजार इक्कीस (एम.टेक. द्वितीय वर्ष के लिए) | इकतीस मई, दो हजार इक्कीस (एम.टेक. प्रथम वर्ष के लिए) पंद्रह जून, दो हजार इक्कीस (एम.एससी.) | बारह जुलाई, दो हजार इक्कीस |
| 6 | लंबित प्रयोगशाला कक्षाएं, ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम, पूरक परीक्षा, इंटर्नशीप, उपचारात्मक कक्षाएं आदि | जून- जुलाई, दो हजार इक्कीस | जून - जुलाई, दो हजार इक्कीस | पांच जुलाई, दो हजार इक्कीस से |
| 7 | ओड सेमेस्टर की शुरुआत | दो अगस्त, दो हजार इक्कीस | दो अगस्त, दो हजार इक्कीस | दो अगस्त, दो हजार इक्कीस |

1.4. 2020-21 शैक्षणिक सत्र (प्रति सत्रार्ध) के लिए संस्थान शुल्क

सारणी-7

| कार्यक्रम | सामान्य/अन्य पिछ़ड़ा वर्ग (सालाना पारिवारिक आय पांच लाख से अधिक) (रुपयों में) | सामान्य/अन्य पिछ़ड़ा वर्ग (सालाना पारिवारिक आय एक लाख से पांच लाख के बीच)** (रुपयों में) | सामान्य/अन्य पिछ़ड़ा वर्ग (सालाना पारिवारिक आय एक लाख से कम)*** (रुपयों में) | अनुसूचित जाति/जनजाति/दिव्यांग** (रुपयों में) |
|-----------|---|--|--|--|
| बी.टेक. | 66,400.00 | 24,734.00 | 3900.00 | 3900.00 |
| एम.टेक. | 38,900.00 | NA | NA | 3900.00 |
| एम. एससी | 11,400.00 | NA | NA | 3900.00 |
| पी.एचडी. | 11,400.00 (पूर्णकालिक) / 9000.00 (अंशकालिक) | NA | NA | 4100.00 (पूर्णकालिक) / 1500.00 (अंशकालिक) |

एफटी= पूर्णकालिक, पीटी= अंशकालिक

नोट: उपरोक्त शुल्क में छात्रावास/मेस शुल्क शामिल नहीं है।

**ट्यूशन फीस माफी/छूट: शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति/जनजाति और दिव्यांग श्रेणी से संबंधित प्रोद्योगिकी स्रातक छात्रों की ट्यूशन फीस पूरी तरह माफ है। साथ ही, सामान्य/अन्य पिछ़ड़ा वर्ग से संबंधित छात्र जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख से कम है, पूर्ण शिक्षण शुल्क छूट प्राप्त करते हैं और 1 लाख से 5 लाख के बीच के पारिवारिक आय वर्ग वाले छात्र शिक्षा मंत्रालय के अधिसूचना संख्या 33-4/2014- टीएस.॥.(2016) के अनुसार ट्यूशन फीस का 2/3 प्राप्त करते हैं।

गेट उत्तीर्ण प्रोद्योगिकी स्रातकोत्तर छात्रों को विद्या वाचस्पति विद्वानों की तरह फेलोशिप प्राप्त होती है। संस्थान के शेष छात्रों का एक अच्छा अंश विभिन्न एजेंसियों से भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है।

1.5. विभिन्न कार्यक्रमों में शिक्षण शुल्क माफ, पूर्ण छूट, 2/3 छूट प्राप्त लाभार्थी

सारणी-8

| कार्यक्रम | पूरी ट्यूशन फीस में छूट | पूरी ट्यूशन फीस माफ | 2/3 ट्यूशन फीस में छूट | ट्यूशन फीस चार्ज |
|--|-----------------------------|---|---|--|
| अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संखा | पीडब्ल्यूडी छात्रों की संखा | ओबीसी-एनसीएल/सामान्य छात्रों की संखा (वार्षिक पारिवारिक आय लाख से कम) | ओबीसी-एनसीएल/सामान्य छात्रों की संखा {1 से 5 लाख के बीच वार्षिक पारिवारिक आय} | ओबीसी-एनसीएल/सामान्य छात्रों की संखा (वार्षिक पारिवारिक आय 5 लाख और उससे अधिक) |
| बी.टेक. | 218 | 05 | 363 | 94 |
| एम.टेक. | 14 | 00 | NA* | NA* |
| एम. एससी | 05 | 00 | NA* | NA* |
| पी.एचडी. | 06 | 00 | NA* | NA* |
| | | | | 47 |

1.6. परीक्षाएं एवं मूल्यांकन

संस्थान के सभी स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षाएं और विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम कार्य संबंधित विभागों द्वारा संचालित किए जाते हैं और शैक्षणिक अनुभाग/परीक्षा प्रक्रोष्ट द्वारा पर्यवेक्षित हैं। शोध प्रबंध एवं सभी परीक्षाओं का माध्यम अंग्रेजी ही है।

छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन दो सूचकांकों के माध्यम से किया जाता है, सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत(एसजीपीए) एक सेमेस्टर के लिए तथा संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) जो किसी भी समय सभी पूर्ण सेमेस्टर के लिए ग्रेड प्वाइंट इंडेक्स है। औसत सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट की गणना एक सेमेस्टर में सभी पाठ्यक्रमों में प्राप्त ग्रेड के आधार पर जबकि औसत संचयी ग्रेड प्वाइंट की गणना सभी पूर्ण सेमेस्टर में पास ग्रेड के आधार पर की जाती है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम में निरन्तर आंतरिक मूल्यांकन(20%), मध्यावधि परीक्षाओं(30%) एवं मृदुल्यांकन कार्य विभाग के संबंधित पाठ्यक्रम प्रशिक्षक द्वारा किया जाता है। परीक्षा प्रक्रोष्ट में ग्रेड जमा करने से पहले संबंधित पाठ्यक्रम प्रशिक्षक द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं छात्रों को दिखाई जाती हैं।

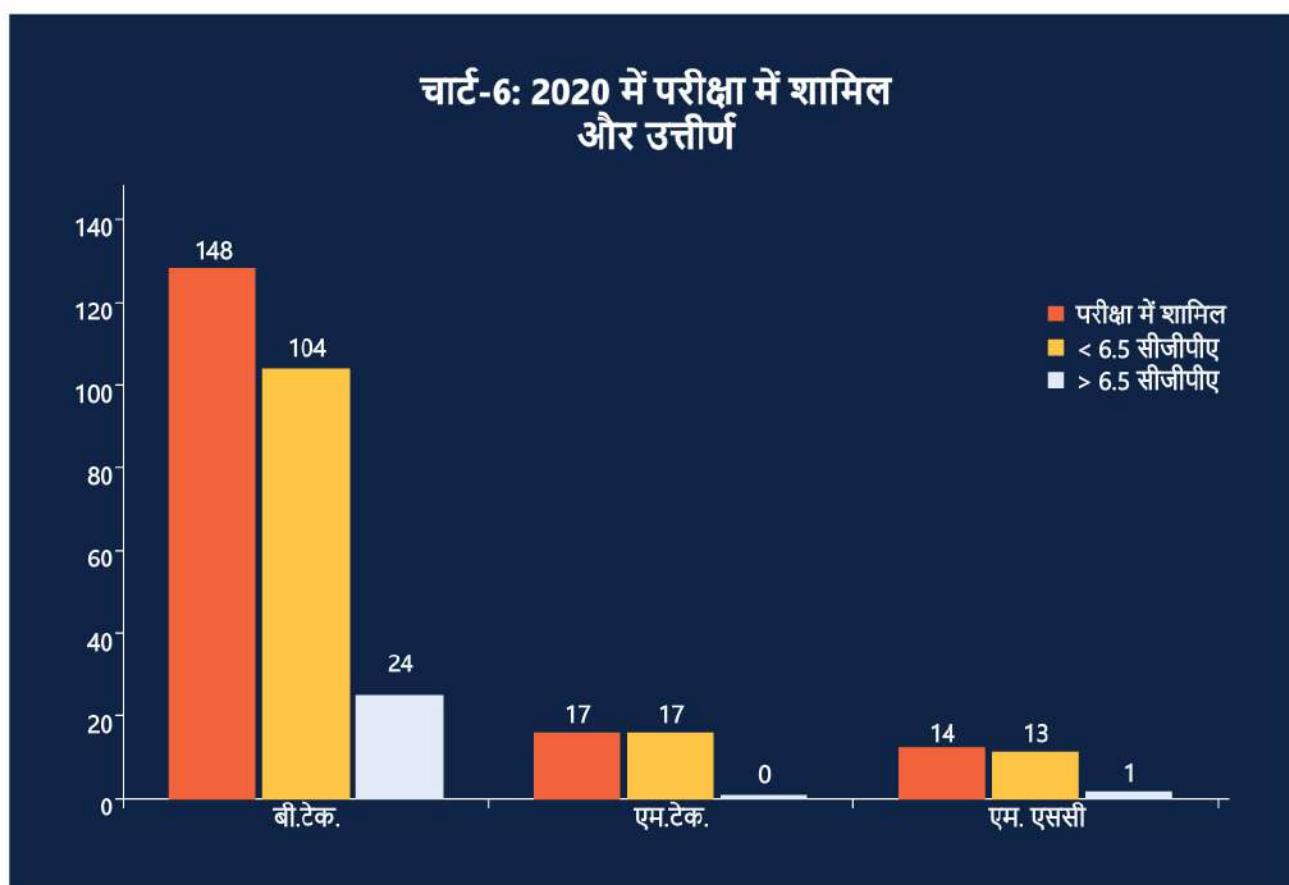
2. प्रदत्त उपाधियां

2.1. अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम (जून 2020)

सारणी-9

| क्र. सं. | कार्यक्रम और विभाग | परीक्षा उपस्थिति | 6.5 सीजीपीए से अधिक स्कोर किया | 6.5 सीजीपीए से कम स्कोर किया | कुल उत्तीर्ण | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|----------|---|------------------|--------------------------------|------------------------------|--------------|------------------|
| 1 | जनपद अभियांत्रिकी में स्नातक | 20 | 13 | 7 | 20 | 100% |
| 2 | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में स्नातक | 39 | 36 | 3 | 39 | |
| 3 | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में स्नातक | 28 | 22 | 6 | 28 | |
| 4 | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में स्नातक | 23 | 18 | 5 | 23 | |
| 5 | यांत्रिक अभियांत्रिकी में स्नातक | 18 | 15 | 3 | 18 | |
| | कुल प्रौद्योगिकी स्नातक | 128 | 104 | 24 | 128 | |
| 6 | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी में स्नातकोत्तर | 06 | 06 | 00 | 06 | 100% |

| क्र. सं. | कार्यक्रम और विभाग | परीक्षा उपस्थिति | 6.5 सीजीपीए से अधिक स्कोर किया | 6.5 सीजीपीए से कम स्कोर किया | कुल उत्तीर्ण | उत्तीर्ण प्रतिशत |
|----------|--|------------------|--------------------------------|------------------------------|--------------|------------------|
| 7 | माइक्रोइलेक्टॉनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन में सातकोत्तर | 05 | 05 | 00 | 05 | |
| 8 | विद्युतीय अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पॉवर एंड इलेक्ट्रिक ड्राइव्स) में सातकोत्तर | 06 | 06 | 00 | 06 | |
| | कुल प्रोद्योगिकी सातकोत्तर | 17 | 17 | 00 | 17 | |
| 9 | रसायन विज्ञान में सातकोत्तर | 14 | 13 | 01 | 14 | 100% |
| | कुल विज्ञान सातकोत्तर | 14 | 13 | 01 | 14 | |



2.2. 2020 में प्रदान की गई विद्या वाचस्पति उपाधि

सारणी-10

| क्र.सं. | विभाग | नाम | शोध प्रबंध का शीर्षक |
|---------|-------------------------------|-------------------------|---|
| 1 | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | श्री तरुण विश्वास | विषम कम्प्यूटिंग सिस्टम के लिए प्रकृति प्रेरित एल्गोरिदम पर आधारित बहु-मापदंड वर्कफ्लो शेड्यूलिंग |
| 2 | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | श्री बनावाथ बालाजी नायक | क्लाउड वातावरण में बहु-मानदंड वर्कफ्लो शेड्यूलिंग के लिए झुंड प्रेरित मेटा-हरिस्टिक एल्गोरिदम |

3. तृतीय दीक्षांत समारोह

संस्थान का तृतीय दीक्षांत समारोह 7 दिसंबर 2020 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित किया गया। जिसमें वर्ष 2018 तथा 2019 में सातक उत्तीर्ण 242 छात्रों को डिग्री प्रदान किया गया। इसमें प्रौद्योगिकी सातक के 187, प्रौद्योगिकी सातकोत्तर के 37, विज्ञान सातकोत्तर के 15 तथा विद्या वाचस्पति के 3 छात्र शामिल थे। सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों को निम्नलिखित श्रेणियों के पदक प्रदान किए गए:

सारणी-11: पदक विजेताओं की सूची

| पदकों की श्रेणी | पदक विजेताओं के नाम | उत्तीर्णता वर्ष | विभाग | कार्यक्रम |
|--------------------|--------------------------------|-----------------|---|-----------|
| निदेशक स्वर्ण पदक | सुश्री अरुणिमा समद्वार | दो हज़ार अठारह | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक. |
| | श्रीमान अरिजीत मंडल | दो हज़ार उन्नीस | यांत्रिक अभियांत्रिकी | बी.टेक |
| संस्थान स्वर्ण पदक | तीन हज़ार नौ सौ | दो हज़ार अठारह | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में सातक | एम.टेक. |
| | सुश्री कोमल राज | दो हज़ार अठारह | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक |
| | सुश्री दीक्षा रंगवानी | दो हज़ार उन्नीस | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एम.टेक. |
| | श्रीमान अरिजीत मंडल | दो हज़ार उन्नीस | यांत्रिक अभियांत्रिकी | बी.टेक. |
| विभागीय स्वर्ण पदक | श्री मंजीत कुमार | दो हज़ार अठारह | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में सातक | एम.टेक. |
| | श्री रितिक पोरवाल | दो हज़ार अठारह | जनपद अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक. |
| | श्री सोहन लाल | दो हज़ार अठारह | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | बी.टेक. |
| | सुश्री कुमारी सुरभि | दो हज़ार अठारह | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक. |
| | सुश्री कोमल राज | दो हज़ार अठारह | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक. |
| | श्री अमरेन्द्र कुमार मिश्रा | दो हज़ार अठारह | यांत्रिक अभियांत्रिकी | बी.टेक. |
| | सुश्री दीक्षा रंगवानी | दो हज़ार उन्नीस | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | एम.टेक. |
| | श्री राकेश कुमार केशरी | दो हज़ार उन्नीस | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में सातक | एम.टेक. |
| | श्री अर्जुन कुमार | दो हज़ार उन्नीस | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में सातक | एम.टेक. |
| | श्री पीयूष कश्यप | दो हज़ार उन्नीस | बायोटेक्नोलॉजी | बी.टेक. |
| | श्री यादव अधिकारी अरविंद कुमार | दो हज़ार उन्नीस | जनपद अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक. |
| | श्री मंगलम गुप्ता | दो हज़ार उन्नीस | संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी | बी.टेक |
| | सुश्री अंतरा प्रमाणिक | दो हज़ार उन्नीस | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक. |
| | सुश्री चाहत बंसल | दो हज़ार उन्नीस | विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में सातक | बी.टेक. |
| | श्री अरिजीत मंडल | दो हज़ार उन्नीस | यांत्रिक अभियांत्रिकी | बी.टेक. |



3.1. तृतीय दीक्षांत समारोह में प्रदान की गई विद्या वाचस्पति की उपाधि

सारणी-12: विद्या वाचस्पति पुरस्कार विजेताओं की सूची

| क्र. स. | नाम | विभाग |
|---------|---------------------------|------------------------------|
| 1 | श्री हेमन्त कुमार कठानिया | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी |
| 2 | श्री सुरजीत कुंडू | कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी |
| 3 | श्री मनीष मुखोपाध्याय | यांत्रिक अभियांत्रिकी |

4. अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

4.1. नई शिक्षा नीति 2020

भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 29 जुलाई 2020 को अनुमोदित नई शिक्षा नीति 2020, भारत की नई शिक्षा प्रणाली के वृष्टिकोण को रेखांकित करती है। नई शिक्षा नीति पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की जगह ली है। यह नीति ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रारंभिक शिक्षा से उच्च शिक्षा के साथ साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एक व्यापक रूपरेखा है।

संस्थान भारत सरकार द्वारा परिकल्पित राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। नीति का पूरी तरह से अध्ययन करने और कार्यान्वयन नीतियों/उपायों की सिफारिश करने के लिए विभिन्न विषयगत क्षेत्रों के आधार पर विभिन्न उप-समितियां का गठन निम्नानुसार किया गया:

- शैक्षणिक सुधार समिति
- अनुसंधान एवं विकास समिति
- अंतराष्ट्रीयकरण समिति
- भारतीय भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समिति
- राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति के लिए समिति

इन समितियों को कार्यान्वयन तंत्र के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को परिभाषित करके सम्पूर्ण रणनीतिक योजना तैयार करने का काम सौंपा गया है।

4.2. प्रेरण कार्यक्रम

प्रोटोटाइपीकी स्नातक कार्यक्रम में नव प्रवेशित छात्रों के लिए 30 नवंबर से 5 दिसंबर तक प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को नए शिक्षण माहौल के साथ तालमेल बिठाने और आने वाले वर्षों में अधिक आसानी से अधिगम सामग्री, संस्थागत लोकाचार सीखने के आनंद तथा शिक्षक छात्र संवाद की गुणवत्ता को समृद्ध करना था। कार्यक्रम में साहित्यिक क्षेत्रों में छात्रों की क्षमता का परीक्षण, सहकर्मी दबाव के प्रभावी संचालन पर विभागीय प्रेरण व्याख्यान, सार्वभौमिक मानव मूल्य, अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ जैसे योग, ध्यान और प्रतिष्ठित उद्योगों से प्रतिष्ठित व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और उद्यमियों के व्याख्यान शामिल थे।

4.3. सहपाठी सामूहिक शिक्षण

संस्थान ने सहपाठी सामूहिक शिक्षण की एक नई पहल शुरू की है जहां वरिष्ठ छात्रों को अपने कनिष्ठ छात्रों को सलाह और दिशनिर्देश देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस पहल की परिकल्पना छात्र शिक्षक में व्यावसायिकता के पहलुओं को विकसित करने के लिए की गई है और यह नियमित शिक्षण प्रक्रिया के पूरक हैं साथ ही छात्र समुदाय में अध्येतावृत्ति के विकास में योगदान करते हैं।

4.4. प्रोफेशनल प्रैक्टिस

प्रोफेशनल प्रैक्टिस प्रोटोटाइपीकी स्नातक पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छात्रों के क्षितीज को व्यापक बनाने के लिए विभिन्न व्यासायिक संगठनों में काम करने वाले विशेषज्ञों को इस पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में छात्रों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस पहल से पेशेवर संगठनों में छात्रों के रोजगार क्षमता में वृद्धि होने की संभावना है।

4.5. संस्थान के नियमों एवं विनियमों का संशोधन

संस्थान के स्नातक, स्नातकोत्तर और विद्या वाचस्पति कार्यक्रमों के नियमों और विनियमों को संशोधित किया गया था ताकि आवश्यक विसंगतियों को दूर किया जा सके और छात्रों, संकाय सदस्यों और संस्थान प्रशासन के लिए दस्तावेजों को बोधगम्य बनाया जा सके। इसके लिए बाहरी विशेषज्ञों और संस्थागत सदस्यों द्वारा व्यापक समीक्षा की गई।

4.6. स्कूली छात्रों के लिए शैक्षणिक संसर्ग

संस्थान सिविकम राज्य भर के स्कूली छात्रों को शैक्षिक दौरे के लिए आमंत्रित करता है। इस गतिविधि का उद्देश्य राज्य के छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। संस्थान के

तकनीकी कर्मचारी उन्हें विभिन्न प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं, सुपर कंप्यूटर और स्मार्ट कक्षाओं सहित परिसर के निर्देशित दौरे पर ले जाते हैं। संकाय सदस्य भी स्कूली छात्रों से रूबरू होते हैं और उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपलब्ध असंख्य अवसरों एवं उन अवसरों की ओर के जाने वाले प्रवेश परीक्षाओं से अवगत कराते हैं।



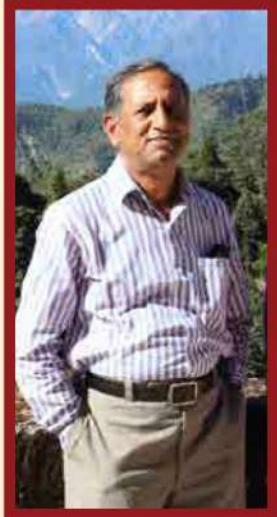
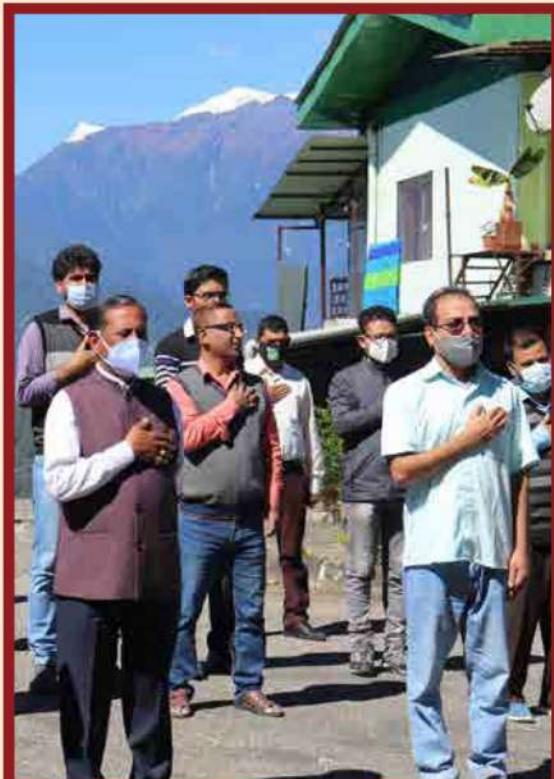
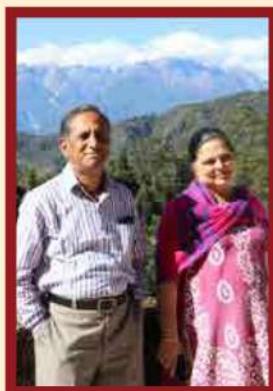
4.7. सीनेट की बैठक

सीनेट संस्थान का सर्वोच्च शैक्षणिक निकाय है। इसका गठन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम दो हजार सात की धारा चौदह के तहत किया गया है। शैक्षणिक मामलों से संबंधित सभी प्रमुख निर्णयों पर सीनेट द्वारा विचार और अनुमोदन किया जाता है। संस्थान के निदेशक इसके अध्यक्ष होते हैं। दो हजार बीस- इक्कीस के दौरान सीनेट की बैठक निप्पलिखित तिथियों पर आयोजित हुई:

- अठारह जुलाई दो हजार बीस को बारहवीं सीनेट बैठक
- सत्रह अक्टूबर दो हजार बीस को तेरहवीं सीनेट बैठक
- चौबीस दिसंबर दो हजार बीस को चौदहवीं सीनेट बैठक
- छब्बीस मार्च दो हजार इक्कीस को पंद्रहवीं सीनेट बैठक



एकता दिवस





प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ का उद्देश्य संगठित जगत और संस्थान के बीच एक मजबूत अंतराफलक बनाना है। प्रकोष्ठ द्वारा भावी नियोक्ताओं के साथ निरंतर बातचीत सुनिश्चित की जाती है ताकि वे ज्ञान और कौशल की नियुक्ति आवश्यकताओं को समझ सकें और अपने छात्रों को तदनुसार तैयार कर सकें। पूर्व की तरह, नियोजन प्रकोष्ठ ने प्रशिक्षण और नियोजन गतिविधियों की योजना बनाना, संगठित करना और समेकित करना जारी रखा है ताकि यह आश्वस्त किया जा सके कि छात्रों को पर्याप्त औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाए जिससे छात्रों को उन संगठनों में रोजगार मिले जो उनकी आकांक्षाओं और उद्देश्यों से मेल खाते हैं। यह प्रकोष्ठ छात्रों के तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स में सुधार के लिए शिक्षा मंत्रालय के तहत विभिन्न समवायों, संस्थानों और टेकिप III के सहयोग से विभिन्न विशेषज्ञ वार्ता, कार्यशालाओं, वेबिनार, प्रेरक व व्यावसायिक सत्रों में भाग लेने के अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है और इस तरह हर गुजरते साल नए मानक स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है।

महामारी का सामना : अटूट प्रतिबद्धता

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ का दृढ़ विश्वास है कि सीखना, विकास और नवाचार कभी भी किसी भी अभूतपूर्व स्थिति में नहीं रुकता है, इसलिए कोविड 19 के कारण हुई इस विश्वव्यापी महामारी में भी अपने छात्रों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए नियोजन प्रकोष्ठ ने न केवल विभिन्न नियोजन और प्रशिक्षण अभियान के माध्यम से बल्कि कई प्रारंभिक योग्यता परीक्षण और कूट लेखन परीक्षण आयोजित करके छात्रों को सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न तरीकों से काम किया है। प्रकोष्ठ ने छात्रों के लिए नियुक्ति और प्रशिक्षण की ऑनलाइन प्रक्रिया को आसान बनाने और उन्हें इस नए प्रथा के आदी बनाने के लिए अपनी योजनाओं में सुधार किया। इस शैक्षणिक सत्र में कई ऑनलाइन साक्षात्कार और स्क्रीनिंग परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

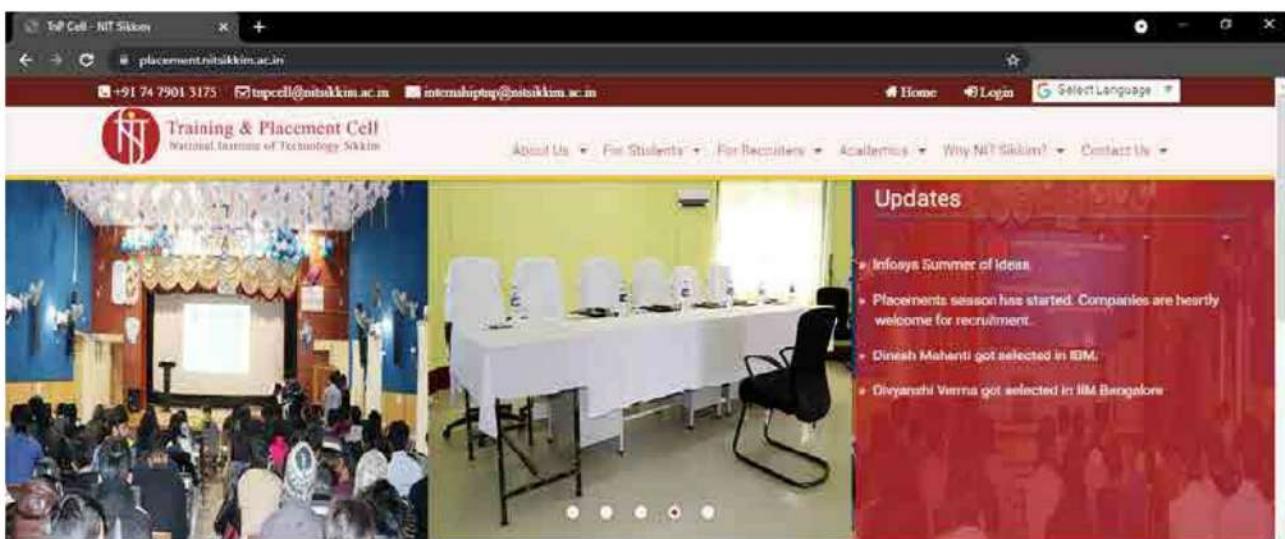
हमने विभिन्न आभासी नियोजन वार्ता और कार्यशालाएं आयोजित की हैं जिनका उद्देश्य छात्रों के बीच पेशेवर नैतिकता विकसित करना और जीविका संबंधी निर्णय लेने में उनका मार्गदर्शन करना है।

गतिविधियाँ

2020-21 में प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के गतिविधियों को मोटे तौर पर इस तरह वर्णित किया जा सकता है :

- विभिन्न संगठनों के प्रशिक्षण प्रक्रिया (अकादमिक और उद्योग) में वर्तमान छात्रों के भर्ती के लिए सुविधाएं दिलाना।
- साक्षात्कार की तैयारी के लिए पेशेवर प्रशिक्षण का आयोजन करना।
- परिसर भर्ती अभियान के माध्यम से सातक छात्रों के लिए नौकरी के लिए साक्षात्कार आयोजित करना।

यह उल्लेख करना उचित है कि संस्थान ने छात्रों के संचार कौशल को बढ़ाने और उनमें निपुणता का संचार करने के लिए 'प्रोफेशनल प्रैक्टिस' नामक एक ऑडिट पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप प्लेसमेंट ड्राइव में बेहतर प्रदर्शन हुआ। प्लेसमेंट ड्राइव में बेहतर प्रदर्शन के माध्यम से ऑडिट पाठ्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। यह उल्लेख करना अनिवार्य है कि 2018 में पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम को शामिल करने के बाद से संस्थान के समग्र प्लेसमेंट रिकॉर्ड में लगातार वृद्धि देखी गई है, जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट है कि वर्ष 2018 के लिए प्लेसमेंट प्रतिशत 52% था, 2019 के लिए 65% था, 2020 के लिए 65% था और यह वर्ष 2021 में और बढ़कर 71% हो गया। टीएनपी सेल इस पहल की सराहना करता है और इस समर्थन और प्रोत्साहन के लिए संस्थान प्रशासन का आभारी है।



Training & Placement Cell, National Institute of Technology Sikkim

Training and Placement Cell, National Institute of Technology Sikkim (aka TnP Cell) is the official intermediary between the companies and students. The placement season commences from July and lasts till May every academic session.

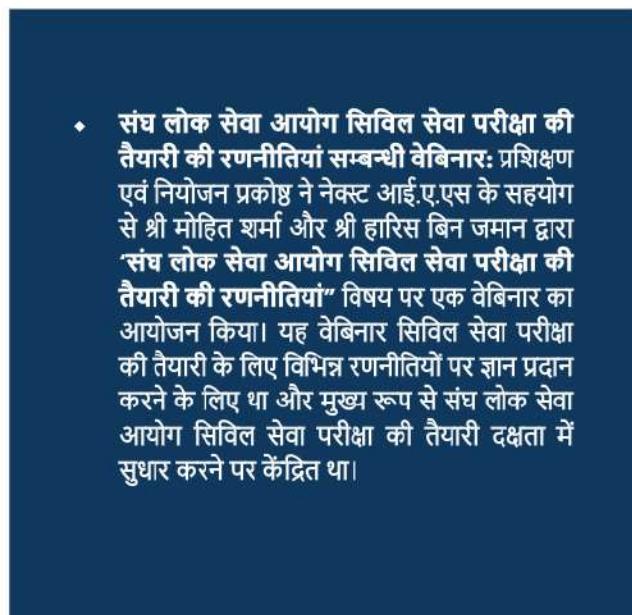


वेबिनार और वार्ता

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने वर्ष 2020-21 के दौरान प्रख्यात शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा निम्नलिखित वेबिनार और वार्ताओं का आयोजन किया।

वेबिनार

| क्रमांक | विशेषज्ञ | प्रसंग | दिनांक |
|---------|--|---|---------------|
| 1. | श्री मोहित शर्मा और श्री हारिस बिन ज़मान | संघ लोक सेवा आयोग सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की रणनीतियां | 12 मार्च 2021 |
| 2. | डी. के. जैन | भारत नियोजन परिवृश्य और संगठनों के वृष्टिकोण | 24 जनवरी 2021 |
| 3. | श्री अनुराग शर्मा | साक्षात्कार प्रविधियाँ और संक्षिप्त विवरण की तैयारी | 10 जनवरी 2021 |



REFINE

Free Webinar

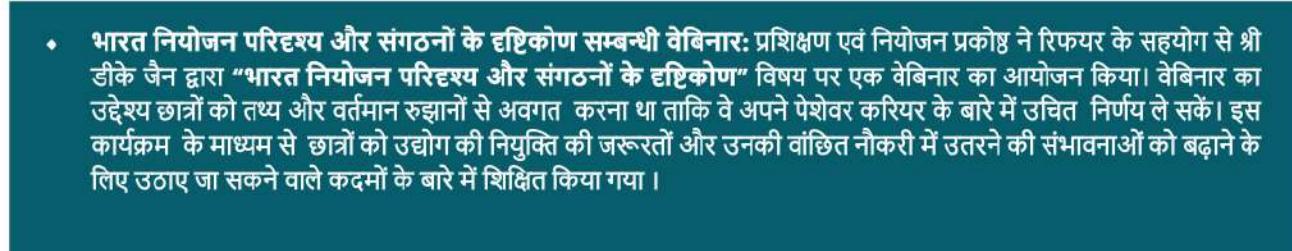
Especially for the Students of NIT Sikkim

India Employment Scenario and What Organizations are looking for?

Sunday, 24 Jan - 12:00 PM to 1:00 PM

DK Jain
DK Jain is a strategic business leader and a proven visionary with more than 32 years of rich experience involving management, sales and marketing of a wide range of products in the domestic and global markets.

"A study on 3 Lakh+ Students and 150+ Employers"



- साक्षात्कार प्रविधियाँ और संक्षिप्त विवरण निर्माण सम्बन्धी वेबिनार: प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने लर्निंग फ्रॉम एंट के सहयोग से श्री अनुराग शर्मा द्वारा “साक्षात्कार प्रविधियाँ और संक्षिप्त विवरण निर्माण” विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के पहले भाग में श्री अनुराग ने छात्रों के साथ कई साक्षात्कार तकनीकों और संक्षिप्त विवरण की तैयारी के लिये सुझावों को साझा किया और दूसरा भाग छात्रों के लिए उनके पेशा, नियोजन, संक्षिप्त विवरण, संचार, सँवारन, साक्षात्कार की तैयारी, योग्यता परीक्षण की तैयारी आदि से संबंधित किसी भी प्रकार के संदेह और प्रश्न पूछने के लिए एक परस्पर संवादात्मक सत्र था।

वार्ता

| क्रमांक | लाभार्थी विभाग | विशेषज्ञ | दिनांक |
|---------|----------------------------|------------------|---------------|
| 1. | सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई, सीई | कैटन एस. रवींद्र | 02 फरवरी 2021 |



Training and Placement Cell
National Institute of Technology Sikkim

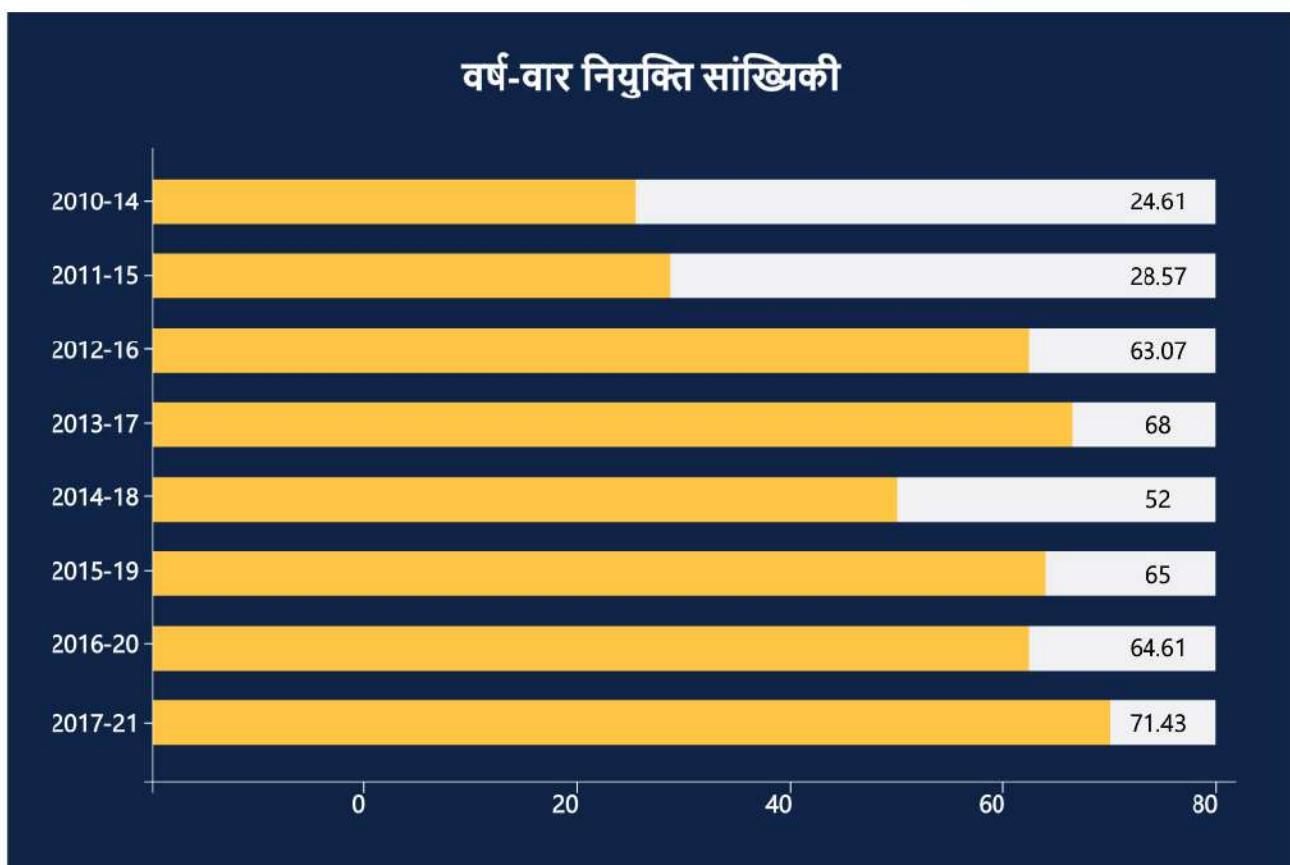


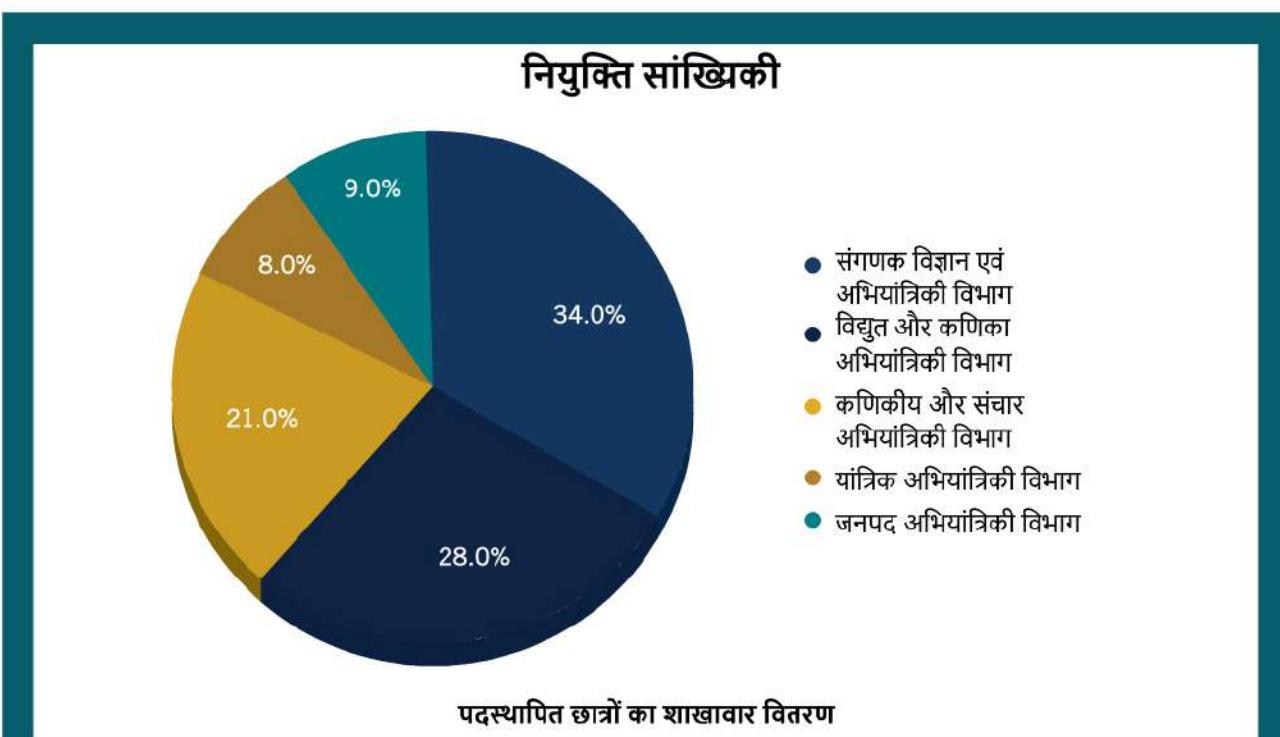
CAPT. S RAVINDRA
Recruiting Officer
Eastern Naval Command
INDIAN NAVY, Visakhapatnam



SOMETIMES WE RUSH IN AFTER THE STORM, SOMETIMES WE ARE THE STORM

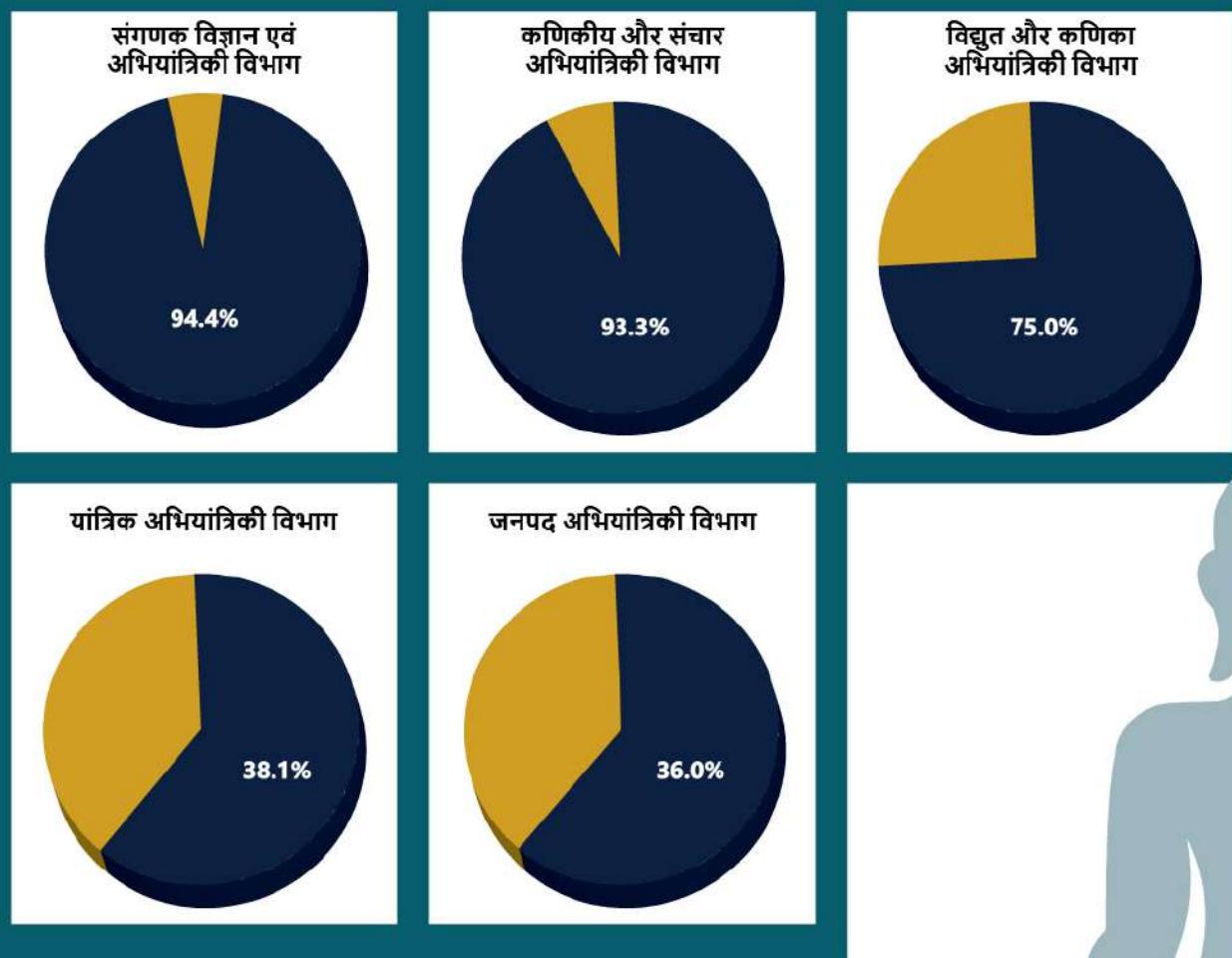
- भारतीय नौसेना में जीवन पर वार्ता: प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने कैटन एस. रवींद्र द्वारा एक वार्ता का आयोजन किया। इस सत्र ने छात्रों को भारतीय नौसेना के आकर्षक जीवन के बारे में एक झलक पाने में मदद की और उन महत्वाकांक्षी दिमागों की सहायता की जो भारतीय नौसेना के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानने के लिए इसका हिस्सा बनना चाहते हैं।





शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में शाखावार नियुक्ति प्रतिशत

बी.टेक



एम.टेक.



विस्तृत नियुक्ति सांख्यिकी 2020-21

| कार्यप्रणाली | विभाग | छात्रों की कुल संखा | पदस्थापित छात्रों की संखा |
|--------------------------|-------|---------------------|---------------------------|
| प्रौद्योगिकी स्रातक | सीएसई | 36 | 34 |
| प्रौद्योगिकी स्रातक | इसीई | 30 | 28 |
| प्रौद्योगिकी स्रातक | ईईई | 28 | 21 |
| प्रौद्योगिकी स्रातक | एमई | 21 | 8 |
| प्रौद्योगिकी स्रातक | सीई | 25 | 9 |
| प्रौद्योगिकी स्रातकोत्तर | सीएसई | 4 | 2 |
| प्रौद्योगिकी स्रातकोत्तर | ईसीई | 2 | 1 |
| कुल | | 146 | 103 |

मूल अभियांत्रिकी ज्ञानक्षेत्र, आईटी, परामर्श आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों के संगठनों ने संस्थान से छात्रों की भर्ती की है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान कुल 154 नियोजन प्रस्तावों के साथ औसत पैकेज 7.11 लाख वार्षिक के रूप में दर्ज किया गया है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में मानक नियोजन सफलताएं

- प्रौद्योगिकी स्रातकोत्तर और प्रौद्योगिकी स्रातक के कुल 6 छात्रों को क्रमशः 18.33 लाख वार्षिक और 14.86 लाख वार्षिक पैकेज के साथ इंटेल में चुना गया।
- 14.7 लाख वार्षिक पैकेज के साथ सैंडवाइन टेक्नोलॉजीज में एक छात्र का चयन हुआ।
- एक छात्र को जेडएस एसोसिएट्स में 13.43 लाख वार्षिक पैकेज के साथ चुना गया।
- 11.8 लाख वार्षिक और 10 लाख वार्षिक पैकेज के साथ प्लेटफॉर्म9 सिस्टम्स, इंक. में दो छात्रों का चयन किया गया।
- एक छात्र को 11 लाख वार्षिक पैकेज के साथ मेकएफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में चुना गया।
- एंचांटो प्राइवेट लिमिटेड में 10 लाख वार्षिक पैकेज के साथ 4 छात्रों का चयन हुआ।
- 10 लाख वार्षिक पैकेज के साथ 3 छात्रों को किलक लैब्स में चुना गया।
- ऑस्ट्रियम इंडिया में 10 लाख वार्षिक पैकेज के साथ दो छात्रों का चयन हुआ।
- सारथी.एआई में 10 लाख वार्षिक पैकेज के साथ एक छात्र का चयन हुआ।

प्रशिक्षण

प्रशिक्षण छात्रों को उद्योग में काम करने का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। यह छात्रों को अपने कौशल, ज्ञान और सैद्धांतिक प्रथाओं में सुधार करने की अनुमति देती है। इंटर्नशिप पेशेवर दुनिया के व्यावहारिक अनुभवों को देखने का अवसर प्रदान करती है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, प्रौद्योगिकी स्रातक (2018-22 बैच, 5 वें और 6 वें सेमेस्टर) और प्रौद्योगिकी स्रातक (2019-23 बैच, चौथे सेमेस्टर) के 276 छात्रों ने गर्मी और सर्दियों की छुट्टियों के दौरान इंटर्नशिप की है।

| क्रमांक | संगठन | विभाग | छात्रों की संख्या |
|---------|---|-----------------------|-------------------|
| 1 | आविष्कार टेक सॉल्यूशंस | सीएसई, ईसीई, ईईई | 19 |
| 2 | जर्जिपार सॉल्यूशंस | सीएसई, ईसीई | 5 |
| 3 | स्वभाव टेक लैब्स | सीएसई | 5 |
| 4 | शन्य आईओटी | सीएसई, ईसीई | 2 |
| 5 | मुंचिन | सीएसई | 1 |
| 6 | ओरीना सॉल्यूशंस | सीएसई, ईसीई, ईईई | 5 |
| 7 | नल इनोवेशन | सीएसई | 1 |
| 8 | फॉक्सैसर | सीएसई, ईसीई, ईईई, सीई | 11 |
| 9 | ट्रिवी टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड | सीएसई | 1 |
| 10 | परिनेटेक इनोवेशनस | सीएसई | 3 |
| 11 | एलोर्ब टेक्नोलॉजीस | सीएसई | 1 |
| 12 | टेकशियस टेक्नोलॉजीस | सीएसई | 1 |
| 13 | थिंक2एक्साम लर्निंग सॉल्यूशंस | ईईई | 1 |
| 14 | पाइवेटल टेलीरेडियोलॉजी | सीएसई | 1 |
| 15 | नविका कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड | ईसीई | 21 |
| 16 | ओलाटस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड | ईसीई, ईईई | 5 |
| 17 | बी एस पी टी सी एल | ईईई | 9 |
| 18 | पेटेक वेंचर्स एलएलपी | ईईई | 1 |
| 19 | एन एच पी सी | ईईई, सीई | 5 |
| 20 | द्रोण ऑटोमेशन | एमई | 16 |
| 21 | इलेक्ट्रिक लोकोशेड रेलवे | एमई | 1 |
| 22 | बिहार राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड | सीई | 1 |
| 23 | स्केमैटिक कंसल्टेंट्स | सीई | 19 |
| 24 | हाईवे इंजीनियरिंग ट्रेनिंग | सीई | 2 |
| 25 | कार्टपे | सीएसई | 5 |
| 26 | यांत्रोमित्रा रोबोटिक्स | सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई | 15 |
| 27 | इंटेलिथिंक | सीएसई | 2 |
| 28 | ला पोलो | सीएसई | 1 |
| 29 | इंदेव सॉल्यूशंस | सीएसई | 1 |
| 30 | साल्ट्रिवर इफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड | सीएसई, ईसीई, ईईई | 9 |
| 31 | मैंडडू | सीएसई | 1 |
| 32 | इरासस टेक्नोलॉजीस | सीएसई, ईसीई | 4 |
| 33 | इंटेकोर टेक्नोलॉजीस | ईसीई | 3 |
| 34 | संसोविजन सिस्टम्स | सीएसई | 1 |
| 35 | सी लॉर्ड एंटरटेनमेंट | सीएसई | 3 |
| 36 | इनोवोकेर हेत्य सॉल्यूशंस | सीएसई, ईसीई | 4 |
| 37 | यूनिफर्स्ट रोबोटिक्स | एमई | 3 |
| 38 | आईआईटी पटना | सीई | 12 |
| 39 | पोसोको | ईईई | 19 |
| 40 | एलवीएल अल्फा प्राइवेट लिमिटेड | सीएसई, ईसीई | 4 |
| 41 | जेटसन रोबोटिक्स | ईईई | 2 |
| 42 | यवदा एनालिटिक्स | सीएसई | 1 |
| 43 | आईआईटी जोधपुर | सीएसई | 1 |
| 44 | आईआईटी जोधपुर | ईसीई | 1 |
| 45 | समाज एआई | ईसीई | 1 |
| 46 | लॉजिकबूट्स | ईसीई, ईईई, एमई | 23 |
| 47 | ब्लू लिट सॉल्यूशंस | एमई | 1 |
| 48 | विपुष टेक्नोलॉजीज | सीएसई, ईसीई | 4 |
| 49 | देवलोफॉक्स | सीएसई | 4 |
| 50 | आर्टमेटिक्स | ईसीई | 1 |
| 51 | माइक्रोज़िसि | सीएसई, ईसीई | 9 |
| 52 | आईआईटी दिल्ली | सीई | 2 |
| 53 | आईआईटी त्रिपुरा | सीई | 2 |

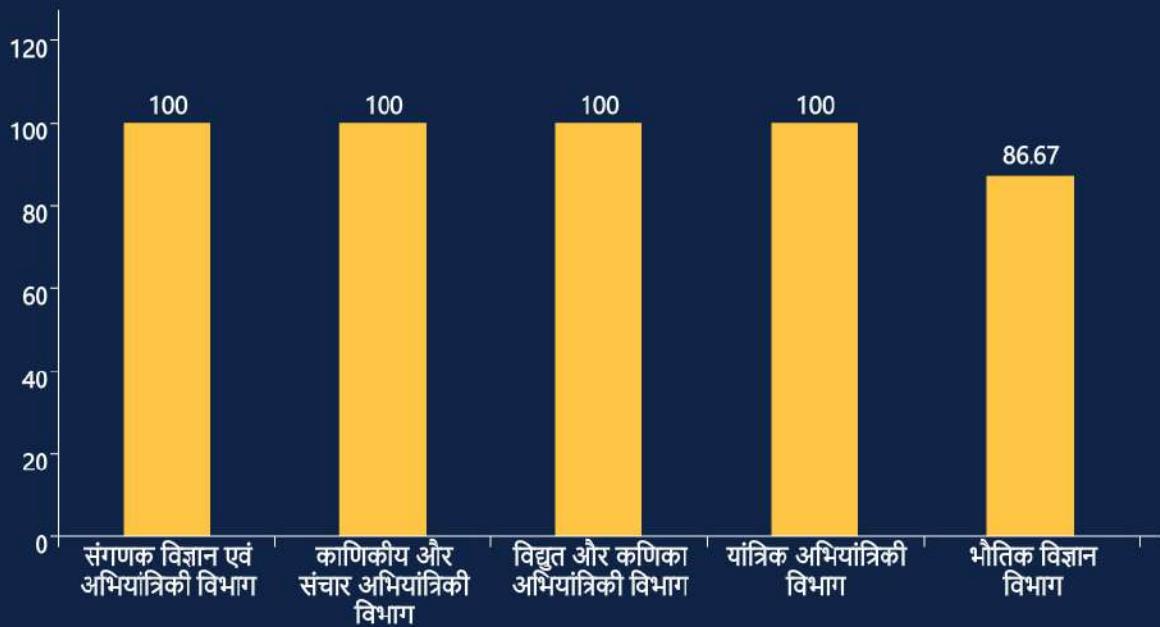
शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में मानक प्रशिक्षण सफलताएं

1. प्रौद्योगिकी स्नातक के एक छात्र को आई बी एम में 30,000 प्रति माह के वजीफे के साथ 6 महीने की प्रशिक्षण की पेशकश की गई।

(प्रौद्योगिकी स्नातक III वर्ष) 2018-22 बैच की शाखा-वार शीतकालीन प्रशिक्षण (ऑड सेमेस्टर, 2020)

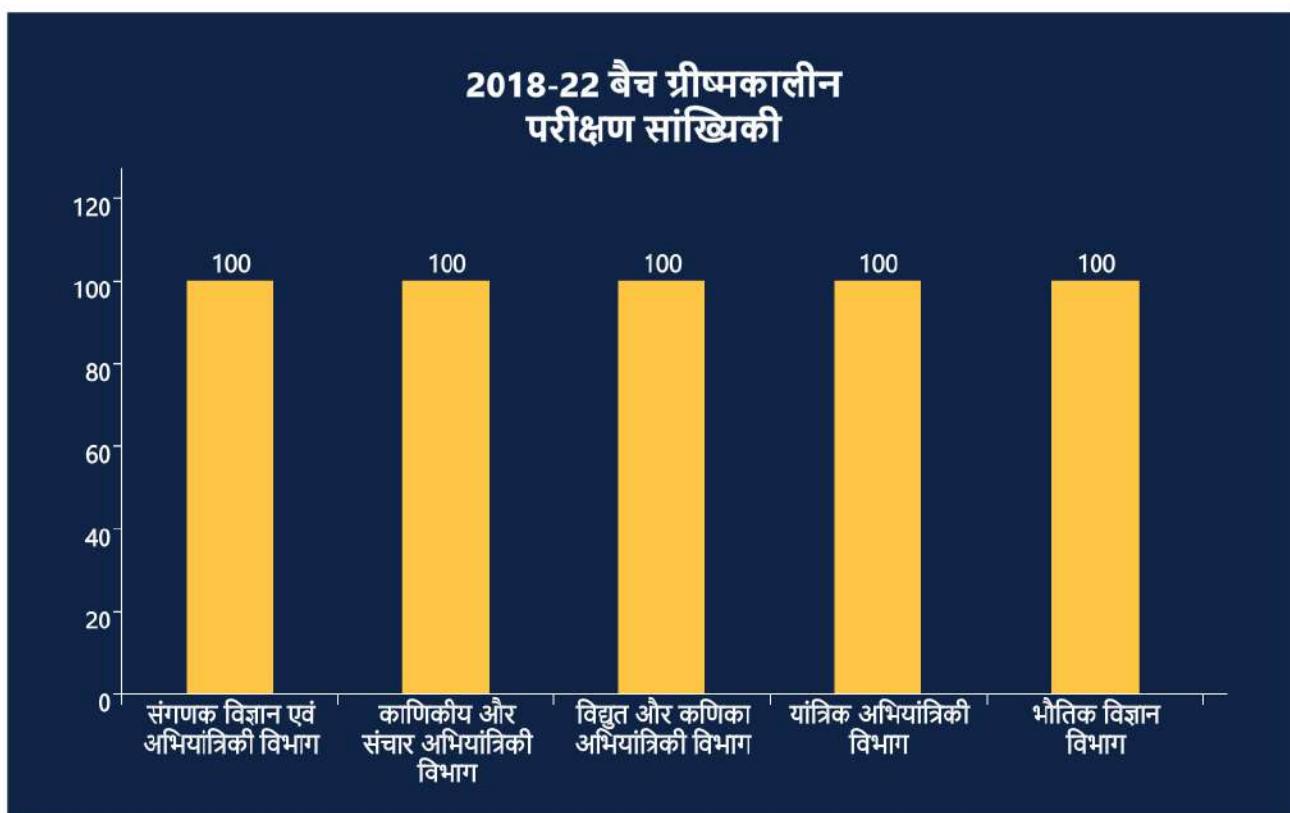
| कार्यप्रणाली | विभाग | छात्रों की कुल संख्या | इंटर्नशिप प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या |
|---------------------|-------|-----------------------|---|
| प्रौद्योगिकी स्नातक | सीएसई | 37 | 37 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | ईसीई | 27 | 27 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | ईईई | 25 | 25 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | एमई | 17 | 17 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | सीई | 15 | 13 |
| कुल | | 121 | 119 |

2018-22 बैच शीतकालीन परीक्षण सांख्यिकी



(प्रौद्योगिकी स्नातक III वर्ष) 2018-22 बैच की शाखा-वार ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (इवन सेमेस्टर, 2021)

| कार्यप्रणाली | विभाग | छात्रों की कुल संख्या | इंटर्नशिप प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या |
|---------------------|-------|-----------------------|---|
| प्रौद्योगिकी स्नातक | सीएसई | 36 | 36 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | ईसीई | 25 | 25 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | ईईई | 28 | 28 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | एमई | 22 | 22 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | सीई | 16 | 16 |
| कुल | | 127 | 127 |



(प्रौद्योगिकी स्नातक II वर्ष) 2019-23 बैच की शाखा-वार ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (इवन सेमेस्टर, 2021)

| कार्यप्रणाली | विभाग | छात्रों की कुल संख्या | इंटर्नशिप प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या |
|---------------------|-------|-----------------------|---|
| प्रौद्योगिकी स्नातक | सीएसई | 27 | 10 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | ईसीई | 19 | 10 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | ईईई | 18 | 2 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | एमई | 4 | 4 |
| प्रौद्योगिकी स्नातक | सीई | 7 | 4 |
| कुल | | 75 | 30 |

उच्च अध्ययन करने वाले छात्र

- सुश्री दिव्यांशी वर्मा (प्रौद्योगिकी स्नातक) सीएसई विभाग (2016-20 बैच) से हैं और प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ की प्रमुख समन्वयक थीं, जिन्होंने गेट-2020 को उत्तीर्ण किया और आईआईएम बैंगलोर में प्रवेश प्राप्त किया।
- श्री कोटा हेमंत कुमार (प्रौद्योगिकी स्नातक) ईसीई विभाग (2016-20 बैच) से हैं और प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के समन्वयक थे जिन्होंने गेट-2020 को उत्तीर्ण किया और “विजुअल इफॉर्मेशन एंड एंबेडेड सिस्टम्स” विभाग में स्नातकोत्तर करने के लिए आईआईटी खड़गपुर में प्रवेश लिया।
- श्री आदर्श सिंह (प्रौद्योगिकी स्नातक) सीई (2016-20 बैच) विभाग से हैं और प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के समन्वयक थे जिन्होंने गेट-2020 को उत्तीर्ण किया और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग में पीएचडी कार्यक्रम के लिए आईआईटी कानपुर में प्रवेश प्राप्त किया।

छात्र कल्याण



प्रशिक्षण ही सब
कुछ है।

— मार्क ट्रेन



छात्र जीवन में अध्ययन के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल आयोजनों के विभिन्न मंचों में प्रदर्शन करने के पर्याप्त अवसर मिलने से कॉलेज जीवन यादगार और संपूर्ण हो जाता है। एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र के अस्थायी परिसर में होने के बावजूद, संस्थान शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ पूरे वर्ष कई सांस्कृतिक, खेल कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान आयोजित करते रहता है।

कार्यक्रम और गतिविधियाँ

“

महान चीजें एक साथ
लाई गई छोटी -
छोटी चीजों की एक
श्रृंखला से होती हैं।

— विन्सेंट वॉन गॉग

”

संस्थान द्वारा स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, सांस्कृतिक उत्सव, साहित्यिक कार्यक्रम, वार्षिक खेल जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण और बहुआयामी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इंटर-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेल, सांस्कृतिक और तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया जाता है और इसके लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। भारत सरकार के विभिन्न अभियानों जैसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, फिट इंडिया, खेलो इंडिया, शारीरिक शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों, नशीली दवाओं और तंबाकू मुक्त भारत, एकता दिवस, हिंदी परखगाड़ा आदि आयोजित किया जाता है। साथ ही, कई विभागीय क्लबों ने विभिन्न अवसरों पर विविध छात्र कार्यक्रमों का आयोजन किया।

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2020 को सभी छात्रों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ परिसर में 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। सुरक्षाकर्मियों के द्वारा मार्च पास्ट का पर्दशन करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान हुआ। आचार्य एम. सी. गोविल, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व और हमारे देश के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के संकाय सदस्यों और छात्र समुदाय के कर्तव्यों के बारे में सभा को संबोधित किया।

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2021 को सभी छात्रों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ परिसर में 72वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। सुरक्षाकर्मियों के द्वारा मार्च पास्ट का पर्दशन करने के बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान हुआ। आचार्य एम. सी. गोविल, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने गणतंत्र दिवस के महत्व के बारे में सभा को संबोधित किया और नई शिक्षा नीति (एनईपी) के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों की उत्साही भागीदारी के साथ एक क्रिकेट मैच और ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।



74वें स्वतंत्रता दिवस और 72वें गणतंत्र दिवस में राष्ट्रीय ध्वजारोहण और निदेशक का भाषण

एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)

विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए साल भर ईबीएसबी अभियान के तहत विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। कोविड-19 महामारी को देखते हुए ज्यादातर कार्यक्रम ऑनलाइन मोड में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए। छात्रों ने पाठ, गायन, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासतों की प्रस्तुति आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा, विभिन्न भारतीय भाषाओं में हर हफ्ते एक वाक्य साझा करके छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के बीच “आज का वाक्य” अभियान को बढ़ावा दिया जाता है।



विभिन्न ईबीएसबी गतिविधियों की झलक

फिट इंडिया

फिट इंडिया मूवमेंट एक राष्ट्रव्यापी अभियान है जिसका उद्देश्य लोगों को अपने दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधि और खेल को शामिल करना है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने अपने परिसर में 20 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2020 तक फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वावधान में फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने शारीरिक रूप से भाग लिया और छात्रों ने वस्तुतः अपने घर से भाग लिया। साथ ही, इस अभियान के तहत विभिन्न फिट इंडिया गतिविधियों जैसे योग, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, स्किपिंग और म्यूजिकल चेयर का आयोजन किया गया। छात्रों और कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए आर्ट ऑफ लिविंग कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई।





रन फॉर यूनिटी

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को विहित करने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के लिए 31 अक्टूबर, 2020 को संस्थान परिसर में “रन फॉर यूनिटी” कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह आयोजन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम परिवार के सदस्यों की उत्साही भागीदारी के साथ सफल हुआ।



रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम की कुछ झलकियां

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को संस्थान में छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों की उत्साही भागीदारी के साथ मनाया जाता है। इन आयोजनों में भाग लेने के लिए आसपास के विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को आमंत्रित किया जाता है। हालांकि, इस बार यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था जिसमें कुछ कर्मचारियों और संकाय सदस्यों की शारीरिक भागीदारी, निदेशक के नेतृत्व में और कोविड महामारी के कारण छात्रों की ऑनलाइन भागीदारी के साथ आयोजित की गई थी।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस -2020 का उत्सव



नशीली दवाओं के निवारक उपाय की दिशा में पहल

26 सितंबर 2020 को “निवारक उपायों और नशीली दवाओं की मांग में कमी पर जागरूकता अभियान” टीईक्यूआईपी -III द्वारा प्रायोजित ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला देश भर के छात्रों द्वारा उपयोग की जाने वाली दवा की रोकथाम पर केंद्रित थी। इस कार्यशाला का उद्घाटन आचार्य एम. सी. गोविल, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, आचार्य प्रतिमा मूर्ति, निमहंस, बैंगलोर और श्री पीडी राय, पूर्व एमपी, सिक्किम और अध्यक्ष साथी, सिक्किम के द्वारा किया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के छात्रों और सिक्किम के विद्यालय छात्रों सहित 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Sikkim
An Institute of National Importance

Workshop on

Awareness Campaign on Preventive Measure and Drug Demand Reduction

Sponsored by:
TEQIP-3

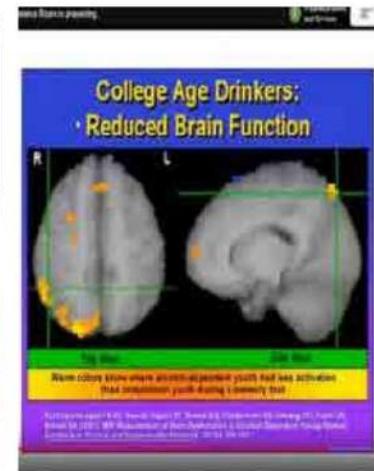
Time: 26th September, 2020; 11:00 AM
Venue: Conference Room, NIT Sikkim

Distinguished Speakers:

Prof. M. C. Govil
Director, NIT Sikkim

Prof. P. Murthy
NIMHANS, Bangalore

Shri. P. D. Rai
Ex. MP, Sikkim



कार्यक्रम पोस्टर और “निवारक उपायों और नशीली दवाओं की मांग में कमी पर जागरूकता अभियान” पर कार्यशाला की कुछ झलकियाँ

सामुदायिक विकास

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम विभिन्न गतिविधियों और सरकार की योजनाओं को बढ़ावा देने में सक्रिय भागीदारी करता है जैसे- स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय एकता दिवस, एक भारत श्रेष्ठ भारत, उन्नत भारत अभियान। हर साल राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ऐसे कार्यक्रमों पर स्वच्छता अभियान, चित्रकला प्रतियोगिता, रन फॉर यूनिटी मैराथन, आदि आयोजित करता है। संस्थान निदेशक के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में सभी छात्र, संकाय और कर्मचारी इन कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए एकत्रित होते हैं। संस्थान छात्रों को प्रोत्साहित करने एवं प्रेरित करने के लिए विभिन्न स्थानों से प्रतिष्ठित हस्तियों और मेहमानों को भी आमंत्रित करता है।



वृक्षारोपण ड्राइव



अग्नि प्रशिक्षण कार्यशाला



स्वच्छ भारत अभियान को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियान



अग्नि प्रशिक्षण कार्यशाला

पीयर ग्रुप लर्निंग

अंतिम वर्ष और पूर्व-अंतिम वर्ष के स्रातक छात्रों की निगरानी और पर्यवेक्षण के तहत विशेष रूप से प्रथम वर्ष के स्रातक छात्रों के लिए उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था करने के लिए सहकर्मी शिक्षण समूहों का गठन किया जाता है। छात्रों को 9 समूहों में बांटा गया था। उपचारात्मक कक्षाएं सत्रीय कार्यों को पूरा करने, शंकाओं को दूर करने और समग्र विषय ज्ञान को अर्जित करने के लिए फायदेमंद थीं।

| प्रशिक्षक (छात्र) का नाम | प्रशिक्षक का रोल नंबर | सत्र (घंटा) | प्रशिक्षक (छात्र) का नाम | प्रशिक्षक का रोल नंबर | सत्र (घंटा) |
|--------------------------|-----------------------|-------------|--------------------------|-----------------------|-------------|
| प्रिया कुमारी प्रसाद | बी170122ईसी | 20 | नीलाव चट्ठी | बी180005सीएस | 18 |
| सुमित राज | बी170022सीएस | 16 | कोणार्क केशव | बी180089सीएस | 16 |
| आदर्श श्रीवास्तव | बी180001सीएस | 17 | जतिन कुमार | बी180029सीएस | 18 |
| वर्षा रानी | बी180032सीएस | 17 | निजाम कृष्ण चैतन्य | बी180024सीएस | 18 |
| शानू त्यागी | बी180018सीएस | 22 | | | |

विभागीय क्लबों की गतिविधियाँ

विभागीय क्लब सभी विभागों के अभिन्न अंग हैं जो छात्रों के सीखने, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और व्यावसायिक विकास का समर्थन करते हैं। विभिन्न छात्र क्लबों की वर्ष भर की गतिविधियाँ नीचे दी गई हैं।

रेगेंट इंक

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में साहित्यिक और मुखर स्वभाव सहित छात्रों के समग्र विकास की दृष्टि के साथ 24 फरवरी 2018 को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग का क्लब "द रेगेंट इंक" एक साहित्यिक क्लब के रूप में स्थापित किया गया था। छात्रों को यह महसूस न कराने के लिए कि कॉलेज जीवन के उनके पाठ्येतर पक्ष में प्रयास की कमी है, द रेगेंट इंक ने अपने सभी आयोजनों जैसे कि कॉन्फ्लुएंस, प्रूव अस राँग आदि को सफल तरीके से आयोजित किया, जिसकी झलकियाँ हैं नीचे संक्षेप में।

• संगम

रेगेंट इंक ने 24 जुलाई 2020 से 30 अगस्त 2020 तक विभिन्न पूर्व छात्रों के साथ संवादात्मक सत्रों की एक शृंखला, कॉन्फ्लुएंस की शुरुआत की, जो राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम की वर्तमान और पिछली पीढ़ी के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है।

| एपेसाड | वक्ता | तिथि |
|--------|----------------------|---------------|
| 1 | श्री रोहन महापात्र | 24 / 7 / 2020 |
| 2 | श्री विशाल शर्मा | 1 / 8 / 2020 |
| 3 | सुश्री प्रियंका मिजू | 9 / 8 / 2020 |
| 4 | श्री अनुराग डी.गौर | 16 / 8 / 2020 |
| 5 | श्री आदित्य आर्य | 23 / 8 / 2020 |
| 6 | श्री अजय कुमार | 30 / 8 / 2020 |



संगम के वक्ता

संगम के पोस्टर

• हिंदी पखवाड़ा

हिंदी पखवाड़ा के तहत 12-9-2020 से 17-9-2020 तक शृंखलात्मक कार्यक्रमों का ऑनलाइन आयोजन किया गया था जो मुख्य रूप से हिंदी भाषा के महत्व पर केंद्रित था।

| क्रमांक | कार्यक्रम | तिथि |
|---------|------------------------|-------------------------|
| 1 | कविता पाठ | 14/09/2020 |
| 2 | कविता लेखन | 15/09/2020 |
| 3 | चित्रकारी प्रतियोगिता | 13/09/2020 - 17/09/2020 |
| 4 | निबंधलेखन प्रतियोगिता | 16/09/2020 |
| 5 | कहानीलेखन प्रतियोगिता | 17/09/2020 |
| 6 | फोटोग्राफी प्रतियोगिता | 13/09/2020 - 17/09/2020 |

हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम विवरण और पोस्टर

• प्रूव अस राँग

किसी को भी चर्चा से पीछे नहीं हटना चाहिए और 19 से 20 दिसंबर, 2020 तक आयोजित हमारी पहली ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता " प्रूव अस राँग " के साथ इसे फिर से प्रमाणित किया गया।

| क्रमांक | दौरा | तिथि |
|---------|---|---------------|
| 1 | अंतर विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (योग्यता दौरा) | 19 - 12 -2020 |
| 2 | अंतर-विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (अंतिम दौरा) | 20-12-2020 |

- गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम
26 जनवरी 2021 को, द रेस्टेंट इंक द्वारा 72वें गणतंत्र दिवस को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म गगल मीट के माध्यम से बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया तथा हमारे देश की स्वर्णिम विरासत को याद किया गया।



• आजादी का अमृत महोत्सव

द रेस्टेंट इंक ने टीईव्यूआईपी III के सहयोग से, भारत के स्वतंत्रता संग्राम को स्वीकार करते हुए "आजादी का अमृत महोत्सव" (12 मार्च 2020 को हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन) का आयोजन किया।

• राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम में देवकैस, विकास और कोडिंग

देवकैस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के छात्रों का कोडिंग क्लब, मुख्य रूप से संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। 2020-21 में इस क्लब की विभिन्न कार्यक्रमों का सारांश नीचे दिया गया है :

• लोगो प्रतियोगिता

कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में छात्रों के विकास की राह पर चलते हुए, 23 सितंबर 2020 को एक लोगो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों के कलात्मक दृष्टिकोण को इमेज वैक्टर में आकार देकर क्लब के साथ उनके बंधन में मदद करना था। प्रतियोगिता में छात्रों से 8 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें से वर्तमान लोगो का चयन किया गया।

• कोडथॉन - इंटर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कोडिंग प्रतियोगिता 2021

पूरे देश में एनआईटीयस के साथ प्रतिस्पर्धा को समृद्ध करने के उद्देश्य से, छात्रों को 7 जनवरी से शुरू होने वाली एक सप्ताह की कोडिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिसमें प्रत्येक प्रश्न आत्म-विकास को विकसित करने के लिए था। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के 127 प्रतिभागियों के साथ, कोडिंग के प्रति छात्रों के झुकाव को प्रदर्शित करते हुए, प्रतिभागियों की संख्या के मार्गे में संस्थान सभी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में 12 वें स्थान पर रहा। इसने छात्रों को दबाव में समस्या समाधान का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने की अनुमति दी जो एक मूल्यवान कौशल है।



• ओपन सोर्स कंट्रीब्यूशन और गूगल समर ऑफ कोड पर कार्यशाला

देवकैंस ने 7 फरवरी 2021 को ओपन सोर्स कंट्रीब्यूशन और गूगल समर ऑफ कोड पर एक वार्ता सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्रों को ओपन सोर्स योगदान की मूल बातें समझने और जीएसओसी को विलयर करने का सही तरीका चुनने में मदद करना है। उपरोक्त सत्र में एम. संगम कुमार, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के पूर्व छात्र (बी150110सीएस) और एक जीएसओसी इंटर्न थे, छात्रों को प्रबुद्ध करने के लिए इसके वक्ता थे। इस सत्र के सभी विषयों में संस्थान के 157 छात्रों की भागीदारी देखी गई और एक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ समाप्त हुआ जिसने उन्हें सॉफ्टवेयर विकास, परीक्षण और सर्वोत्तम प्रथाओं में बहुत आवश्यक अंतर्दृष्टि प्रदान की।

• मासिक कोडिंग प्रतियोगिताएं

एक कोडिंग स्वभाव को बढ़ावा देने के लिए निरंतरता और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, देवकैंस ने कम से कम 15 से 20 मासिक प्रतिभागियों के साथ हैकरअर्थ और कोडशेफ जैसे प्लेटफार्मों द्वारा आयोजित मासिक कोडिंग प्रतियोगिताओं को बढ़ावा दिया।

| क्रमांक | नाम | तिथि | समयांतराल |
|---------|-------------------|------------|-----------|
| 1 | दिसंबर सर्किट '20 | 19/12/2020 | 7 दिन |
| 2 | फरवरी सर्किट '21 | 20/2/2021 | 7 दिन |
| 3 | मार्च सर्किट '21 | 15/3/2021 | 7 दिन |
| 4 | अप्रैल सर्किट '21 | 10/ 4/2021 | 7 दिन |

• प्रतियोगी कोडिंग और प्लेसमेंट की तैयारी पर चर्चा

2 मई 2021 को, देवकैंस ने छात्रों को उद्योग कार्य संस्कृति और कोडिंग प्रथाओं की गहरी जानकारी प्राप्त करने में मदद करने के लिए प्रतिस्पर्धा कोडिंग और प्लेसमेंट तैयारी पर एक वार्ता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के 58 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें सुश्री ममता कुमारी (एक उद्योग विशेषज्ञ) ने छात्रों का मार्गदर्शन किया और उन्हें अपने कोडिंग कौशल को पूरी तरह से तेज करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अनुब्रत

अनुब्रत कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग का विभागीय क्लब है, जो छात्रों को अनुसंधान और विकास कार्यों के लिए प्रोत्साहित करता है। क्लब युवा अभियंताओं को अपने विचारों, नवाचारों और विचार प्रक्रियाओं को दुनिया के सामने रखने के लिए "अनुब्रत" एक मंच भी प्रदान करता है। अनुब्रत द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रमों का सारांश नीचे दिया गया है:

| क्रमांक | कार्यक्रम | संसाधन व्यक्ति | चर्चा का विषय | तिथि |
|---------|--|---|--|-----------------|
| 1 | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान | प्रो. शंकर कुमार पाल, राष्ट्रीय विज्ञान अध्यक्ष, एमेरिटस प्रोफेसर, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और पूर्व निदेशक, आईएसआई कोलकाता | ग्रैनुलर माइनिंग इन वीडियो एनालिटिक्स | 28 फरवरी, 2021 |
| 2 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 1 | श्री नवनीत किशन, इंटेल कॉर्पोरेशन में एसओसी डिजाइन अभियंता | डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन | 21 मार्च, 2021 |
| 3 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 2 | श्री रजत कुमार सिन्हा, पीएचडी विद्वान, टोरंटो विश्वविद्यालय। | नैनोफोटोनिक्स | 28 मार्च, 2021 |
| 4 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 3 | श्री पारस राम मीणा, बिक्री अधिकारी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड | फिनान्सिअल सिस्टम्स एंड कैपिटल मार्केट | 4 अप्रैल, 2021 |
| 5 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 4 | श्री निशांत चौधरी, अभियंता, इंटेल कॉर्पोरेशन | एम्बेडेड सिस्टम्स | 11 अप्रैल, 2021 |
| 6 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 5 | श्री शुभम जैन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर, प्लिपार्क्ट | बिटकॉइन-वर्किंग, मथोडोलोजी एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी | 18 अप्रैल, 2021 |
| 7 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 6 | श्री अंकुर झा, उप अभियंता, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड | बेसिक्स ऑफ राडार सिस्टम्स | 25 अप्रैल, 2021 |

निर्माण

जनपद अभियांत्रिकी विभाग एक गैर-लाभकारी संगठन "निर्माण" संचालित करता है। इस समाज के सदस्यों में सातक छात्र, संकाय सदस्य, विभाग के कर्मचारी और पूर्व छात्र शामिल हैं। यह सोसायटी जनपद अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों के समग्र विकास में मदद और सुविधा प्रदान करने के लिए काम करती है। निर्माण वर्ष भर की बनाई योजना से विभिन्न आयोजनों और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने और तेज करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। जब भी संभव हो, मंच को अन्य विभागों के छात्रों के साथ साझा किया जाता है।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में अँनलाइन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2021 को शाम 4:30 बजे मनाया गया। डॉ. शंभुनाथ बर्मन, विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी ने विभाग के छात्रों के दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के महत्व के साथ-साथ भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के बारे में अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के सातक छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विज्ञान दिवस पर भाषण, गायन, स्वरूपानन्द, कहानी, बीट बॉक्सिंग और वाद्य-वादन के रूप में छात्र अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में छात्रों की भागीदारी की झलक

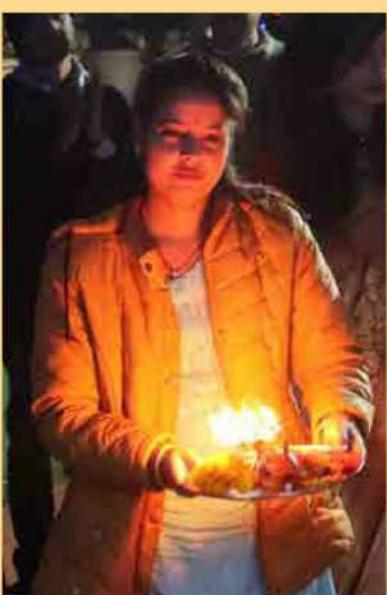
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम में कुछ और कार्यक्रमों की झलक



शिक्षक दिवस के स्क्रीनशॉट द रेग्रेट इंक के सहयोग से छात्रों द्वारा वीडियो शुभकामनाएं



संवैधानिक दिवस का अवलोकन



दिवाली उत्सव

छात्रों के लिए सुविधाएं

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान नोडल अधिकारी (छात्रवृत्ति) - श्री राम नेपाल

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के छात्र केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति से लाभान्वित होते हैं। 2020 के बाद से, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने "अनुसूचित छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा" योजना के तहत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम में स्लॉट को 10 से 28 नए स्लॉट तक बढ़ा दिया है। जनजातीय मामलों के मंत्रालय से सभी अनुसूचित जनजातीय श्रेणी के छात्र "अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा" के तहत छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने हेतु पात्र हैं, हालांकि, संबंधित मंत्रालय द्वारा चुने गए छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। संस्थान ने कई राज्यों के छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीकरण किया है जो छात्रों को उनकी पारिवारिक आय और शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न श्रेणियों के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है तदानुसार छात्रों को उनके संबंधित राज्यों से लाभान्वित किया जाता है। अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित छात्र अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय (एमओएमओ) से छात्रवृत्ति प्राप्त करते हैं। दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण विभाग, विशेष रूप से अक्षम छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। उल्लिखित योजनाओं के अलावा, छात्र भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, एमओई, के तहत कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सहायता प्राप्त छात्रवृत्ति योजनाओं - इंशान उदय की योजनाओं के तहत एमओई - उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना और सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए स्नातकोत्तर इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति से भी लाभान्वित किया जाता है। छात्रों को अन्य फंडिंग एजेसियों जैसे फाउंडेशन फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस एंड एक्सेस (एफएईए), स्वामी दयानंद चैरिटेबल एजुकेशन फाउंडेशन, एस आर जिंदल स्कॉलरशिप, सैमसंग स्टार स्कॉलरशिप आदि से भी छात्रवृत्ति मिलती है।

विभिन्न छात्रवृत्तियों के विवरण का उल्लेख नीचे किया गया है:

क. अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए शीर्ष स्तर की शिक्षा हेतु राष्ट्रीय फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति योजनाएं

इस योजना के तहत छात्रों को निम्नलिखित आधार पर वित्तीय सहायता मिलती है -

- क. ट्यूशन फीस: सभी अनुसूचित जनजाति छात्रों को संस्थान नियम के अनुसार पूरी ट्यूशन फीस में रियायत मिलती है।
- ख. पुस्तके और स्टेशनरी: ₹ 3000/- प्रति छात्र प्रति वर्ष
- ग. रहने आदि का खर्च: ₹ 2200/-प्रति माह
- घ. संगणक एवं उसके सहायक उपकरण: ₹ 45000/- पाठ्यक्रम के दौरान एक बार सहायता
- ड. गैर-वापसी योग्य शुल्क की प्रतिपूर्ति: अन्य संस्थान की सभी शैक्षणिक / गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्र द्वारा भुगतान की गई गैर-वापसी योग्य शुल्क। यह राशि वर्ष-वार भिन्न हो सकती है।

ख. अनुसूचित जाति के छात्रों को उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति योजनाएं

इस योजना के तहत छात्रों को निम्नलिखित आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त होती है -

- क. ट्यूशन फीस: सभी अनुसूचित जाति के छात्रों को संस्थान नियम के अनुसार पूरी ट्यूशन फीस में रियायत मिलती है।

- ख. किताबें और स्टेशनरी: ₹. 5000/-प्रति छात्र प्रति वर्ष

- ग. रहने का खर्च: ₹. 36000/- प्रति वर्ष

- घ. संगणक और उसके सहायक उपकरण: ₹. 45000/- पाठ्यक्रम के दौरान एक बार सहायता।

- ड. गैर-वापसी योग्य शुल्क की प्रतिपूर्ति: अन्य संस्थान की सभी शैक्षणिक / गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्र द्वारा भुगतान की गई गैर-वापसी योग्य शुल्क। यह राशि वर्ष-वार भिन्न हो सकती है।

ग. कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए केंद्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति की योजना

छात्रवृत्ति ₹. 10,000/- प्रति वर्ष है।

घ. अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित छात्रों के लिए श्रेष्ठता-सह-साधन आधारित छात्रवृत्ति

इस योजना के तहत छात्रों को निम्नलिखित आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त होती है -

- क. पाठ्यक्रम शुल्क: ₹. 20,000/- प्रति वर्ष

- ख. रखरखाव भत्ता: एक शैक्षणिक वर्ष में 10 महीने की अवधि के लिए ₹. 10,000/- प्रति माह

ड. दिव्यांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं

इस योजना के तहत छात्रों को निम्नलिखित आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त होती है -

- क. रखरखाव भत्ता: ₹. 1600/- प्रति माह

- ख. दिव्यांगता भत्ता: यह राशि उम्मीदवार की दिव्यांगता मानदंडों के आधार पर भिन्न हो सकती है।

- ग. पुस्तक भत्ता: ₹. 1500/- प्रति वर्ष।

- घ. अनिवार्य गैर-वापसी योग्य शुल्क की प्रतिपूर्ति: अन्य संस्थान की सभी शैक्षणिक / गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्र द्वारा भुगतान की गई गैर-वापसी योग्य शुल्क। यह राशि वर्ष-वार भिन्न हो सकती है।

च. अन्य राज्यों से छात्रवृत्तियाँ

बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड, असम और सिविकम जैसे अन्य राज्यों से संबंधित छात्र अपनी राज्य सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं से छात्रवृत्ति का लाभ उठाते हैं।

छ. अन्य वित्तपोषण एजेंसियों से छात्रवृत्ति:

- स्वामी दयानंद धर्मर्थ शिक्षा फाउंडेशन
- सैमसंग स्टार स्कॉलरशिप
- शैक्षिक उक्तिष्ठान और पहुंच के लिए फाउंडेशन (एफईए)
- एस.आर. जिंदल छात्रवृत्ति
- एनएचएफडीसी

इनके अलावा, केंद्र और राज्य सरकार की कई और छात्रवृत्ति योजनाएं हैं। जहां छात्रों को सीधे लाभान्वित किया जाता है। संस्थान स्तर पर सत्यापन के बाद छात्र का आवेदन उनके संबंधित राज्य और फिर संबंधित मंत्रालय को भेज दिया जाता है। यदि पुरस्कार देने वाले छात्रों को प्राधिकारी द्वारा चुना जाता है, तो छात्र सीधे अपने बैंक खातों में छात्रवृत्ति प्राप्त करते हैं। अधिष्ठाता (एसडब्ल्यू) कार्यालय से संस्थान के छात्रों को रेलवे रियायत सेवा भी प्रदान की जाती है।

केंद्रीय योजना और यूजीसी योजनाओं के माध्यम से वर्ष 2020-21 के दौरान छात्रवृत्ति के लिए अनुसूचित छात्रों की संख्या नीचे दी गई है:

| क्रमांक | छात्रवृत्ति योजना | छात्रों की संख्या |
|-----------|--|-------------------|
| 1 | अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष स्तर की शिक्षा का केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति | 44 |
| 2 | अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति- छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) | 30 |
| 3 | ईशान उदय - उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना | 6 |
| 4 | कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना | 6 |
| 5 | मेरिट कम मीन्स स्कॉलरशिप फॉर प्रोफेशनल एंड टेक्निकल कोर्स सीएस | 3 |
| 6 | दिव्यांग छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति | 1 |
| 7 | दिव्यांग छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति | 1 |
| 8 | उच्च व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एनईआर के छात्रों को वित्तीय सहायता (एनईसी मेरिट छात्रवृत्ति) | 1 |
| 9 | व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने के लिए अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए पीजी छात्रवृत्ति योजना | 4 |
| कुल छात्र | | 96 |

अन्य राज्यों की योजनाओं से वर्ष 2020-21 के दौरान छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या नीचे दी गई है:

| क्रमांक | छात्रवृत्ति योजना | छात्रों की संख्या |
|-----------|---|-------------------|
| 1 | मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना (एमएमवीवाई), एम.पी | 2 |
| 2 | मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना (एमएमजेकेवाई), एम.पी | 1 |
| 3 | पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, उत्तर प्रदेश | 12 |
| 4 | ई कल्याण, झारखण्ड सरकार | 6 |
| 5 | अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, असम | 3 |
| 6 | अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, मणिपुर | 1 |
| 7 | अनुसूचित जनजाति के बच्चों की शिक्षा के लिए छाता योजना- अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (पीएमएस), अरुणाचल प्रदेश | 1 |
| कुल छात्र | | 26 |

बालक छात्रावास

वर्तमान में संस्थान एक अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है और परिसर के भीतर छात्रावास सीमित है। प्रौद्योगिकी स्नातक, प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर, और विज्ञान स्नातकोत्तर छात्रों को परिसर के भीतर और बाहर संस्थान के द्वारा आवास प्रदान किए जाते हैं। परिसर के भीतर छात्राओं के लिए अलग छात्रावास भी उपलब्ध है। सभी छात्रावास के कमरे आवश्यक फर्नीचर और सुविधाओं से सुसज्जित हैं। परिषर के अन्दर का आवास पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम है। छात्रों को टीवी, जिम्माणिक एवं इनडोर खेल जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

क. परिसर में छात्रावास विवरण:

मुख्य वार्डन-परिसर प्रभारी - डॉ. ओम प्रकाश

i. बालक छात्रावास विवरण

| क्रमांक | छात्रावास का नाम | निवासियों की संख्या | वार्डन |
|---------|------------------|---------------------|---|
| 1. | पूर्वनिर्मित-1 | 138 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी श्री सुमित कुमार |
| 2. | पूर्वनिर्मित-2 | 155 | डॉ. शंभूनाथ बर्मन डॉ. कुंतल मंडल श्री गजेन्द्र एस. शेखावत |
| 3. | छात्र आवास - 1 | 19 | डॉ. अंजन कुमार रे |
| 4. | छात्र आवास - 2 | 26 | डॉ. मलय राय |
| 5. | छात्र आवास - 3 | 26 | डॉ. बी बालाजी नाइक |

ii. बालिका छात्रावास विवरण

| क्रमांक | छात्रावास का नाम | निवासियों की संख्या | वार्डन |
|---------|-------------------|---------------------|---------------------|
| 1 | कन्या छात्रालय-1 | 24 | |
| 2 | कन्या छात्रालय -2 | 07 | |
| 3 | कन्या छात्रालय-3 | 30 | सुश्री गोपा भौमिक |
| 4 | कन्या छात्रालय-4 | 29 | श्रीमती रेशमी धारा |
| 5 | कन्या छात्रालय-5 | 23 | सुश्री अनुलेखा साहा |
| 6 | कन्या छात्रालय-6 | 30 | |
| 7 | कन्या छात्रालय-7 | 7 | |

ख. परिसर से बाहर बालक छात्रावास

स्नातक प्रथम वर्ष और स्नातकोत्तर लड़कों के छात्रों को समायोजित करने के लिए रावंगला शहर में 6 भवनों को किराए पर लिया गया है। इसके अलावा, बाहरी छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को बस सुविधा प्रदान की जाती है।

मुख्य वार्डन-परिसर प्रभारी (बाहरी) – डॉ. देबजीत साहा

| क्रमांक | छात्रावास का नाम | छात्र श्रेणी | वार्डन |
|---------|--------------------|---|---|
| 1 | बाहरी छात्रावास- 1 | विद्या वाचस्पति स्कॉलर्स और प्रोजेक्ट फेलो | डॉ. सुकांता धर |
| 2 | बाहरी छात्रावास-2 | विद्या वाचस्पति स्कॉलर्स और प्रोजेक्ट फेलो | डॉ. अभिषेक राजन |
| 3 | बाहरी छात्रावास-3 | स्नातक प्रथम वर्ष के लड़के: कुल 23 | डॉ. प्रदीप मंडल |
| 4 | बाहरी छात्रावास- 4 | स्नातक प्रथम वर्ष के लड़के: कुल 104 | श्री मनोहर कुमार |
| 5 | बाहरी छात्रावास-5 | स्नातक प्रथम वर्ष के लड़के: कुल 40 | श्री प्रतीक कुमार शॉ |
| 6 | बाहरी छात्रावास-6 | स्नातकोत्तर (प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर और विज्ञान स्नातकोत्तर): कुल 43 | डॉ. प्रसेनजीत दे डॉ. अविनाश कुमार श्री पंकज कुमार केसरवानी डॉ. शितेन्द्र सोम |

भोजनालय सुविधाएं

संस्थान में तीन अलग-अलग छात्र भोजनालय हैं, जिनमें से दो भोजनालय परिसर के भीतर अलग-अलग जगहों पर स्थित हैं। दोनों भोजनालय, परिसर में रहने वाले छात्र, छात्राओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समर्पित हैं। एक भोजनालय परिसर के बाहर वाले छात्रावास में स्थित है जो बाहरी छात्रावास में रहने वाले छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। मुख्य वार्डन और अन्य वार्डनों की देखरेख में छात्र भोजनालय समिति ठेकेदारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का सुचारू रूप से संचालन और गुणवत्ता की देखरेख करती है।

क्रीड़ा और खेल

अस्थायी परिसर में जगह की कमी के बावजूद छात्रों को आवश्यक मनोरंजन और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए हैं। छात्रों के लिए एक बहु-व्यायामशाला प्रदान की गई है। संस्थान द्वारा वर्ष भर विभिन्न खेलों और खेलकूद आयोजनों का आयोजन किया गया। इंटर-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेल, सांस्कृतिक और तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया जाता है और इसके लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है।

नियमित इनडोर खेलों और खेल गतिविधियों के लिए, प्रत्येक छात्रावास में टेबल टेनिस और कैरम बोर्ड की सुविधा है। इसके अलावा, परिसर के अंदर दो खेल मैदान हैं जहाँ छात्र फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो और क्रिकेट खेल सकते हैं। पुराने शैक्षणिक भवन के अंदर एक सुव्यवस्थित इनडोर बैडमिंटन कोर्ट भी है। रात में खेलने के लिए सभी मैदानों और कोर्ट में बिजली की समुचित व्यवस्था है।

देश के विभिन्न हिस्सों में कई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न इंटर-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान टूर्नामेंट में भी छात्र भाग लेते हैं और हर साल बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं।

परिसर के अंदर लड़कों के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला है जहाँ सभी आधुनिक व्यायामशाला उपकरण रखे गए हैं। छात्राओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक अलग व्यायामशाला भी बनाई गई है।

इसके अलावा खेल गतिविधियों में छात्रों को प्रेरित करने के लिए हर साल संस्थान की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। सभी इनडोर और आउटडोर खेल आयोजनों के साथ कई एथलेटिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हालांकि, इस साल हम कोविड-19 महामारी के कारण वार्षिक स्पोर्ट्स मीट का आयोजन नहीं कर सके।







अस्थायी परिसर में बुनियादी ढांचे का विकास



संस्थान के अस्थायी परिसर में जगह की कमी और अत्यधिक चरम जलवायु की स्थिति के कारण पर्याप्त संख्या में कक्षाएँ और प्रयोगशालाएँ उपलब्ध नहीं थीं, इसलिए संस्थान को सुचारू रूप से संचालन के लिए आवश्यक न्यूनतम बुनियादी ढाँचा तथा मौजूदा संरचनाओं की नियमित मरम्मत/रखरखाव करने का प्रयास किया गया है। संपदा अनुभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के बुनियादी ढाँचे से संबंधित सभी गतिविधियों का प्रबंधन करता है। संस्थान पिछले 11 वर्षों से अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है और परिसर को आवश्यक शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के निर्वहन के लिए नियमित मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता होती है। इसके लिए, बीडब्ल्यूसी और बीओजी के अनुमोदन से, आवश्यक और बुनियादी प्रयोगशालाओं/कक्षाओं और अन्य बुनियादी ढाँचे को उपलब्ध कराने के लिए अस्थायी शोडों का निर्माण शुरू किया गया है। वर्ष २०२०-२१ में, संस्थान ने निम्नलिखित परियोजनाओं को शुरू किया गया, जो या तो निर्माणाधीन हैं या पूर्ण हो चुकी है,

क) जनपद अभियांत्रिकी विभाग के लिए परिवहन और जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला शेड का निर्माण

जनपद अभियांत्रिकी विभाग में पर्याप्त स्थान उपलब्ध न होने के कारण विभाग पाठ्यक्रम के अनुसार छात्रों को कुछ बुनियादी प्रयोगशालाएँ प्रदान करने में पूर्णतः सक्षम नहीं हैं। प्रयोगशालाओं की कमी के कारण छात्रों को कुछ अन्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान /राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की यात्रा करनी पड़ती है, जो विशेषतः मानसून के मौसम में समय लेने वाली और

जोखिम भरी होती है। बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं के लिए छात्र इन प्रयोगशालाओं की निरंतर मांग कर रहे हैं। इसे देखते हुए और प्रयोगशालाओं की तकाल आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु शैक्षणिक भवन के पास शेड का निर्माण किया गया है। इन कार्यों को सम्पदा विभाग द्वारा जनपद एवं यांत्रिक विभागों की देखरेख में निष्पादित किया गया। इस नवनिर्मित प्रयोगशाला शेड का चित्र १ में दर्शाया गया है।



चित्र. 1 जनपद अभियांत्रिकी विभाग के लिए प्रयोगशाला शेड का निर्माण

ख) लड़कियों के लिए रसोई और भोजनालय शेड का निर्माण

चूंकि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम अस्थायी परिसर से काम कर रहा है तथा छात्राएं के लिए सीमित संख्या में छात्रावास के कमरे हैं। छात्रावास में रसोई और भोजनालय की समुचित सुविधा न होने के कारण बालिका छात्रावास के दो कमरों का उपयोग अस्थायी रसोई के रूप में किया जा रहा था। पिछले कुछ शैक्षणिक



चित्र. 2 लड़कियों की रसोई और भोजन के लिए शेड का निर्माण

सत्रों से आने वाली छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। अतः वर्तमान छात्रावास में अधिक छात्राओं को समायोजित करने के लिए मौजूदा रसोई को खाली करने का निर्णय लिया गया। इसके संबंध में रसोई, भोजनालय, और छात्राएं व्यायाम घर की सुविधा के लिए छात्रावास के पास एक शेड बनाया गया है। यह कार्य सम्पदा विभाग द्वारा निष्पादित किया गया है और इन नवनिर्मित शेडों की तस्वीरें चित्र 2 में दिखाई गई हैं।



ग) चिकित्सा इकाई का नवीनीकरण

परिसर में चिकित्सा इकाई को एक छोटे से कक्ष में रखा गया था। चिकित्सालय में जगह की भारी कमी थी और रखरखाव की आवश्यकताएं थीं। संकाय प्रभारी से प्राप्त अनुरोध के अनुसार, पर्याप्त सुविधाएं हेतु चिकित्सालय इकाई के नवीनीकरण की

तल्काल आवश्यकता थी। चिकित्सा इकाई का फर्श भी क्षतिग्रस्त हो गया था और टाइलिंग कार्य के अलावा भंडारण, ड्रेसिंग क्षेत्र, पेटिंग, जल निकासी, दीवारों आदि की मरम्मत और रखरखाव की व्यवस्था की भी आवश्यकता थी। इस कार्य को सम्पदा अनुभाग द्वारा इन-हाउस निष्पादित किया गया है। नवीनीकृत चिकित्सालय का चित्र 3 में दिए गए हैं।



चित्र. 3 चिकित्सा इकाई का नवीनीकरण



घ) संकाय भोजनालय का नवीनीकरण

परिसर में संकाय सदस्य तथा कर्मचारी के लिए भोजनालय में खाना पकाने एवं रखरखाव के लिए सीमित स्थान था और वह भी काफी



चित्र. 4 संकाय मेस का नवीनीकरण

ड) परिसर के विभिन्न स्थानों पर मरम्मत और रखरखाव

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम दक्षिण सिविकम के रावंगला में एक अस्थायी परिसर में चल रहा है। रावंगला में भारी वर्षा होती है जो साल में लगभग 6 से 7 महिनों तक चलती है और इसके कारण परिसर के अधिकांश पैदल पथ और पार्किंग स्थान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। कई जगहों पर यह फिसलन भरे और चलने में बेहद खतरनाक हो जाते हैं। इसलिए फुटपाथ व पार्किंग स्प्ल की मरम्मत व रख-रखाव का कार्य पैवर ब्लॉक व टाइल्स लगाकर करना आवश्यक था।

खराब स्थिति में था। संकाय तथा कर्मचारी से प्राप्त अनुरोध के अनुसार संकाय भोजनालय की मरम्मत का कार्य करा दिया गया है। कार्य सम्पदा अनुभाग द्वारा इन-हाउस निष्पादित किया गया है और उसी के चित्र 4 में दिए गए हैं।



च) प्रीफैब्रिकेटेड शेड-III (स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला) का निर्माण

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम दक्षिण सिविकम के रावंगला में स्थित एक अस्थायी परिसर से काम कर रहा है। परिसर में प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए जगह की कमी है। छात्र प्रयोगशालाओं के लिए निरंतर मांग कर रहे हैं और संस्थान के पास इसके लिए उचित स्थान नहीं है। इसे देखते हुए सीपीडब्ल्यूडी को प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए प्रीफैब्रिकेटेड शेड (शेड- I, शेड- II और शेड- III) बनाने का काम सौंपा गया था। प्रीफैब्रिकेटेड शेड-III का निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा पूरा कर लिया गया है और अब इसे स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी और सीएडी/सीएएम प्रयोगशालाओं के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इसकी तस्वीर चित्र 6 में दी गई है।



चित्र. 5 पूर्वनिर्मित शेड-III

छ) शेड-II में निर्माण कार्य

प्रीफैब्रिकेटेड शेड-II का निर्माण कार्य २०१५-२०१६ से प्रगति पर है और कई अनुरोधों और निरंतर अनुनय के बावजूद सीपीडब्ल्यूडी द्वारा आज तक पूरा नहीं किया गया। सम्पदा अनुभग द्वारा कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई और सीपीडब्ल्यूडी के साथ चर्चा की गई। उनसे प्राप्त प्रतिक्रिया के बाद शेड-II को उपयोग योग्य बनाने हेतु कार्य को जल्द से जल्द किए जाने की आवश्यकता थी। सीपीडब्ल्यूडी ने स्पष्ट रूप से उपरोक्त कार्यों को करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की और संस्थान से इसे पूरा करने का अनुरोध किया। सीपीडब्ल्यूडी से प्राप्त अनुरोध के संदर्भ में और अत्यावश्यकता को देखते हुए, जनपद अभियांत्रिकी विभाग की देखरेख में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के संपदा विभाग द्वारा कार्य शुरू किया गया है। कार्य प्रगति पर है और उसी के चित्र ७ में दिए गए हैं।



चित्र.6 निर्माणाधीन प्रीफैब्रिकेटेड शेड-II

ज) सम्मेलन कक्ष की स्थापना

संस्थान के प्रशासनिक भवन में एक नया सम्मेलन/बैठक कक्ष स्थापित किया गया है। यह 40 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ एक अत्याधुनिक वीडियो कॉर्फेरिंग सुविधा से लैस है। आभासी सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विशेषज्ञ व्याख्यानों और बैठकों आदि की मेजबानी के लिए महामारी के बाद इसका उपयोग व्यापक रूप से किया गया है। कमरे की कुछ तस्वीरें नीचे दी गई हैं,



चित्र. 7 सम्मेलन/बैठक कक्ष की स्थापना





केंद्रीय पुस्तकालय



केंद्रीय पुस्तकालय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है। यह 2012 में ज्ञान और सूचना केंद्र के रूप में स्थापित किया गया था, जो शोधार्थियों की जानकारी, अनुसंधान सहायता और अध्ययन सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करता है। इसका उद्देश्य अपने उपयोगकर्ताओं को अपनी आवश्यक सुविधाओं के माध्यम से उनकी सीखने की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रभावी सेवाएं प्रदान करना है। यह शैक्षणिक बिरादरी और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रिंट और डिजिटल दोनों रूपों में संसाधनों के संग्रह के पहलुओं में बढ़ रहा है और विस्तार कर रहा है। पुस्तकालय संरक्षकों को विभिन्न सेवाएं प्रदान कर रहा है जैसे पाठ और संदर्भ पुस्तकों का प्रसार, फोटोकॉपी, और स्कैनिंग सेवाएं आदि। हालांकि, स्थान अत्यधिक सीमित है और छात्रों के लिए अधिक सीखने के संसाधनों और पहुंच के लिए तकाल समाधान की आवश्यकता है। कुछ सुविधाओं का संक्षेप इस प्रकार है:

संग्रह

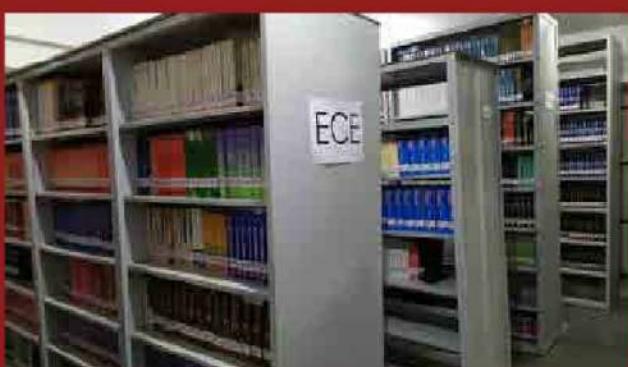
केंद्रीय पुस्तकालय के संग्रह में प्रिंट के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक संसाधन भी हैं। इसमें पाठ्य पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, विभिन्न शब्दकोशों, पत्रिकाओं का अच्छा संग्रह है।

इसमें अभियानिकी के साथ-साथ बुनियादी विज्ञान विभाग जैसे एस प्रिंजर- नेचर, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, एनडीएल ई-संसाधन सहित संबंधित विभागों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए समृद्ध इलेक्ट्रॉनिक संसाधन हैं। इसमें ई-पुस्तकों के कई शीर्षकों तक पहुंच भी है।

अन्य सुविधाएं

यह फोटोकॉपी, प्रिंटिंग और स्कैनिंग सुविधाओं से सुसज्जित है। पुस्तकालय कोहा प्रणाली के साथ स्वचालित है जो एक खुला स्रोत एकीकृत पुस्तकालय प्रणाली (आईएलएस) है। किताबों का प्रसार बारकोड सिस्टम के जरिए होता है। जगह की कमी के बावजूद बहुउद्दीश्य हॉल में छात्रों के लिए वाचनालय की विशेष व्यवस्था की गई है। कमरे को गर्म करने की उचित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं ताकि छात्र शाम/रात के समय पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग कर सकें। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम का केंद्रीय पुस्तकालय पूरे वर्ष बुक बैंक सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम का पुस्तकालय मुख्य शैक्षणिक विषयों के अलावा पढ़ने के लिए विभिन्न वैकल्पिक पुस्तकें भी प्रदान कर रहा है।



पुस्तकालय सुविधाएं

पुस्तकों का संग्रह, कमरे को गर्म करने की सुविधा के साथ छात्र के पढ़ने की जगह का विस्तार, फोटोकॉपी, प्रिंटिंग और स्कैनिंग सुविधाएं

अनुसंधान और नवाचार





राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम विभिन्न अनुसंधान और नवाचार कार्यों में अपने योगदान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। संकाय सदस्यों को आभासी प्रयोगशाला ('वर्चुअल लैब्स') विकसित करने से सम्बंधित परियोजनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे वे कोविड 19 महामारी के दौरान छात्रों को सम्बल प्रदान सकें। इसके अलावा, संस्थान 'वर्चुअल लैब्स' के लिए नोडल केंद्र बन गया, जो आईसीटी के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के तहत शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है।

नवाचार प्रकोष्ठ छात्रों को उनकी तकनीकी रचनात्मकता के अन्वेषण हेतु प्रोत्साहित और समर्थन करता है। छात्र प्रगतिशील कार्यों में संलग्न रहते हैं और संस्थान उनकी प्रतिभा के प्रदर्शन हेतु उनका समर्थन करता है। डॉ. अंजन कुमार रे को एम ओ ई नवाचार प्रकोष्ठ (इनोवेशन सेल) और ए आई सी टी ई के कार्यान्वयन कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति (एनआईएसपी) के लिए नामांकित किया गया है। एनईपी 2020 के मिशन का समर्थन करने के लिए एनआईएसपी के कार्यान्वयन के लिए एक संस्थान समिति का गठन भी किया गया है।

तकनीकी स्रातक छात्र श्री प्रवेश शर्मा ने 22 दिसंबर, 2020 से 25 दिसंबर, 2020 के दौरान छात्र इंजीनियरिंग मॉडल प्रतियोगिता की श्रेणी के तहत भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 2020 (आई आई एस एफ 2020) में भाग लिया। यह कार्यक्रम संयुक्त रूप से विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, विज्ञान भारती (विभा) और सीएसआईआर द्वारा आयोजित किया गया था। एक और तकनीकी स्रातक छात्र श्री सौरव कुमार 12 अक्टूबर, 2020 से 19 फरवरी, 2021 तक एआईसी-स्मृतिबि के सहयोग से आईआईसी-स्मिट द्वारा आयोजित इनोवेटिव फ्यूचरिस्टिक प्रोडक्ट प्रोटोटाइप इंटरनेशनल चैलेंज में विजेता बने।

स्रातक छात्रों को भी संकाय सदस्यों के साथ अनुसंधान कार्य में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। उनकी सक्रिय भागीदारी के परिणामस्वरूप प्रतिष्ठित स्थानों में प्रकाशन भी हुए। ऐसी स्वीकृति के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

पी. के. के.सरवानी, वी. झा, आचार्य एम. सी. गोविल और ई. एस. पिल्ली, किलकेरहैंड : अ मेथोडोलॉजी बेज़ड ऑन हरिस्टिक अप्रोच टू डिटेक्ट मोबाइल एड -क्लिक फ्रॉड्स, कंप्यूटिंग, संचार और डेटा विज्ञान के प्रतिमान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीसीसीडीएस-2020), 2020, एनआईटी कुरुक्षेत्र।

डी वर्मा, एस. अधिकारी, और एस रे, फॉर्वार्डिंग स्टैटेजी इन एस डी एन बेज़ड कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क, संचार, कंप्यूटिंग और डेटा विज्ञान के प्रतिमान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीसीसीडीएस 2021), एन आईटी कुरुक्षेत्र (स्वीकृत)।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने आईआईटी कानपुर के साथ एक सदस्य संस्थान के रूप में सेंटर फॉर गंगा रिवर बेसिन मैनेजमेंट एंड स्टडीज (सीगंगा) से सम्बद्ध समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। सीगंगा का उद्देश्य गंगा नदी बेसिन के सतत विकास हेतु ज्ञान और सूचना का निर्माण और प्रसार करना भारत सरकार के स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी), जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा कायाकल्प (एमओडब्ल्यूआर, आरडी और जीआर) को प्रोत्साहन देना है।

वर्तमान में संस्थान में तीस प्रायोजित परियोजनाएं प्रगति पर हैं। डीएसटी, मेइटी, आईसीएसएसआर, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और सीसी, और टीईक्यूआईपी तृतीय प्रायोजक एजेसिपा हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम भी विश्वेश्वरैया पीएचडी का हिस्सा है। वर्तमान में चार छात्र पीएच.डी. विश्वेश्वरैया के माध्यम से पीएच.डी. कर रहे हैं। संकाय सदस्यों ने एसईआरबी, डीबीटी, डीएसटी जैसी फंडिंग एजेसियों के तथा कोविड 19 के विशेष आमन्त्रण से सम्बद्ध कई शोध प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए हैं। सीएसई विभाग (पीआई डॉ संग्राम रे), ईईई विभाग (पीआई डॉ मोलय रॉय और सह पीआई डॉ अरबिंद पांडा) और एचएसएस विभाग (पीआई डॉ धनंजय त्रिपाठी) MeitY, NaMPET -II (MeitY), और आईसीएसएसआर क्रमशः वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना प्राप्त हुई हैं। स्वीकृत राशि रु. 67.69 लाख, रु. 6 1.67 लाख, और रु 2.50 लाख क्रमशः हैं।

पीएचडी में नामांकित शोध छात्रों की कुल की संख्या 53 है, जिनमें 40 पुरुष और 13 महिला विद्वान हैं। संसाधनों की भारी कमी के बावजूद, संकाय सदस्य और विद्वान उच्च-स्तरीय शोध कार्यों में लगे हुए हैं जो उनके प्रयासों और शीर्ष-श्रेणी की पत्रिकाओं और सम्मेलनों में प्रकाशनों से स्पष्ट है। संस्थान के सदस्यों द्वारा 91 पत्रिका लेख, 34 सम्मेलन लेख, 20 पुस्तक अध्याय और 1 पुस्तक का योगदान दिया गया।

उत्तम अनुसंधान के सतत विकास हेतु संस्थान को अनुसंधान सुविधाओं व उसके अनुरूप परिवेश को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। संस्थान में कई परियोजना कार्य चल रहे हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:

अनुसंधान परियोजनायें

1. एस एम डी पी - सी 2 एस डी : डिजाइन ऑफ क्लास सी पावर एम्प्लीफायर ऐज़ ऐन इंडिविजुअल प्रोजेक्ट फॉर आर एफ एप्लीकेशन्स
प्रधान अन्वेषक - आचार्य महेश चंद्र गोविल
वित्त पोषण एजेंसी - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)
2. विश्वेश्वरैया प्रोजेक्ट: कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क : इट्स सेक्योरिटी आस्पेक्ट्स एंड डिजाइन ऑफ सम सेक्योरिटी सॉल्यूशंस यूज़िंग इलिटिक कर्व किएग्राफ़ी
प्रधान अन्वेषक - डॉ. संग्राम राय
वित्त पोषण एजेंसी - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)

3. विश्वेश्वरैया प्रोजेक्ट: डिजाइन ऑफ अ सेक्योर्ड बॉर्ड गेटवे प्रोटोकॉल एंड राउटर
प्रधान अन्वेषक - डॉ शोफालिका घोष समद्वार
वित्त पोषण एजेंसी - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)
4. विश्वेश्वरैया प्रोजेक्ट: डिजाइन ऑफ फ्रीकैंसी सिंथेसाइज़र एंड वी सी ओ फॉर आर एफ
प्रधान अन्वेषक - डॉ. संजय कुमार जाना
वित्त पोषण एजेंसी - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)

5. विश्वेश्वरैया प्रोजेक्ट: इंटेलिजेंस नेटवर्क रोबोटिक सिस्टम्स
प्रधान अन्वेषक - डॉ. अंजन कुमार राय
वित्त पोषण एजेंसी - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)
6. इनोवेटिव एंड स्टेनेबल डिसीज़न सपोर्ट सिस्टम फॉर ड्रिंकिंग वाटर सेक्योरिटी इन इंडियन हिमालयन रीजन ऑफ वेस्ट बंगाल
प्रधान अन्वेषक - डॉ. मो. नुरुज्जामान
वित्त पोषण एजेंसी - पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC)
7. द ऑकल्ट ट्रॉडिशन ऑफ शामनिज़म इन सिक्किम : अ स्टडी ऑफ इट्स बिलीफ एंड ट्राईबल नेचर
प्रधान अन्वेषक - डॉ धनंजय त्रिपाठी
वित्त पोषण एजेंसी - भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR)
8. डेवलपमेंट ऑफ एफिशिएंट एंड सेक्योर कंटेंट सेट्रिक नेटवर्क (सी सी एन) आर्किटेक्चर विथ कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल्स यूज़िंग इलिटिक कर्व क्रिएट्राफ़ी (ई सी सी)
प्रधान अन्वेषक - डॉ. संग्राम राय
वित्त पोषण एजेंसी - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
12. टी ई क्यू आई पी - III के तहत निम्नलिखित परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी:

| क्रमांक | परियोजना का नाम | प्रधान अन्वेषक का नाम |
|---------|-----------------|-----------------------|
|---------|-----------------|-----------------------|

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

| | | |
|---|--|---|
| 1 | डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ स्कीम(स) फॉर हैंडलिंग फ्लैश क्राउड इन लाइव वीडिओ स्ट्रीमिंग इन पीयर -टू -पीयर नेटवर्क | पीआई: आचार्य एम.सी. गोविल सह-पीआई: डॉ. कुंवर पाल |
| 2 | डेवलपमेंट ऑफ पार्टिकल स्वार्म ऑटिमाइज़ेशन बेज़ड स्कीम(स) फॉर इम्पूरिंग कवरेज एंड कनेक्टिविटी इन मोबाइल वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स | पीआई: डॉ प्रत्यय कुइला |
| 3 | डिज़ाइन ऑफ एफिशिएंट सेक्योर की मैनेजमेंट स्कीम फॉर इंटरनेट-ऑफ -थिंग्स यूज़िंग इलिटिक कर्व क्रिएट्राफ़ी (ई सी सी) | पीआई: डॉ संग्राम राय |
| 4 | डिज़ाइन ऑफ ऐन अप्रोच फॉर मॉनिटरिंग वाटर कालिटी इन लार्ज रेज़ोयर यूज़िंग अंडरवॉटर सेंसर नेटवर्क | पीआई: आचार्य एम.सी. गोविल सह-पीआई: श्री गणेश सिंह शेखावत |

विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग

| | | |
|---|---|-------------------------|
| 5 | डेवेलपमेंट ऑफ अ प्रोटोटाइप ऑफ अ क्राडूप्ट एंड अ हाई डेक्स्टरिटी रोबोटिक प्लेटफार्म | पीआई: डॉ अंजन कुमार राय |
| 6 | डेवेलपमेंट ऑफ इंटीग्रेटेड पावर कालिटी बेज़ड फोटोवोल्टाइक डिस्ट्रिब्यूटेड जेनरेशन सिस्टम | पीआई: डॉ अरबिंद पांडा |
| 7 | डिज़ाइन एंड डेवेलपमेंट ऑफ कैस्केड मल्टी - लेवल इन्वर्टर फॉर इंडस्ट्री एप्लीकेशन्स | पीआई: डॉ मलय राय |

कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग

| | | |
|---|---|--------------------------|
| 8 | डिज़ाइन ऑफ ऐन ऑल रेट क्लॉक डिवाइडर विथाउट अ फेज मिसमेच और ड्यूटी साइकल डिस्टोर्शन | पीआई: डॉ संजय कुमार जाना |
| 9 | डिज़ाइन ऐड डेवेलपमेंट ऑफ हाई गेन अल्ट्रा - वाइडबैंड एटेना विथ शार्प मल्टीपल नॉचेस फॉर सरफेस पेनेट्रेटिंग रडार एप्लिकेशन | पीआई: डॉ सुरजीत कुंदू |

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

| | | |
|----|--|--|
| 10 | एनालिसिस ऑफ एटमोस्फेरिक बाउंडरी लेयर यूज़िंग एनहांस्ड वाल फंक्शन ऐंड इम्प्रूब्ड इनलेट कंडीशन | पीआई: डॉ रंजन बसाक |
| 11 | डिजाइन ऐंड डेवेलपमेंट ऑफ सोलर- पी वी बेज़ विंटर एयर कंडीशनिंग सिस्टम्स फॉर टिपिकल क्लासरूम्स | पीआई: डॉ शंभुनाथ बर्मन सह-पीआई: डॉ. प्रदीप मंडल |

भौतिकी विभाग

| | | |
|----|--|----------------------------|
| 12 | इन्वेस्टीगेशन ऑफ "शेयर्ड प्योरिटी" ऑफ स्टेट्स | पीआई: डॉ अनिंच बिस्वास |
| 13 | आइडैटिफिकेशन ऑफ अथेक्टिक - इंज्यूर्ड अनोमलीज इन काम्प्लेक्स साइल आर एन - 222 टाइम सीरीज़ | पीआई: डॉ. एमडी. नुरुज्जमान |

रसायनिक विभाग

| | | |
|----|--|---|
| 14 | सिंथेसिस ऑफ कंडेंस्ड हेट्रोसाइक्ल्स विथ बायोएक्टिव पॉटेंशिअल | पीआई: डॉ तारकनाथ कुंडू सह-पीआई: डॉ निधि गोविल |
| 15 | बायोइंस्पार्क्ड मेटल काम्प्लेक्स ऐस एलेक्ट्रोकैटिलिस्ट्स फॉर ऑक्सीजन रेडक्शन रिएक्शन | पीआई: डॉ अचिंतेश नारायण बिस्वास सह-पीआई: डॉ निधि गोविल |
| 16 | मेडीसीनली पोटेंट बायोलॉजिकली एक्टिव मैक्रोलैक्टोन : इनिशिएटिव टू सर्च इंडस्ट्रियल स्केल सिंथेसिस | पीआई: डॉ. सुमित सहाय |

गणित विभाग

| | | |
|----|--|-------------------------|
| 17 | हाइब्रिड प्रोडक्शन सिस्टम्स विथ अनसर्टेन रीटर्न क्लाइटी ऐंड डिफरेंट पीआई: डॉ ओम प्रकाश | पीआई: डॉ ओम प्रकाश |
| 18 | ऑन कोरोना प्रोडक्ट ऑफ साइंड ग्राफ विथ रेस्पेक्ट टू एच के मार्किंग | पीआई: डॉ रवि श्रीवास्तव |

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

| | | |
|----|---|-------------------|
| 19 | द सिग्निफिकेन्स ऑफ पशु (ऐनिमल्स) इन माइथोलोजी ऐंड कल्चर | डॉ धनंजय त्रिपाठी |
|----|---|-------------------|

शोध प्रकाशन

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग**इंटरनेशनल बुक चैप्टर्स**

- सुभाष हरिजन ऐंड प्रत्यय कुइला, "नेवर-इंस्पार्क्ड एलोरिदम्स फॉर के-कवरेज ऐंड एम-कनेक्टिविटी प्रॉबलम्स इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स," चैप्टर 8 इन डिजाइन फ्रेमवर्क्स फॉर वायरलेस नेटवर्क्स, लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क ऐंड सिस्टम्स (स्प्रिंजर), वॉल. 82, पीपी 281-301, (2002), आईएसबीएन 978-981-13-9573-4
- सुभाष हरिजन ऐंड प्रत्यय कुइला, "इवोल्युशनरी एलोरिदम्स फॉर कवरेज ऐंड कनेक्टिविटी प्रॉबलम्स इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स : ए स्टडी," चैप्टर 9 इन डिजाइन फ्रेमवर्क्स फॉर वायरलेस नेटवर्क्स, लेक्चर नोट्स इन वायरलेस नेटवर्क ऐंड सिस्टम्स (स्प्रिंजर), वॉल. 82, पीपी 257-280, (2002), आईएसबीएन 978-981-13-9573-4
- प्रत्यय कुइला ऐंड प्रशांत के. जाना, " इवोल्युशनरी कम्प्यूटिंग अप्रोचेस एलोरिदम्स फॉर क्लस्टरिंग ऐंड राउटिंग इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स," चैप्टर 6 इन सेंसर टेक्नोलॉजी : कॉन्सोर्स, मेथाडॉलॉजीस, टूल्स ऐंड ऐप्लिकेशंस (आईजीआई ग्वोबल), पीपी 125-146, (2020). आईएसबीएन 13: 9781799824541, आईएसबीएन 10: 1799824543

- घोष सी., मजुमदार एस., दत्ता एस., एंड मंडल एस. एन. "डिफरेंट ईडीजीई डिटेक्शन टेक्नीक्स: ए रिव्यू" इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स ऐंड इन्टेलिजेंट कम्प्यूटिंग (2020): 885-898.

इंटरनेशनल जर्नल्स

- सुभाष हरिजन ऐंड प्रत्यय कुइला, "ए नॉवल एनएसजीए-॥ फॉर कवरेज ऐंड कनेक्टिविटी अवेयर सेंसर नोड शिड्यूलिंग इन इंडस्ट्रियल वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स," डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (एस्ट्रोवियर), वॉल. 105, 102753 (2020). (इम्पैक्ट फैक्टर: 3.381)
<https://doi.org/10.1016/j.dsp.2020.102753>
- तरुण विश्वास, प्रत्यय कुइला ऐंड अंजन कुमार राय, "ए नॉवल वर्कफ्लो शिड्यूलिंग विथ मल्टि-क्राइटेरिया यूज़िंग पार्टिकल स्वार्म ऑप्रिमाइजेशन फॉर हेट्रोजेलस कम्प्यूटिंग सिस्टम्स," क्लस्टर कम्प्यूटिंग (स्प्रिंजर), वॉल. 23, पीपी. 3255-3271 (2020). (इम्पैक्ट फैक्टर: 1.809)
<https://doi.org/10.1007/s10586-020-03085-3>
- सुभाष हरिजन ऐंड प्रत्यय कुइला, "कवरेज ऐंड कन्क्विटिवी अवेयर क्रिटिकल टार्गेट मॉनीटरिंग फॉर वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स: नॉवल एनएसजीए-॥-बेस्ड अप्रोच," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूनिकेशन सिस्टम्स (वाइली), वॉल. 33, नं. 4, ई4212 (2020). (इम्पैक्ट फैक्टर: 2.047)

4. दीपान्विता साधुखान, संग्राम राय, मोहम्मद एस. ओबैदात एवं मोउ दासगुप्ता, " ए सिक्योर एंड प्राइवेसी प्रिज़र्विंग लाइटवेट ऑथेन्टिकेशन स्कीम फॉर स्मार्ट-प्रिड कम्युनिकेशन यूज़िंग इल्लिएक कर्व क्रिएटोग्राफी", जर्नल ऑफ सिस्टम आर्किटेक्चर, एल्साइवर, नवम्बर 2020, ऑनलाइन प्रकाशित (<https://doi.org/10.1016/j.sysarc.2020.101938>) (एससीआई, 2019 इम्पैक्ट फैक्टर - 2.552)
5. सुमन मजुमदार, संग्राम राय, दीपान्विता साधुखान, एम. के. खान एवं मोउ दासगुप्ता, "ईसीसी-सीओएपी: इल्लिएक कर्व क्रिएटोग्राफी बेस्ड कॉन्स्ट्रेन्ट एप्लिकेशन प्रोटोकॉल फॉर इंटरनेट ऑफ थिंग्स", वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, स्प्रिंजर, जुलाई 2020 में स्वीकृत (<https://doi.org/10.1007/s11277-020-07769-2>). (एससीआई, 2019 इम्पैक्ट फैक्टर - 1.061)
6. दीपान्विता साधुखान, संग्राम राय, जी. पी. विश्वास, " ए लाइटवेट रिमोट यूज़र ऑथेन्टिकेशन स्कीम फॉर आईओटी ऑथेन्टिकेशन यूज़िंग इल्लिएक कर्व क्रिएटोग्राफी", जर्नल ऑफ सुपरकम्प्यूटिंग, स्प्रिंजर, मई 2020, ऑनलाइन प्रकाशित (<https://doi.org/10.1007/s11227-020-0338-7>). (एससीआई, 2019 इम्पैक्ट फैक्टर - 2.469)
7. शर्मिष्ठा अधिकारी, संग्राम राय, एम. एस. ओबैदात एवं जी. पी. विश्वास, "एफिशिएट एंड सिक्योर कॉन्टेंट डिसेमिनेशन फॉर कॉन्टेंट सेन्ट्रिक नेटवर्क यूज़िंग ईसीसी-बेस्ड पब्लिक की इन्फ्रास्ट्रक्चर", कम्प्यूटर कम्युनिकेशंस, मई 2020, एल्साइवर, वॉल. 157, पीपी. 187-203. (एससीआई, 2019 इम्पैक्ट फैक्टर - 2.816)
8. के. सौजन्या, मोउ दासगुप्ता, संग्राम राय एवं एम. एस. ओबैदात, "ऐफिशिएट एंड सिक्योर कॉन्टेंट डिसेमिनेशन फॉर इंटरनेट ऑफ थिंग्स", आईईई सिस्टम्स जर्नल, आईईई, जून, 2020, वॉल. 14, नं. 2, पीपी. 2154-2163. (एससीआई, 2019 इम्पैक्ट फैक्टर - 4.463)
9. भौमिक, गोपा एवं महेश चन्द्र गोविल "कॉन्ज़र्विंग थांग्का – ए टेक्निकल अप्रोच अनटु दि प्रिज़र्वेशन ऑफ बुद्धिस्त थांग्का थु ऑटोमेशन" डिजिटल एप्लिकेशंस इन आर्कियोलॉजी एंड कल्चरल हेरिटेज 18 (2020): ई00149.
10. केसरवानी, पंकज कुमार, महेश चन्द्र गोविल एवं इमैन्युएल एस. पिल्लई, "ऐन ऑटिमल इन्टूज़न डिटेक्शन सिस्टम यूज़िंग जीडबल्यूओ-सीएसए-डीएसएई "मॉडल." साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (2020): 1-24.
11. चावला, तन्वी, एट ऑल. 'स्टोरेज, पार्टीशनिंग, इन्डेक्सिंग एंड रिट्रीवल इन बिंग आरडीएफ फ्रेमवर्क्स : ए सर्वे' कम्प्यूटर साइंस रिव्यू 38 (2020): 100309.

इंटरनेशनल कॉन्फरेंसेस

1. तरुण विश्वास एवं प्रत्यय कुइला, "पार्टिकल स्वार्म ऑटिमाइज़ेशन बेस्ड मल्टि-क्राइटेरिया शिड्यूलिंग फॉर मल्टि-कोर सिस्टम्स, आईसीईई 2020, आईईई एक्स्प्लोर, पीपी. 115-120, (2020). (बेस्ट पेपर अवार्ड)
2. पिंटू कुमार राम, नवेंदु भुई एवं प्रत्यय कुइला, "जीन सेलेक्शन फ्रॉम हाई डाइमेशनलिटी ऑफ डाटा बेस्ड ऑन क्लान्टम इन्सपायर्ड जेनेटिक एल्गोरिदम," 11th इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीस (आईसीसीएनटी 2020), आईईई एक्स्प्लोर, (2020). DOI: 10.1109/ICCCNT49239.2020.9225512
3. नवेंदु भुई, पिंटू कुमार राम एवं प्रत्यय कुइला, "फीचर सेलेक्शन फ्रॉम माइक्रोएरे डाटा बेस्ड ऑन डीप लर्निंग अप्रोच," 11th इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड नेटवर्किंग टेक्नोलॉजीस (आईसीसीएनटी 2020), आईईई एक्स्प्लोर, (2020). डीओआई: 10.1109/ICCCNT 49239.2020.9225353
4. नवेंदु भुई, अभिषेक सिहा, दुष्यंत प्रसाद एवं प्रत्यय कुइला, "डिजाइन ऑफ एन ऑटोमैटिक रीडर फॉर दि विजुअली इम्पेयर्ड यूज़िंग रास्पबेरी पाई," प्रॉक. ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन पैराडाइम्स ऑफ कम्प्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड डाटा साइंसेस, (पीसीसीडीएस 2020), पीपी 175-188 (2021) डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-15-7533-4_14
5. मजुमदार एस., राय एस., घोष सी एवं दत्ता एस., "यूसेज ऑफ इंटरनेट ऑफ थिंग्स इन होम ऑटोमेशन सिस्टम्स : ए रिव्यू" मॉडलिंग, सिमुलेशन एंड ऑटिमाइज़ेशन : प्रोसीडिंग्स ऑफ सीओएमएसओ 2020. स्प्रिंजर सिंगापुर, 2021.
6. भौमिक जी., वर्मा एम., गोविल एम. सी. एवं विप्पार्थी एस. के., (2020, जुलाई). एक्स्ट्रा: ऐन एक्सटेंडेड रेडियल मीन रिस्पॉन्स पैटर्न फॉर हैंड जेस्चटर रिकॉग्निशन. इन 2020 इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन कम्युनिकेशन एंड सिप्रेल प्रोसेसिंग (आईसीसीएसपी) (पीपी.0640-0645). आईईई.
7. भौमिक जी., वर्मा एम., गोविल एम. सी. एवं विप्पार्थी एस. के., (2020, नव.). क्रॉसफीट : मल्टि-स्केल फीचर ऐग्रिगेशन नेटवर्क फॉर हैंड जेस्चटर रिकॉग्निशन. इन 15th इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन इंडस्ट्रियल एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (आईसीआईआईएस) 2020. आईईई. (बेस्ट पेपर अवार्डेंड)
8. भौमिक जी., वर्मा एम., गोविल एम. सी. एवं विप्पार्थी एस. के., (2020, दिस.). एटीटी-पीवाईनेट: ऐन अटेन्शनल पिरामिडल फीचर नेटवर्क फॉर हैंड जेस्चटर रिकॉग्निशन. इन 26th ऐन्युअल इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन एडवांस्ड कम्प्यूटिंग एंड कम्युनिकेशंस.
9. भौमिक जी. एवं गोविल एम. सी. (2020, जुलाई). बुद्धिस्त हस्त मुद्रा रिकॉग्निशन यूज़िंग मॉर्फोलॉजिकल फीचर्स. इन इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सिक्योरिटी एंड डाटा साइंसेस, पीपी. 356-364. स्प्रिंजर, सिंगापुर, 2020.
10. केसरवानी पंकज कुमार एवं महेश चन्द्र गोविल. "ए हाइब्रिड सिम्मेट्रिक की क्रिएटोग्राफी मेथड टु प्रोवाइड सिक्योर डाटा ट्रान्समिशन." इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन मशीन लर्निंग, इमेज

- प्रोसेसिंग, नेटवर्क सिक्योरिटी एंड डाटा साइंसेस, पीपी. 356-364. स्प्रिंजर, सिंगापुर, 2020.
11. केसरवानी पंकज कुमार, महेश चन्द्र गोविल एवं फिल्लई इम्मैन्युएल शुभकर. "एविडेंस बिल्डिंग फॉर एड किलक और वेब ऐसेस ऑन क्लाउड." इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सिक्योरिटी एंड डाटा साइंसेस, पीपी. 356-364. स्प्रिंजर, सिंगापुर, 2020.
 12. अग्रवाल दन एम., हेमराज सैनी एवं महेश चन्द्र गोविल. "प्रोबेबिलिस्टिक एंड क्लासिफिकेशन एफिशिएंट राउटिंग प्रोटोकॉल फॉर मोबाइल एच हॉक नेटवर्क्स." रिसेंट एडवांसेस इन कम्प्यूटर साइंस एंड कम्युनिकेशंस (फॉर्मरली : रीसेंट पेटेंट्स ऑन कम्प्यूटर साइंस) 13.3 (2020): 422-432.

कणिकीय और संचार

अभियांत्रिकी विभाग

पत्रिकाएं:

1. सुपर्णा बल्लव, अयान चटर्जी और सुशांत कुमार पर्सुई, "गेन ऑग्मेटेशन ऑफ़ अ डुअल - बैंड डाईएलेक्ट्रिक रेसोनेटर ऐन्टेना विथ प्रीकेंसी सेलेक्टिव सरफेस सुपरस्टेट", आरएफ और माइक्रोवेव कंप्यूटर-एडेंड इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम31, संख्या 4, ई 22575, 2021। डीओआई: <https://doi.org/10.1002/mmce.22575>.
2. सुरजीत कुंदू और अयान चटर्जी, " शार्प ट्रिपल नौच्छ अल्ट्रा वाइडबैंड ऐन्टेना विथ ऑग्मेटेशन यूसिंग एफ एस एस फॉर ग्राउंड पेनेट्रेटिंग राडार ", वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, नवंबर 2020। डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s11277-020-07928-5>
3. अनिक नाहा विश्वास, सुपर्णा बल्लव, अयान चटर्जी और सुशांत कुमार पर्सुई, " एवोलुशन ऑफ़ लो -प्रोफाइल अल्ट्रा-वाइडबैंड प्रीकेंसी सेलेक्टिव विथ अ स्टेबल एंड शार्प रोल-ऑफ़ एट लोअर बैंड फॉर सी, एक्स, एंड कू बैंड एप्लिकेशन्स ", रेडियोइंजीनियरिंग, संख्या 29, संख्या 3, पीपी. 494-503, सितंबर 2020। डीओआई: [10.13164/re.2020.0494](https://doi.org/10.13164/re.2020.0494)
4. सुरजीत कुंदू, अयान चटर्जी, और अमजद इकबाल, "प्रिटेड सर्कुलर अल्ट्रा -वाइडबैंड ऐन्टेना विथ ट्रिपल शार्प प्रीकेंसी नौचेस फॉर सरफेस पेनेट्रेटिंग राडार एप्लीकेशन ", साधना, वॉल्यूम 45:97, 2020। डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s12046-020-01341-1>
5. सुरजीत कुंदू, "हाई गेन कॉम्पैक्ट अल्ट्रा -वाइडबैंड ऐन्टेना प्रीकेंसी सेलेक्टिव सरफेस परफॉरमेंस इवैल्यूएशन इन प्रोविसमिटी ऑफ़ सॉइल सरफेस," माइक्रोवेव और ऑप्टिकल प्रौद्योगिकी पत्र, वॉल्यूम 63, संख्या 3, 2021, पीपी. 869-875।
6. सुरजीत कुंदू, "गेन ऑग्मेटेशन ऑफ़ ट्रिपल नौच अल्ट्रा वाइड बैंड ऐन्टेना यूसिंग कॉम्पैक्ट यूनिप्लानार प्रीकेंसी सेलेक्टिव सरफेस फॉर ग्राउंड पेनेट्रेटिंग राडार," IETE जर्नल ऑफ़ रिसर्च, 2020।
7. सुरजीत कुंदू, " अ कॉम्पैक्ट प्रिटेड अल्ट्रा - बैंड फिल्टरना विथ लो डिस्परशन फॉर WiMAX एंड WLAN इंटरफेरेंस कैसलेशन " साधना, वॉल्यूम 45, नंबर 1, 2020, पीपी. 1-7।
8. सुरजीत कुंदू, " ए कॉम्पैक्ट यूनिप्लानर अल्ट्रा वाइड बैंड प्रीकेंसी सेलेक्टिव सरफेस फॉर इम्प्लिमेंट एंड ग्राउंड एप्लीकेशन" आरएफ और माइक्रोवेव कंप्यूटर एडेंड इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 30, नहीं। 10, 2020, ई22363।
9. धारा, आर. 2021. डिज़ाइन ऑफ़ ए मिनिअचराइस्ड सी पी डब्ल्यू फेड जेड शेप्ड मोनोपोल ऐन्टेना यूसिंग थोरी ऑफ़ कैरेक्टरिस्टिक मोड्स फॉर बैंडविड्थ एनहांसमेंट साधना 46, 87. डीओआई: 10.1007/s12046-021-01610-7। (एससीआईई अनुक्रमित)
10. धारा, रेशमी, * यादव, एस. शर्मा, एम.एम., जाना, एस.के. और गोविल, एम.सी., 2021। ए सर्क्यूलरली पोलाराइज़ेड काडबैंड अन्नलार रिंग ऐन्टेना विथ ए सीमेट्रिक ग्राउंड लैन यूसिंग थोरी ऑफ़ कैरेक्टरिस्टिक मोड्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स रिसर्च में प्रगति, 100, पीपी.51-68। डीओआई: 10.2528/पीआईईआरएम20102006। (ईएससीआईई अनुक्रमित)
11. धारा, आर., 2021। ए कॉम्पैक्ट ड्यूल बैंड पोलाराइज़ेड मोनोपोल ऐन्टेना विथ एनहांस्ड बैंडविथ फॉर सी, एक्स एंड कू बैंड एप्लीकेशन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स रिसर्च लेटर्स में प्रगति, 96, पीपी.65-72। डीओआई: 10.2528/ पियरल20121903। (ईएससीआईई अनुक्रमित)
12. जयवर्धन,* शर्मा, एम.एम., यादव, आर.पी. और धारा, रेशमी, 2020। कैरेक्टरिस्टिक मोड्स एनालिसिस एंड डिज़ाइन ऑफ़ ब्रॉड बैंड सर्क्यूलरली पोलाराइज़ेड सी पी डब्ल्यू फेड कॉम्पैक्ट प्रिटेड स्कायर स्लॉट ऐन्टेना. इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स रिसर्च में प्रगति - एम, 94, पीपी.105-118। डीओआई: 10.2528/ पीआईईआरएम20051206। (ईएससीआईई अनुक्रमित)
13. धारा, रेशमी, * कुंदू, टी., 2021. ए कॉम्पैक्ट ड्यूल बैंड सर्क्यूलरली पोलाराइज़ेड इनवर्टेड वाइशेप्ड मोनोपोल ऐन्टेना विथ एज ग्राउंड। रेडियो कणिकीय और संचार प्रणाली। (स्कोपस अनुक्रमित; स्प्रिंगर) (स्वीकृत)
14. धारा, आर., और कुंदू, टी।, 2021। ए ड्यूल बैंड ड्यूल मोड ऐन्टेना विथ पोलराजेसन डाइवर्सिटी। रेडियोकणिकीय और संचार प्रणाली। (स्कोपस अनुक्रमित; स्प्रिंगर) (स्वीकृत)
15. धारा, आर. और कुंदू, टी., 2020। ए नावेल कॉर्ड बैंड सिरकुलर्ली पोलराइज़ेड स्लॉट ऐन्टेना यूसिंग ट्रिपल स्ट्रिप्स। ऑथरिया प्रीप्रिंट्स। डीओआई: 10.22541/au.158359732.22079718।
16. धारा, रेशमी, * जाना, एस.के. और मित्रा, एम., 2020। ट्राई बैंड सिरकुलर्ली पोलराइज़ेड मोनोपोल एटीना फॉर वायरलेस कम्युनिकेशन एप्लीकेशन। रेडियोकणिकीय और संचार प्रणाली, 63(4), पीपी.213-222। डीओआई: 10.3103/S0735272720040044। (स्कोपस अनुक्रमित; स्प्रिंगर)

17. धारा, रेशमी, * और मित्रा, एम., 2020। " ए ट्रिपल बैंड सिरकुलर्ली पोलराइज्ड अन्नूलर रिंग एंटीना विथ ए सिमिट्रिक ग्राउंड प्लैन फॉर वायरलेस एप्लिकेशन्स ।" इंजीनियरिंग रिपोर्ट 2(4) (2020): e12150। डीओआई: 10.1002/eng2.12150. ईएससीआई-विली इंडेक्स।
 18. धारा, रेशमी,* और कुंदू, टी., 2020। ए कॉम्पैक्ट इनवर्टेड वाई शेड सिरकुलर्ली पोलराइज्ड वाइड बैंड मोनोपोल ऐन्टेना विथ ओपन लूप। इंजीनियरिंग रिपोर्ट, 2 (2020): p.e12326। डीओआई: 10.1002/eng2.12326. ईएससीआई-विली इंडेक्स।
 19. धारा, रेशमी,* 2020। काड बैंड सिरकुलर्ली पोलराइज्ड सी पी डब्ल्यू फेड जी शेड प्रिंटेड ऐन्टेना विथ स्कायर स्लॉट। रेडियोकणिकीय और संचार प्रणाली, 63(7), पीपी.376-385। डीओआई:10.3103/S0735272720070055। (स्कोपस अनुक्रमित; स्प्रिंगर)
 20. एन. प्रधान, एस.के. जाना, " डिज़ाइन ऑफ केज प्रीकेंसी डिटेक्टर विथ इम्पुभड आउटपुट कैरेक्टरिस्टिक ऑपरेटिंग इन थे इन दी रेंज ऑफ 1.25 MHz -3.8 GHz," एनालॉग इंटीग्र। सर्किट और सिग्नल प्रोसेसिंग, 107, पीपी। 101-108, 2021। doi.org/10.1007/s10470-020-01779-7। (एससीआई)
 21. प्रीति गुप्ता, संजय कुमार जाना, " डिज़ाइन ऑफ हाई गेन फोल्डे ड कष्कोड ओ टी ए बेस्ट ट्रान्सकंडक्टेन्स - कपसिटंस लूप फ़िल्टर फॉर पी एल एल एप्लिकेशन्स," जर्नल ऑफ सर्किट सिस्टम्स एंड कंप्यूटर्स, 6 अप्रैल 2021 को स्वीकृत।
 22. एस. गार्नाइक, ए, कुमार, जी. प्रधान और के. सेठी, " एन एप्फिसिएंट एप्रोच फॉर डिटेक्टिंग वॉविल ऑन्सेट एंड ऑफ्सेट पॉइंट इन स्पीच सिंग्रल" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पीच टेक्नोलॉजी (स्प्रिंगर), जुलाई 2020, 1-9।
- सम्मेलन प्रकाशन**
1. सुरजीत कुंदू, "गेन इम्प्रूवमेंट ऑफ अल्ट्रा -वाइडबैंड ऐन्टेना यूजिंग कॉम्पैक्ट प्रीकेंसी सेलेक्टिव सरफेस" रेडियो विज्ञान पर यूआरएसआई क्षेत्रीय सम्मेलन (यूआरएसआई-आरसीआरएस), पीपी 1-4। आईईई, 2020।
 2. सोमनाथ महतो, गोपाल शॉ, अतनु संतरा, सुकब्य दान, सुरजीत कुंदू और अनिद्य बोस। "लो कॉस्ट जीएनएसएस रिसीवर आरटीके परफॉर्मेंस इन फारेस्ट इनवॉर्मेंट" रेडियो विज्ञान पर यूआरएसआई क्षेत्रीय सम्मेलन (यूआरएसआई-आरसीआरएस), पीपी 1-4। आईईई, 2020।
 3. राज रत्नम, अंबाती हेमश्री, सोमनाथ महतो, सुरजीत कुंदू और अयान चटर्जी। " अ क्रॉस -डाइपोल शेड पैच -स्लॉट -पैच बैंड पास प्रीकेंसी सेलेक्टिव सरफेस" रेडियो विज्ञान पर यूआरएसआई क्षेत्रीय सम्मेलन (यूआरएसआई-आरसीआरएस), पीपी 1-3। आईईई, 2020।
 4. अतनु संतरा, सुकब्य दान, सोमनाथ महतो, पी. बनर्जी, सुरजीत कुंदू और अनिद्य बोस। " अ लो कॉस्ट एप्रोच ट्रुवर्ड आईनोस्फेरिक प्रोबिंग यूजिंग कॉम्पैक्ट जीएनएसएस रिसीवर्स" रेडियो विज्ञान पर यूआरएसआई क्षेत्रीय सम्मेलन (यूआरएसआई-आरसीआरएस), पीपी 1-4। आईईई, 2020।
 5. धारा, रेशमी, * यादव, एस. शर्मा, एम.एम., जाना, एस.के. और गोविल, एम.सी., 2021। अ सर्कुलर्ली पोलराइज्ड ब्लॉड- बैंड एनुलर रिंग ऐन्टेना विथ एसिमेट्रिक ग्राउंड यूजिंग थोरी ऑफ कैरेक्टरिस्टिक्स मोडस । शोध छात्र अनुसंधान सम्मेलन' 21 (एसआरसी'21) (28 मार्च 2021 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, कल्याणपुर, कानपुर, उत्तर प्रदेश 208016 में प्रस्तुत किया गया)
 6. धारा, आर; 2020, अक्टूबर। सर्कुलर पोलराइज्ड ऑक्टल बैंड सीपीडब्ल्यू-फेड एंटीना यूजिंग थोरी ऑफ कैरेक्टरिस्टिक्स मोडस फॉर वायरलेस कम्युनिकेशन एप्लिकेशन्स । मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस फॉर वायरलेस कम्युनिकेशन (एमडीसीडब्ल्यूसी 2020) कार्यशाला में, (23 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुचिरापल्ली -620015, भारत में प्रस्तुत)
 7. धारा, आर, कुंदू, टी. और जाना, एस.के., 2020। अक्टूबर। डुअल-बैंड डुअल पोलराइज्ड सर्कुलरली पोलराइज्ड एंड लीनियरली पोलराइज्ड एल-शेड पैच एंटीना लोडेड विथ स्ट्रिप एंड स्कायर स्लॉट । ऑप्टिकल एंड वायरलेस टेक्नोलॉजीज (ओडब्ल्यूटी 2020) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (3 अक्टूबर, 2020 को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर (एमएनआईटी जयपुर), जयपुर -302017, (राजस्थान), भारत में प्रस्तुत किया गया) ।
 8. धारा, आर. गुप्ता, एस.के., जाना। एस.के.; 2020, "डिज़ाइन ऑफ डुअल-बैंड वाइड स्लॉट मोनोपोल एंटीना", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिस्ट्रिब्यूटेड कंप्यूटिंग एंड टेक्नोलॉजी, 6 (1), 1-11।
 9. धारा, आर. गुप्ता, ए.के., गुप्ता, एस.के.; जाना. एस.के., 2020, "वाइडबैंड सी-शेड सर्कुलर पोलराइज्ड मोनोपोल एंटीना का डिज़ाइन", मोबाइल कंप्यूटिंग डिवाइसेस का इंटरनेशनल जर्नल, 6 (1), 30-41।
 10. धारा, रेशमी*, 2020, अक्टूबर। दो क्रॉस-आकार वाले रेडिएटर का उपयोग करते हुए एक वाइडबैंड मोनोपोल माइक्रोस्ट्रिप एंटीना। कोविड-19 और शमन रणनीतियों के कारण सामाजिक-आर्थिक और स्वास्थ्य चुनौतियों में" (एसईएचसीएम - 2020), सतत शिक्षा केंद्र, डॉ बी आर अबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर पंजाब-144011, भारत। (पीपी। 167-177) ।
 11. धारा, रेशमी*, जाना, एस.के. और मित्रा, एम., 2020। सीपीडब्ल्यू-फेड ट्रिपल-बैंड सर्कुलर पोलराइज्ड प्रिंटेड इनवर्टेड सी-शेड मोनोपोल एंटीना क्लोज्ड-लूप और ग्राउंड प्लैन पर दो सेमी-हेक्सागोनल नॉच के साथ। ऑप्टिकल और वायरलेस टेक्नोलॉजीज में (पीपी। 161-175)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। डीओआई: 10.1007/978-981-15-2926-9_19।
 12. एस. मैती और एस. कुमार जाना, " डिज़ाइन ऑफ ए लो पावर हाई स्पीड सीएमएल-बेस्ट डिवाइड-बाय-5 प्री-स्केलर इन 180 एनएम प्रोसेस टेक्नोलॉजी," 2020 आईईई एप्लाइड सिग्नल प्रोसेसिंग कॉम्प्लेंस (एएसपीसीओएन), कोलकाता, 2020, पीपी 303-307, डीओआई: 10.1109/एएसपीसीओएन49795.2020.9276689।

13. एन. प्रधान, के. दास, एस.के. जाना और एम.सी. गोविल, "डिज़ाइन ऑफ पास ट्रांजिस्टर बेज फेज फ्रीकेंसी डिटेक्टर फॉर फास्ट फ्रीकेंसी एक्यूजिसन फेज लॉकड लूप" आईईई कॉन्फ्रेंस आईएसडीसीएस 2020, पीपी.1-4, डीओआई:10.1109/आईएसडीसीएस 49393.2020.9262982।
14. के. दास, एन. प्रधान, वी. कुमार और एस.के. जाना, "कंपैरेजन एंड परफॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ रिंग ऑसिलेटर्स एंड स्टार्वर्ड वीसीओ इन 180-एनएम सीएमओएस टेक्नोलॉजी" आईईई कॉन्फ्रेंस आईएसडीसीएस 2020, पीपी 1- 5.डीओआई: 10.1109/आईएसडीसीएस 49393.2020.9263006।
15. एस. मैती, एल. कुंदू और एस. कुमार जाना, "अ डिज़ाइन मेथोडोलॉजी ऑफ एमओएस करंट मोड लॉजिक प्री-स्केलर फॉर जिगबी एप्लिकेशन्स," कार्यवाही में: 2021 आईईई इंटरनेशनल कॉन्फरेन्स ऑन एडवांसेज ऑन टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एवं एजुकेशन, (आईसीएटीएमई), भोपाल, 2021।
16. एस. मैती, एल. कुंदू और एस. कुमार जाना, "अ डिवाइड बाई 5 प्री-स्केलर डिज़ाइन एप्रोच फॉर 5G एप्लिकेशन्स," इंटरनेशनल कॉन्फरेन्स ऑन माइक्रो/नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस, सर्किट्स एंड सिस्टम्स (एमएनडीसीएस), एलएनईई, सिंगर, सिलचर, 2021।
17. पी. गुप्ता, एन. प्रधान और एस. के. जाना, "डिज़ाइन ऑफ 21 गीगाहर्ट्ज सीएमओएस बेज डिफरेंशियल क्लास-सी पावर एम्पलीफायर विथ बलून मैचिंग नेटवर्क," इंटर्ना मोबाइल कंप्यूटिंग डिवाइसेज का जर्नल, वॉल्यूम 2, संख्या 1, पीपी। 6-12,2020।
18. प्रीति गुप्ता, संजय कुमार जाना, "डिज़ाइन ऑफ डायनामिक प्रेशोल्ड ओटीए बेज ट्रांसकंडक्टेस-कैपेसिटेस लूप फिल्टर फॉर पीएलएल एप्लिकेशन्स," नेटवर्क और सिस्टम सिंगर में व्याख्यान नोट्स, पीपी। 476-483। मार्च 2021।
19. हेमंत कथानिया, अविनाश कुमार और मिक्रो कुरिमो "वॉवेल नॉन-वॉवेल बेज स्पेक्ट्रल रैपिंग एंड टाइम स्केल मॉडिफिकेशन फॉर इम्प्रूवमेंट इन चिल्ड्रेन्स एएसआर आईसीएसएसपी (स्वीकृत) में कनाडा, जून 2021।
20. अविनाश कुमार, सैयद शाहनवाजुद्दीन और वकार अहमद "अ नॉइज़ रोबस्ट टेक्निक फॉर डिटेक्टिंग वॉवेल्स इन स्पीच सिग्नल्स" इंटरस्पीच पीपी। 3680-3684, चीन, अक्टूबर 2020 में।
21. अविनाश कुमार और एस शाहनवाजुद्दीन "रोबस्ट डिटेक्शन ऑफ वॉवेल ऑनसेट एंड एन्ड पॉइंट्स", एसपीसीओएम पीपी 1-5 में, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, जुलाई 2020।
22. सैयद शाहनवाजुद्दीन, वकार अहमद, नागराज अडिगा और अविनाश कुमार "इन-डोमेन एंड आउट ऑफ डोमेन डेटा ऑग्मेटेशन टू इम्प्रूव चिल्ड्रन स्पीकर वेरिफिकेशन सिस्टम इन लिमिटेड डेटा सिनेरियो" आईसीएसएसपी में, पीपी 7554-7558, स्पेन, मई 2020।

विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग

जर्नल

1. ए. घोष, ए.के. रे, एम. नुरज्जमान, और एम. जमशीदी, "वोल्टेज एंड फ्रीकेंसी कंट्रोल इन कन्वेशनल एंड पीवी इंटीग्रेटेड पावर सिस्टम्स बाय ए पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज्ड जिगलर-निकोलस बेस्ड पीआईडी कंट्रोलर", एसएन एप्लाइड साइंसेज, वॉल्यूम। 3, 314, सिंगर, 2021।
2. ए. सिंघा, ए.के. रे, और ए.बी. समद्दर, "चूरल डायनेमिक्स बेस्ड कम्प्लीट प्रिड कवरेज बाय सिंगल एंड मल्टीपल मोबाइल रोबोट", एसएन एप्लाइड साइंसेज, सिंगर, 2021।
3. टी. बिस्वास, पी. कुलाला, और ए.के. रे, "नोवेल वर्कफ्लो शेड्यूलिंग विद मल्टी-क्राइटरिया यूजिंग पार्टिकलस्वार्म ऑप्टिमाइजेशन फॉर हेट्रोजेनियस कंप्यूटिंग सिस्टम", क्लस्टर कंप्यूटिंग, वॉल्यूम। 23, पीपी. 3255-3271, सिंगर, 2020।
4. एच. मलिक और ए.के. यादव, "ए नोवेल हाइब्रिड अप्रोच बेस्ड ऑन रिलिफ एल्गोरियम एंड फजी रीइन्फोर्समेंट लर्निंग अप्रोच फॉर प्रेडिक्टिंग विंड स्पीड", स्टेनेबल एनर्जी टेक्नोलॉजीज एंड असेसमेंट, वॉल्यूम। 43, पीपी. 1-18, 2020।
5. पी. दे, ए. साहा, ए. भट्टाचार्य, और बी. मारुंगाश्री। "एनालिसिस ऑफ द इफेक्ट्स ऑफ पीएसएस एंड रिन्यूएबल इंटीग्रेशन तो एन इंटर - एरिया पावर नेटवर्क तू इम्प्रूव स्मॉल सिग्नल स्टेबिलिटी।" जर्नल ऑफ विद्युत अभियांत्रिकी
6. ए. एल अरौदी, के. मंडल, एम.एस. अल-नुमे, डी. जियाउरिस, और एस. बनर्जी, "पीसवाइज काइट्रॉपिक स्लोप कंपनसेशन टेक्नीके फॉर डीसी-डीसी स्विचिंग कन्वर्टर्स," आईईई ट्रांसेक्शन ऑन किंट्स एंड सिस्टम्स
7. पी. कुमार, "पर्फॉर्मेंसेस ऑफ सिक्स-लेग डीएसटीएटीकॉम टोपोलॉजी अंडर वेरियस एसआरएफ एल्गोरिदम" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटेड अभियांत्रिकी, वॉल्यूम। 12, 8, 161-175, 2020।
8. पी. कुमार, "पावर कालिटी इन्वेस्टिगेशन बाय रिड्यूस्ट स्विचिंग यूपीक्यूसी", यूरोपियन जर्नल ऑफ विद्युत अभियांत्रिकी, वॉल्यूम। 22,4-5, पीपी. 335-347, 2020।
9. ए. कुमार, पी. कुमार, "कम्प्यूटेटिव पावर क्वालिटी एनालिसिस ऑफ कन्वेशनल एंड प्रोपोज़ड एन्हान्सेस एसआरएफ एसओजीआई-एफएलएल कंट्रोल बेस्ड डीएसटीएटीकॉम", जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च (जेर्झआर), 2020।

सम्मेलन

1. एस. के. सिंह, ए. अग्रवाल, टी. कनुमुरी, और एम. रॉय, "मॉडलिंग एंड कंट्रोलिंग ऑफ इंडक्शन हीटिंग यूनिट फॉर इंडक्शन कुरिंग एप्लिकेशन", जर्नल ऑफ फिजिक्स कॉन्फ्रेंस सीरीज़, 2020।
2. सी. दास, के. मंडल, और एम. रॉय, "डिज़ाइन ऑफ पीवी एमुलेटर फैट एमपीपीटी कंट्रोल डीसी-डीसी बूस्ट कन्वर्टर फॉर बैटरी चार्जिंग", आईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन स्मार्ट टेक्नोलॉजीज फॉर पावर, एनर्जी एंड कंट्रोल, 2020।

3. सी. दास और के. मंडल, " डिजाइन एंड एनालिसिस ऑफ़ डिजिटली कंट्रोल एलोरिथम-इन-लूप न्यूटन-रैफसन मेप्ड पीवी एमुलेटर," इनोवेशन्स इन एनर्जी मैनेजमेंट एंड रिन्यूएबल रेसौर्सेस, कोलकाता, 2021।
4. एई अरौदी, आर. हारून, के. मंडल, और एम. अल-नुमे, " ऑटो-ट्यूनड कवाडूटिक्स स्लोप कंपनसेशन फॉर करंट मोड डीसी-डीसी कन्वर्टर्स," आईईई इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन सर्किट्स एंड सिस्टम्स (आईएससीएएस), सेविले, स्पेन, 10-21 अक्टूबर, 2020।
5. आर.वर्धन, के. मंडल, और ए. पांडा, " कॉम्प्रिजन ऑफ़ इंक्रीमेंटल करंट बेस्ड एमपीपीटी एलोरिदम फॉर विंड फेड डीसी माइक्रोग्रिड," आईईई फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन स्मार्ट टेक्नोलॉजी फॉर पावर एनर्जी एंड कण्ट्रोल (एसटीपीईसी), विएनआइटी नागपुर, भारत, सितंबर, 2020।
6. एस. प्रिया, के. मंडल, और पी. कुमार, " ऑटोमेटेड एलोरिदम तू डीटरमाइन डिजाइन कर्वस इन पैरामीटर स्पेस फॉर इंटरकनेक्टेड कन्वर्टर्स," आईईई फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन स्मार्ट टेक्नोलॉजी फॉर पावर एनर्जी एंड कण्ट्रोल (एसटीपीईसी), विएनआइटी नागपुर, भारत, सितंबर, 2020।
7. एम आनंद और पी. कुमार, " फजी कंट्रोल बेस्ड टोपोलॉजी ऑफ़ एनएस-यूपीक्यूसी एंड बी4-यूपीक्यूसी ", आईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवेंट ट्रेंड्स इन मल्टीडिसिलिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन (आईसीएटीएमआरआई), पीपी। 1-7, 2020।
8. अनुराग तिवारी, अरबिंदा पांडा, " सीएचबीएमएलआई बेस्ड पीवीडीजी सिस्टम विथ इम्प्रूवड पावर क्वालिटी फीचर्स और बैटरी बैकअप ", आईईई फर्स्ट इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन स्मार्ट टेक्नोलॉजी फॉर पावर एनर्जी एंड कण्ट्रोल (एसटीपीईसी), विएनआइटी नागपुर, भारत, सितंबर, 2020।
9. रोशन प्रधान, अर्जुन कुमार, अरबिंदा पांडा, "मॉडल प्रेडिक्टिव कंट्रोल बेस्ड पीवीडीजी सिस्टम विथ इंटीग्रेटेड पावर क्वालिटी फीचर्स", आईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर सिस्टम्स टेक्नोलॉजी (पॉवरकॉन), बैंगलोर में, 14-16 सितंबर। 2020।
10. पी. कुमार " कम्प्रेरेटिव पावर क्वालिटी एनालिसिस ऑफ़ एसआरएफ एंड यूवीटी कण्ट्रोल बेस्ड डीएसटीएटीकॉम " इंटरनेशनल ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस ऑन स्मार्ट ग्रिड एनर्जी सिस्टम्स एंड कंट्रोल (एसजीईएससी-2021)

पुस्तक अध्याय

1. एमएस घोले, ए. घोष, ए. सिंघा, सी. दास, एके. रे, "सेल्फ ऑर्गेनाइजिंग मैप-बेस्ड स्ट्रेटेजिक प्लेसमेंट एंड टास्क असाइनमेंट फॉर ए मल्टी-एजेंट सिस्टम", एडवांस इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग, वॉल्यूम 1255, पीपी 387 - 399, स्प्रिंगर, 2021।
2. ए. सिंघा, ए.के. रे, ए.बी. समद्वर, "न्यूरल डायनेमिक्स-बेस्ड कम्प्लीट कवरेज ऑफ़ ग्रिड एनवायरनमेंट बाय मोबाइल रोबोट्स", एडवांस इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग, वॉल्यूम 1255, पीपी 411 - 421, स्प्रिंगर, 2021।

3. एम.एस. घोले, ए.के. रे, "ए न्यूरल नेटवर्क बेस्ड स्ट्रेटेजिक प्लेसमेंट एंड टास्क असाइनमेंट फॉर ए मल्टी-एजेंट सिस्टम", लेक्चर नोट्स इन विद्युत अभियांत्रिकी, वॉल्यूम। 686, पीपी. 555-564, स्प्रिंगर, 2020।
4. ओ सिंह, एके यादव और एके रे, " कंडीशन मॉनिटरिंग, फाल्ट डिटेक्शन एंड डायग्नोसिस (एफडीडी) फोटोवोल्टिक सिस्टम एंड इत्स अप्पोचेज़, सॉफ्ट कंप्यूटिंग इन कंडीशन मॉनिटरिंग एंड डायग्नोस्टिक्स ऑफ़ इलेक्ट्रिकल एंड मेकानिकल सिस्टम, एडवांसेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग वॉल्यूम। 1096, पीपी 155-167, स्प्रिंगर, 2020।
5. पी. दे, ए. साहा, एस. मित्रा, बी. डे, ए. भट्टाचार्य, और बी. मारुंगश्री, "इंप्रूवमेंट ऑफ़ स्मॉल-सिग्नल स्टेबिलिटी विद द इनकॉर्पोरेशन ऑफ़ फैक्ट्स एंड पीएसएस", कंट्रोल एल्गोरियम इन मॉडर्न पावर सिस्टम, (अध्याय 28), 2020।
6. पी. कुमार, " इंट्रोडक्शन तु रिन्यूएबल एनर्जी मार्केट एंड मेटाहरिस्टिक एलोरिदम फॉर कंडीशन मॉनिटरिंग ऑफ़ फोटोवोल्टिक पैरामीटर एस्टिमेशन ", मेटाहरिस्टिक एंड एवोलुशनरी कम्प्यूटेशन : एलोरिदम एंड एलिकेशन्स, स्टडीज इन कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस 916, स्प्रिनजर। पीपी. 229-250, 2020।
7. ए.के. यादव, " नोवेल एलिकेशन्स ऑफ़ ग्रिड सर्च एलोरिदम फॉर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ फोटोवोल्टिक- विंड-डीजल हाइब्रिड सिस्टम विथ एंड विथाउट ट्रैकिंग सिस्टम्स फॉर पावर जनरेशन ", मेटाहरिस्टिक एंड एवोलुशनरी कम्प्यूटेशन एलोरिदम एंड एलिकेशन्स, वॉल्यूम 916, पीपी. 517-27, 2021।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

पत्रिका

- मंडल पी., घोष एस., दास एस., एमएसडब्ल्यू टू एनर्जी: ए नॉवेल एंड स्टेनेबल सॉल्यूशन टू वेस्ट मैनेजमेंट फॉर कोलकाता, इंडिया, इंट। जे. ग्लोबल वार्मिंग 2020, वॉल्यूम. 22, अंक 3, पीपी 295-314; डीओआई: 10.1504/आईजेडब्ल्यू.2020.110867
- शांतनुसरदार, सुशांत के प्रधान, शांतनु के कर्मकार, देबदुलाल दास "एक्सपेरिमेंटल एनालिसिस ऑन ट्रिबो-परफॉरमेंस ऑफ़ एलमिनियम कंपोजिट्स". जर्नल ऑफ़ कम्पोजिट मैटेरियल्स, २०२० डीओआई: <https://doi.org/10.1177/00219983199005241>
- मंडल पी., टेक्नो-इकनोमिक एंड एनवायर्नमेंटल परफॉरमेंस असेसमेंट ऑफ़ ए मसव तो एनर्जी प्लांट फॉर इंडियन अर्बन सेक्टर्स, थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग प्रोग्रेस २०२१ वॉल्यूम। २१, १००७७७; डीओआई: 10.1016/j.tsep.2020.100777
- ए विरकुंवर, एस. घोष, आर. बसाक, ट्रैबोलोजिकल परफॉरमेंस ऑर्गेनाइजेशन ऑफ़ अल६०६१-फ्लाई ऐश कंपोजिट्स यूसिंग दी तागुची मेथड एंड ग्रे रिलेशनल एनालिसिस, मैटेरियल्स टुडे: प्रोसीडिंग्स २०२१ (इन प्रेस) वॉल्यूम। ७ (१५), ६२७७ -६२८३; डीओआई: १०.३१८३८/जेसीआर.०७.१५.

- ए विरकुंवर, एस घोष, आर बसाक, टैगुची विधि और ग्रे रिलेशनल विश्लेषण का उपयोग करके एप्ल 6061-फ्लाई ऐश कंपोजिट का ट्राइबोलॉजिकल परफॉर्मेंस ऑटिमाइजेशन, मैटेरियल्स ट्रूडे: प्रोसीडिंग्स 2021 (प्रेस में); डीओआई: <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2020.11.345>

सम्मेलन

- तिवारी, के., देव, आर., २०२०, "कम्प्रेटिव एनवीरो-इकोनॉमिक एनालिसिस ऑफ ट्रांसपेरेंट वाटर हीटिंग सिस्टम एंड कन्वेशनल सिस्टम", इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन प्यूचर टेक्नोलॉजी २०२० (ICoFT 2020) इन मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमेशन, डिज़ाइन एंड एनर्जी (MADE), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पुढ़ुचेरी, तिरुवेत्ताकुडी, कराईकल।
- एस सोम और एसके गुहा, "इफेक्ट ऑफ नॉन-न्यूट्रोनियन लुब्रीकेंट ऑन द लीनियर एंड नॉन-लीनियर स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ द डबल-लेयर पोरस जर्नल बिअरिंग", TRIBOINDIA 2020 (एन इंटरनेशनल वर्चुअल ट्राइबोलॉजी कांफ्रेंस), एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु, भारत, १० -१२ दिसंबर २०२०।
- ए विरकुंवर, एस घोष, आर बसाक, "वियर कैरेक्टरिस्टिक ऑटिमाइजेशन ऑफ AI16061 - सुगरकेन बागसे ऐश मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट यूसिंग टागुची मेथड", आईसीएमएसएमई-२०२०, एनबीक्रिस्ट, नेल्लोर, ए.पी.
- ए वीरकुंवर, एस घोष, आर बसाक, "ट्रीबायोलॉजिकल परफॉर्मेंस ऑटिमाइजेशन ऑफ AI16061- फ्लाई ऐश कम्पोजिट यूसिंग दा टागुची मेथड एंड ग्रे रिलेशनल एनालिसिस, मैन्युफैक्चरिंग, मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग - २०२०", सीआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
- एस मजूमदार, एसएच मलिक, डी मंडल और आर बसाक, "न्यूमेरिकल स्टडी ऑन नेचुरल कन्वेशन इनसाइड काइटिक एनक्लोजर विद यूनिफार्म और नॉन-यूनिफार्म हीटिंग फ्रॉम बिलो", ICESD 2021 (एक्सेट्रेड फॉर प्रेजेंटेशन) (प्रस्तुति के लिए स्वीकृत)

पुस्तक अध्याय

- मंडल पी., सामंता एस., घोष एस., बर्मन एसएन, बायो-वेस्ट फार्यर्ड गैस ट्रांस्क्रिटिकल को CO₂ साइकिल बेस्ट कंबाइंड पावर प्लांट: थर्मोडिनामिक, इकोनॉमिक एंड एनवार्यन्मेटल परफॉर्मेंस असेसमेंट इन एडवांसेज इन थर्मोफ्लूइड्स एंड रिन्यूएबल एनर्जी, लेक्वर नोट्स इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर; स्प्रिंगर, सिंगापुर। (मुद्रणालय में)
- मंडल पी, बर्मन एसएन, सामंत एस।, इंटीग्रेटेड एमएसडब्लू तो एनर्जी एंड हॉट वाटर जनरेशन प्लाट फॉर इंडियन सिटीज़: थर्मल परफॉर्मेंस प्रेडिक्शन इन रेवणकर एस, सेन एस, साहू डी (eds) प्रोसीडिंग ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन थर्मोलूइड्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, स्प्रिंगर, सिंगापुर, डीओआई: 10.1007/978-981-15-7831-1_53
- लक्ष्मण आर, बसाक आर। (२०२०) एनालिसिस ऑफ ट्रांसफोर्मेंट सिक्ष - आर्डर पोलीनॉमिअल फॉर थे कॉन्ट्रेक्शन वाल प्रोफाइल बाय यूसिंग ऑपन फोम इन सिंह बी, रॉय ए, मैती डी. (eds), रीसेंट एडवांसेज इन थोरेटिकल, एलाइड, कम्प्यूटेशनल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-1189-9_11

- लक्ष्मण आर., बिनोद जे.आर., बसाक आर. (2021) "इम्प्लीमेंटेशन ऑफ इम्प्रूव्ड वाल फंक्शन फॉर बफर सब लेयर इन ऑपन फोम इन रेवणकर एस, सेन एस, साहू डी (eds) प्रोसीडिंग ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन थर्मोफ्लूइड्स" मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-7831-1_6
- लक्ष्मण आर., पाल एन., बसाक आर. (2021) "कम्प्रेटिव एनालिसिस ऑफ इनलेट बाउंड्री कंडीशंस फॉर एटमोस्फियरिक बाउंड्री लेयर सिमुलेशन यूसिंग ऑपन फोम" इन रेवणकर एस, सेन एस, साहू डी (eds) प्रोसीडिंग ऑफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन थर्मोफ्लूइड्स मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-7831-1_8
- मलिक एस.एच., दशमहापात्र एस. (2020) "कंबाइंड मोशन जनरेशन बाय इलेक्ट्रो हाइड्रोलिक स्टेवर्ड प्लेटफार्म फॉर मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज" डॉन एस, बैलस वी. एस्पोसिटो ए, गोपी एस (eds), इंटेलीजेंट टेक्निक्स एंड एलीकेशन इन सक्स एंड टेक्नोलॉजी ICIMSAT 2019, लर्निंग एंड एनालिटिक्स इन इंटेलीजेंट सिस्टम, वॉल्यूम 12, स्प्रिंगर, चाम https://doi.org/10.1007/978-3-030-42363-6_70

जनपद अभियांत्रिकी विभाग

जर्नल प्रकाशन

- दत्ता एन, हलदर ए और गुप्ता ए " इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन फॉर आर्सेनिक रिमूवल: फील्ड ट्रायल्स इन र्नरल वेस्ट बंगाल" आर्काइव ऑफ एनवॉरमेन्टल कंटैमिनेशन एंड टॉक्सिकोलॉजी, खंड 80, पृष्ठ 248-258 (2021)

पुस्तकें प्रकाशित

- घोष के और घोष पी. अल्कली एक्टिवेटेड फ्लाई ब्लास्ट फर्नेस स्लैग कंपोजिट। सीआरसी प्रेस, टेलर और फ्रांसिस, 2020, आईएसबीएन 9780367535544,<https://doi.org/10.1201/9781003082460>

भौतिक विज्ञान विभाग

- जी बिस्वास और ए बिस्वास, इंटेंगलमेंट इन फर्स्ट एक्साइटेड स्टेट्स ऑफ सम मेनी - बॉडी कॉट्म स्पिन सिस्टेमिस : इंडिकेशन ऑफ कौन्ट्रेम फेज ट्रांजीशन इन फाइनाइट साइज सिस्टम, फिजिका स्क्रिप्टा 96, 025003, 2021.
- ए घोष, एके रे, एम नुरुज्जमान और एम जमशीदी, वोल्टेज एंड फ्रॉकेंसी कप्टोल इन कन्वेशनल एंड पी वी इंटीग्रेटेड पावर सिस्टम्स बय अ पार्टिकल स्वार्म ऑटोइम्यीजेड ज़िगलर - नोचोलास बेस्ट पी आई डी कंट्रोलर, एसएन एप्लाइड साइंसेज 3 (3), 1-13, 2021.
- ए महता, डीपी बॉल और एम नुरुज्जमान, आइडेंटिफिकेशन ऑफ शार्ट - टर्म एंड लॉन्ग - टर्म टाइम स्केल्स इन स्टॉक मार्केट्स एंड इफेक्ट ऑफ स्ट्रक्चरल ब्रेक, फिजिका ए: सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग 545, 123612, 2020.
- एम नुरुज्जमान और ए महता, टाइम स्केल्स एंड करेक्टरिस्टिक्स ऑफ स्टॉक मार्केट्स इन डिफरेंट इन्वेस्टमेंट हॉरिजंस, भौतिकी में फ्रंटियर्स 8, 498, 2020.

रसायन विज्ञान विभाग

अंतर्राष्ट्रीय जर्नल प्रकाशन: इक्वीस (21)

संचयी प्रभाव कारक (सीआईएफ): 60.47.

1. ए रिव्यु आन एलुमिनियम, गैलियम और ईण्डीयुम काम्प्लेक्स (पीएच2-एनएसीएनएसी) लिगैड, निधि गोविल, और बी. जाना, इनऑर्गनिका चिमिका एकटा, 2021, 515, 120037। [आईएफ: 2.046]
2. डिजाइन्ड मेटल ए टी सी यू एन डेरिवेटिव्स : रेडॉक्स एंड नॉन रेडॉक्स बेस्ड ऐलिकेशन्स रिलेवेंट फॉर केमिस्ट्री, बायोलॉजी एंड मेडिसिन्स, बिप्लब के मैती, * निधि गोविल, तारकनाथ कुंडू, और जेजे जी मौरा, आईसाइंस, 2020, 101792। [आईएफ: 4.565]
3. डाइवर्स बायोलॉजिकल रोल्स ऑफ दी टेट्राथिओमोलिब्डटे एनिओन, बिप्लब के मैती, * और जे जे जी मौरा, समन्वय रसायन विज्ञान समीक्षा, 2021, 101792. [आईएफ: 15.367]
4. ऑक्सीजन रिडक्शन असिस्टेड बय दी कॉन्स्टर्ट ऑफ रेडॉक्स एक्टिविटी एंड प्रोटोन रिले इन अ क्यो (II) काम्प्लेक्स, सृजन नारायण चौधरी, सचिदुलाल बिस्वास, पी. दास, एस. पॉल और अचिंतेश एन. बिस्वास*, इनऑर्गनिक केमिस्ट्री, 2020, 59, 14012। [आईएफ: 4.825]
5. रेडॉक्स एक्टिव लिंगंड असिस्टेड एलेक्ट्रोकैटालिटिक वाटर ऑक्सीडेशन बय अ मोनो-न्यूक्लेअर कोबाल्ट काम्प्लेक्स, सचिदुलाल विज्ञान, एस बोस, जे देबगुप्ता, पी. दास और अचिंतेश एन. बिस्वास*, डाल्टन ट्रांजेक्शन्स, 2020, 49, 7155। [आईएफ: 4.174]
6. ए डीएसट्रेसेलेक्टिव सिंथेटिक एप्रोच ट्रुवर्ड्स दी सिंथेसिस ऑफ बेरकेलेक्टोने एफ एंड इट्स 4 एपि डेरिवेटिव, सृजना सुब्बा, सुमित सहाय, और एस मंडल, सिनओपेन, 2020, 4, 66।
7. चार्ज करिंग ट्रांसपोर्ट एंड एलेक्ट्रोकेमिकल स्टेबिलिटी ऑफ ली 20 डोउ ग्लासी सिरेमिक्स, ए. आचार्य, के. भट्टाचार्य, सी. के. घोष, अचिंतेश एन. बिस्वास, एस. भट्टाचार्य, मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग: बी, 2020, 260, 114612। [आईएफ: 4.706]
8. सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड मॉलीक्यूएल स्ट्रक्चर ऑफ आइरोन (III) काम्प्लेक्स विथ ट्रिडेंट दिअङ्जेने लिंगंड हैविंग औ, एन, यस डोनर सेट: कोएक्सिस्टेंस ऑफ ऑक्टाहेड्रल एंड तेतरहिड्राल आइरोन (III) साइट्स इन दी असीमीट्रिक यूनिट, पी. दास और अचिंतेश एन बिस्वास, जर्नल रासायनिक क्रिस्टलोग्राफी, 2020, 50, 147। [आईएफ: 0.589]
9. पिटेनटिअल रोले ऑफ पेण्टाइड बेस्ड एंटीवायरल थेरपी अंगेस्ट सार्स कोव - 2 इन्फेक्शन, बिप्लब के. मैती*, एसीएस फार्माकोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल साइंस, 2020, 3, 783।
10. कैन पपाइन लिखे प्रोटीज इन्हीबाईटर्स हालट सार्स कोव - 2 रेलिकेशन ?, बिप्लब के. मैती*, एसीएस फार्माकोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल साइंस, 2020, 3, 1017।
11. हमे /हेमोऑक्सीजन -1 सिस्टम इस अ पोटेंशियल थेराप्यूटिक इंटरवेशन फॉर कोव - 19 पेसेनट्स विथ सीवियर कॉम्प्लीकेशन्स, बिप्लब के. मैती*, एसीएस फार्माकोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल साइंस, 2020, 3, 1032।

12. इनसाइट ऑफ बोरेन इंदूसेड सिंगल स्टेप सिंथेसिस ऑफ शार्ट चैन ओलेफिन्स फ्रॉम बिओटीराइव सिनगैस, आई. के. घोष, जेड इक्बाल, सुमंत्र भट्टाचार्य, और ए बोरदोलोई, ईंधन, 2020, 263, 116663। [आईएफ: 5.578]
13. शेप रेजोनेंस ऑफ सफर डाइऑक्साइड एनिओन एक्सीटेंड स्टेट्स योउसिंग दी कैप चिप एफ यस एम आर सी सी यस दी मेथोर्ड, एस. बसुमलिक, सुमंत्र भट्टाचार्य, आई. जाना, एन. वावल, और एस. पाल, आण्विक भौतिकी, 2020, 118, 1. [आईएफ: 1.767]
14. डायरेक्ट ऑक्सिडेट अजो कपलिंग ऑफ अनिलिनेस योउसिंग ए सेल्फ असेम्ब्लेड फ्लावर लिखे कुको 204 मटेरियल अस ए कैटेलिस्ट अंडर एरोबिक कंडीशंस, एआर पटेल, जी. पटेल, जी. मैती, एसपी पटेल, सुमंत्र भट्टाचार्य*, ए. पुट्टा, और एस बनर्जी*, एसीएस ओमेगा, 2020, 5, 30416 [आईएफ: 2.870]
15. सिंगल स्टेप सिंथेसिस ऑफ रिडक्शन ग्राफेन ऑक्सआइड /यसयेन औ 2 नैनोकपोसिट्स फॉर पोटेंशियल ऑप्टिकल एंड सेमीकंडक्टर ऐलिकेशन्स, ए. मलिक, आई. रॉय, डी. चलपति, सी. नारायण, टीडी दास, ए. भट्टाचार्य, एस. बेरा, सुमंत्र भट्टाचार्य*, एस. डी. बी दास, डी. चट्टोपाध्याय, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग बी, 2021, 264, 114938। [आईएफ: 4.706]
16. परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट ऑफ पी टाइप डाई सेन्सेटिज्ड सोलर सेल्स बय ब्लेंडिंग ऑफ दिसिमिलर डाइज, सुमंत्र भट्टाचार्य*, और एस.एम. प्रतीक, कम्प्यूटेशनल और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, 2021, 1199, 1322199। [आईएफ: 1.607]
17. 1,4-नेप्थेक्लिनोन अक्सुमुलते रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज इन स्टैफिलोकोक्स अउरुस : ए प्रोमिसिंग एप्रोच टोवोर्ड्स इफेक्टिव मैनेजमेंट ऑफ बीओपिलम थ्रेट, पी। पॉल, पी। चक्रवर्ती, ए। चट्टर्जी, आरके सरकार, डी। घोष दस्तीदार, तारकनाथ कुंडू, एन। सरकार, अमलन दास, पी. त्रिबेदी, माइक्रोबायोलॉजिका, 2021, 203, 1183। [आईएफ: 1.884]
18. एतेनुअशन ऑफ सुडोनॉमस एगेरियंस बीओपिलम बय थैमोकिनो: एन इंडिविजुअल एंड कबनिटोरिअल स्टडी विथ टेट्राज़िने कैप्ट सिल्वर, पी। चक्रवर्ती, पी। पॉल, एम। कुमारी, एस। भट्टाचार्यी, एम। सिंह, डी। मैती, डी। घोष दस्तीदार, वाई. अख्तर, तारकनाथ कुंडू, अमलन दास, पी. त्रिबेदी, फोलिया माइक्रोबायोलॉजिका, 2021, 66(2), 255. [आईएफ: 1.730]
19. ए कॉम्पैक्ट इनवर्टेंड वाई शेप्ड सिरकुलर्ली पोलरीज़ेड विडबंद मोनोपोल ऐन्टेना विथ ओपन लूप, आर. धरा और तारकनाथ कुंडू, इंजीनियरिंग रिपोर्ट्स, 2020, 2, e12326।
20. काण्टम डॉट फ्रेट बेस्ड डिटेक्शन ऑफ विटामिन बी 12 पिकोमोलर लेवल, सब्वसाची प्रमाणिक*, एस. रॉय, एस. भंडारी*, नैनोस्केल एडवांस, 2020, 2(9), 3809।
21. लुमिनोसेन्स एनहांसमेंट बेस्ड सेंसिंग ऑफ एल स्स्टेलिने बय डोउ कांटम डॉट, सब्वसाची प्रमाणिक*, एस रॉय, एस. भंडारी*, केमिस्ट्री-एन एशियन जर्नल, 2020, 15(13), 1948। [आईएफ: 4.056]

पुस्तक अध्याय: दो (02)

- स्टडी ऑफ रिस्पांस प्रॉपर्टीज योउसिंग कपल्ड क्लस्टर मेथोर्ड, डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य, लैम्बर्ट अकादमिक प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-620-2-66737-1।
- एडवांस्ड फिजिकल केमिस्ट्री एक्सपेरिमेट्स बए, डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य, डॉ. चारु अरोड़ा, प्रकाशन के लिए स्वीकृत

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

- त्रिपाठी, धनबजय एवं भास्कर छेत्री हुमूर एंड एंटीकोलोनियल डिस्कोर्स इन डी अर्ली नोवेल्स ऑफ आर के नारायण। येगाथस: एन इंटरनेशनल रिव्यु ऑफ हुमानिटीज एंड सोशल साइंसेज (वलयमे 11, इशू 2 (21) 2020: 151-160 (वेब ऑफ साइंस -ई एस सी आई)

(https://www.agathos-international-review.com/issue11_2/21.Tripathi.pdf)

- छेत्री, भास्कर एवं धनबजय त्रिपाठी मल्टीकल्चरल पसपिक्टिव्स: स्टडी ऑफ दी फीमेल कैरेक्टर्स इन दी राज नोवेल्स। कोजिटो -मल्टीडिसकीलीनरी रिसर्च जर्नल वॉल्यूम क्सिई, न. 1, 2021: 84-97. (स्कोपस)

(http://cogito.ucdc.ro/cogito_nr_1_2021.pdf#page=84)

- शर्मा, अंकिता, बेदव्रत साक्रिया एवं धनबजय त्रिपाठी, कैन अनएम्प्लायमेंट बी एनसेरड बय माइक्रो स्माल एंड मीडियम एंटरप्रियसेस ? एविडन्सेस फ्रॉम असम। इंडियन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट रिव्यु

(<https://www.emerald.com/insight/content/doi/10.1108/IGDR-09-2020-0140/full/html>)

- छेत्री, भास्कर एवं धनबजय त्रिपाठी अंविसोनिना मल्टीकल्चरलइसम इन लक्ष्मी राज शर्माज दी टेलर्स नीडल। लिटरेरी वौइस वॉल्यूम 1, न. 13, 2021: 38-42. (वेब ऑफ साइंस -ई एस सी आई)

(<http://www.literaryvoice.in/LV%20March%202021.pdf>)

- चिन्नादुरै कथिरावन, मुरुगेसन सेल्वम, बालसुंदरम मनियम, शंकरन वेंकटेश्वर और मार्किर्स्या ओली सिंगो (2021)। डज टेम्प्रेचर इन्फलुएंस दी कार्बन इंडेक्स? एविडेसेस फ्रॉम इंडिया। जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, 21 (1), 1 -8 (आई यस यस एन: 1472 -3891), (वेब ऑफ साइंस - ई यस सी आई)

<https://onlinelibrary.wiley.com/doi/full/10.1002/pa.2117>

- शंकरकुमार अमीरधवासनी, मुरुगेसन सेल्वम, मार्किर्स्या ओली सिंगो, अमृता पवित्रन और चिन्नादुरै कथिरावन (2020)। दी इफेक्ट्स ऑफ आयल प्राइस आन एशिया- पैसिफिक एक्सचेंज रेट्स: एविडन्सेस फ्रॉम कॉन्टिल रिग्रेशन एनालिसिस, इंटरनेशनल जौर्नलॉ ऑफ एडवांस साइंस एंड टेक्नोलॉजी। 29 (8स), 1337 - 1347. (आई यस यस एन: 2005 - 4238); (स्कोपस).

<http://sersc.org/journals/index.php/IJAST/article/view/12485/6470>

- कासिलिंगम लिंगराज, मुरुगेसन सेल्वम, वेलुचामी रामानुजम, सिंगो मार्किर्स्या ओली और चिनादुरै कथिरावन (२०२०)। स्टॉक मार्किट मूवमेंट एंड लिंकेज बिटवीन इमर्जिंग मार्केट्स इन एशिया एंड डेवलप मार्केट्स इंडिकेट्स: शार्ट रन एंड लॉन्ग रन एनालिसिस, जर्नल ऑफ क्रिटिकल रिव्युस, 7 (7), 616 -629. (आई यस यस एन : 2394 -5125); (स्कोपस).

<http://www.jcreview.com/fulltext/197-1589628811.pdf?1605150768>



गांधी जयंती





चिकित्सा सुविधाएं



संस्थान में छात्रों, संकायकर्मियों एवं कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार की सुविधा संस्थान की चिकित्सकीय इकाई में प्रदान की जाती है। जो कि परिसर में अकादमिक भवन एवं आवासीय भवन के मध्य में स्थित है। यह इकाई प्रातः 08:00 बजे से शाम 08:00 बजे तक कार्यरत रहती है। यद्यपि, आपातकालीन सेवाओं के लिए इकाई 24 घंटे चिकित्सकीय सुविधा प्रदान करती है। संस्थान की चिकित्सकीय इकाई में सप्ताह में अलग-अलग दिन, तीन आगंतुक चिकित्सा सलाहकार डॉ. डिल्ली देवकोटा (ऑप्पेपिडिक सर्जन, नामची जिला अस्पताल), डॉ. संजय राय (जनरल फिजिशियन, नामची जिला अस्पताल) एवं डॉ. पल्लवी परियार (जनरल फिजिशियन, रावंगला) चिकित्सकीय सुविधा प्रदान करते हैं। चिकित्सा इकाई में सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए एक नर्सिंग टीम हमेशा तपतर रहती है। इन सुविधाओं में प्राथमिक चिकित्सा, ड्रेसिंग, अंतः शिरा द्रव संचार, रक्तचाप (ब्लड प्रेशर), नाड़ी-दर (पत्स रेट), वजन माप और ऑक्सीजन थेरेपी शामिल हैं। संस्थान के छात्र, कर्मचारी एवं अन्य लाभार्थी चिकित्सा इकाई में मुफ्त बाह्य चिकित्सा उपचार, निर्धारित सामान्य दवाएं, प्राथमिक चिकित्सा, ड्रेसिंग, नेबुलाइजेशन और अंतः शिरा द्रव संचार उपचार जैसी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के लिए एक एम्बुलेंस, प्राथमिक चिकित्सा किट एवं ऑक्सीजन सिलेंडर सहित हमेशा उपलब्ध रहती है।

छात्रों को आईपीडी उपचार हेतु मेडिकल बीमा सुविधा भी उपलब्ध है।

चिकित्सा इकाई ने सभी लाभार्थियों को कोविड-19 (COVID-19) के निवारक उपायों और कोविड अधिनियम के बारे में अवगत करवाया है। लाभार्थियों के लिए कोविड-19 (COVID-19) की सामान्य और निवारक दवा भी चिकित्सा इकाई में उपलब्ध कराई गई हैं।

चिकित्सा इकाई को आवश्यक एवं मूलभूत सुविधाओं युक्त एक पुनर्निर्मित कमरे में शिपट किया गया है। हालांकि, सुदूर पहाड़ी स्थान होने के कारण, संस्थान की चिकित्सकीय सुविधाओं के विस्तार एवं उनके उन्नयन की अतिआवश्यकता है जिससे की लाभार्थियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवायी जा सके।



चिकित्सा इकाई में
उपचार के दौरान



संस्थान में एम्बुलेंस सुविधा



संस्थान का मेडिकल स्टोर

शैक्षणिक विभाग





संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

“

एक संगणक ज्ञानपूर्ण तभी माना जायेगा जब वह किसी मानव को यह आभास दिला सके कि वह मशीन नहीं अपितु मानव है।

एलन ट्यूरिंग

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग संस्थान की स्थापना वर्ष 2010 से ही कार्यरत है। विभाग शिक्षण में उत्कृष्टता द्वारा पूरित एक उत्कृष्ट शोध वातावरण की सुविधा प्रदान करता है।

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग चार साल का प्रौद्योगिकी स्रातक, दो साल का प्रौद्योगिकी स्रातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग आधुनिक एवं नवीनतम तकनीकों से समाहित एक व्यापक पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग का उद्देश्य संकाय कर्मियों की विशेषज्ञता का उपयोग करके अंतःविषय एवं बहु-विषयक परियोजनाओं को विकसित करना है।

वर्तमान में विभाग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, क्रिएट्राफी, नेटवर्क सिक्योरिटी, पैरेलल-डिस्ट्रिब्यूटेड और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, एलगोरिदम, क्लाउड कंप्यूटिंग, वायरलेस और सेंसर नेटवर्क आदि प्रमुख क्षेत्रों में शोध हो रहे हैं। सामान्य रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र और विशेष रूप से सिक्किम में सामुदायिक विकास के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न अन्य संगठनों के समन्वित प्रयास का उपयोग करके अनुसंधान गतिविधियाँ, तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के समूह स्थापित करना विभाग का एक प्रमुख लक्ष्य है। विभाग के पास उच्च-गति वाले इंटरनेट एवं वायरलेस नेटवर्क द्वारा अत्याधुनिक मूलभूत सुविधाएं हैं।

संकाय सदस्य और छात्र अक्सर परियोजनाओं पर पारस्परिक सहयोग करते हैं। वे संस्थान के अन्य विभागों के शोधकर्ताओं, भारत में पूर्वोत्तर क्षेत्र के महाविद्यालयों एवं विदेशों के संस्थानों के साथ सामंजस्यपूर्ण कार्य कर रहे हैं। विभाग में उत्कृष्ट वातावरण और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के अवसरों के साथ ही सामुदायिक सहयोग की समझ भी है। विभाग को विश्वविद्यालय विद्या वाचस्पति योजना, डीईआईटीवार्व और डीएसटी, राष्ट्रीय

मिशन हिमालयन स्टडीज और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विशिष्ट विकासात्मक परियोजनाएं आदि जैसी विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान के लिए अनुदान प्राप्त होता है। विभाग, उत्तम भारत अभियान के द्वारा स्थानीय समुदाय की जीवन शैली के विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विभाग का उद्देश्य उच्च गुणवत्तापूर्ण ज्ञान प्रदान करने और संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अनुसंधान की शैली को विकसित करने के साथ-साथ मानव सेवा करने के उद्देश्य से सहभागीता के साथ अनुशासनात्मक अनुसंधान करना है। इन सेवा योग्य दृष्टिकोणों को औद्योगिक मानकों के साथ-साथ सभी पेशेवर गतिविधियों में सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारियों को स्थापित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों में ज्ञान प्रदान करके विकसित किया जा रहा है।

विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातक
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्रातकोत्तर
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति

संकाय सदस्य विवरण

■ डॉ. आचार्य महेश चन्द्र गोविल

आचार्य एवं निदेशक,
विद्या वाचस्पति (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की),
प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की),
प्रौद्योगिकी सातक मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
(पूर्व एमआईसी)
अनुसन्धान क्षेत्र: रीयल टाइम सिस्टम, पैरलल एंड डिस्ट्रिब्यूटेड सिस्टम्स, फॉल्ट टॉलरेंट सिस्टम्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, नेटवर्क और इंटरनेट ऑफ थिंग्स

■ डॉ. प्रत्यय कुइला

सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
विद्या वाचस्पति (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान टीटीआर कोलकाता), प्रौद्योगिकी सातक (गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड सिरेमिक टेक्नोलॉजी, कोलकाता)
अनुसन्धान क्षेत्र: आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, इवोल्यूशनरी एलोगर्दिम्स, कंप्यूटेशनल काम्पलेक्सिटी, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, डिस्ट्रिब्यूटेड कंप्यूटिंग

■ डॉ. संग्राम राय

सहायक प्राध्यापक
विद्या वाचस्पति (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद) बीईसी गणित ऑनसी। (बीयू), एमएससी एम एंड सी (आईआईटी धनबाद)
अनुसन्धान क्षेत्र: क्रिएट्राफी एंड इनफार्मेशन सिक्योरिटी, पब्लिक की इंफ्रास्ट्रक्चर, इलिटिक कर्व क्रिएट्राफी, कॉटेट सॉटिक नेटवर्क, इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स

■ डॉ. तरुण विश्वास

सहायक प्राध्यापक
विद्या वाचस्पति (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर), प्रौद्योगिकी सातक (गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड सिरेमिक टेक्नोलॉजी, कोलकाता)
अनुसन्धान क्षेत्र: नेचर बेज़ एलोरिदम, डिस्ट्रिब्यूटेड कम्प्यूटिंग, बिग डेटा, एज कम्प्यूटिंग

■ डॉ. बानावथ बालाजी नायक

सहायक प्राध्यापक
विद्या वाचस्पति (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान त्रिची), एसआरके आरईसी (आंध्र विश्वविद्यालय)
अनुसन्धान क्षेत्र: क्लाउड कम्प्यूटिंग, इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स, कंप्यूटर नेटवर्क

■ मो. सरफराज आलम अंसारी

सहायक प्राध्यापक
विद्या वाचस्पति अध्ययनरत (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर), बीई (मगध विश्वविद्यालय)
अनुसन्धान क्षेत्र: नेटवर्क टेक्नोलॉजी, इनफार्मेशन सिक्योरिटी और रिस्क मैनेजमेंट

■ श्री पंकज कुमार केशरवानी

सहायक प्राध्यापक
विद्या वाचस्पति अध्ययनरत (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम), विज्ञान सातकोत्तर (आईआईआईटी इलाहाबाद), बीएससी (इविंग क्रिश्वियन कॉलेज, इलाहाबाद), एमसीए (यूपीटीय, लखनऊ)
अनुसन्धान क्षेत्र: इनफार्मेशन सिक्योरिटी, मशीन लर्निंग

■ सुश्री गोपा भौमिक

सहायक प्राध्यापक
विद्या वाचस्पति अध्ययनरत (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर), प्रौद्योगिकी सातक (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला)
अनुसन्धान क्षेत्र: इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विज़न, पैटर्न रिकग्रिशन डीप लर्निंग।

अस्थाई संकाय सदस्य

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

श्री उद्धलक चटर्जी

सुश्री अनामिका शर्मा

सुश्री सयानी मंडल

स्टाफ

■ श्री तपन छेत्री

तकनीशियन, संगणक अनुप्रयोग में सातकोत्तर

प्रयोगशाला सुविधाएं

1. कम्प्यूटर्स नेटवर्क्स प्रयोगशाला

संगणको की संख्या: 36

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- संगणक नेटवर्किंग की मूलभूत अवधारणाओं की समझ बनाने के लिए।
- डाटा संचार के सामान्य सिद्धांतों का वर्णन करने के लिए। स्तरित दृष्टिकोण (ओएसआई मॉडल और टीसीपी/आईपी) की अवधारणा के साथ संगणक का संगठन।
- हब, पुल और स्विच के साथ एक साधारण लैन लागू करने और यह वर्णन करने के लिए कि इंटरनेट में पैकेट कैसे वितरित किए जाते हैं।
- छात्रों को उन्नत नेटवर्किंग अवधारणाओं से परिचित कराना, छात्रों को संगणक नेटवर्किंग में उन्नत पाठ्यक्रमों के लिए तैयार करना।
- बुनियादी संगणक नेटवर्क प्रौद्योगिकी, विभिन्न प्रकार के नेटवर्क टोपोलॉजी और प्रोटोकॉल को समझने के लिए।

- यह आंकलन करने की अनुमति देने के लिए कि डाटा संरचनाओं और एल्गोरिदम डिज़ाइन विधियां, कार्यक्रमों को कैसे प्रभावित करती हैं।
- एक निर्दिष्ट अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त डाटा संरचना और एल्गोरिदम डिज़ाइन विधि का चयन करने के लिए।
- डाटा संरचनाओं का उपयोग करके समस्याओं को हल करने के लिए जैसे कि रैखिक सूची, हैश टेबल, बाइनरी ट्री, टूनर्मेट ट्री, बाइनरी सर्च ट्री और ग्राफ़ तथा इन समाधानों के लिए प्रोग्राम लिखना।

प्रयोगशाला संचालित

- डाटा कम्प्युनिकेशन
- कंप्यूटर नेटवर्क्स
- एडवांस कंप्यूटर नेटवर्क्स
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स
- वायरलेस नेटवर्क सिक्यूरिटी
- साइबर फोरेंसिक
- ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी



कंप्यूटर प्रयोगशाला 1 (कंप्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला) का आंतरिक दृश्य

2. डाटा साइंस प्रयोगशाला

संगणको की संख्या: 36

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक समस्याओं के समाधान के लिए मात्रात्मक मॉडलिंग और डाटा विश्लेषण तकनीकों को लागू करना, निष्कर्षों को संप्रेषित करना, और डाटा विज़ुअलाइज़ेशन तकनीकों का उपयोग करके प्रभावी ढंग से परिणाम प्रस्तुत करना।

- व्यापार निर्णय लेने में उपयोग किए जाने वाले सांख्यिकीय डाटा विश्लेषण तकनीकों के ज्ञान को प्रदर्शित करना।
- व्यावसायिक समस्याओं के विश्लेषण के लिए डाटा विज्ञान के सिद्धांतों को लागू करना।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बिल्डिंग ब्लॉक्स की एक बुनियादी समझ विकसित करने के लिए जैसा कि बुद्धिमान एजेंटों के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है: खोज, ज्ञान प्रतिनिधित्व, अनुमान, तर्क और सीखना।
- मशीन इंटेलिजेंस बनाने के लिए एल्गोरिदम लागू करना।

- पर्यावेक्षित, अर्ध-पर्यावेक्षित, और अनुपयोगी के रूप में मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को चिह्नित करना।
- प्रभावी रूप से मशीन लर्निंग ट्रूलबॉक्स का उपयोग करना।
- डीप लर्निंग
- बिग डेटा
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- डेटा एनालैटिक्स

प्रयोगशाला संचालित

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- मशीन लर्निंग



कंप्यूटर प्रयोगशाला 2 (डाटा विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला) के अंदर का दृश्य

3. कम्प्यूटिंग प्रयोगशाला

संगणकों की संख्या: 36

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- विभिन्न संगणक प्रोग्रामिंग भाषाओं को सीखना।
- एल्गोरिदम के स्पर्शोन्मुख प्रदर्शन का विश्लेषण करना।
- एल्गोरिदम के लिए पुनरावृत्ति संबंधों को हल करने के लिए गणितीय सूत्रीकरण, जटिलता विश्लेषण और कार्यप्रणाली को समझना।
- महत्वपूर्ण एल्गोरिथ्म डिजाइन प्रतिमान और विश्लेषण के तरीकों को लागू करना।
- अग्रिम डाटा संरचनाओं का उपयोग करके एल्गोरिदम डिजाइन करना।
- गैर-नियतात्मक बहुपद (एनपी) वर्ग की समस्याओं को समझने और मानक दृष्टिकोणों का उपयोग करके समाधान तैयार करना।
- छात्रों को समांतर और वितरित कंप्यूटिंग में समकालीन ज्ञान प्रदान करना।
- समवर्ती और वितरित कार्यक्रमों के बारे में तर्क के लिए विभिन्न तरीकों और दृष्टिकोणों को पेश करना।
- डेटाबेस अवधारणाओं, संरचनाओं और केरी भाषा को समझना।

- ई-आर मॉडल और रिलेशनल मॉडल को समझना।

- एक साधारण डेटाबेस प्रणाली का डिजाइन और निर्माण करना और डीबीएमएस के मॉडलिंग, डिजाइनिंग और कार्यान्वयन से जुड़े मूलभूत कार्यों के साथ क्षमता प्रदर्शित करना।
- कार्यात्मक निर्भरता और कार्यात्मक अपघटन को समझना।

प्रयोगशाला संचालित

- प्रोग्रामिंग इन सी, पायथन, जावा
- डिजाइन एंड एनालिसिस ऑफ एल्गोरिदम
- एडवांस एल्गोरिदम
- डेटा स्ट्रक्चर
- इमेज प्रोसेसिंग
- ऑपरेटिंग सिस्टम
- डीबीएमएस



कंप्यूटर प्रयोगशाला 3 (कंप्यूटिंग प्रयोगशाला) के अंदर का दृश्य

4. सिमुलेशन और मॉडलिंग प्रयोगशाला

संगणकों की संख्या: 36

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- ऑपरेटिंग सिस्टम की अवधारणाओं और सिद्धांतों को पहचानना।
- अंतनिहित सिद्धांतों, तकनीकों और वृष्टिकोणों को समझने के लिए व्यापक परिचय प्रदान करना जो ऑपरेटिंग सिस्टम में सुसंगत ज्ञान से अवगत कराते हैं।
- संगणक ग्राफिक्स और इमेज प्रोसेसिंग शुरू करना।
- 2D ऑब्जेक्ट विजुअलाइज़ेशन। जिओमेट्रिकल ट्रांसफॉर्मेशन और 2D ऑब्जेक्ट्स

- 3D ऑब्जेक्ट विजुअलाइज़ेशन। प्रोजेक्शन्स

आयोजित प्रयोगशाला पाठ्यक्रम

- सॉफ्टवेयर मॉडलिंग और डिजाइन
- सॉफ्ट कंप्यूटिंग
- एवोलूशनरी कंप्यूटिंग
- कंप्यूटर ग्राफिक्स
- इमेज प्रोसेसिंग
- कंप्यूटर विजन



कंप्यूटर प्रयोगशाला 4 के अंदर का दृश्य (सिमुलेशन और मॉडलिंग प्रयोगशाला)

5. क्लाउड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला

संगणकों की संख्या: 18

सुमेधा - द क्लाउड सर्वर: सुमेधा एक वैज्ञानिक क्लाउड है जो व्यक्तिगत शोधकर्ताओं और संगठनों के लिए लागत प्रभावी और स्केलेबल हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रदान करता है। यह परिष्कृत हार्डवेयर खरीदने और अनुरक्षण की आवश्यकता के बिना, विश्वसनीय एचपीसी क्लस्टर और भंडारण के लिए सुविधा प्रदान करता है। यह कंप्यूटेशन और डाटा गहन समस्याओं को हल करने के लिए अनुसंधान की मांग पर आभासी संसाधनों (सर्वर, भंडारण, नेटवर्क सॉफ्टवेयर और एप्लिकेशन) का प्रावधान करता है।

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- मांग पर आभासी समूहों और आभासी मशीनों का निर्माण।
- क्लाउड प्रशासन को सुगम बनाता है।

- विभिन्न छवि आकारों के आभासी बुनियादी ढांचे की पेशकश करता है।
- सुमेधा पोर्टल कई उपयोगकर्ताओं के लिए क्लाउड सेवाओं की सुरक्षित पहुंच और प्रबंधन प्रदान करता है।
- आईएएस-एमपीआई क्लस्टर, हड्डप क्लस्टर औपन एमपी सर्वर, वर्चुअल सर्वर, वर्चुअल स्टोरेज।

प्रयोगशाला संचालित

- क्लाउड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला
- अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ



क्लाउड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला के अंदर का दृश्य

6. एडवांस्ड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला

कॉन्फ़िगरेशन

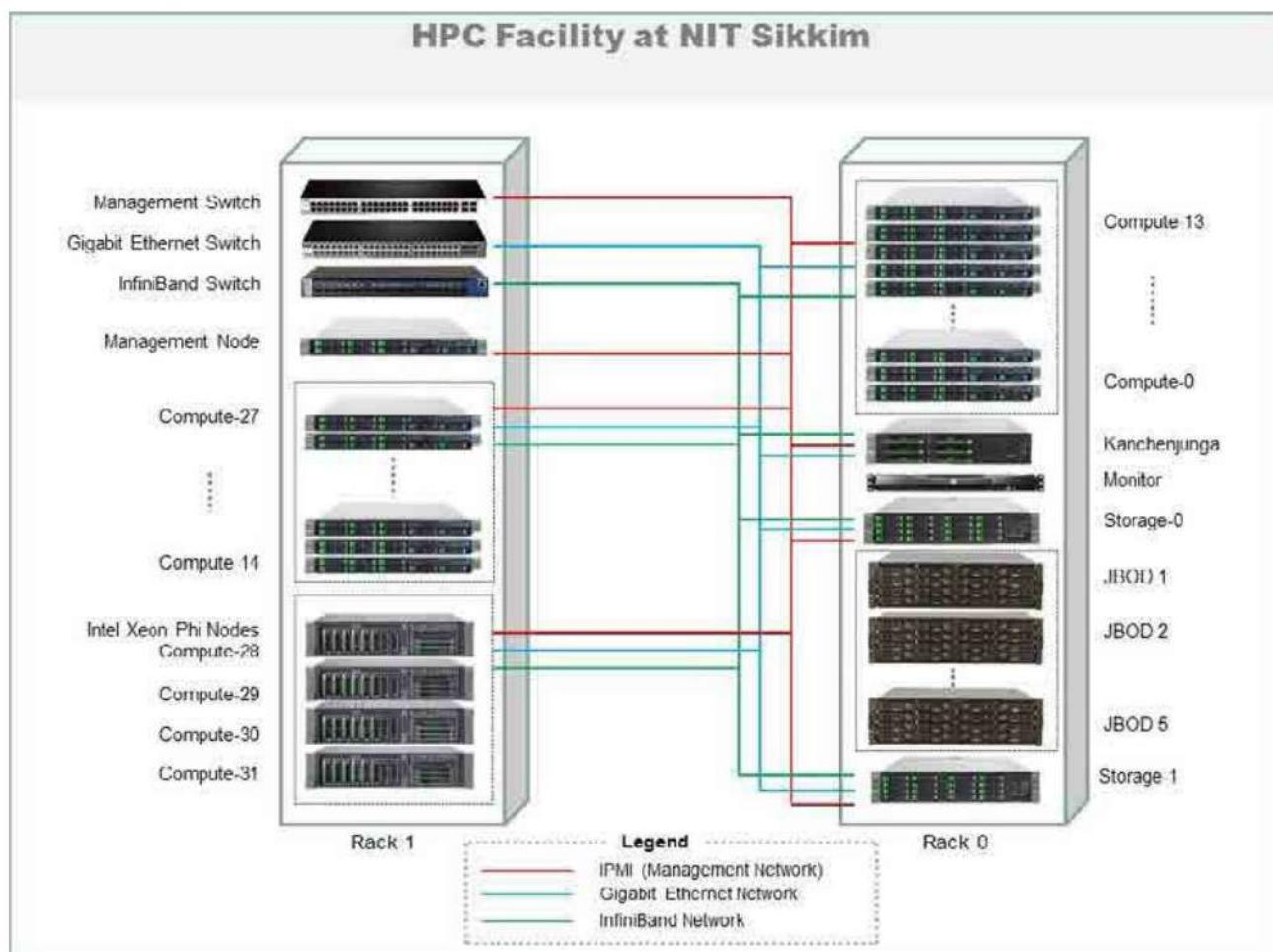
- 66 इंटेल जिआँन एलविआई ब्रिज (इ5-2650V2) प्रोसेसर
- 15.02 टीएफएलओपीएस का पीक प्रदर्शन
- 528 x 86_64 आधारित प्रोसेसर कोर
- कुल मेमोरी (64 जीबी प्रति नोड) 2.112 टीबी (2112 जीबी)
- 6 x 600 जीबी, 15के आरपीएम, मास्टर नोड में एसएएस 6 जीबीपीएस हॉट-प्लग एचडीडी
- 2 x 250 जीबी, 7.2 आरपीएम, कम्प्यूट नोड्स में एंटरप्राइज एसएटीए एचडीडी
- 4 x इंटेल ज़ीओन फी 5110पी एक्सेलरेटर (8 जीबी, 60 को-प्रोसेसिंग कोर)
- 50 टीबी एनएल-एसएएस और 20 टीबी एसएएस स्टोरेज आरएआईडी 6 स्टोरेज के रूप में कॉन्फ़िगर किया गया है
- 36-पोर्ट 56 जीबीपीएस 4X एफडीआर इन्किनी बैंड जैसे प्राइमरी नेटवर्क

- 48-पोर्ट गीगाबिट ईथरनेट जैसे माध्यमिक नेटवर्क
- 48-पोर्ट गीगाबिट ईथरनेट जैसे प्रबंधन नेटवर्क
- विजुअलाइज़ेशन / मैनेजमेंट नोड

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- ओपन एमपी के साथ एचपीसी पास, एमपीआई और मैप रिज्यूस -समानांतर वातावरण प्रदान करना
- गोल्डन इमेज सुमेधा स्टैक के रूप में उपलब्ध एचपीसी एप्लिकेशन का चयन करना
- आईएएस-एमपीआई क्लस्टर, हड्डप क्लस्टर औपनएमपी सर्वर, वर्चुअल सर्वर, वर्चुअल स्टोरेज।
- पास-लिनक्स आधारित एमपीआई, हड्डप, ओपनएमपी, ग्लस्टरएफएस, लोकप्रिय प्रोग्रामिंग भाषा और पुस्तकालय।
- सआस-चुनिंदा एप्लिकेशन (पीएसई जैसे सीजनल फोरकास्ट मॉडल) और नमूना समानांतर कार्यक्रम।

एचपीसी वास्तुकला



प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित

- फोग कंप्यूटिंग
- एज कंप्यूटिंग
- क्लाउड कंप्यूटिंग
- कॉटम कम्प्यूटिंग
- प्रकृति से प्रेरित कंप्यूटिंग
- समानांतर और वितरित कंप्यूटिंग

एचपीसी के उपयोग से चल रही परियोजना: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में एसएमडीपी-सी2एसडी परियोजना

एचपीसी पर काम कर रहे शोधकर्ता

1. श्री हनुमान गोदारा, शोधार्थी, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग
2. श्री जॉर्ज बिस्वास, शोधार्थी, भौतिकी विभाग
3. श्री केशब दास, शोधार्थी, कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग
4. सुश्री निगिदिता प्रधान, अनुसंधान विद्वान, कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग

5. सुश्री प्रीति गुप्ता, परियोजना संकाय, कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग

6. सुश्री रेशमी धारा, शोधार्थी
उपरोक्त शोधार्थियों के अलावा एक स्रातकोत्तर छात्र और दो स्रातक छात्रों ने एचपीसी पर अपने परियोजना कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

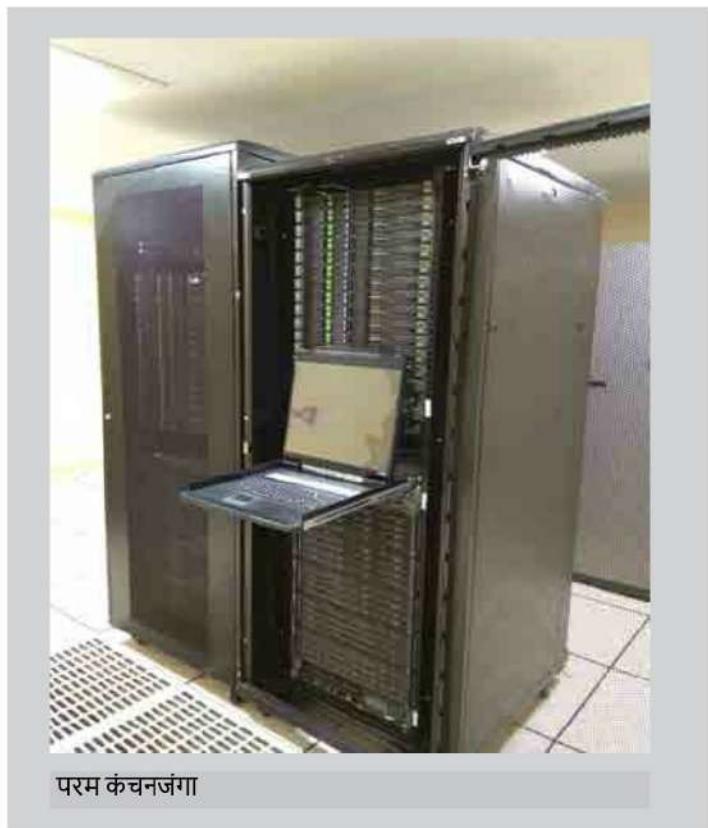
एनआईटी सिक्किम में एचपीसी पर शोध कार्य करने वाले बाहरी संगठन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में एचपीसी पर शोध कार्य करने वाले बाहरी संगठन निम्नलिखित हैं:

1. आईएनएसटी मोहाली
2. सिक्किम विश्वविद्यालय
3. केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता

एचपीसी सिस्टम पर चल रहे एप्लिकेशन (सॉफ्टवेयर टूल्स) की सूची

1. ओनामा (पैरेलल एप्लिकेशन सूट)
2. सीएचआरईएमई (एचपीसी संसाधन प्रबंधन के लिए)
3. आरओएमएस (क्षेत्रीय महासागर मॉडलिंग प्रणाली)
4. गाऊसीन और गॉस व्यू
5. ओपन एफओएएम (ओपन सोर्स फील्ड ऑपरेशन एंड मैनिपुलेशन)
6. वीएसपी और वैनिएर90
7. केडेन्स
8. मेटर
9. मैटलैब
10. एनसिस19आर (ईएम और सीएफडी)
11. एनाकोंडा और पायथन
12. इंटेल पैरेलल स्टूडियो (इंटेल एमपीआई, फोरट्रान, ओपनएमपी कंपाइलर)
13. गैलिया (क्लस्टर मॉनिटरिंग)



जीपीयू सुविधा

02 वर्कस्टेशन 4 जीपीयू के साथ।

विशेष विवरण

प्रोसेसर: इंटेल जियोन 5122 3.6 गीगाहर्डज़ि, 4सी, 16.5 एमबी कैश, 105 डब्लू

मेमोरी: 64जीबी (2 X 32जीबी) डीडीआर 4 2666 डी आई एम एम ईसीसी रेग्राम जिसे 768 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है

हार्ड डिस्क: 512जीबी 2.5इंच साटा एसएसडी, 2टीबी 7200 साटा हार्ड डिस्क

ग्राफिक्स: 2*एनवीडिया 2080TI 11जीबी

ओएस: विंडोज 10 प्रो वर्कस्टेशन प्लस इंडिया

विभाग में चल रहे परियोजनाएँ / योजनाएँ

डेवलपमेंट ऑफ एफिसिएंट एंड सिक्योर कंटेनर सेंट्रिक नेटवर्क (सीसीएन) आर्किटेक्चर विथ कम्प्युनिकेशन प्रोटोकॉल यूजिंग एलिटिक कर्व क्रिएटोग्राफी (ईसीसी) आईसीपीएस डिवीजन, डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। (₹ 20 लाख)

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में विश्वेश्वरैया विद्या वाचस्पति योजना, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। (₹ 30 लाख)

डिजाइन ऑफ एफिसिएंट एंड सिक्योर की मैनेजमेंट स्कीम फॉर इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) यूजिंग एलिटिक कर्व क्रिएटोग्राफी (ईसीसी), तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय, राष्ट्रीय परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित अनुदान। (₹ 2 लाख).

डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ स्कीम फॉर हैंडलिंग फ्लैश क्राउड इन लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग इन पीयर-टू-पीयर नेटवर्क, तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय, राष्ट्रीय परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित बीज अनुदान। (₹ 2 लाख).

डिजाइन ऑफ एन एप्रोच फॉर मॉनिटरिंग ऑफ वाटर कालिटी इन लार्ज रिजर्वायर यूजिंग अंडरवाटर सेंसर नेटवर्क, तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय, राष्ट्रीय परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित अनुदान। (₹ 2 लाख)

डेवलपमेंट ऑफ पार्टिकल स्वार्म ऑटोमाइजेशन बेज़ड स्कीम फॉर इम्प्रूविंग कवरेज एंड कनेक्टिविटी इन मोबाइल वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स, तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय, राष्ट्रीय परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित अनुदान। (₹ 2 लाख).

डिज़ाइन ऑफ एफिसिएट एंड सिक्योर इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) कम्प्युनिकेशन फ्रेमवर्क इन कॉन्टेक्ट सेट्रिक नेटवर्क (सीसीएन) यूजिंग एतिएक कर्व किएग्राफी (ईसीसी) ए नेक्स्ट जेनेरेशन स्मार्ट कम्प्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। (₹ 68 लाख)

अन्य विभागों / संस्थानों के साथ सहयोग

- ब्रेमेन विश्वविद्यालय, जर्मनी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खडगपुर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी
- सीडीएसी, पुणे
- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
- डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर

विभागीय समितियाँ

| क्रमांक | समिति का नाम | संकाय सदस्य का नाम |
|---------|---|--|
| 1. | शैक्षणिक निष्पादन मूल्यांकन समिति (एपीईसी) | (i) डॉ प्रत्यय कुइला, संयोजक और विभागाध्यक्ष, संयोजक विभागीय स्नातक समिति (ii) संबंधित छात्र के संकाय सलाहकार सदस्य (iii) डॉ संग्राम राय, विभागाध्यक्ष नामित (iv) डॉ मलय राय, अधिष्ठाता शैक्षणिक द्वारा नामांकित। |
| 2. | विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी) | (i) डॉ. प्रत्यय कुइला, संयोजक और विभागाध्यक्ष (ii) डॉ. संग्राम राय, संयोजक डीपीजीसी (iii) सुश्री गोपा भौमिक, सदस्य (iv) डॉ बी बालाजी नाइक, सदस्य |
| 3. | विभागीय परास्नातक समिति (डीपीजीसी) | (i) डॉ संग्राम राय, संयोजक डीपीजीसी (ii) डॉ प्रत्यय कुइला, विभागाध्यक्ष और संयोजक डीयूजीसी (iii) डॉ तरुण विश्वास, सदस्य (iv) सुश्री गोपा भौमिक, सदस्य (v) डॉ संजय कुमार जाना, अध्यक्ष सीनेट द्वारा नामित |
| 4. | विभागीय परीक्षा एवं परिणाम समिति | (i) डॉ तरुण विश्वास, संयोजक (ii) श्री उद्दलक चटर्जी |
| 5. | विभागीय समय विभाजन समिति | (i) डॉ तरुण विश्वास, संयोजक (ii) श्री उद्दलक चटर्जी |
| 6. | विभागीय क्रय समिति | (i) डॉ. प्रत्यय कुइला, संयोजक (ii) मो. सरफराज आलम अंसारी, सदस्य (iii) श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सदस्य (iv) इंडेटर |
| 7. | विभागीय पुस्तकालय समिति | (i) सुश्री गोपा भौमिक (ii) सुश्री अनामिका शर्मा (iii) सुश्री सयानी मंडल |
| 8. | विभागीय नेटवर्किंग एवं इंटरनेट समिति | (i) डॉ प्रत्यय कुइला, संयोजक (ii) श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 9. | विभागीय वेबसाइट विकास समिति | (i) डॉ बी. बालाजी नाइक, संयोजक (ii) मो. सरफराज आलम अंसारी |
| 10. | समन्वयक, प्रशिक्षण एवं स्थानन | मो. सरफराज आलम अंसारी |
| 11. | समन्वयक, सामुदायिक विकास | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 12. | समन्वयक, प्रतिवेदन तैयारी आदि | सुश्री गोपा भौमिक |
| 13. | प्रयोगशाला प्रभारी, एचपीसी | डॉ तरुण विश्वास |
| 14. | प्रयोगशाला प्रभारी, कंप्यूटर प्रयोगशाला -1, कंप्यूटर प्रयोगशाला -2 | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 15. | प्रयोगशाला प्रभारी, कंप्यूटर प्रयोगशाला -3 | सुश्री गोपा भौमिक |
| 16. | प्रयोगशाला प्रभारी, व्हाउड कंप्यूटिंग प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला -4 | डॉ बी. बालाजी नाइक |
| 17. | संकाय सलाहकार, प्रथम वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 18. | संकाय सलाहकार, द्वितीय वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) | सुश्री गोपा भौमिक |
| 19. | संकाय सलाहकार, तृतीय वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) | डॉ बी. बालाजी नाइक |
| 20. | संकाय सलाहकार, चतुर्थ वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) | डॉ. तरुण विश्वास |
| 21. | संकाय सलाहकार, स्नातकोत्तर (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) | डॉ. प्रत्यय कुइला |

विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला

- 01-05 दिसंबर, 2020 के दौरान एआईसीटीई- अटल ने “साइबर सिक्योरिटी” पर संकाय विकास कार्यक्रम प्रायोजित किया।
- 15 - 19 मार्च, 2021 के दौरान तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय ने “अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों में फ़ज़ी लॉजिक सिस्टम” पर एक ऑनलाइन कार्यशाला प्रायोजित किया।
- 22 - 27 मार्च, 2021 के दौरान एआईसीटीई ने “क्लाउड कंप्यूटिंग: चुनौतियां और अनुसंधान मुद्दे” पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम प्रायोजित किया।

मुख्य वक्ता / विशेषज्ञ व्याख्यान

- आचार्य महेश चंद्र गोविल, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, द्वारा 04.12.20 को “ऑनलाइन अड्वर्टीसमेंट फ्रॉड डिटेक्शन” पर व्याख्यान।
- आचार्य महेश चंद्र गोविल, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, द्वारा 26.03.21 को “रियल टाइम इसु फॉर क्लाउड” पर व्याख्यान।
- डॉ संग्राम राय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, द्वारा 01.12.20 को “इंट्रोडक्शन टू साइबर सिक्योरिटी: चैलेंज एंड सोलूशन्स” पर व्याख्यान।
- डॉ अरुनव राय, मोनाश यूनिवर्सिटी मलेशिया, द्वारा 01.12.20 को “ईवेंडिंग एक्टिव ऑफॉटिकेशन यूज़िंग एडवरसैरियल मशीन लर्निंग अप्पोचेस” पर व्याख्यान।
- प्रो. राम कृष्ण छल्ला, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीआर) चंडीगढ़, द्वारा 02.12.20 को “सिमेट्रिक की क्रिटोग्राफी: चैलेंज एंड सोलूशन्स ” पर व्याख्यान।
- डॉ ई. पिल्ले, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, द्वारा 19.11.20 को “ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी” पर व्याख्यान।
- डॉ ई. पिल्ले, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, द्वारा 02.12.20 को “क्लाउड सिक्योरिटी” पर व्याख्यान।
- डॉ अरिजीत कराती, राष्ट्रीय सन यात-सेन यूनिवर्सिटी, ताइवान, द्वारा 02.12.20 को “ एज सिक्योरिटी: चैलेंज एंड पॉसिबल क्रिटोग्राफिक सोलूशन्स” पर व्याख्यान।
- डॉ सी बी शर्मा, आईपीएस (सेवानिवृत्त), द्वारा 03.12.20 को “लीगल मैंडेट एंड इंटरनेशनल स्टैडर्ड्स” पर व्याख्यान।
- प्रो. संतोष बिस्वास, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) भिलाई, द्वारा 03.12.20 को “ईवेंट बेज़ड इंटूसन डिटेक्शन सिस्टम फॉर साइबर सिक्योरिटी ” पर व्याख्यान।
- डॉ गोविंद प्रसाद गुप्ता, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, द्वारा 03.12.20 को “इंटूसन डिटेक्शन सिस्टम ” पर व्याख्यान।
- प्रो. गोस्ता पड़ा बिस्वास, इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स (ISM) धनबाद, द्वारा 04.12.20 को “पब्लिक की क्रिटोग्राफी: आरएसए टू लैटिस स्कीम्स” पर व्याख्यान।
- डॉ मणि मधुकरी, आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा 04.12.20 को “ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी” पर व्याख्यान।

- डॉ मऊ दासगुप्ता, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, द्वारा 05.12.20 को “एट्रिब्यूट बेज़ड एक्रिप्शन एंड इट्स ऐप्लिकेशन्स इन हेल्पकेयर सेक्टर” पर व्याख्यान।
- सुश्री पॉलोमी मुखर्जी, आर्ट ऑफ लिविंग, द्वारा 05.12.20 को “स्ट्रेस मैनेजमेंट” पर व्याख्यान।
- प्रो. धनंजय सिंह, हांकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज (HUF), दक्षिण कोरिया द्वारा 08.02.21 को “फ्यूचर इंटरनेट मॉडल एंड सर्विसेज” पर व्याख्यान।
- प्रो. धनंजय सिंह, हांकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज (HUF), दक्षिण कोरिया द्वारा 09.02.21 को “इंटरनेट ऑफ थिंग्स फॉर स्मार्ट कम्प्युनिटी सोलूशन्स” पर व्याख्यान।
- प्रो. राजकुमार बुध्या, क्लाउड कंप्यूटिंग एंड डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टम (CLOUDS) प्रयोगशाला, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा 22.03.21 को “ नियोटेरिक फ्रेंटियर्स इन क्लाउड एंड एज कंप्यूटिंग ” पर व्याख्यान।
- प्रो. धनंजय सिंह, हांकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज (HUF), दक्षिण कोरिया द्वारा 22.03.21 को “ रीसेट एडवांसेज इन क्लाउड कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर, चैलेंजेज एंड सर्विसेज” और “एआई बेज़ड वेहिकुलर क्लाउड कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर: व्हीकल डेटा एनालिसिस एंड सर्विसेज” पर व्याख्यान।
- डॉ ई. पिल्ले, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, द्वारा 22.03.2021 और 24.03.2021 को “ कंटेनराइजेशन एंड डॉकर इन क्लाउड कम्प्यूटिंग ” और “सिक्योरिटी एस्पेक्ट्स इन क्लाउड” पर व्याख्यान।
- प्रो. अवधेश कुमार सिंह, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा 24.03.2021 and 26.03.2021 को “वर्चुअलाइजेशन इन क्लाउड” एंड “स्ट्रीम प्रोसेसिंग इन क्लाउड” पर व्याख्यान।
- डॉ प्रत्यय कुइला, विभागाध्यक्ष (सीएसई), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, द्वारा 25.03.21 को “अप्पोक्सिमेशन एल्गोरिदम फॉर क्लाउड” पर व्याख्यान।
- प्रो. के. चंद्रशेखरन, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सूरतकल द्वारा 25.03.2021 को “ डेटा मैनेजमेंट इन क्लाउड कम्प्यूटिंग” पर व्याख्यान।
- प्रो. मंसूर आलम, नोर्थ इलिनोइस यूनिवर्सिटी, शिकागो द्वारा 27.03.2021 को “ मोबाइल एज ऑफलोडिंग यूज़िंग मार्केट डिसिजन प्रोसेस ” पर व्याख्यान।

सामुदायिक विकास में भागीदारी

- स्थानीय स्कूलों में वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान।
- स्थानीय गांवों में बच्चों और स्थानीय स्कूलों के छात्रों के लिए संगणक का प्रदर्शन।
- स्कूली छात्रों द्वारा विभाग / प्रयोगशाला का दौरा।

उन संस्थानों/संगठनों की सूची जहां छात्रों ने इंटर्नशिप की है

- विनस्टाप्रो (डब्ल्यूएसपी) - कैलिफोर्निया
- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर - सीडीएसी - सिलचर
- इंटेल कॉर्पोरेशन - बैंगलुरु
- एसआरएफपी - आईआईटी गुवाहाटी
- आईआईटी भिलाई
- एनई टैक्सी - गंगटोक
- सिंपल गेस्ट कॉलिंग
- सिनोप इंटीग्रेटेड सिनोप इंटीग्रेटेड
- सालाजार ई-कॉर्मर्स पिंक2एग्जाम
- फॉक्सिसर
- विजाग स्टील प्लांट (डेटाबेस सेंटर)

छात्रों की उपलब्धियां

विभाग के छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों में प्लेसमेंट के प्रस्ताव मिले। कुछ संगठन निम्नलिखित हैं:

क्लियर टैक्स, मार्वल सेमी-कंडक्टर, मकाफी, कपजेमिनी, सैमसंग, सम्प्रेस, जेनसर, बाईजूस, विरूसा, एलटीआई, आईबीएम, बिटमैपर, इन्वेनिओ, वैल्यू लैब्स।

स्नातक परियोजनाएं

| क्रमांक | छात्र का नाम | थीसिस का शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---------|----------------------|---|---------------------------|
| 1 | पलज़ांग नोर्ग भूटिया | नॉविल एप्रोच फॉर की मैनेजमेंट एंड ऑफेंटिकेशन इन जेनेरिक आईओटी आर्किटेक्चर यूजिंग एलिएटिक कर्व क्रिएग्राफी | श्री उद्दलक चटर्जी |
| 2 | मनीष कुमार | अ कैंसर रिकवरी मॉनिटरिंग ट्रूल बैज़ड अॅन योगा इनपुट। | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 3 | सुप्रियो बनर्जी | इन्फर्मेशन फ्यूज़न इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क फॉर रिसोर्स ऑप्रियो इजेशन | सुश्री अनामिका शर्मा |
| 4 | रूपेश कुमार चौधरी | इन्फर्मेशन फ्यूज़न इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क फॉर रिसोर्स ऑप्रियो इजेशन | सुश्री अनामिका शर्मा |
| 5 | अमन बंसल | इम्प्रूवमेंट ऑफ यूजर एक्सपीरियंस अॅन क्लियर टैक्स इंडिया अॅनलाइन प्लेटफॉर्म | डॉ. संग्राम राय |
| 6 | अबिसेक दहाल | रूटिंग स्कीम फॉर अंडरवाटर वायरलेस सेंसर नेटवर्क | श्री गजेंद्र सिंह शेखावत |
| 7 | दीपक प्रसाद | स्क्रीनिंग एंड एनालिसिस ऑफ स्पेसिफिक लैग्वेज इम्पेयरमेंट इन यंग चिल्ड्रन बाई अनालाइजिंग द टेक्सचर्स ऑफ स्पीच सिग्नल | डॉ. प्रत्यय कुइला |
| 8 | मेराज अहमद | अ नॉविल मेथड फॉर कम्युनिटी डिटेक्शन इन एप्रोच नेटवर्क | श्री साम्या मुहरी |
| 9 | रवि कुमार | क्लासिफिकेशन ऑफ इंटरनेट ट्रैफिक एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ पी2पी एप्लीकेशन बाई एनलाइजिंग इट्स बिहैवियर | मो. सरफराज आलम अंसारी |
| 10 | अनुराग द्विवेदी | अ कंपैरेटिव एनालिसिस एंड इम्लीमेंटेशन ऑफ अ नावेल एप्रोच फॉर इनडुसन डिटेक्शन इन वायरलेस नेटवर्क्स | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 11 | ऋषभ मिश्रा | सेल्फिश पियर डिटेक्शन एंड मिटिगेशन मीजर्स | मो. सरफराज आलम अंसारी |
| 12 | संदीप जादोन | कम्युनिटी डिटेक्शन यूजिंग गेम थोरी | श्री साम्या मुहरी |
| 13 | रवीन्द्र कुमार | डेस्कटॉप वॉयस असिस्टेंट सिस्टम का डिजाइन। | श्री उद्दलक चटर्जी |
| 14 | दिव्याशी वर्मा | फॉर्विडिंग स्ट्रेटेजी इन एसडीएन बैज़ड कंटेन सेंट्रिक नेटवर्क | डॉ. संग्राम राय |
| 15 | सुनील पोद्दार | अंडरवाटर वायरलेस सेंसर नेटवर्क | श्री गजेंद्र सिंह शेखावत |
| 16 | अमित कुमार जाटव | अ लिटरेचर सर्वे विथ कम्प्रेहैन्सिव स्टडी ऑफ इनडुसन डिटेक्शन सिस्टम | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 17 | श्याम कुमार | अ लिटरेचर सर्वे विथ कम्प्रेहैन्सिव स्टडी ऑफ इनडुसन डिटेक्शन सिस्टम | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 18 | प्रियंका कुमारी | मल्टीकास्टिंग एंड ब्रॉडकास्टिंग ऑन वन सिमुलेटर | डॉ. सुमन भट्टाचार्जी |
| 19 | ऋषभ गुप्ता | अ लिटरेचर सर्वे विथ कम्प्रेहैन्सिव स्टडी ऑफ इनडुसन डिटेक्शन सिस्टम | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 20 | अभिनंदन लमसाल शर्मा | पेशेट डीएनए डेटा एक्सिस्टेशन यूजिंग इंस्पायर्ड सिमेट्रिक की क्रिएग्राफिक टेक्निक्स टू सिक्योर क्लाउड कंप्यूटिंग | श्री बी बालाजी नायक |
| 21 | अंशु प्रिया जैन | मैकएफी ईकॉमर्स पेमेंट एन्हांसमेंट एंड सिस्टम एनोमली डिटेक्शन | डॉ. सुमन भट्टाचार्जी |
| 22 | राहुल मीना | डेवलपमेंट ऑफ टेक्सचर फीचर डिस्क्रिप्टर फॉर फेस रिकाप्ट्रिशन | सुश्री गोपा भौमिक |
| 23 | कुमार अक्षय गुप्ता | एन इम्प्रूव जेनेटिक अल्गोरिदम फॉर फीचर सिलेक्शन | श्री पंकज कुमार के सरवानी |
| 24 | डी जे वी पवन कुमार | ऑप्रियो इजिंग एनर्जी कंजम्पशन विथ टास्क को-ऑर्डिनेशन इन क्लाउड्स | मो. सरफराज आलम अंसारी |
| 25 | प्रशांत अग्रवाल | विंडोज डिवाइस ड्राइवर वेलिडेशन | श्री गजेंद्र सिंह शेखावत |

| क्रमांक | छात्र का नाम | थीसिस का शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---------|------------------------|---|-----------------------|
| 26 | सांचा बीर गुरुंग | नॉवेल एप्रोच फॉर की मैनेजमेंट एंड ऑर्थेटिकेशन इन जेनेरिक आईओटी आर्किटेक्चर यूज़िंग एलिएटिक कर्व क्रिएट्राफी | श्री उद्दलक चटर्जी |
| 27 | अमन यादव | ट्रूल फॉर फाइंडिंग द सिमेटिक डिफरेंस बिटवीन ट्रीट्स एंड रिव्यु | डॉ प्रत्यय कुइला |
| 28 | जॉयदीप हलदर | डेवेलपमेंट ऑफ कॉप पेस्ट प्रेडिक्शन मॉडल यूज़िंग डीप लर्निंग | श्री तरुण बिस्वास |
| 29 | किथली साई लक्ष्मण | अ योलो बेज़ड मॉडल फॉर इमेज -टेक्स्ट डिटेक्शन | श्री तरुण बिस्वास |
| 30 | गोवर्धन मिश्रा | फ्लैश क्लाउड मैनेजमेंट इन पी2पी नेटवर्क | मो. सरफराज आलम अंसारी |
| 31 | निशु भारती | एन्हांसमेंट ऑफ ब्लास्ट रेडियस फॉर टेराफॉर्म | श्री बी बालाजी नायक |
| 32 | अश्विनी कुमार द्विवेदी | डिजाइन अ हेयरिस्टिक एप्रोच फॉर वर्कफ़्लो शेड्यूलिंग इन क्लाउड कंप्यूटिंग एनवोर्मेंट करें। | श्री बी बालाजी नायक |
| 33 | मिधुन सिंह | विडो सर्वर वीनेक्स्ट 2के19 इनबॉक्स ड्राइवर वेलिडेशन | सुश्री गोपा भौमिक |
| 34 | संदीप कुमार साह | डिजाइन ऑफ डीआरएम सिस्टम इन मीडिया स्ट्रीमिंग | सुश्री अनामिका शर्मा |
| 35 | रवि प्रकाश मिश्रा | डिजाइन ऑफ डीआरएम सिस्टम इन मीडिया स्ट्रीमिंग | सुश्री अनामिका शर्मा |

स्नातकोत्तर डिग्री

| क्रमांक | छात्र का नाम | थीसिस का शीर्षक | पर्यवेक्षक |
|---------|------------------|---|-------------------|
| 1 | राजेश चिलुकामारी | एन इसीसी बेज़ड लाइटवेट एनोनिमिटी प्रिजर्विंग ऑर्थेटिकेशन स्कीम फॉर स्मार्टप्रिड एनवॉरमेंट | डॉ. संग्राम राय |
| 2 | राहुल त्रिपाठी | वन क्लास क्लासिफिकेशन एंड मेडिकल इमेज डेटा ऑर्मेटेशन यूज़िंग जेनेरेटिव एडवर्सिअल नेटवर्क | डॉ प्रत्यय कुइला |
| 3 | नवेंदु भुई | फीचर सेलेक्शन फ्रॉम हैल्पेकेयर डेटा बेज़ड ऑन डीप लर्निंग एप्रोच एंड इवोल्यूशनरी एलोरिदम | डॉ प्रत्यय कुइला |
| 4 | अभिषेक कुमार | कम्प्यूटरशनल एनलिसिस ऑफ ऑर्टिमिज़ेर फॉर अ कॉन्वोलूशनल न्यूरल नेटवर्क ऑन इंटेल हार्डवेपर | सुश्री गोपा भौमिक |
| 5 | सिद्धार्थ पांडेय | डीप लर्निंग बेज़ड डेली स्टॉक प्राइस प्रेडिक्शन यूज़िंग बाईडीरेक्शनल लॉन्च शॉर्ट टर्म मेमोरी एंड ट्रांसफर लर्निंग | श्री तरुण बिस्वास |
| 6 | राहुल कुमार | अ लाइटवेट एंड प्रोवेबले सिक्योर म्यूच्यूअल ऑर्थेटिकेशन एंड की अग्रेमेन्ट प्रोटोकॉल फॉर स्मार्ट हैल्पेकेयर इन स्मार्ट सिटी इनवोरमेंट | डॉ. संग्राम राय |

शोधार्थी

| क्रमांक | छात्र का नाम | पर्यवेक्षक | अनुसंधान क्षेत्र |
|---------|--------------------------|--|---|
| 1 | श्री हनुमान गोदारा | आचार्य एम. सी. गोविल, डॉ. ई.एस पिल्ली, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर | हाई परफॉर्मेंस डेटा एनालिटिक्स |
| 2 | श्री राहुल देव वर्मा | डॉ. शेफालिका जी. समद्वारा | रूटिंग प्रोटोकॉल |
| 3 | सुश्री शर्मिष्ठा अधिकारी | डॉ. संग्राम राय | कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क |
| 4 | श्री विवेक कुमार | डॉ. संग्राम राय | आईडेंटिटी बेज़ड क्रिएट्राफी |
| 5 | श्री सुभाष हरिजन | डॉ. प्रत्यय कुइला | वायरलेस सेसर नेटवर्क, इवोल्यूशनरी एलोरिदम |
| 6 | श्री पिंटु कुमार राम | डॉ. प्रत्यय कुइला | मशीन लर्निंग, हैल्पेकेयर डेटा |
| 7 | सुश्री दीपनविता साधुखान | डॉ. संग्राम राय | इनफार्मेशन सिक्योरिटी |
| 8 | श्री देव दत्त ईश्वर | प्रो. अरुण बरन समद्वारा | मल्टीमीडिया ऑप्टिमाइजेशन |
| 9 | श्री सुमन मजूमदार | डॉ. संग्राम राय | आईओटी सिक्योरिटी |
| 10 | श्री शांतनु कुमार मिश्रा | डॉ. प्रत्यय कुइला | कंटम इंस्पायर्ड एलोरिदम |
| 11 | श्री धनंजय कुमार | डॉ. संग्राम राय | कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क |

विद्या वाचस्पति उपाधि से सम्मानित

| छात्र का नाम | थीसिस का शीर्षक | पर्यवेक्षक | सम्मानित |
|------------------|---|--|----------|
| बनवत बालाजी नायक | स्वार्ण इंस्पायर्ड मेटा-हिपूरिस्टिक अलोरिदम फॉर मल्टी-काइटरिया वर्कफ़्लो स्केड्यूलिंग इन क्लाउड एनवॉरमेंट | प्रो. अरुण बरन समद्वारा डॉ. धनंजय सिंह, डॉ. प्रत्यय कुइला | सम्मानित |
| तरुण बिस्वास | मल्टी-क्राइटरिया वर्कफ़्लो स्केड्यूलिंग बेज़ड ऑन नेचर इंस्पायर्ड अलोरिदम फॉर हीट्रोजीनियस कंप्यूटिंग सिस्टम | डॉ. प्रत्यय कुइला डॉ. अंजन कुमार रे, विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिकिम | सम्मानित |

कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग

“

रचनात्मक अभिव्यक्ति और ज्ञान में आनंद जगाना शिक्षक की
सर्वोच्च कला है।

अल्बर्ट आइंस्टीन

परिचय

विभाग का उद्देश्य अपने छात्रों को वैश्विक आवश्यकताओं से मेल खाने के लिए कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में समकालीन और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के आवश्यक तकनीकी ज्ञान तथा कौशल प्रदान करना है। विभाग कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम और विधा-वाचस्पति डिग्री प्रदान करता है। सभी प्रस्तावित कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम में सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षा को उचित महत्व दिया गया है। सभी हितधारकों अर्थात् शिक्षाविद, छात्रों, उनके माता-पिता, औद्योगिक भागीदारों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शामिल एजेंसियों के वृष्टिकोण को पाठ्यक्रम में समाहित किया गया है।

विभाग का केंद्रीय अनुसंधान वीएलएसआई डिजाइन, एप्लीकेशन स्पेसिफिक इंटीग्रेटेड सर्किट (एएसआईसी) डिजाइन और मॉडलिंग, उच्च प्रदर्शन वाले सेमीकंडक्टर उपकरणों का अनुकूलन, माइक्रोवेव अभियांत्रिकी और एंटीना डिजाइन, वायरलेस कम्युनिकेशन, सैटेलाइट सिस्टम और नेविगेशन, सिग्नल प्रोसेसिंग और सौर सेल के क्षेत्रों में है।

नवीनतम तकनीकों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए विभाग के पास बुनियादी प्रयोगशाला सुविधाएं हैं। विभाग में युवा, उत्साही और ऊर्जस्वी संकाय सदस्यों का एक विविध समूह शामिल है। विभाग में विद्यार्थियों से आवश्यक प्रतिपुष्टि एकत्रित कर शिक्षण-अधिगम का सतत मूल्यांकन किया जाता है। शिक्षाविदों, अनुसंधान और करियर के विभिन्न पहलुओं में मदद करने के लिए छात्रों के समग्र विकास के लिए विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा, छात्रों के लिए इंटर्नशिप, औद्योगिक परियोजनाओं और प्रमुख शिक्षाविदों तथा उद्योग के व्यक्तियों के साथ बातचीत की भी व्यवस्था की जाती है जिससे उन्हें नेतृत्व कौशल, प्रतिस्पर्धी कौशल और उद्यमशीलता कौशल हासिल करने में मदद मिल

सके। प्लेसमेंट ड्राइव, कार्यशालाओं, तकनीकी उत्सव, सांस्कृतिक उत्सव और खेल आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए छात्रों को विभिन्न विभागीय और संस्थान स्तर की समितियों के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। विभागीय तकनीकी क्लब “अनुव्रत” नियमित आधार पर कई तकनीकी कार्यक्रम अयोजित करता है जैसे कि पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला अर्थात् विमृश्योत्सव, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि।

महत्वाकांक्षा

नए विचारों और प्रतिभाओं को प्रस्तुत करके राष्ट्र और दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने में योगदान करना।

मिशन

- अत्याधुनिक अनुसंधान में संलग्न होकर नया ज्ञान उत्पन्न करना तथा अत्याधुनिक सातक, स्नातकोत्तर और विधा वाचस्पति कार्यक्रमों की पेशकश करके शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देना।
- अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण, औद्योगिक परियोजना के अवसरों और भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान की सुविधा के द्वारा छात्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता जागरूक करना।

विज्ञ

- सिद्धांत और व्यवहार में संतुलन के माध्यम से कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान में उल्कृष्टता प्राप्त करके हमारे समाज में योगदान देना और सभी भारतीयों के लिए गर्व का स्रोत बनना।

मुख्य विशेषताएं

महत्वपूर्ण सोच, नवाचार, वैशिक प्रतिस्पर्धात्मकता, नई तकनीक का परिचय, उद्योग के रुझान आदि जैसी विशेषताओं को प्रदान करने और अनुकूलित करने के लिए विभिन्न उपाय किए जाते हैं। उनमें से कुछ निम्न हैं:

- अनुसन्धान, परियोजनाओं और पेटेंट संबंधी कार्य करने के लिए तकनीकी सहायता।

- प्लेसमेंट और प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन।
- संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और ग्रीष्म प्रशिक्षणों के माध्यम से नवीनतम तकनीकों और अनुसन्धान क्षेत्रों के लिए संभावनाओं की तलाश करना।
- एनपीटीईएल, स्वयं आदि जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण।

संकाय सदस्य विवरण

डॉ. संजय कुमार जाना

सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष विद्या वाचस्पति (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (जादवपुर विश्वविद्यालय), विज्ञान सातकोत्तर (विद्यासागर विश्वविद्यालय) अनुसन्धान क्षेत्र: हाई स्पीड सेमीकंडक्टर डिवाइस, एनालॉग आईसी डिजाइन।

डॉ. सुरजीत कुंडू

सहायक प्राध्यापक विद्या वाचस्पति (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर), प्रौद्योगिकी सातक (डब्ल्यूबीयुटी) अनुसन्धान क्षेत्र: डिजिटल कम्प्युनिकेशन, वायरलेस कम्प्युनिकेशन, आरएफ, माइक्रोवेव और एंटीना इंजीनियरिंग, मेटासर्फेस, पीरिओडिक रिफ्लेक्टिव सरफेस (एफएसएस,

एमएसी), ग्लोबल नेविगेशन सैटलाइट कम्प्युनिकेशन, ग्राउंड प्रेनेट्रेटिंग रडार

डॉ. हेमंत कुमार कठानियाँ

सहायक प्राध्यापक विद्या वाचस्पति (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी), प्रौद्योगिकी सातक (राजस्थान विश्वविद्यालय) अनुसन्धान क्षेत्र: सिग्नल और स्पीच प्रोसेसिंग।

श्रीमती रेशमी धारा

सहायक प्राध्यापक विद्या वाचस्पति (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम), प्रौद्योगिकी सातकोत्तर (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर), प्रौद्योगिकी सातक (डब्ल्यूबीयुटी) अनुसन्धान क्षेत्र: पोलोराइज्ड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना

अस्थायी संकाय सदस्य

डॉ. सुकांत धर

डॉ. अयान चटर्जी

डॉ. अविनाश कुमार

डॉ. जीतेंद्र सिंह

डॉ. सुदीप दास

डॉ. राहुल पाल

डॉ. इंद्रजीत दास

सुश्री प्रीति गुप्ता

सहायक कर्मी

श्री अमित तमांग
तकनीकी सहायक

श्री सिद्धार्थ प्रधान
तकनीशियन

विभागीय समितियां

| क्रमांक | समिति का नाम | संकाय सदस्यों का नाम |
|---------|---|---|
| 1 | अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (अपेक्ष) | (i) डॉ. संजय कुमार जाना, विभागाध्यक्ष और संयोजक (ii) डॉ. सुरजीत कुंडू, संयोजक डीयूजीसी, सदस्य (iii) संबंधित छात्र (सदस्यों) के संकाय सलाहकार सदस्य (iv) डॉ. जीतेंद्र सिंह, विभागाध्यक्ष नामित (v) श्री तरुण विश्वास, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग |

| क्रमांक | समिति का नाम | संकाय सदस्यों का नाम |
|---------|---|---|
| 2 | विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी) | (i) डॉ. सुरजीत कुंडू, संयोजक डीयूजीसी (ii) डॉ. संजय कुमार जाना, विभागाध्यक्ष (iii) सुश्री रेशमी धारा, सदस्य (iv) डॉ. सुकांत धर, सदस्य (v) डॉ. अयान चटर्जी, सदस्य |
| 3 | विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी) | (i) डॉ. संजय कुमार जाना, विभागाध्यक्ष, संयोजक डीपीजीसी (ii) डॉ. सुरजीत कुंडू, संयोजक डीयूजीसी (iii) डॉ. सुकांत धर, सदस्य (iv) डॉ. सुदीप दास, सदस्य (v) डॉ. अयान चटर्जी, सदस्य (vi) डॉ. अविनाश कुमार, सदस्य (vii) डॉ. शशांक द्विवेदी, सदस्य (viii) डॉ. शंभूनाथ बर्मन, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग |

तकनीकी सोसायटी की सदस्यता

विभाग के संकाय सदस्य आईईईई, यूआरएसआई, आईईईई एटेना और प्रोप्रेगेशन सोसाइटी (एपी-एस), आईएसपीआरएस, इंटरनेट सोसाइटी, कोलकाता चैटर, आईएएनजी, एसडीआईडब्ल्यूसी, एफओएसईटी, आईईईई सिप्रल जैसे विभिन्न तकनीकी सोसायटी के साथ संबद्ध हैं। प्रोसेसिंग सोसाइटी, इंटरनेशनल स्पीच कम्प्युनिकेशन एसोसिएशन (आईएससीए), इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) आदि।

प्रयोगशाला सुविधाएं

विभाग में बुनियादी प्रयोगशाला सुविधाएं हैं और उनमें से प्रत्येक कुछ आधुनिक तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित हैं जो स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए उपयोगी हैं।

- एनालॉग सर्किट प्रयोगशाला

एनालॉग सर्किट डिजाइन प्रयोगशाला पाठ्यक्रम छात्रों को सिस्टम डिजाइन के नजरिए से एनालॉग की दुनिया से परिचित कराता है और छात्रों को सिस्टम डिजाइन के रूप में चुनौतियों को समझने और उनका समाधान करने में सक्षम बनाता है। पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को अत्याधुनिक डिजाइन और प्रयोगों का संचालन करने, डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करने, वांछित विनिर्देशों को पूरा करने वाली प्रणाली की डिजाइन करने, और संबंधित अभियांत्रिकी समस्या की पहचान करके उसे हल करने की क्षमता विकसित करना है।

प्रत्येक प्रयोग में एक डिजाइन भाग, अनुकरण और वास्तविक प्रयोगात्मक सत्यापन (ब्रेड-बोर्डिंग / सोल्वरिंग) होता है। इस प्रयोगशाला का मूल उद्देश्य एनालॉग और मिश्रित-सिप्रल सर्किट के डिजाइन और कार्यान्वयन में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है।



एनालॉग सर्किट प्रयोगशाला



- डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला**

डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला के तहत प्रयोग इस प्रकार हैं - बुनियादी गेटों का उपयोग करते हुए संयोजन तर्क डिजाइन (कोड कन्वर्टर्स, तुलनित्र), डिकोडर्स और एमयूएक्स का उपयोग करके संयोजन तर्क डिजाइन, अंकगणित सर्किट - आधा और पूर्ण योजक और घटाव, बुनियादी गेटों, काउंटरों का उपयोग करके फिलप फ्लॉप सर्किट (आरएस लैच, जेके और मास्टर स्लेव), स्थानांतरण अभिलक्षण, टीटीएल गेट्स के ड्रूबने और सोर्सिंग धाराओं का मापन

आदि। डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला डिजिटल लॉजिक ट्रेनर किट से सुसज्जित है जहां विभिन्न प्रयोग किए जा सकते हैं। इस प्रयोगशाला में किए जा रहे प्रयोगों के माध्यम से छात्र सरल लॉजिक सर्किट को डिजाइन करने और लॉजिक सर्किट की कार्यक्षमता का परीक्षण/सत्यापन करने में सक्षम होंगे। छात्रों को डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग की जाने वाली मूलभूत अवधारणाओं और तकनीकों की गहन समझ प्राप्त होगी जो उन्हें विभिन्न संयोजन और अनुक्रमिक सर्किटों का विश्लेषण और डिजाइन करने में मदद करेगी।



डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला



- माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला**

यह प्रयोगशाला विभिन्न माइक्रोप्रोसेसर / माइक्रोकंट्रोलर प्रशिक्षण प्रणालियों से सुसज्जित है जिसका उपयोग प्रासंगिक प्रयोग करने के लिए किया जा सकता है जैसे कि असेंबली भाषा और स्टेट्स चेक और इंटरफ़ेस का उपयोग करके टाइमर प्रोग्रामिंग, एलसीडी इंटरफ़ेसिंग 8051, माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग करके मोटर स्पीड

कंट्रोल, करंट माइक्रोकंट्रोलर का अध्ययन जैसे एटमेगा, ऑरडुइनो आदि। यह प्रयोगशाला छात्रों को निर्देश सेट का उपयोग करके असेंबली स्तर की प्रोग्रामिंग विकसित करने में सक्षम बनाती है, विभिन्न आई/ओ उपकरणों को प्रोसेसर से जोड़ने का विश्लेषण और इंटरफ़ेसिंग की कई व्यावहारिक अनुप्रयोगों तकनीकों का पता लगाया जा सकता है, जैसे होम ऑटोमेशन सिस्टम, डिजिटल घड़ी आदि।



माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला



• कम्पुनिकेशन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में एनालॉग संचार और डिजिटल संचार तकनीकों के अनुरूप प्रयोग किए जाते हैं। प्रारंभिक समझ और विजुअलाइज़ेशन के लिए मुख्य रूप से मैटलैब टूल का उपयोग करके सिमुलेशन किए जाते हैं। असतत घटकों, आईसी, ब्रेडबोर्ड और हार्डवेयर उपकरण जैसे सिग्नल जनरेटर, डीसी बिजली की आपूर्ति, ऑसिलोस्कोप, स्पेक्ट्रम विश्लेषक आदि जैसे हार्डवेयर का उपयोग करके व्यावहारिक प्रयोग किए जाते हैं। मुख्य रूप से कुछ तुलनात्मक रूप से जटिल प्रयोग और विभिन्न चैनल स्थितियों में विभिन्न इनपुट के लिए आउटपुट तरंगों का अध्ययन करने के लिए छात्रों के लिए ट्रेनर किट भी उपलब्ध हैं।

एनालॉग संचार प्रयोगशाला में किए गए कुछ प्रयोग विभिन्न निरंतर तरंग मॉड्यूलेशन तकनीकों जैसे आयाम मॉड्यूलेशन (जैसे, डीएसबी-एफसी, डीएसबी-एससी, एसएसबी), आवृत्ति मॉड्यूलेशन (एफएम) और चरण मॉड्यूलेशन (पीएम); पल्स मॉड्यूलेशन तकनीक: पल्स एम्पलीट्यूड मॉड्यूलेशन (पीएम), पल्स चौड़ाई मॉड्यूलेशन (पीडब्ल्यूएम) और पल्स पोजिशनिंग मॉड्यूलेशन (पीपीएम); फ्रीकेंसी डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग और डीमल्टीप्लेक्सिंग स्कीम आदि का निर्माण और पता लगाना हैं। डिजिटल संचार प्रणालियों के अध्ययन के लिए इस प्रयोगशाला में पल्स कोड मॉड्यूलेशन तकनीकों (जैसे, पीसीएम, डीपीसीएम, और डीएम) का निर्माण और पता लगाने जैसे विभिन्न प्रयोग किये जाते हैं। इसके अलावा, ट्रांसमिशन लाइन पर डिजिटल डेटा संचारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न लाइन कोडिंग विधियों का प्रयोगात्मक अध्ययन किया जाता है जैसे कि एकध्वनीय और द्विध्वनीय कोडिंग। इसके अतिरिक्त एक शोर चैनल पर अंतर-प्रतीक हस्तक्षेप (आईएसआई) अध्ययन करने के लिए ऑसिलोस्कोप में नेत्र पैटर्न उत्पन्न और विश्लेषण किया

जाता है। दूसरी ओर, एक चैनल पर डेटा संचारित करने के लिए विभिन्न डिजिटल मॉड्यूलन योजनाएं यानी एम्पलीट्यूड शिप्ट कियिंग (एएसके), फ्रीकेंसी शिप्ट कियिंग (एफएसके), फेज शिप्ट कियिंग (पीएसके) का प्रयोगात्मक अध्ययन किया जाता है। टीडीएम और सीडीएम जैसी मल्टीप्लेक्सिंग और मल्टीपल एक्सेस तकनीकों का भी प्रदर्शन किया जाता है। इस प्रयोगशाला में पारंपरिक और उन्नत बेतार संचार प्रणालियों से परिचित कराने का प्रयास किया जाता है। कुछ उन्नत वायरलेस संचार इंजीनियरिंग जैसे 2×2 एमआईएमओ (एनआई यूएसआरपी), सैटेलाइट अपलिंक और डाउनलिंक डेटा ट्रांसमिशन, एड-हॉक वायरलेस कम्पुनिकेशन (ब्लूटूथ, वाई-फाई और ज़िगबी) किट, ग्लोबल पोजिशन एन्ड रिकॉर्डिंग (जीपीएस) किट, मोबाइल संचार के लिए वैश्विक प्रणाली (जीएसएम) किट भी इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। विभिन्न प्रकार के डिजिटल मॉड्यूलेशन तकनीकों (जैसे, एएसके, एफएसके, बीपीएसके, क्यूपीएसके) के साप विभिन्न प्रकार के चैनलों (जैसे एडब्ल्यूजीएन और फिंडंग चैनल) के लिए मुक्त स्थान हानि, प्राप्त शक्ति और बीईआर-एसएनआर ग्राफ निर्धारित करने के लिए ओडेल प्रोग्रामिंग का उपयोग करके प्रदर्शन किया जाता है। इसके अलावा कुछ उन्नत वायरलेस प्रौद्योगिकियां, स्प्रेड स्पेक्ट्रम मॉड्यूलेशन और डिमॉड्यूलेशन तकनीक (डीएसएस और एफएचएसएस), और ऑर्थोगोनल फ्रीकेंसी डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (ओएफडीएम) मॉड्यूलेशन और डी-मॉड्यूलेशन का भी इस प्रयोगशाला में प्रोग्रामिंग का उपयोग करके अध्ययन और प्रदर्शन किया जाता है। ये छात्रों को आधुनिक वायरलेस संचार प्रौद्योगिकियों और विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले मानकों से निपटने में मदद करते हैं। इस तरह के प्रयोगात्मक सीखने के अवसरों के साथ, छात्र आधुनिक संचार प्रणालियों के विभिन्न घटकों के डिजाइन और विश्लेषण के ज्ञान को विकसित कर सकते हैं।



कम्पुनिकेशन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला



• इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स और एंटीना प्रयोगशाला

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स और एंटीना प्रयोगशाला छात्रों को विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र में विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र सिद्धांत और एंटीना से प्राप्त अपने ज्ञान को लागू करने के लिए छात्रों की क्षमता विकसित कराना है। यह प्रयोगशाला विभिन्न निर्देशित माध्यमों में क्षेत्रों के प्रसार और विभिन्न एंटीना से क्षेत्रों के विकिरण के लक्षण

वर्णन जैसे विद्युत चुम्बकीय घटना के बारे में छात्रों में व्यावहारिक कौशल विकसित करती है। ट्रांसमिशन लाइन सिस्टम के साथ-

साथ समाक्षीय केबल के उपयोग के साथ, छात्र स्टैंडिंग वेब्स और सिम्रल प्रसार पर इसके प्रभाव का अध्ययन और कर सकते हैं।



विद्युतचुम्बकीय और एंटीना प्रयोगशाला

• माइक्रोवेव इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

माइक्रोवेव इंजीनियरिंग प्रयोगशाला 3 गीगाहर्ट्ज तक की माइक्रोवेव आवृत्तियों में डायरेक्शनल कपलर, ब्रांचलाइन कपलर, रेट रेस कपलर, एटेन्यूएटर, रिंग रेज़ोनेटर, पावर डिवाइडर आदि सहित विभिन्न माइक्रोवेव निक्षिय घटकों की विशेषताओं का अध्ययन करने जैसे प्रयोगों को करने के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा, माइक्रोवेव ऑसिलेटर की आवृत्ति प्रतिक्रिया जैसे कि गन डायोड और रिफ्लेक्स क्लाइस्ट्रॉन को वेवगाइड टेस्ट बेच में देखा जाता है। माइक्रोवेव आवृत्तियों (माइक्रो स्ट्रिप पैच एंटेना, स्लॉट

एंटीना) में काम कर रहे विभिन्न प्लानर और गैर-प्लानर एंटेना के डिजाइन और सिमुलेशन इस प्रयोगशाला में किए जाते हैं, इसके बाद उच्च आवृत्ति सिमुलेटर का उपयोग करके एंटीना पैरामीटर (वीएसडब्ल्यूआर, विकिरण पैटर्न, लाभ) का विश्लेषण किया जाता है। विकिरण का मापन, प्रकीर्णन पैरामीटर, माइक्रोवेव एंटेना का प्रतिबाधा भी नेटवर्क विश्लेषक का उपयोग करके किया जाता है जो छात्रों को विभिन्न उच्च आवृत्ति अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले एंटेना की विशेषताओं से अवगत कराता है।



माइक्रोवेव इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

• वीएलएसआई डिजाइन प्रयोगशाला

वीएलएसआई डिजाइन प्रयोगशाला अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है और उद्योग-मानक इंडीए टूल जैसे कैडेस वर्चुअलो, मेंटर ग्राफिक्स, जिलिनक्स विवाड़ो, सिनोस्प्रिस इत्यादि तक विस्तारित है। इस प्रयोगशाला में वीएलएसआई से संबंधित सातक और सातकोत्तर व्यावहारिक पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक और वीएलएसआई डिजाइन पर विशेषज्ञता वाले सातकोत्तर छात्र अपने एक साल के शोध प्रबंध की अवधि के दौरान इस प्रयोगशाला सुविधाओं का भरपूर उपयोग करते हैं। इसके अलावा, एनालॉग/डिजिटल वीएलएसआई या डिवाइस मॉडलिंग में काम करने वाले संस्थान के शोधार्थी

अपने कम्प्यूटेशनल और शोध उद्देश्यों के लिए नियमित रूप से इस प्रयोगशाला की मदद लेते हैं। इस प्रयोगशाला में, एनालॉग डिजिटल या मिश्रित सिम्रल सर्किट के लिए योजनाबद्ध डिजाइन, फ्लोर-प्लानिंग, प्लेसमेंट, रूटिंग, पैरासिटिक एक्सट्रैक्शन और पोर्ट-ले-आउट सिमुलेशन जैसे चरणों से युक्त संपूर्ण वीएलएसआई डिजाइन चक्र का प्रदर्शन किया जा सकता है। छात्र इस प्रयोगशाला में वीएचडीएल या वेरिलोग का उपयोग करके संयोजन सर्किट, अनुक्रमिक सर्किट, एफएसएम के डिजाइन और संश्लेषण से संबंधित प्रयोग भी कर सकते हैं। प्रयोगशाला में सेमीकंडक्टर डिवाइस मॉडलिंग और प्रोसेस सिमुलेशन के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं हैं।



वीएलएसआई डिजाइन प्रयोगशाला

- **सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला**

इस प्रयोगशाला में सिग्नल और सिस्टम और डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग से संबंधित प्रयोग किए जाते हैं। सिग्नल और सिस्टम प्रयोगशाला के लिए मौलिक सिग्नल ऑपरेशन, एलटीआई सिस्टम

का विश्लेषण (रैखिक कनवल्शन), निरंतर और असतत-समय और आवृत्ति डोमेन प्रतिनिधित्व आदि दोनों में पीरिओडिक और नॉन पीरिओडिक संकेतों के फूरियर विश्लेषण सहित प्रयोग किए जाते हैं।

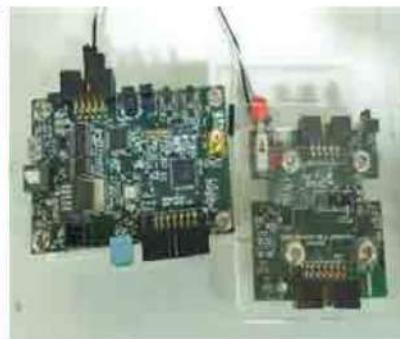


सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला

डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी) प्रयोगशाला में सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों घटक होते हैं। सॉफ्टवेयर भाग में, छात्र कई सिमुलेशन करते हैं, कुछ मूलभूत अवधारणाओं और डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग के अनुप्रयोगों को दर्शाते हैं, जैसे कि परिमाणीकरण, नमूनाकरण और अलिप्तांसिंग, सिग्नल जनरेशन और ओवरलैप सेव और ओवरलैपेड विधि का उपयोग करके कनवल्शन द्वारा ब्लॉक प्रोसेसिंग, सिग्नल एन्हाँसमेंट और शोर में कमी फिल्टर, डिजिटल फिल्टर के प्रत्यक्ष, विहित, और कैस्केड अहसास, डीएफटी और एफएफटी द्वारा वर्णकमीय विश्लेषण, आईआईआर का डिजाइन, और बैंड पास, बैंड स्टॉप, लो पास और हाई पास फिल्टर के लिए एफआईआर फिल्टर, और डिजिटल ऑडियो प्रभाव अनुप्रयोग। प्रयोगशाला का हार्डवेयर हिस्सा रीयल-टाइम सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम की प्रोग्रामिंग को दिखाता है।

- **ऑप्टिकल कम्प्युनिकेशन प्रयोगशाला**

इस प्रयोगशाला में ऑप्टिकल संचार से संबंधित विभिन्न प्रयोग जैसे ऑप्टिकल नेटवर्क सिस्टम, एर्बियम डोपेड फाइबर एम्पलीफायर ट्रेनिंग सिस्टम, ग्लास और प्लास्टिक फाइबर के लिए फाइबर ऑप्टिक ट्रैनर किट, फाइबर ऑप्टिक, कनेक्टर और स्लिसिंग किट आदि प्रशिक्षण प्रणालियों के साथ किए जा सकते हैं। ऐसे उपकरण रंगीन फैलाव, डायोड लेजर लक्षण वर्णन, ब्रैग ग्रेटिंग लक्षण वर्णन, विभिन्न तरीकों का अवलोकन, ऑप्टिकल ग्लास फाइबर के संचालन एवं चर्चर मापन आदि के अध्ययन के लिए उपयोगी है। ये प्रयोग व्यावहारिक रूप से ऑप्टिकल संचार प्रणालियों के बारे में अपने ज्ञान को लागू करने में छात्रों के लिए उपयोगी हैं।



ऑपेकल संचार प्रयोगशाला

- इंटरनेट ऑफ पिंग्स (आईओटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रयोगशाला

इंटरनेट ऑफ पिंग्स (आईओटी) प्रयोगशाला सातक और सातकोत्तर छात्रों के लिए वर्तमान तकनीकों से निपटने के लिए उपयोगी है। यह प्रयोगशाला आईओटी मोट जैसे सिस्टम, आईईई 802.15.4, आरएफ सबसिस्टम और सुरक्षा सबसिस्टम के अनुरूप चिप पर अत्यधिक एकीकृत प्रणाली, आईओटी के लिए लक्षित बिल्ट-इन वाई-फाई प्रोटोकॉल स्टैक के साथ वायरलेस एमरीयू के साथ वाई-फाई मोटो, ब्लूटूथ कम ऊर्जा आधारित अनुप्रयोगों के लिए एसओसी आधारित डिवाइस, सेंसर मोट तापमान और सापेक्ष आर्द्रता प्रकाश तीव्रता, निकटता संवेदन जैसे विभिन्न सेंसर के साथ सुसज्जित है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रयोगशाला सातक और सातकोत्तर छात्रों को वास्तविक दुनिया की विभिन्न समस्याओं या उसके मॉडल से स्मार्ट तरीके से निपटने की सुविधा प्रदान करती है। यह प्रयोगशाला सर्च एल्गोरिदम, मल्टी-एजेंट गेम, जेनेटिक एल्गोरिथम और ऑप्टिमाइज़ेशन, न्यूरल नेटवर्क और फ़ज़ी लॉजिक एप्लिकेशन और प्लानिंग के बाद सर्च ऑपरेशन पर प्रयोग करने के लिए पायथन और टेंसर फ्लो से सुसज्जित है। साथ ही, आनुवंशिक एल्गोरिथम, तंत्रिका नेटवर्क और फ़ज़ी लॉजिक पर मैटलेब आधारित प्रयोग इस प्रयोगशाला में शामिल हैं।

विभाग द्वारा आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान/सेमिनार/कार्यशाला/अल्पकालिक पाठ्यक्रम

| कार्यक्रम | संसाधन व्यक्ति | तिथि |
|---|--|---------------------------|
| कॉन्प्रिटिव रेडियो टेक्नोलॉजी: कांसेट, इवोलुशन एंड ऐटेना रिकायरमेंट्स पर ऑनलाइन व्याख्यान मशीन लर्निंग एंड स्पीच प्रोसेसिंग पर टीईक्यूआईपी-III। प्रायोजित ऑनलाइन कार्यशाला | प्रो. चिन्मय साहा, वैमानिकी विभाग, आईआईएसटी, त्रिवेंद्रम, केरल | 19.09.2020 |
| टीईक्यूआईपी-III। प्रायोजित 'इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑन इंटरनेट ऑफ - पिंग्स विथ एक्सपरिमेटल लर्निंग' पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ol style="list-style-type: none"> प्रो. रिची नायक, कप्यूटी, ब्रिस्बेन ऑस्ट्रेलिया डॉ. प्रशांत कुमार घाष, आईआईएसटी बैंगलोर प्रो. एसआरएम प्रसन्ना, आईआईटी धारवाड़ डॉ. नरेंद्र एनपी, आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड प्रो. मिक्को कुरिमो, आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड डॉ. संतोष के विपारी, एमएनआईटी जयपुर प्रो. सत गुप्ता, यूएसए प्रो. केएस राव, आईआईटी खड़गपुर प्रो. समुद्र विजया के, टीआईएफआर मुंबई डॉ. सुर्दर्शन रेड्डी कादिरी, आल्टो विश्वविद्यालय, फिनलैंड डॉ. सैयद शाहनवाजुद्दीन, एनआईटी पटना | 15 फरवरी से 19 फरवरी 2021 |
| टीईक्यूआईपी-III। प्रायोजित 'इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑन इंटरनेट ऑफ - पिंग्स विथ एक्सपरिमेटल लर्निंग' पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ol style="list-style-type: none"> प्रो. धनंजय सिंह, हांकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, दक्षिण कोरिया डॉ. अमित सिंघल, ब्रेनेट विश्वविद्यालय, डॉ. पिल्ली इमेनुएल, शुभाकर, एमएनआईटी जयपुर, प्रो. ब्रेजेश लाल, आईआईटी दिल्ली डॉ. मधुसूदन सिंह, वूसोग विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया डॉ. एन एस राजपूत, आईआईटी (बीएचयू) सेवा अभियंता, एंटुपल प्रौद्योगिकी सेवा अभियंता, सौंडीएसी, बैंगलोर सर्विस इंजीनियर, एडगेट टेक्नोलॉजी सर्विस इंजीनियर, कीसाइट इंडिया | 22 से 27 फरवरी, 2021 |

| कार्यक्रम | संसाधन व्यक्ति | तिथि |
|---|---|----------------------|
| टीईक्यूआईपी-III प्रायोजित 'मॉडर्न एंटेना और फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी' पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ol style="list-style-type: none"> प्रो. सतीश कुमार, निदेशक, एनआईटी कुरुक्षेत्र प्रो. डॉ. लेवेट सेवणी, प्रोफेसर, ओकान विश्वविद्यालय, इस्तांबुल डॉ. गौतम चट्टोपाध्याय, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, नासा-जेपीएल, कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान प्रो. प्रदीप कुमार जैन, निदेशक, एनआईटी पटना प्रो. सतीश के. शर्मा निदेशक, एंटीना और माइक्रोवेव लैब, सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी प्रो. रौद्र घटक, प्रोफेसर, एनआईटी दुर्गापुर प्रो. देबातोष गुहा, अब्बुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फैलो, और प्रोफेसर, इस्टीट्यूट ऑफ रेडियो फिजिक्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कलकत्ता विश्वविद्यालय प्रो. एम.एम. शर्मा, प्रोफेसर, एमएनआईटी जयपुर प्रो. मोहम्मद एस. शरावी, डिपार्टमेंट डी जिनी इलेक्ट्रिक पॉलिटेक्निक मॉन्ट्रियल प्रो. एसएस पटनायक, निदेशक, एनआईटीटीआर चंडीगढ़ श्री. राजीव ज्योति, विशिष्ट वैज्ञानिक और उप निदेशक, सैक, इसरो | 8 से 13 मार्च, 2021 |
| टीईक्यूआईपी-III प्रायोजित 'मॉडर्न वायरलेस कम्प्युनेक्शन सिस्टम एंड ऐन्टेना इंजीनियरिंग विथ एक्सपरिमेंटल लर्निंग' पर ऑनलाइन एसटीसी | <ol style="list-style-type: none"> प्रो. नूनो बोर्जेस कार्वाल्हो, पूर्व प्रोफेसर और दूरसंचार संस्थान, एवेइरो विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, प्रो. आर्टुरो, वाईआईसी टेक्नोलॉजी डॉ सायंतन धर, बॉश इंजीनियरिंग और बिजनेस सॉल्यूशंस डॉ. सोमक भट्टाचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय डॉ. आशीष माधुर, आईआईटी जोधपुर डॉ. देबदीप सरकार, आईआईएससी बैंगलोर सर्विस इंजीनियर, कीसाइट इंडिया सेवा अभियंता, अकादमिक, पुणे, भारत | 15 से 20 मार्च, 2021 |

ईसीई विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रमों की झलक

 **National Institute of Technology Sikkim**
ORGANIZES
TEQIP-3
One Week Online Workshop
Machine learning & Speech Processing
15th February-19th February, 2021



Prof. Ravinder Chawla, Director, NIT Jalandhar
Prof. Sudip Kumar, Associate Director, NIT Jalandhar
Prof. Rishi Rayekar, IITB Mumbai
Prof. Walter Kotsopoulos, RMIT University, Australia
Prof. Srihari Govindaraj, VIT-Vellore
Prof. S. M. Prabhakaran, IITI Hyderabad
Prof. B. S. Rao, IIT Kharagpur
Dr. Anupama V. Ghosh, IISc Bangalore
Dr. Ravindra K. Sharma, IITB, Mumbai
Dr. S. Venkateswaran, TIFR, Mumbai
Dr. Subrahmanyam Balaji, IITB, Mumbai
Dr. Venkateswaran, IITI Patna

 **MODERN WIRELESS COMMUNICATION SYSTEMS AND ANTENNA ENGINEERING WITH EXPERIMENTAL LEARNING**
March 6 2021 to 2021
Organized By
Department of Electronics and Communication Engineering
National Institute of Technology Sikkim
TEQIP-3

Distinguished Speakers

| | | | | |
|---|--|------------------------------------|--|------------------------------------|
| Dr. Nasar Beig, Caravale University of Aviation | Dr. Somen Bhattacharya, Indian Institute of Technology (IIT) BHU | Dr. Debdip Sarkar, IISc, Bangalore | Dr. Savitri Dhar, Bosch Engineering and Business Solutions | Dr. Anindita Mukherjee, IIT Indore |
|---|--|------------------------------------|--|------------------------------------|

Industry Partners



KEYSIGHT TECHNOLOGIES
YIC

 **MODERN ANTENNAS FOR PRESENT AND FUTURISTIC WIRELESS COMMUNICATION TECHNOLOGIES**
March 10th to 13th, 2021
Organized By
Department of Electronics and Communication Engineering
National Institute of Technology Sikkim
TEQIP-3

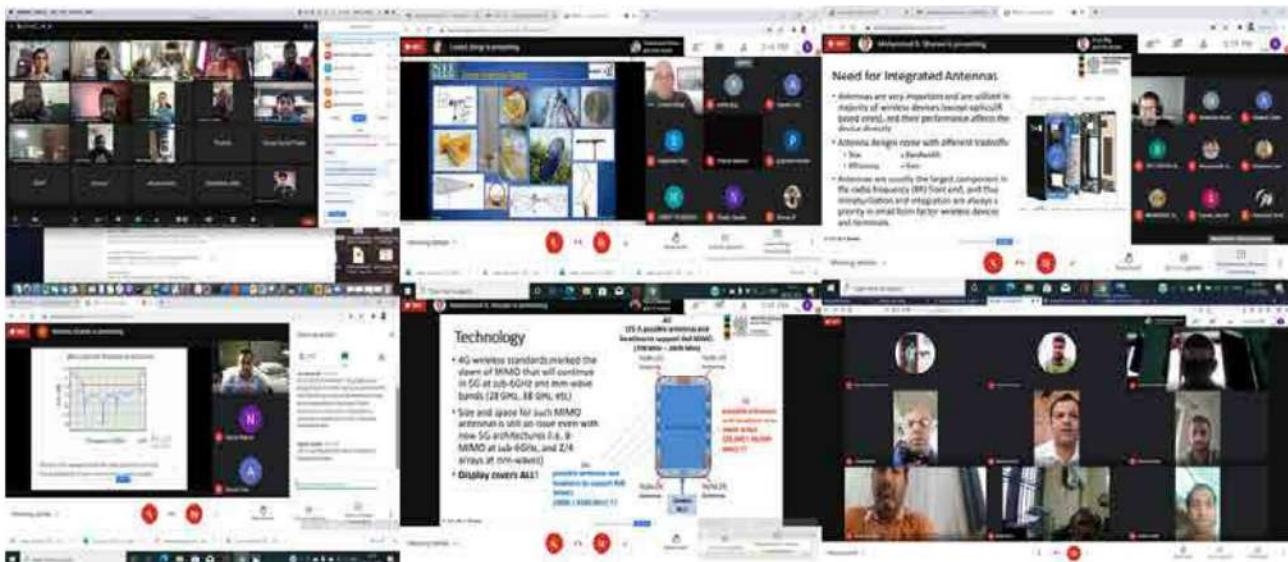
Distinguished Speakers

| | | | | | |
|--|--|--|---|---------------------------------------|---------------------------------|
| Prof. Sudip Kumar, Director, NIT Jalandhar | Prof. Rishi Rayekar, IITB, Mumbai | Prof. Walter Kotsopoulos, RMIT University, Australia | Prof. Subrahmanyam Balaji, IITB, Mumbai | Prof. Srihari Govindaraj, VIT-Vellore | Prof. Venkateswaran, IITI Patna |
| Prof. Ravinder Chawla, Director, NIT Jalandhar | Prof. Sudip Kumar, Associate Director, NIT Jalandhar | Prof. Walter Kotsopoulos, RMIT University, Australia | Prof. Subrahmanyam Balaji, IITB, Mumbai | Prof. Srihari Govindaraj, VIT-Vellore | Prof. Venkateswaran, IITI Patna |

 **EMERGING TRENDS ON INTERNET OF THINGS WITH EXPERIMENTAL LEARNING***
February 22nd to 27th, 2021
Organized By
Department of Electronics and Communication Engineering
National Institute of Technology Sikkim
TEQIP-3

Distinguished Speakers

| | | | | | | |
|-------------------|-------------------|----------------------|---------------------------|----------------------------|----------------|----------------------|
| Prof. M. C. Gorai | Prof. Brijesh Lal | Prof. Bhawniji Singh | Prof. Neeraj Singh Rajput | Dr. Pali Emmanuel Shabaker | Dr. Amit Singh | Dr. Madhusudan Singh |
|-------------------|-------------------|----------------------|---------------------------|----------------------------|----------------|----------------------|



अन्य गतिविधियाँ

1. डॉ. सुरजीत कुंडू ने एंटीना इंजीनियर के परिप्रेक्ष्य से 5जी संचार प्रौद्योगिकी विकास पर एसइएनएसइ, विआईटी, वेल्लोर द्वारा आयोजित "मशीन लर्निंग आधारित 5जी संचार प्रणाली पर 2 व्याख्यान दिया।
2. डॉ. सुरजीत कुंडू ने कणिकीय और संचार विभाग, पूर्णिमा इंजीनियरिंग कॉलेज, जयपुर 08.12.2020 को आयोजित "एआई और 5जी संचार प्रौद्योगिकी" पर एआईसीटीई-एक्यूआईएस प्रायोजित शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम (एसटीटीपी) में "एंटीना इंजीनियर के वृष्टिकोण से 5जी संचार प्रौद्योगिकी का विकास" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. डॉ. सुरजीत कुंडू ने 04.11.2020 को भौतिकी विभाग, वर्धावान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अटल एफडीपी में "रिमोट सेंसिंग और सब-सर्फेस स्कैनिंग एप्लीकेशन में प्रीकेंसी सेलेक्टिव सर्फेस" पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
4. डॉ. सुरजीत कुंडू ने 19.09.2020 को ईसीई विभाग, डॉ बीसी रॉय इंजीनियरिंग कॉलेज (बीसीआरईसी), दुर्गापुर और आईईई छात्र शाखा, बीसीआरईसी द्वारा आयोजित एक वेबिनार में "आधुनिक संचार इंजीनियरिंग सिस्टम के लिए मुद्रित अल्ट्रा वाइडबैंड एंटेना" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
5. डॉ. सुरजीत कुंडू ने 05.05.2020 को गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अनुप्रयुक्त विज्ञान और मानविकी विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार सत्र में "कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग: पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
6. पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर और राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा आयोजित टीईक्यूआईपी-III प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: एडवांस एंड एप्लीकेशन, मार्च 27-28, 2021 के प्रोग्राम समिति सदस्य और समीक्षक के रूप में डॉ. सुरजीत कुंडू ने योगदान दिया।

7. डॉ. सुरजीत कुंडू ने विले इंडिया के अनुरोध पर साइमन हेकिन, विले द्वारा डिजिटल संचार प्रणाली पुस्तक के अध्याय 8 की समीक्षा की।
8. डॉ. सुरजीत कुंडू ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं जैसे आईटी माइक्रोवेव, एंटेना और प्रचार, आरएफ के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल और माइक्रोवेव कंप्यूटर-एडेड इंजीनियरिंग, रेडियोइंजीनियरिंग, जर्नल ऑफ सर्किट, सिस्टम, और कंप्यूटर, उन्नत इलेक्ट्रोमेट्रिक्स आदि की समीक्षा की।
9. डॉ. अयान चटर्जी ने 13 फरवरी, 2021 को आईईई एपीएस छात्र शाखा, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन और विनिर्माण संस्थान जबलपुर (आईआईआईटीडीएम) द्वारा आयोजित वेबिनार में "प्रीकेंसी सेलेक्टिव सर्फेस: फ़िल्टरिंग एंड बियॉन्ड" पर एक व्याख्यान दिया।
10. डॉ. अयान चटर्जी ने 28 अगस्त, 2020 को पाइलन टेक्निकल कैपस और पाइलन कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित वेबिनार में "वायरलेस कम्प्युनिकेशन एप्लिकेशन के लिए फ़िल्टर - एक अलग परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान दिया।
11. डॉ. अयान चटर्जी ने 8-10 जून, 2020 को यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, कोलकाता द्वारा आयोजित ऑफलाइनकॉन्फ्रेंस और एप्लाइड ऑप्टिक्स (ऑप्टोनिक्स-2020) पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
12. डॉ. अविनाश कुमार ने डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (सरकारी पॉलिटेक्निक, बागलपुर, बिहार) पर मैटलैब कोडिंग की मूल बातें पर विशेष व्याख्यान दिया।
13. डॉ. अविनाश कुमार ने डिजिटल डिजाइन और सिग्नल प्रोसेसिंग में उभरते रुझानों पर इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर, राजस्थान में विशेष व्याख्यान दिया।

पुरस्कार / उपलब्धियाँ

1. डॉ. अयान चटर्जी को 2020 में इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेडियो साइंस (यूआरएसआई), बेल्जियम के वरिष्ठ सदस्य के रूप में चुना गया।

विभाग में चल रही परियोजनाएं

- एसएमडीपी सी2एसडी:** वर्सटाइल डेटा एक्यूजिसशन एंड सिग्नल प्रोसेसिंग प्लेटफार्म फॉर सिस्मिक एप्लीकेशन, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।
- विश्वेश्वरैया परियोजना:** डिजाइन ऑफ एप्लीकेशन स्पेसिफिक आईसी (एएसआईसी), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।

- डिजाइन ऑफ एन ऑल रेट क्लॉक डिवाइडर विदाउट अफेज मिसमैच और ड्यूटी साईकल डिस्टॉरशन, टीईक्यूआईपी -III, एनपीआईयू मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।**
- डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ हाई गेन अल्ट्रा वाइडबैंड ऐन्टेना विथ शार्प मल्टीज्ञ नोचेस फॉर सरफेस पेनेट्रेटिंग रडार एप्लीकेशन, टीईक्यूआईपी -III, एनपीआईयू मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित।**

विभाग में अनुसंधान शोधार्थी

| शोधार्थी | शोध प्रबंध शीर्षक / अनुसंधान क्षेत्र | पर्यवेक्षक |
|---------------------------------------|--|---------------------|
| सुश्री रेशमी धारा | डिजाइन ऑफ सर्कुलर पोलाराईजड माईक्रोस्ट्रिप एंटेना | डॉ. संजय कुमार जाना |
| श्री सुभानिल मैती | डिजाइन ऑफ पावर एंड एरिया ऑटीमाइज्ड हाई स्पीड फ्रीकेंसी डिवाइडर | डॉ. संजय कुमार जाना |
| श्री केशब दास | डिजाइन एंड एनालिसिस ऑफ वाइडबैंड एलसी वोल्टेज-कंट्रोल्ड ऑक्सीलेटर (वीसीओ) फॉर हाई फ्रीकेंसी एप्लिकेशन्स | डॉ. संजय कुमार जाना |
| सुश्री निर्गिदिता प्रधान | डिजाइन एंड एनालिसिस ऑफ फेज फ्रीकेंसी डिटेक्टर विथ मिनीमाइज्ड डेड जोन फॉर हाई फ्रीकेंसी पीएलएल | डॉ. संजय कुमार जाना |
| सुश्री प्रीति गुप्ता | ट्रांसकंडक्टेंस - कैपसिटेंस | डॉ. संजय कुमार जाना |
| फ़िल्टर डिजाइन फॉर पीएलएल एप्लिकेशन्स | डॉ. संजय कुमार जाना | डॉ. संजय कुमार जाना |
| सुश्री जयति राउत | डिजाइन एंड ऑटिमाइजेशन ऑफ हाई इलेक्ट्रॉन मोबिलिटी ट्रांजिस्टर | डॉ. संजय कुमार जाना |
| श्री अर्नब सोम | मॉडलिंग एंड डिजाइन ऑफ सेमीकंडक्टर डीवाइसेज | डॉ. संजय कुमार जाना |
| श्री सोमनाथ महतो | जीएनएसएस रियल टाइम काइनेमेटिक्स (आरटीके) फॉर ट्रुवर्ड्स एनहान्स सलूशन एक्यूरेसी | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| श्री अतानु सांत्रा | इंडियन नेविगेशन प्रणाली (एनएवीआईसी) एंड इट्स एडवांटेज | डॉ. सुरजीत कुंडू |

अंतिम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों के प्रोजेक्ट

| रोल नं. | नाम | परियोजना का शीर्षक | परियोजना पर्यवेक्षक का नाम |
|-------------|--------------------|--|----------------------------|
| एम180016इसी | श्री लोकनाथ कुंडू | डिजाइन ऑफ लो पावर हाई स्पीड सीएमएल बेच्ड प्रिस्कलेटर फॉर हाई स्पीड कम्प्युनिकेशन एप्लीकेशन | डॉ. संजय कुमार जाना |
| एम180017इसी | श्री पलाश पत्र | वैलीडेटिंग पार्श्वियल रीकॉन्फिगरेशन फॉर एफपीजीए | डॉ. संजय कुमार जाना |
| एम180018इसी | श्री असित कुमार झा | एप्लीकेशन ऑफ यूनिफाइड पावर फॉर्मेट (भीपीएफ) 1.0 इन द वेरिफिकेशन्स ऑफ लो पावर डिजाइन | डॉ. संजय कुमार जाना |
| एम180019इसी | आसिफ खान | डिजाइन एंड मॉडलिंग ऑफ 12सी मास्टर कंट्रोलर | डॉ. संजय कुमार जाना |
| एम180020इसी | श्री विपिन कुमार | डिजाइन एंड एनालिसिस ऑफ वोल्टेज कंट्रोल्ड ओस्किलेटर | डॉ. संजय कुमार जाना |

अंतिम वर्ष स्नातक छात्रों के प्रोजेक्ट

| रोल नं. | नाम | परियोजना का शीर्षक | परियोजना पर्यवेक्षक का नाम |
|-------------|-----------------------------|--|----------------------------|
| बी160001इसी | सुमित कुमार | सोलर फोटोवोल्टिक, लाइट ट्रैपिंग इन सोलर सेल | डॉ. सुकांत धर |
| बी160002इसी | मोहित दत्त माधुर | स्पीच प्रोसेसिंग | डॉ. अविनाश कुमार |
| बी160007इसी | आदित्य शेखर | युडब्लूबी नौच एंटीना डिजाइन | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| बी160013इसी | विपश्याना शर्मा | डिजाइन ऑफ बायोमेडिकल एंटीना फॉर पेशेंट हेल्प मॉनिटरिंग | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| बी160014इसी | सुरीसती लोहित चरन साई कुमार | स्पीच एनहांसमेट | श्री अविनाश कुमार |
| बी160023इसी | प्रमोद अधिकारी | एनालॉग सिस्टम डिजाइन एंड ऑप्टिमाइजेशन | डॉ. संजय कुमार जाना |
| बी160027इसी | राकेश कुमार राय | पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइजेशन | डॉ. सुदीप दास |
| बी160032इसी | एम. अक्षिता | स्पीच एनहांसमेट | श्री अविनाश कुमार |
| बी160051इसी | संयम चौहान | एरर कंट्रोल कोडिंग यूजिंग मैटलैब | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| बी160057इसी | बिकाश कुमार | युडब्लूबी नौच एंटीना डिजाइन | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| बी160058इसी | मीनाक्षी परमार | सोलर फोटोवोल्टिक, लाइट ट्रैपिंग इन सोलर सेल | डॉ. सुकांत धर |
| बी160059इसी | अभिषेक कुमार ठाकुर | माइक्रोस्ट्रिप एंटीना | श्रीमती रेशमी धारा |
| बी160069इसी | सोनी रेशमी | एनालॉग वीएलएसआई डिजाइन | डॉ. संजय कुमार जाना |
| बी160070इसी | अंबटी हेमाश्री | वायरलेस फ़िल्टर फॉर हाई फ्रीकेंसी एप्लीकेशन | डॉ. अयान चटर्जी |
| बी160073इसी | राज रत्नम् | बैंडपास फ़िल्टर्सी सेलेक्टिव सरफेस | डॉ. अयान चटर्जी |
| बी160079इसी | रमेश लिम्बू | सोलर फोटोवोल्टिक, लाइट ट्रैपिंग इन सोलर सेल | डॉ. सुकांत धर |
| बी160090इसी | नागुला शिवकुमार | मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ सेमीकंडक्टर डीवाईसेज | श्री जीतेन्द्र सिंह |
| बी160101इसी | गुलशन कुमार | वाइडबैंड स्लॉट एटेना | डॉ. अयान चटर्जी |
| बी160103इसी | प्रणेश छैत्री | एनालॉग सिस्टम डिजाइन एंड ऑप्टिमाइजेशन | डॉ. संजय कुमार जाना |
| बी160104इसी | पवन कुमार गुप्ता | पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइजेशन | डॉ. सुदीप दास |
| बी160111इसी | इनालिस्ट तामाङ्ग | माइक्रोस्ट्रिप एंटीना | श्रीमती रेशमी धारा |
| बी160112इसी | कोटा हेमंत कुमार | स्पीच प्रोसेसिंग | डॉ. अविनाश कुमार |
| बी160113इसी | दिवाकर शर्मा | एनालॉग वीएलएसआई डिजाइन | डॉ. संजय कुमार जाना |
| बी160114इसी | नर्बदा | मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ सेमीकंडक्टर डीवाईसेज | श्री जीतेन्द्र सिंह |
| बी160124इसी | राहुल राजपुरोहित | एरर कंट्रोल कोडिंग यूजिंग मैटलैब | डॉ. सुरजीत कुंडू |
| बी160125इसी | नीम ल्हामु तामांग | एनालॉग वीएलएसआई डिजाइन | डॉ. संजय कुमार जाना |
| बी160126इसी | सांग दोर्जी तामाङ्ग | पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइजेशन | डॉ. सुदीप दास |
| बी160132इसी | दीक्षा सोनी | मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ सेमीकंडक्टर डीवाईसेज | श्री जीतेन्द्र सिंह |

कार्यशाला / संकाय विकास कार्यक्रम / एसटीसी / निर्देश संवर्धन कार्यक्रम / वेबिनार जो एनआईटी सिविकम के बाहर भाग लिया

| क्रमांक | प्रतिभागियों का नाम | शीर्षक | व्यवस्थापक | तारीख | वर्ग |
|---------|------------------------|--|---|--------------------------|---------------------------|
| 1 | | हाउट टू बिल्ड अ फुल चिप वेरिफिकेशन इनवॉरमेन्ट फॉर मल्टी - मिलियन गेट एसओसी | सत्यापन संगोष्ठी, क्यूएसओसी | 05/06/2020 - 07/06/2020 | वेबिनार |
| 2 | सुश्री निगिदिता प्रधान | इमर्जिंग ट्रैडेस इन वीएलएसआई डिजाइन | एसवीएनआईटी, सूरत | 12/09/2020 - 16/09/2020 | संकाय विकास कार्यक्रम |
| 3 | | एम्बेडेड सिस्टम्स डिज़ाइन ऑन एफपीजीए - कवरिंग स्वदेशी महक्रोप्रोसेसर्स | एन आई ई एल आई टी कालीकट | 05/10/2020 - 15/10/2020 | निर्देश संवर्धन कार्यक्रम |
| 4 | | एसटीसी ऑन रिसर्च ट्रैडेस इन वीएलएसआई डिजाइन | एनआईटीटीआर, चंडीगढ़। | 25/05/2020 - 29/05/2020 | वेबिनार |
| 5 | सुश्री प्रीति गुप्ता | एसटीसी ऑन रिसर्च ओरिएंटेड प्रोजेक्ट वर्क | एनआईटीटीआर, चंडीगढ़। | 11/05/2020- 15/05/2020 | वेबिनार |
| 6 | | एसटीसी ऑन डेटा एनालिटिक्स यूजिंग पायथन | एनआईटीटीआर, चंडीगढ़। | 18/05/2020- 22/05/2020 | वेबिनार |
| 7 | | एनालॉग/मिक्स्ड वीएलएसआई सर्किट फॉर ब्रेन-मशीन इंटरफेस | एनआईटी सिलचर | 12/10/2020 - 16/10/2020 | वेबिनार |
| 8 | | फुल कस्टम डिज़ाइन फ्लो यूजिंग 45 एनएम विथ टेनर टूल | कोरईएल टेक्नोलॉजीज और मेटर | 08/04/2020 | वेबिनार |
| 9 | | पोस्ट कोविड -19 रोल ऑफ साइंस ऑफ टेक्नोलॉजी ट्रवर्ड्स अ सेल्फ - रीलायंट इंडिया इंटेल एफपीजीए वेबिनार | आईईई इंडिया काउंसिल | 19/05/2020 | वेबिनार |
| 10 | | हार्ट टू ब्रेन कम्युनिकेशन : इम्पेक्ट ऑफ आरएफ रेडिएशन | इंटेल | 20/05/2020 | वेबिनार |
| 11 | | सर्विस मिक्स्ड सिग्नल चैलेंज यूजिंग एएमएस को - सिम्युलेशन विथ वीसीएस | कणिका और संचार इंजीनियरिंग विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय | 26/05/2020 | वेबिनार |
| 12 | | इनैबलिंग नेक्स्ट जे नेरेसन एसओसी डिज़ाइन विथ मशीन लर्निंग - ड्रिवेन इम्प्लीमेंटेशन | सिनोप्सिस | 28/05/2020 | वेबिनार |
| 13 | | टैकलिंग रीलाईबिलिटी चैलेंज इन एनालॉग एंड मिक्स्ड सिग्नल डिज़ाइन | सिनोप्सिस | 29/05/2020 | वेबिनार |
| 14 | | ""रोल ऑफ चैनल स्टेट इन्फर्मेशन इन अडप्शन एंड रिसोर्स एलोकेशन इन नेक्स्ट जे नेरेशन वायरलेस सिस्टम्स एंड ""वाइड बैंड गैप सेमीकंडक्टर: पास्ट, प्रेजेंट एंड प्यूचर | कणिका और संचार इंजीनियरिंग विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय | 03/06/2020 | वेबिनार |
| 15 | श्री सुभानिल मैती | हाउट टू बिल्ड अ फुल चिप वेरिफिकेशन इनवॉरमेन्ट फॉर अ मल्टी - मिलियन गेट एसओसी | क्यूएसओसी टेक्नोलॉजीज प्रा। लिमिटेड, बैंगलोर | 05/06/2020 और 06/06/2020 | वेबिनार |
| 16 | | एफिसिएंट फिजिकल वेरिफिकेशन फॉर सिलिकॉन फोटोनिक्स डिज़ाइन | सिनोप्सिस | 06/06/2020 | वेबिनार |
| 17 | | एनालॉग वीएलएसआई डिज़ाइन फ्लो: स्पेक्स टू फाइल प्रोडक्ट फ्रॉम इंडस्ट्री पर्सप्रिक्टिव | ईसीई और आईईआई ईसीई छात्र अध्याय विभाग, गोकाराजू रंगराजू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद एएमएस सेमीकंडक्टर्स, हैदराबाद के सहयोग से | 07/06/2020 | वेबिनार |

| क्रमांक | प्रतिभागियों का नाम | शीर्षक | व्यवस्थापक | तारीख | वर्ग |
|---------|---------------------|---|---|-------------------------|-----------------------|
| 19 | | एफपीजीए प्रोटोटाइपिंग - व्हाई बिल्ड योर ओन बोर्ड्स आरन्ट इफेक्टिव | सिनोप्सिस | 08/06/2020 | वेबिनार |
| 20 | | आर्ट एंड चैलेजे ऑफ राइटिंग पेपर्स फॉर आईईई ट्रॉन्ससेक्शन्स | आईईई | 08/06/2020 | वेबिनार |
| 21 | | रीसेट ट्रैन्स इन कंप्यूटर आर्किटेक्चर, वी एल एस आई एंड एम्बेडेड सिस्टम्स आरसीएवीईएस-2020 | ईसीई विभाग, गोकाराजू रंगराजू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद | 08/06/2020 - 13/06/2020 | संकाय विकास कार्यक्रम |
| 22 | | द प्यूचर ऑफ वर्ल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड पॉसिबल रोल्स इंडिया कैन प्ले | आईईई | 09/06/2020 | वेबिनार |
| 23 | | 5जी कम्प्युनिकेशन | डीएमआई कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, Pantech E Learning के सहयोग से | 10/06/2020 | वेबिनार |
| 24 | | डिजाइनिंग पावर सोलूशन्स फॉर आरएफ सिग्रल चेन एप्लिकेशन्स | एनालॉग डिवाइस | 11/06/2020 | वेबिनार |
| 25 | श्री सुभानिल मैती | पीसीबी डिजाइन | पैनटेक ई लर्निंग के सहयोग से नरसिंहा रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद | 12/06/2020 | वेबिनार |
| 26 | | डिजाइनिंग पावर सोलूशन्स फॉर बैटरी - पॉवर्ड /पोर्टेबल एप्लिकेशन्स | एनालॉग डिवाइस | 12/06/2020 | वेबिनार |
| 27 | | कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स फॉर 5जी एप्लिकेशन्स | केजीआईएसएल प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर | 15/06/2020 | वेबिनार |
| 28 | | ट्रैन्स इन पब्लिशिंग | स्प्रिंगर नेचर | 16/06/2020 | वेबिनार |
| 29 | | द पीपल एंड द प्रिंसिपल्स बिहाइंड नेचर - द व्हाट, द व्हाई एंड डी हाउ | स्प्रिंगर नेचर | 18/06/2020 | वेबिनार |
| 30 | | इट्रोडक्शन ऑफ एक्सआईएलआईएनएक्स आरएफएसओसी | कोरेल टेक्नोलॉजीज और एक्सआईएलआईएनएक्स | 19/06/2020 | वेबिनार |
| 31 | | एमरजिंग ट्रैन्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग | जलपाईगुड़ी सरकार इंजीनियरिंग कॉलेज, पश्चिम बंगाल | 29/06/2020- 30/06/2020 | वेबिनार |
| 32 | डॉ. अयान चटर्जी | मेटामटेरियल एंड इट्स एप्लीकेशन | आईईई दिल्ली सेक्षन एपीएस चैप्टर - जयपुर आईईई राजस्थान सबसेक्षन, एमएनआईटी जयपुर और सरकार के सहयोग से। महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर | जुलाई 27-31, 2020 | कार्यशाला |
| 33 | डॉ. राहुल पाल | मशीन लर्निंग फॉर डाटा साइंस युजिंग पाइथन | एनआईटी वारंगल | मार्च 1-10, 2021 | अल्पकालिक पाठ्यक्रम |
| 34 | | पोस्ट कोविड -19: साइंस एंड टेक्नोलॉजी | एसआरएम विश्वविद्यालय-एपी | 29 मई, 2020 | वेबिनार |
| 35 | | आर्ट एंड चैलेजे ऑफ राइटिंग पेपर फॉर आईईई ट्रॉन्सवशन्स | आईईई बैंगलोर अनुभाग | 8 जून, 2020 | वेबिनार |
| 36 | डॉ. सुरजीत कुंडू | इलेक्ट्रोमेट्रिक आस्पेक्ट्स ऑफ 5जीमैसिव एमआईएमओ सिस्टम्स : एंटीना डिजाइन एंड चैनल मॉडलिंग | आईईई बैंगलोर अनुभाग | 16 जून, 2020 | वेबिनार |
| 37 | | आरएफ डिजाइन / वीएनए एंड इट्स एप्लीकेशन | एंटुपल और अनिरित्सु | 16 से 18 जून, 2020 | ऑनलाइन एफडीपी |

| क्रमांक | प्रतिभागियों का नाम | शीर्षक | व्यवस्थापक | तारीख | वर्ग |
|---------|---------------------|--|---|---------------------------|-------------------------------|
| 38 | डॉ. सुरजीत कुंडू | आईईई सीनियर मेम्बरशिप - बेनीफिट्स एंड एप्लीकेशन प्रोसीजरस | आईईई केरल अनुभाग | 27 जून, 2020 | वेबिनार |
| 39 | | रीसेट ट्रेंड्स ऑन आरएफ एंड इट्स एप्लिकेशन्स | आईईई एपीएस जयपुर और आईईई राजस्थान उपखंड | 26-30 जून, 2020 | एक सप्ताह की व्याख्यान शृंखला |
| 40 | | एंटीना डिजाइन एंड सिमुलेशन युजिंग सीएसटी स्टूडियो | आईईई एपी-एमटीटी कोलकाता चैप्टर | 29-30 जून, 2020 | वेबिनार |
| 41 | | फेझ ऐरे एंटेना: सिस्टम इंजीनियरिंग पर्सपेक्टिव | आईईई बैंगलोर अनुभाग | 31 जुलाई, 2020 | वेबिनार |
| 42 | | प्रोबिंग द यूनिवर्स वाया रेडियो वेब्स: फ्रॉम द पर्सपेक्टिव ऑफ माइक्रोवेव इंजीनियरिंग | आईईई एमटीटी छात्र शाखा अध्याय, आईआईटी (बीएच्यू) | 04.07.2020 | वेबिनार |
| 43 | | आईईई नेशनल वर्कशॉप ऑन एन्टेना टेक्नोलॉजी | आईईई एपी/एमटीटी संयुक्त अध्याय, गुजरात अनुभाग | 28.11.2020 एवं 05.12.2020 | वेबिनार |
| 44 | | माइक्रोवेव एंड एन्टेना एप्लिकेशन्स इन 5जी | आईईई एपी/एमटीटी अध्याय और आईईई बैंगलोर अनुभाग | 8 से 13 दिसंबर 2020 | कार्यशाला |

अनुव्रत, विभागीय क्लब द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रम

अनुव्रत कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग का विभागीय क्लब है, जो छात्रों को अनुसंधान और विकास कार्यों के लिए प्रोत्साहित करता है। क्लब युवा अभियंताओं को अपने विचारों, नवाचारों और विचार प्रक्रियाओं को दुनिया के सामने रखने के लिए "अनुव्रत" एक मंच भी प्रदान करता है। अनुव्रत द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रमों का सारांश नीचे दिया गया है:

| क्रमांक | कार्यक्रम | संसाधन व्यक्ति | चर्चा का विषय | तिथि |
|---------|--|---|--|-----------------|
| 1 | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान | प्रो. शंकर कुमार पाल, राष्ट्रीय विज्ञान अध्यक्ष, एमेरिटस प्रोफेसर, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और पूर्व निदेशक, आईएसआई कोलकाता | ग्रैनुलर माइनिंग इन वीडियो एनालिटिक्स | 28 फरवरी, 2021 |
| 2 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 1 | श्री नवनीत किशन, इंटेल कॉर्पोरेशन में एसओसी डिजाइन अभियंता | डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन | 21 मार्च, 2021 |
| 3 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 2 | श्री रजत कुमार सिन्हा, पीएचडी विद्वान, टोरंटो विश्वविद्यालय। | नैनोफोटोनिक्स | 28 मार्च, 2021 |
| 4 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 3 | श्री पारस राम मीणा, बिक्री अधिकारी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड | फिनासिअल सिस्टम्स एंड कैपिटल मार्केट | 4 अप्रैल, 2021 |
| 5 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 4 | श्री निशांत चौधरी, अभियंता, इंटेल कॉर्पोरेशन | एम्बेडेड सिस्टम्स | 11 अप्रैल, 2021 |
| 6 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 5 | श्री शुभम जैन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंजीनियर, फ़िलपकार्ट | बिटकॉइन-वर्किंग, मथोडोलोजी एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी | 18 अप्रैल, 2021 |
| 7 | विमृश्योत्सव (पूर्व छात्र वार्ता)-एपिसोड 6 | श्री अंकुर झा, उप अभियंता, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड | बेसिक्स ऑफ राडार सिस्टम्स | 25 अप्रैल, 2021 |

विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग

“

विद्युत या किसी भी शक्ति की महत्ता इसलिए नहीं की वह रहस्यमय और अप्रत्याशित है बल्कि इसलिए है कि वे अपने सभी पहलुओं के साथ अन्य शक्तियां की ही भाँति विद्युत भी सिद्धांतों के आधीन है तथा मानवीय विवेक से नियंत्रित हो सकती है।

माइकल फैराडे

विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी विभाग, संस्थान की स्थापना वर्ष 2010 से ही कार्यरत है। यह विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के महत्वपूर्ण विभागों में से एक है। विभाग विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी के विभिन्न विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से उच्चतम मानकों की शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। संकाय सदस्यों की पर्याप्तता के साथ अनुभवों का सही संतुलन बनाकर, सातक (विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी), स्नातकोत्तर (कंट्रोल, पावर एवं इलेक्ट्रिक ड्राइव्स) में विशेषज्ञता के साथ प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान करता है।

विज्ञ

वर्तमान समय की चुनौतियों का सामना करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और अनुसंधान का अवसर प्रदान करना, बेहतर भविष्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करना और समाज के लिए मूल्यों को जोड़ना।

मिशन

विभाग का उद्देश्य निम्नलिखित मिशन के माध्यम से विज्ञ को साकार करना है:

- सामाजिक जरूरतों पर व्यावहारिक अभियांत्रिकी कौशल के लिए परिणाम आधारित शिक्षण और अनुसंधान प्रदान करना।
- छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के लिए नैतिक और नीतिपरक मूल्यों के साथ सभी क्षमताओं का पोषण और विकास हेतु वातावरण बनाना।

विभाग के कुशल संकाय सदस्यों के पास अत्याधुनिक अनुसंधान क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। विभाग में अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं, जैसे नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर कालिटी, पावर सिस्टम, हाइब्रिड माइक्रो-ग्रिड, स्मार्ट ग्रिड, इलेक्ट्रिक ड्राइव्स और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल, आदि शामिल हैं।

ऊर्जा, और सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकों का विकास और अनुप्रयोग आदि। विभाग को अपने मजबूत उद्योग-संस्थानों के साथ परस्पर तालमेल पर गई है, और विभिन्न संभावित परियोजनाओं को अपनाने और पूरा करने के लिए विभाग वृद्ध संकलिप्त है।

विभाग का उद्देश्य बिजली क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों के साथ सक्रिय सहयोग करना है। विभाग ने राष्ट्रीय और वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क में सराहनीय प्रतिष्ठा अर्जित की है। वर्तमान में, विभाग के पास विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में 40 छात्रों को सम्मिलित करने का प्रावधान है।

स्नातकोत्तर स्तर पर, विभाग 22 छात्रों के प्रावधान के साथ विद्युत अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पावर, और इलेक्ट्रिक ड्राइव्स) में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित कर रहा है। भविष्य में, विभाग कंट्रोल सिस्टम, इलेक्ट्रिक ड्राइव्स और पावर सिस्टम के क्षेत्र में अलग-अलग प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर विशेषज्ञता प्रदान करने की योजना भी बना रहा है। उपरोक्त के अलावा, विभाग विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित विद्या वाचस्पति कार्यक्रम भी संचालित करता है। इनमें कंट्रोल सिस्टम, पावर सिस्टम ऑपरेशन, पावर कालिटी, रिचार्जेबल एनर्जी सोर्स, स्मार्ट ग्रिड, ऑटोमेइजेशन, पावर सिस्टम डायनेमिक्स एंड स्टेबिलिटी, फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन, हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट, इलेक्ट्रिक ड्राइव्स और हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल, आदि शामिल हैं।

वर्तमान में, विभाग के पास अत्याधुनिक उपकरणों और सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्मों के नवीनतम संस्करण से सुसज्जित लगभग सभी प्रयोगशालाएँ हैं। विभिन्न कार्यशालाओं में आमत्रित प्रछ्वात व्यक्तित्वों के सुझावों के साथ, विभाग ने सैद्धांतिक अवधारणाओं की समझ बढ़ाने के लिए प्रयोगशाला के आधारभूत ढांचे को संशोधित किया है। प्रयोगशालाओं को परिष्कृत उपकरण, परीक्षण सेटअप, एम्बेडेड नियंत्रक, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसर, पावर इन्वर्टर-कन्वर्टर्स, विभिन्न विद्युत ड्राइव्स आदि से

सुसज्जित किया गया है। विभाग कई प्रायोजित अनुसन्धान एवं विकास सम्बंधित परियोजनाओं को संचालित कर रहा है, जो राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे कि इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय, भारत सरकार द्वारा वित्त सहायता प्राप्त हैं। विभाग समय-समय पर संकाय विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ व्याख्यान आदि भी आयोजित करता है।

विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाही के साथ-साथ आईईईटी ट्रांजेक्शन और आईईईपी प्रोसीडिंग्स, आईईटि, एलजेवियर, आदि अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय विद्युत अभियांत्रिकी पत्रिकाओं के लिए नियमित रूप से योगदान दे रहे हैं। विभाग परीक्षण, अंशांकन और मानकीकरण, फोटोवोल्टिक और ऊर्जा भंडारण, विद्युत गुणवत्ता और ऊर्जा संरक्षण और इलेक्ट्रिक ड्राइव के लिए नई प्रयोगशालाओं की योजना बना रहा है।

विभाग ने धीरे-धीरे स्वयं को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक में विकसित किया है। प्लेसमेंट रिकॉर्ड से पता चलता है कि विभाग के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपने हितों के आधार पर आकर्षक प्लेसमेंट प्राप्त करने में सफल रहे हैं। कालकाँम, एलएंडटी, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, आदि जैसे शीर्ष भर्तीकर्ताओं ने ₹10 लाख प्रतिवर्ष से अधिक के सालाना मानदेय के साथ छात्रों को अपने संस्थानों में नियुक्त किया है। मूल अभियांत्रिकी और अन्य क्षेत्रों जैसे वेदांत समूह, विप्रो, टाटा पावर, रिलायंस आदि ने विभाग के छात्रों को आकर्षक सालाना मानदेय के साथ अपने संस्थानों में कार्य करने का अवसर प्रदान किया है।

छात्रों का प्लेसमेंट रिकॉर्ड, विभाग का संस्थान एवं छात्रों के प्रति समर्पण एवं योगदान को दर्शाता है। विभाग से स्नातक किये हुए छात्र सरकारी एवं निजी संगठनों के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं।

संकाय विवरण

डॉ. सौरभ मल्तिक

सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष

विद्या वाचस्पति (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गपुर, 2014)

अनुसन्धान क्षेत्र: पावर सिस्टम स्टेट अनुमान, पावर सिस्टम ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन, पावर सिस्टम सेबिलिटी एंड कंट्रोल, सॉफ्ट कंप्यूटिंग।

डॉ अंजन कुमार रे

सहायक प्राध्यापक

विद्या वाचस्पति (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, 2009)

अनुसन्धान क्षेत्र: नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स और इंटेलिजेंट सिस्टम, मशीन लर्निंग, सेंसर प्यूजन और स्मार्ट होम/पर्यावरण।

डॉ औरोबिंदा पांडा

सहायक प्राध्यापक

विद्या वाचस्पति (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, 2016)

अनुसन्धान क्षेत्र: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रतिवेदन।

विभाग, छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए और अनुसन्धान एवं विकास के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने भारत और विदेशों के प्रख्यात और प्रमुख संस्थानों से अपने स्नातकोत्तर शिक्षण को पूरा किया है।

संस्थान द्वारा आयोजित उत्सव "अभियंत्रण" से छात्रों को शिक्षण और प्रयोगशाला अभ्यास के अलावा तकनीकी और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सम्मेलन एवं विमर्शगौष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत करने सहित विभिन्न शिक्षण गतिविधियों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
- विद्युत अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर (कंट्रोल, पॉवर एवं इलेक्ट्रिक ड्राइव्स)
- विद्युत अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति

डॉ मलय राय

सहायक प्राध्यापक

विद्या वाचस्पति (भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर, 2017)

अनुसन्धान क्षेत्र: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कनवर्टर और नियंत्रक।

डॉ प्रदीप कुमार

सहायक प्राध्यापक

विद्या वाचस्पति (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर, 2017)

अनुसन्धान क्षेत्र: पावर कालिटी, कंट्रोल सिस्टम, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स।

अस्थायी संकाय

डॉ अमित कुमार यादव

डॉ कुंतल मंडल

डॉ अभिषेक राजन

डॉ अनुलेखा साहा

डॉ प्रसेनजीत दे

श्री जोजी पॉल

स्टाफ विवरण

सुश्री दीपिका छेत्री

तकनीकी सहायक

श्री मनीष कुमार

तकनीशियन

तकनीकी संघ / सोसायटी की सदस्यता

| S. No. | Name | Technical Societies | Membership Type |
|--------|-------------------|---|--|
| 1 | डॉ सौरभ मल्लिक | आईईई। आईईई पावर एंड एनर्जी सोसायटी। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया)। | सदस्य सदस्य सह सदस्य |
| 2 | डॉ अंजन कुमार रे | आईईई। स्मार्ट सिटी कम्युनिटी, आईईई। इंटरनेट ऑफ थिंग्स कम्युनिटी, आईईई। आईईई सिस्टम्स काउंसिल। आईईई सेंसर काउंसिल। सिस्टम्स, मैन, और साइबरनेटिक्स सोसाइटी। आईईई रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन सोसायटी। आईईई कंट्रोल सिस्टम्स सोसायटी। | सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य सदस्य |
| 3 | डॉ औरोबिंदा पांडा | आईईई | सदस्य |
| 4 | डॉ प्रदीप कुमार | सिस्टम सोसायटी ऑफ इंडिया। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईएसीआईटी)। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (आईएईजी)। इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर साइबर साइंस एंड अभियांत्रिकी (आईएसीएस) इंटरनेशनल सोसायटी फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईएसआरडी)। | आजीवन सदस्यता आजीवन सदस्यता आजीवन सदस्यता आजीवन सदस्यता आजीवन सदस्यता |
| 5 | डॉ कुंतल मंडल | आईईई आईईई कैस (सर्किट एंड सिस्टम्स सोसाइटी) आईईई आईईएस (इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी) | सदस्य सदस्य सदस्य |
| 6 | डॉ अनुलेखा साहा | इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) | एसोसिएट सदस्य |

प्रयोगशाला सुविधाएं

1. बेसिक इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

आधारभूत विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला छात्रों को विद्युत अभियांत्रिकी के मूल आधार पर एक मजबूत नींव बनाने में मदद करती है। प्रत्येक प्रयोग को पहले छात्रों में सीखें गए सिद्धांतों के व्यावहारिक पहलुओं को दिखाने के लिए विकसित किया गया है। प्रयोगों के माध्यम से, छात्र विभिन्न नेटवर्क प्रमेयों, विभिन्न प्रकार के भारों और उनके वोल्टेज-वर्तमान विशेषताओं, संतुलित और असंतुलित भारों की शक्ति माप, डीसी बिजली आपूर्ति और स्रोतों को डिजाइन करने एवं सर्किट के लिए फ्यूज रेटिंग जैसे सुरक्षा मुद्दों के अनुप्रयोगों को सीखते हैं। छात्रों को प्रयोगशाला द्वारा प्राप्त ज्ञान से विद्युत अभियांत्रिकी के अन्य सभी क्षेत्रों में लागू करने में सक्षम बनाया जाता है।

2. मेजरमेन्ट्स प्रयोगशाला

विभाग में मापन प्रयोगशाला का उद्देश्य आधारभूत प्रयोगशाला में उपयोग किये जाने वाले मापक यन्त्र जैसे ऊर्जा मापक यन्त्र, बहु मापक यन्त्र, विभव मापक यन्त्र, विद्युत धारा मापक यन्त्र, आदि के संचालन के साथ छात्र को उसके विषय से अवगत करवाना है। इस प्रयोगशाला का एक अन्य लक्ष्य, अर्जित ज्ञान और परिणाम के विश्लेषण के साथ सैद्धांतिक ज्ञान को भी लागू करना एवं सही प्रयोगशाला प्रक्रियाओं और तकनीकों को सीखना भी है। यह सरल सर्किट के निर्माण परीक्षण एवं माप लेने के लिए किया जाता है। प्रयोग के दौरान, छात्र एक उपकरण के विभिन्न भागों के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली के बीच अंतर कर सकते हैं।

3. कंट्रोल सिस्टम प्रयोगशाला

नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला पाठ्यक्रम नियंत्रण के प्रमुख पहलुओं जैसे - अरैखिक नियंत्रण, बुद्धिमतापूर्ण नियंत्रण पर वैचारिक अभ्यास एवं हस्त अभ्यास प्रदान करता है। इस प्रयोगशाला में छात्र सिमुलेशन को पूरा करने के लिए विभिन्न स्वतंत्र प्लेटफॉर्म जैसे साइलैब /सी/सी++ से अवगत होते हैं। इसमें हार्डवेयर सेटअप भी है जिसमें ऐक्षिक डबल इन्वर्टर्ड पेंडुलम और रोटरी डबल इन्वर्टर्ड पेंडुलम शामिल हैं। छात्रों को भविष्य में होने वाले माइक्रोकंट्रोलर्स और सेंसरों के उपयोगों के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है। इन सिमुलेशन और हार्डवेयरों की सुविधाओं के माध्यम से छात्रों को सिस्टम मॉडलिंग और सिमुलेशन के विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया जाता है। वे प्रणाली प्रतिक्रियाओं और स्थिरता पहलुओं का अध्ययन करते हैं। छात्रों को विभिन्न प्रणालियों के लिए नियंत्रकों और पर्यवेक्षकों को डिजाइन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा, उन्हें सिस्टम मॉडलिंग और नियंत्रण में शामिल करने हेतु मशीन इंटेलिजेंस का उपयोग करना सिखाया जाता है।



आकृति. 1 कंट्रोल सिस्टम लेबोरेटरी

4. इलेक्ट्रिक मशीन्स प्रयोगशाला

विद्युत मशीन प्रयोगशाला विद्युत एवं कणिका अभियांत्रिकी विभाग में प्रमुख प्रयोगशालाओं में से एक है। दिष्ट धारा और प्रत्यावर्ती धारा पर आधारित मशीनों पर कई प्रयोगों का प्रदर्शन करके छात्र मशीनों के निर्माण के सिद्धांत को समझते हैं एवं उसे व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की कोशिश भी करते हैं। बेहतर प्रयोग के लिए विभाग ने ओपन मशीन की खरीद की है जिससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों का मशीनी ज्ञान बढ़ा है।

5. पावर सिस्टम प्रयोगशाला

वर्तमान स्नातक पाठ्यक्रम में विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला वर्तमान सामाजिक विषयों के महत्व को देखते हुए तीन छमाही में पढ़ाया जाता है। बिजली प्रणालियों में विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से छात्रों को डिजाइन करने, विश्लेषण करने और बिजली प्रेषण और वितरण प्रणाली, विद्युत दोष, प्रणाली स्थिरता आदि से संबंधित विभिन्न अभियांत्रिकी सम्बंधित समस्याओं को हल करना भी सिखाया जाता है।

6. पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

विभाग के छात्र इस प्रयोगशाला में संचालन और बिजली अर्धचालक उपकरणों एवं अन्य निष्क्रिय घटकों के अभियांत्रिकी सम्बंधित व्यावहारिक समस्याओं को हल करने में एवं उनके संचालन और विशेषताओं पर विभिन्न प्रयोग कर सकते हैं। विभाग इस प्रयोगशाला में प्रदान की गई सुविधाओं के उत्थान की प्रक्रिया में है जो विभिन्न विद्युत इलेक्ट्रॉनिक कनवर्टर्स के परिचालन सिद्धांतों, डिजाइन और संश्लेषण को व्यावहारिक प्रयोग में बढ़ावा देगा। प्रयोगशाला पाठ्यक्रम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह छात्रों को बिजली इलेक्ट्रॉनिक सर्किट के औद्योगिक नियंत्रण के साथ-साथ सुरक्षित विद्युत कनेक्शन और मापन विधियों से अवगत करवाता है।

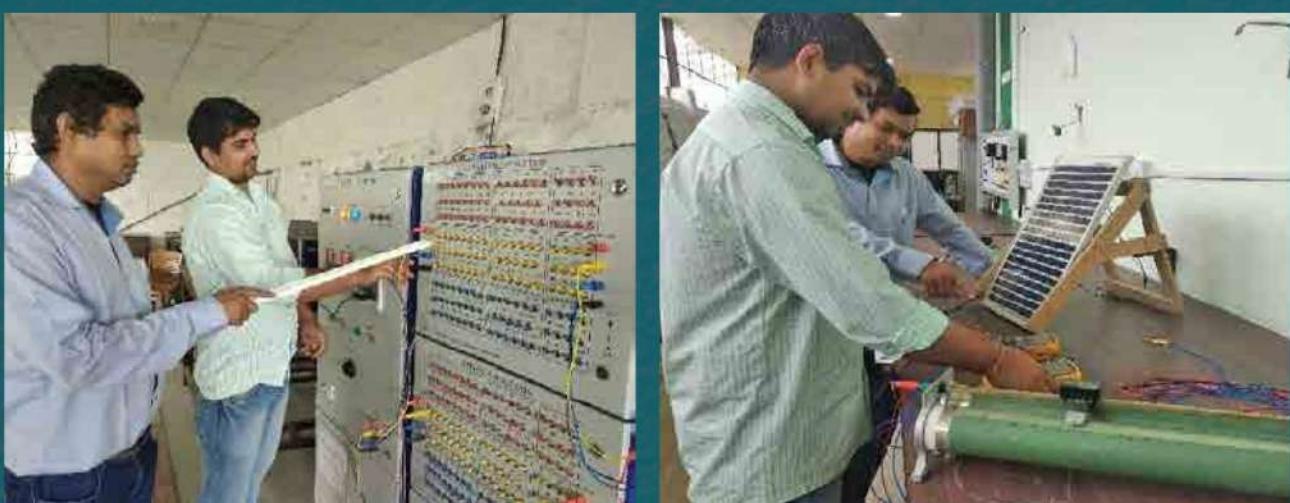




आकृति. 2 इलेक्ट्रिक मशीन लेबोरेटरी



आकृति. 3 ओपन मशीन लेबोरेटरी



आकृति. 4 पावर सिस्टम लेबोरेटरी

आकृति. 5 बेसिक इलेक्ट्रिक लेबोरेटरी



आकृति. 6 सिमुलेशन लेबोरेटरी



आकृति. 7 इलेक्ट्रिक मेजरमेन्ट्स लेबोरेटरी



आकृति.8 पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लेबोरेटरी

विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान/सेमिनार/कार्यशालाएं

- विभाग ने इस सत्र में ऑनलाइन मोड के माध्यम से विद्युत अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों पर 5 पांच-दिवसीय कार्यशालाओं की व्यवस्था की थी। इन कार्यशालाओं में संस्थान के स्रातक, स्रातकोत्तर, विद्या वाचस्पति छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों ने भाग लिया है। इसके अलावा, इन ऑनलाइन कार्यशालाओं में भारत और विदेशों के कई प्रतिभागी ने भाग लिया है। कार्यशालाओं की इन श्रृंखलाओं में औसतन 450 प्रतिभागियों का पंजीकरण हुआ और उनकी सक्रिय भागीदारी ने सभी कार्यशालाओं को एक बढ़ी सफलता दिलाई। विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएं नीचे सूचीबद्ध हैं:

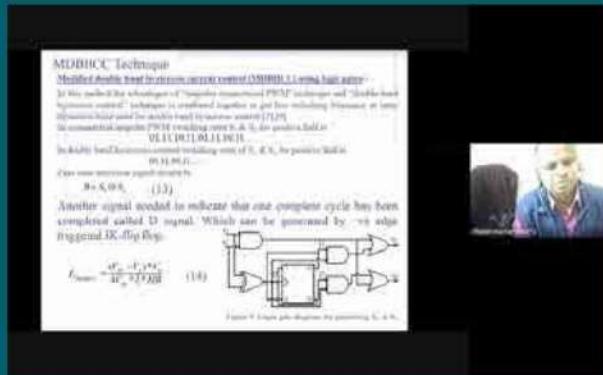
| शीर्षक | संसाधन व्यक्ति (व्यक्तियों) / प्रतिभागियों का नाम | तिथि |
|--|--|---------------------|
| रीसेट ट्रैंडस इन पावर सिस्टम्स 2021 (आरटीपीएस2021) | <ol style="list-style-type: none"> आचार्य अभिजीत चक्रवर्ती, विद्युत अभियांत्रिकी, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर। डॉ. अनिरुद्ध भट्टाचार्य, विद्युत अभियांत्रिकी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गपुर। आचार्य चंदन कुमार चंदा, विद्युत अभियांत्रिकी, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर। आचार्य देबप्रिया दास, विद्युत अभियांत्रिकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर। आचार्य के शांति स्वरूप, विद्युत अभियांत्रिकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास। आचार्य खलीकुर रहमान नियाजी, विद्युत अभियांत्रिकी, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर। आचार्य निदुल सिन्हा, विद्युत अभियांत्रिकी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिलचर। डॉ. रोहित भाकर, विद्युत अभियांत्रिकी, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर श्री सुप्रिया पाँल, उप महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड। आचार्य स्वपन कुमार गोस्वामी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय। डॉ. तन्मय मालाकार, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग, एनआईटी सिलचर। डॉ. तूलिका भट्टाचार्जी, अभियांत्रिकी अधिकारी, केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान। | 23 - 27 फरवरी, 2021 |
| एलीकेशन ऑफ पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स तू इंडस्ट्री | <ol style="list-style-type: none"> आचार्य भीम सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली। आचार्य मैनक सेनगुप्ता, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर। आचार्य मुकेश के. पाठक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की। आचार्य शांतनु के. मिश्रा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर। आचार्य अनूप के. पांडा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला। डॉ. शांतनु कपाट, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर। डॉ. रंजन के. बेहरा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना। श्री दीपक सैनी, भेल, भोपाल। श्री प्रदीप के. सनोदिया, पोसोको, मुंबई। | 2-6 मार्च, 2021 |

| शीर्षक | संसाधन व्यक्ति (व्यक्तियों) / प्रतिभागियों का नाम | तिथि |
|---|--|---------------------|
| कण्टोल सिस्टम्स एंड ऐप्लिकेशन्स | <ol style="list-style-type: none"> आचार्य महेश चंद्र गोविल निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम। आचार्य बायराना नागप्पा सुरेश, चांसलर, आईआईएसटी त्रिवेदम। प्रो विनोद कुमार, कुलपति, जेयूआईटी, हिमाचल प्रदेश। आचार्य सैमित्रो बनर्जी, भौतिक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर कोलकाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के आचार्य लक्ष्मीधर बेहरा, ईई विभाग। आचार्य देबाशीष घोष एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग, आईआईएससी बैंगलुरु। आचार्य अमित पात्रा विभाग, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिलचर के प्रो बिनॉय कृष्ण रॉय, ईई विभाग। आचार्य अपराजिता सेनगुप्ता विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, शिवपुर। डॉ शांतनु कपाट, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी खड़गपुर। डॉ इंद्राणी कार, ईईई विभाग, आईआईटी गुवाहाटी। | 9-13 मार्च, 2021 |
| फजी लॉजिक सिस्टम्स इन इंजीनियरिंग ऐप्लिकेशन्स (एफएलएसईए 21) | <ol style="list-style-type: none"> आचार्य एन.पी. पाढ़ी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की। आचार्य नीलाद्रि चटर्जी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली। प्रोफेसर शिव प्रसाद यादव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की। आचार्य स्लेहाशीष चक्रवर्ती, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राजकोट। आचार्य निर्मल बरन हुई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर। आचार्य राजेश कुमार, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर। डॉ खानगत दास, आईएसआई कोलकाता। डॉ. हैदर बांका, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भारतीय खनि विद्यापीठ विश्वविद्यालय) धनबाद। डॉ वी लक्ष्मण गोमती नयागम, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान त्रिची। | 15 - 19 मार्च, 2021 |
| इफेक्टिव रिसर्च प्रपोजल राइटिंग चैलेंजेज, स्ट्रेटेजी एंड गाइडलाइन्स | <ol style="list-style-type: none"> डॉ. गौरव गुप्ता, वैज्ञानिक-ई, साइबर कानून और ई-सुरक्षा समूह, भारत सरकार। सुश्री प्रियंका तोमर, पूर्व समाधान वास्तुकार, राष्ट्रीय साइबर अनुसंधान और नवाचार। डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार। आचार्य मैनक सेनगुप्ता, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर। आचार्य हिरण्यमय साहा, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ग्रीन एनर्जी एंड सेंसर सिस्टम्स, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर। आचार्य अजय कुमार रॉय, निदेशक, जेआईएसआईएसआर कोलकाता। आचार्य सुशील कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एनपीएल। आचार्य अद्रजीत गोस्वामी, गणित विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर। आचार्य भार्गव मैत्रा, जनपद अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर। आचार्य अनिबानि गुप्ता, जनपद अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर। आचार्य अनिबानि चक्रवर्ती, कम्प्यूटेशनल और एकीकृत विज्ञान स्कूल, जेनयू। डॉ. रोहित भाकर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर। आचार्य ब्रजेश कुमार दुबे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर। डॉ. राजीव शर्मा, वैज्ञानिक-एफ, एफएफटी डिवीजन, भारत सरकार। आचार्य विद्याधर सुबुधि, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गोवा। | 9-13 मार्च, 2021 |

कार्यशाला के कुछ हथय रीसेंट ट्रेनिंग्स इन पावर सिस्टम्स 2021



एप्लीकेशन ऑफ पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स तू इंडस्ट्री





कण्ट्रोल सिस्टम्स एंड एप्लिकेशन्स

A Decoupled 2nd Order System

$$\dot{x}_1(t) = x_1(0) = x_{10} \quad \frac{dx_1(t)}{dt} = a_1 x_1(t) \quad x_1(0) = x_{10}$$

$$e^{a_1 t} x_{10} \quad \text{where: } a_1 < 0 \quad x_1(t) = e^{a_1 t} x_{10} \quad \text{where: } a_1 < 0$$

How does the trajectory move?

Optimal Control
→ Why optimal control?

Forrest

LUX

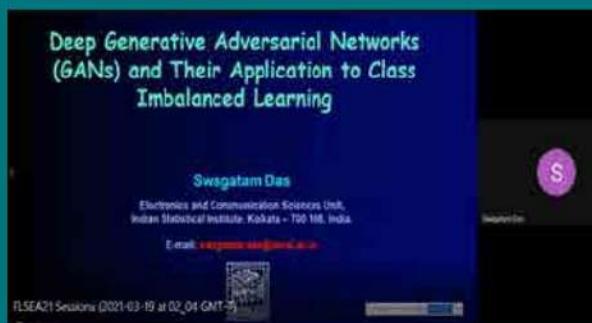
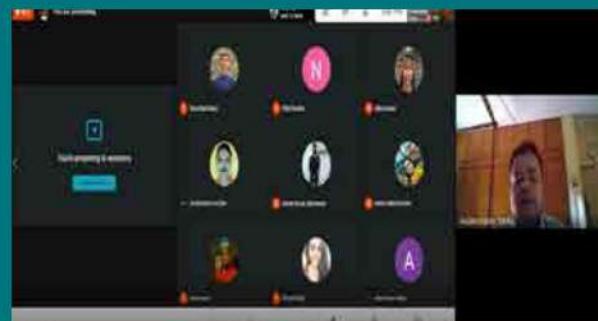
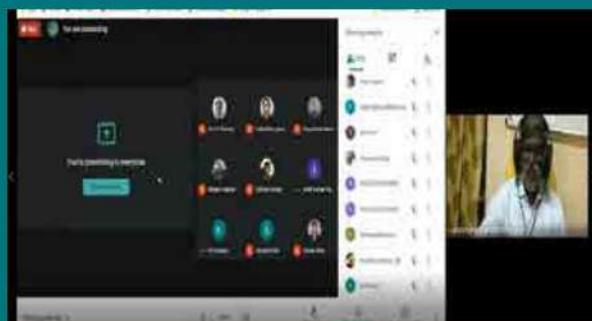
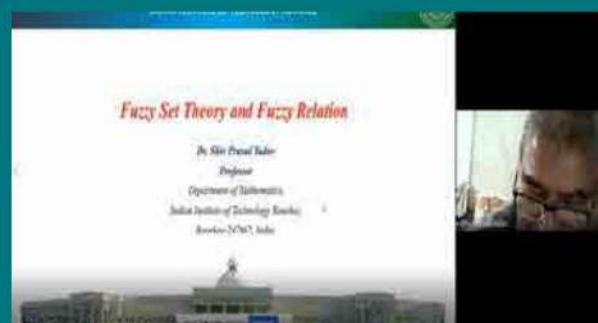
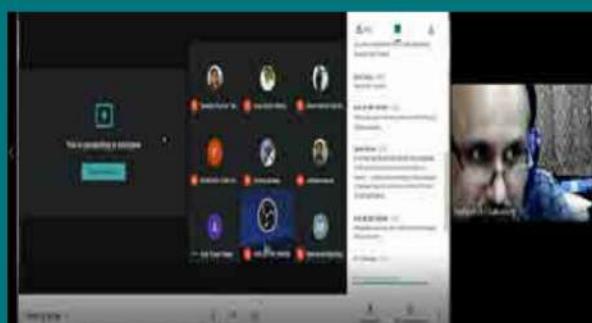
Bifurcation diagrams
(panoramic view of stability status)

Weak vs Strong AI

| | |
|---------------|--|
| Weak | <ul style="list-style-type: none"> Machines with weak AI focuses on one task Can only perform one task and intelligent |
| Strong | <ul style="list-style-type: none"> A machine with Artificial Consciousness - Self-awareness |

L

फजी लॉजिक सिस्टम्स इन इंजीनियरिंग एप्लिकेशन्स



विभागीय समितियां

| क्रमांक | संकाय सदस्यों का नाम | समिति का नाम |
|---------|---|--------------------------------------|
| 1 | 1. डॉ सौरभ मल्लिक, विभागाध्यक्ष और संयोजक 2. डॉ मलय राय (संयोजक, विभागीय स्नातक समिति) 3. प्रत्येक बैच के संकाय सलाहकार <ul style="list-style-type: none"> i. डॉ अभिषेक राजन, संकाय समन्वयक, प्रथम वर्ष प्रौद्योगिकी स्नातक ii. डॉ कुंतल मंडल, संकाय समन्वयक, द्वितीय वर्ष प्रौद्योगिकी स्नातक iii. डॉ अमित कुमार यादव, संकाय समन्वयक, तृतीय वर्ष प्रौद्योगिकी स्नातक iv. डॉ अरबिंद पांडा, संकाय समन्वयक, चतुर्थ वर्ष प्रौद्योगिकी स्नातक 4. डॉ अंजन कुमार रे, सदस्य 5. डॉ अनुलेखा साहा, सदस्य 6. डॉ प्रदीप मोंडल, संकायाध्यक्ष से मनोनीत | अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति |
| 2 | 1. डॉ मलय राय (संयोजक, विभागीय स्नातक समिति) 2. डॉ सौरभ मल्लिक, विभागाध्यक्ष, ईईई 3. डॉ अंजन कुमार रे (संयोजक, डीपीजीसी) 4. डॉ कुंतल मंडल, विभागाध्यक्ष से मनोनीत 5. डॉ प्रसेनजीत दे, विभागाध्यक्ष से मनोनीत | विभागीय स्नातक समिति |
| 3 | 1. डॉ अंजन कुमार रे (संयोजक, डीपीजीसी) 2. डॉ सौरभ मल्लिक, विभागाध्यक्ष, ईईई 3. डॉ मलय राय (संयोजक, डीपूजीसी) 4. डॉ अरबिंद पांडा, विभागाध्यक्ष से मनोनीत 5. डॉ प्रदीप कुमार, विभागाध्यक्ष से मनोनीत 6. डॉ. प्रत्यय कुइला, अध्यक्ष सीनेट से मनोनीत | विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी) |

विभाग की प्रयोगशालाओं के रख-रखाव के लिए कर्मचारियों सहित संकाय सदस्यों को नियुक्त किया जाता है। प्रयोगशाला प्रभारी की सूची नीचे संलग्न है:

| क्रमांक | प्रयोगशाला | संकाय समन्वयक | सहायक |
|---------|--|---------------------------------------|----------------------|
| 1 | इलेक्ट्रिक वर्कशॉप | डॉ सौरभ मल्लिक डॉ अनुलेखा साहा | सुश्री दीपिका छेत्री |
| 2 | इलेक्ट्रिक मेजरमेन्ट्स लेबोरेटरी | डॉ प्रदीप कुमार डॉ अमित कुमार यादव | श्री मनीष कुमार |
| 3 | इलेक्ट्रिक मशीन्स लेबोरेटरी | डॉ मलय राय डॉ अभिषेक राजन | श्री अनिल गुर्जर |
| 4 | पावर सिस्टम लेबोरेटरी | डॉ सौरभ मल्लिक डॉ प्रसेनजीत दे | श्री मनीष कुमार |
| 5 | कंट्रोल सिस्टम लेबोरेटरी | डॉ अंजन कुमार रे डॉ कुंतल मंडल | श्री अनिल गुर्जर |
| 6 | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स लेबोरेटरी | डॉ औरोबिंदा पांडा श्री जोगी पॉल | सुश्री दीपिका छेत्री |

कोविड की इस स्थिति में छात्रों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों को होने वाली समस्याओं को परिषद तक पहुंचाने और उन्हें इस महामारी की स्थिति में प्रेरित करने के लिए विभाग ने एक कोविड सेल खोला है। सदस्य इस प्रकार हैं:

| क्रमांक | संयोजक का नाम | सदस्यों |
|---------|----------------|---|
| 1 | डॉ सौरभ मल्लिक | डॉ अभिषेक राजन : प्रथम वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक डॉ कुंतल मंडल: द्वितीय वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक डॉ अमित कुमार यादव : तृतीय वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक डॉ प्रसेनजीत दे: चतुर्थ वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक डॉ मलय राय : प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर डॉ अंजन कुमार रे : विद्या वाचस्पति डॉ अनुलेखा साहा: छात्राएं |

विभाग में चल रही परियोजनाएं

- डॉ. अंजन कुमार रे ने प्रो अरुण बरन समदार के साथ विश्वेश्वरैया विद्या वाचस्पति परियोजना "इंटेलिजेंट नेटवर्क रोबोटिक सिस्टम" प्राप्त की एवं एक पूर्णकालिक विद्या वाचस्पति शोधार्थी इस परियोजना के तहत विभाग में काम कर रहे हैं।
- डॉ अंजन कुमार रे - डेवलपमेंट ऑफ अ प्रोटोटाइप ऑफ अ काइरप्ड एंड अ हाई डेक्स्टेरिटी रोबोटिक प्लेटफार्म।
- डॉ अरविंद पंडा - डेवलपमेंट ऑफ इंटीग्रेटेड पॉवर कालिटी बेफ्ड फोटोवोल्टाइक डिस्ट्रिब्यूटेड जनरेशन सिस्टम।
- डॉ मलय रॉय - डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ कैस्केड मल्टीलेवल इन्वर्टर फॉर इंडस्ट्री ऐप्लिकेशन्स।

संकाय विकास कार्यक्रमों में भागीदारी

| क्रमांक | संकाय का नाम | संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया | तिथि | आयोजक |
|---------|--------------------|--|---|---|
| 1. | डॉ सौरभ मल्लिक | भविष्य के लिए संस्थानों का निर्माण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | फरवरी 9-11,2021 मार्च 1-5, 2021 | आईआईएम विशाखापत्तनम राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| 2. | डॉ अंजन कुमार रे | व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | फरवरी 8-10,2021 मार्च 1-5, 2021 | आईआईएम राधपुर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| 3. | डॉ औरोबिदा पांडा | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | मार्च 1-5, 2021 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| 4. | डॉ मलय रॉय | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | मार्च 1-5, 2021 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| 5. | डॉ प्रदीप कुमार | ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्याचर ट्रेंड्स इन ग्रीन टेक्नोलॉजी सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीक (एससीटी-2020) | जून 11-20, 2020 जून 22-26, 2020 जुलाई 25-30, 2020 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र और जीईसी बीकानेर मैनिट भोपाल विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर, जम्मू विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर |
| | | अडवांसमेंट्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग: ऐन अकादेमीक एंड इंडस्ट्रियल एप्रोच | अगस्त 3-7, 2020 | विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर |
| | | रीसेंट ट्रेनिंग्स इन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स - रिसर्च स्कॉप एंड चैलेंज | दिसंबर 23-27, 2020 | विद्युत विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक |
| | | एनर्जी ऑडिट फॉर स्मार्ट प्रिड नेटवर्क राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | नवंबर 3- Dec 4 2020 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की |
| | | रोल ऑफ पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इन पावर इंजीनियरिंग | मार्च 1-5, 2021 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| | | एनर्जी ऑडिट फॉर स्मार्ट प्रिड नेटवर्क राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | मार्च 8-12, 2021 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधी नगर |
| 6. | डॉ अमित कुमार यादव | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | मार्च 1-5, 2021 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| 7. | डॉ कुंतल मंडल | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | मार्च 1-5, 2021 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| 8. | डॉ अभिषेक राजन | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 फडीपि रिन्यूएबल एनर्जी आर्गनाइज़ | मार्च 1-5, 2021 3 to 5 अगस्त 2020 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम एनआईएसटी, ब्रह्मपुर |
| 9. | डॉ अनुलेखा साहा | इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम्स, रिन्यूएबल एनर्जी, स्मार्टप्रिड एंड स्विट्चाएर प्रोटेक्शन यूज़इंग एनइपिएलएन सिमुलेशन सॉफ्टवेयर एक दिवसीय वेबिनार | अक्टूबर 20th 2020 | इंडियासॉफ्ट टेक्नोलॉजीज (पी) लिमिटेड, पुणे। |
| 10. | डॉ प्रसेनजीत दे | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 "मॉर्डन ट्रेनिंग्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग" पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम | मार्च 1-5, 2021 जून 23-27, 2020 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम डॉ. बी.सी.रॉय पॉलिटेक्निक, दुर्गापुर डॉ. बी.सी.रॉय पॉलिटेक्निक |
| | | " रीसेंट ट्रेनिंग्स इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग" पर संकाय विकास कार्यक्रम | जुलाई 14 से 18 2020 | ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी |
| 11. | श्री जोजी पॉल | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 | मार्च 1-5, 2021 | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |

विद्या वाचस्पति शोधार्थी

| क्रमांक | विद्यान का नाम | पर्यवेक्षक | अनुसंधान क्षेत्र |
|---------|------------------------|--|--|
| 1. | श्री अरिंदम सिंघा | डॉ अंजन कुमार रे और | Intelligent Networked Robotic Systems |
| 2. | प्रो अरुण बरन समद्वारा | इंटेलिजेंट नेटवर्क रोबोटिक सिस्टम | Dynamics and Stability of Complex Network |
| 3. | श्री अरबिंद घोष | डॉ अंजन कुमार रे और डॉ एमडी नुरुज्जमान | गतिशीलता और जटिल नेटवर्क की स्थिरता |
| 4. | श्री सुधांसु शेखर दास | डॉ औरोबिंदा पांडा | नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों के लिए मल्टीलेवल इन्वर्टर का प्रतिवेदन |
| 5. | श्री अमित कुमार | डॉ प्रदीप कुमार | कस्टम पावर डिवाइसेज का उपयोग करके पावर क्लाइटी इंप्रूवमेंट |
| 6. | श्री देबंजन मुखर्जी | डॉ सौरभ मल्लिक | तथ्यों का उपयोग कर बिजली लाइन हार्मोनिक कमी कैस्केड मल्टीलेवल इन्वर्टर |
| 7. | श्री रजनीकांत साहू | डॉ मलय रॉय | पावर सिस्टम प्रोटोक्लान |
| 8. | श्री रोमियो अठा | डॉ सौरभ मल्लिक | पावर सिस्टम स्थिरता और नियंत्रण |
| 9. | सुश्री श्रावणी पाल | डॉ सौरभ मल्लिक और डॉ अंजन कुमार रे | वितरित पीवी जनरेशन सिस्टम |
| | श्री रोशन प्रधान | डॉ औरोबिंदा पांडा | |

अंतिम वर्ष स्नातक छात्रों की परियोजनाएं

| क्रमांक | परियोजना पर्यवेक्षक का नाम | परियोजना का शीर्षक | परियोजना क्षेत्र | छात्रों का नाम |
|---------|----------------------------|---|------------------------|-------------------------------|
| 1. | डॉ सौरभ मल्लिक | सिंगल फेज टू-स्टेज ग्रिड कनेक्टेड पीवी सिस्टम | नवीकरणीय ऊर्जा | दिव्यांश प्रियदर्शी सनी कुमार |
| 2. | डॉ. मोलय रॉय | वायरलेस चार्जिंग सिस्टम फॉर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | अमित कुमार प्रसाद फरहान हसन |
| | | एक्टिव कॉल बैटरीसिंग यूज़इंग बक -बूस्ट कन्वर्टर (विथ स्टेटफ्लो कंट्रोल) | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | मनु अवचि प्रशांत गौरव |
| | | देवॉप्स फॉर सिस्टम इंटीग्रेशन, डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन ऑफ मॉडर्न ड्राइवर | उद्योग परियोजना इंटर्न | रोहित रंजन |
| 3. | डॉ प्रसेनजीत दे | बूस्ट कन्वर्टर टोपोलॉजी फॉर पीवी सिस्टम विथ परतुरब एंड ऑब्जरव एमपीपीटी एल्गोरिदम | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | सचिन कुमार |
| | | ऑटीमल कण्ट्रोल बेस्ड स्माल सिम्प्ल स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ पावर सिस्टम्स इकॉपरेटिंग फैक्ट्रस एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स | पावर सिस्टम्स | नवीन गुग्लोठ |
| | | लोड फ्रीकेंसी कण्ट्रोल ऑफ एन आइसोलेटेड पावर सिस्टम | पावर सिस्टम्स | उंदिति अखिल कुमार |
| 4. | डॉ प्रदीप कुमार | पावर कॉलिटी इम्प्रूवमेंट बाई डीएसटीएटीकॉम | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | अभिषेक रंजन |
| | | पावर कॉलिटी इम्प्रूवमेंट बाई डीवीआर | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | शिव कुमार |
| | | पावर कॉलिटी स्टडी बाई एक्टिव पावर फ़िल्टर | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | पवन कुमार प्रसाद |
| | | ऑटीमल वर प्लानिंग इन पावर सिस्टम यूज़इंग मेटा-हेयरिस्टिक एल्गोरिदम्स | पावर सिस्टम्स | शंकर कुमार |
| 5. | श्री जोजी पाँल | स्टडी ऑफ मैक्सिम पावर पैइंट ट्रैकिंग टेक्निक्स (एमपीपीटी) इन सोलर फोटोवोल्टाइक ऐरे | नवीकरणीय ऊर्जा | यशराज सिंह अर्पित सिंह |
| | | चार्जिंग ऑफ ली-आयन बैटरी यूज़इंग रीजनेरेटिव ब्रैकिंग | विद्युत वाहन | सुष्मिता पाँल अभिनव सहाय |

| क्रमांक | परियोजना पर्यवेक्षक का नाम | परियोजना का शीर्षक | परियोजना क्षेत्र | छात्रों का नाम |
|---------|----------------------------|--|---------------------|---|
| 6. | डॉ अनुलेखा साहा | रेट ऑफ़ चार्ज ऑफ़ फ्रीकैंसी बेस्ड आइलैंडिंग डिटेक्शन टेक्निक इन माइक्रोप्रिड | पावर सिस्टम्स | प्रदीप गडेली |
| | | वॉल्टेज रिप्पल बेस्ड आइलैंडिंग डिटेक्शन टेक्निक इन माइक्रोप्रिड्स | पावर सिस्टम्स | विशाल कुमार राजाक |
| | | रेट ऑफ़ चेंज ऑफ़ फेज एंगल डेविएशन बेस्ड आइलैंडिंग डिटेक्शन टेक्निक इन माइक्रोप्रिड्स | पावर सिस्टम्स | मुकलेश मीणा |
| 7. | डॉ औरोबिंदा पांडा | जेड-सोर्स इन्वर्टर बेस्ड सिंगल स्टेज पीवीडीजी सिस्टम | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | मुह्दला सत्य कुमार दिलबाग सिंह |
| | | एनहांस्ड पावर क्लालिटी बेस्ड पीवीडीजी सिस्टम यूज़इंग मॉडल प्रेडिक्टिव कंट्रोल | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | साकेत सुमन शिवम कुमार झा |
| 8. | डॉ अंजन कुमार रे | एसओसी डेटमिनेशन यूज़इंग ए कंबाइंड स्टेट स्पेस मॉडल विथ अडाएटिव न्यूरल कम्प्यून्सेटर | नियंत्रण प्रणाली | श्रेय राज अभिषेक कुमार |
| | | विसुअल सीन अंडरस्टैंडिंग यूज़इंग डीप लर्निंग | नियंत्रण प्रणाली | हिमांशु |
| | | पाथ प्लानिंग ऑफ़ मोबाइल रोबोट यूज़इंग अडाएटिव पार्टिकल स्वार्म ऑप्रिमाइजेशन | रोबोटिक | आकाश कुमार |
| 9. | डॉ अमित कुमार यादव | न्यूरल नेटवर्क एस्टिमेशन ऑफ़ माइक्रोप्रिड मैक्सिमम सोलर पावर | नवीकरणीय ऊर्जा | दामिनी सिंह ममता कुमारी |
| | | प्रिलिमिनरी असेसमेंट ऑफ़ रिंड पावर पोटेंशियल ऐट डिफरेंट हाइट्स | नवीकरणीय ऊर्जा | बीटा सैचरण |
| 10. | डॉ अभिषेक राजन | सॉलूशन ऑफ़ इकनोमिक डिस्पैच प्रॉब्लम यूज़इंग मेटा-हेयुरिस्टिक एल्गोरिदम | पावर सिस्टम्स | राहुल कुमार, सूर्य नारायण साहू, राकेश कुमार |
| | | ऑप्टीमल वर प्लानिंग इन पावर सिस्टम यूज़इंग मेटा-हेयुरिस्टिक एल्गोरिदम | पावर सिस्टम्स | उत्तम छेत्री |
| 11. | डॉ कुंतल मंडल | रेवो डेटा मैनेजर: वर्जन अपग्रेड फॉर्म R9.4 तू R11 | उद्योग | सूर्यकांत मानि |
| | | बायोएनर्जी - ए बून तू डी मैनकाइंड | नवीकरणीय ऊर्जा | शुभम तिवारी |
| | | स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ़ रेनेवेबल्स इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रिसिटी प्रिड | नियंत्रण प्रणाली | कातिकिय सरस्वत |
| | | मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ़ हाइड्रो पावर टरबाइन | पावर इलेक्ट्रॉनिक्स | सूरज कुमार गिरि |

अंतिम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों की परियोजना

| क्रमांक | पर्यवेक्षक का नाम | परियोजना का शीर्षक | परियोजना क्षेत्र | छात्र का नाम |
|---------|----------------------------------|---|------------------|--------------|
| 1. | डॉ कुंतल मंडल, डॉ औरोबिंदा पांडा | परफॉर्मेंस इवेल्यूएशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स यूज़इंग डायनामिक मॉडल | विद्युत वाहन | आयुष चौहान |

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

“

किसी वस्तु का निर्माण करना (उत्पादन), बहुत से छोटे छोटे हिस्सों (भागों) को एक साथ स्वयंने से कहीं अधिक होता है। यह विचारों, परीक्षण एवं बेहतर इंजीनियरिंग के साथ उस वस्तु के निर्माण को अंतिम रूप देने से आता है।

जेम्स डायसन

यांत्रिक अभियांत्रिकी अणुओं और एवं उनके समग्र विकास से संबंधित है। हमारे भविष्य के लिए आवश्यक कई नवाचार एवं उनका सृजन यांत्रिक अभियांत्रिकी के विभिन्न घटकों पर निर्भर करता है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग विश्व स्तरीय शिक्षा और अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है जिससे योग्य, नवप्रवर्तनशील, उधमी एवं सफल अभियन्ता (इंजीनियर) बनाये जा सके जो लगातार बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं (मांगों) और सामाजिक जरूरतों को पूरा करें। विभाग का उद्देश्य नवोन्मेषी (नवीन) अनुसंधानों का निष्पादन (संचालन) करना एवं विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना है जो पेशेवर व्यक्तियों में समाज में प्रभावशाली योगदान देने के लिए आवश्यक तकनीकी, महत्वपूर्ण सोच और संचार कौशल प्रदान करती है।

विभाग की स्थापना वर्ष 2014 में हुई। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने विश्व स्तर पर सक्षम यांत्रिक इंजीनियरों का प्रस्तुत किया है जो नवाचार और बहु-विषयक क्षेत्रों में काम करके समाज को योगदान देने में सक्षम हैं। विभाग का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक और व्यावहारिक अनुभवों का सही ज्ञान प्रदान करना है जो उन्हें हमारे समाज की सेवा करने और इंसानों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है।

विभाग के प्राथमिक लक्ष्य इस प्रकार हैं:

- समाज की बदलती जरूरतों को प्रतिबिंబित करने वाले उत्कृष्ट शिक्षण, अभिनव पाठ्यक्रम और अनुसंधान प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा के उच्च स्तर को बनाए रखना।
- यांत्रिक अभियांत्रिकी के प्रति छात्रों में उत्साह एवं रुचि बढ़ाना एवं उन्हें यांत्रिक अभियांत्रिकी के प्रति आकर्षित करना।

- अनुसंधान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में उत्कृष्टता प्राप्त करना।
- विभाग में संकाय सदस्यों की भर्ती और उन्हें बनाए रखना।
- विभागीय गतिविधियों और यांत्रिक अभियांत्रिकी के बारे में लोगों को अवगत करना एवं जागरूकता बढ़ाना।
- आधुनिकतम-नवीनतम ज्ञान एवं अनुसंधान प्रदान करने के साथ-साथ सर्वोत्तम तकनीक/पद्धति/प्रणाली को लेकर परामर्श करने एवं उन्हें साझा करने के लिए अवसर प्रदान करना।
- आधुनिक यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र/ तकनीक जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, कम्प्यूटर ऐडेड डिज़ाइन (कैड), कम्प्यूटर ऐडेड मैन्युफैक्चरिंग (सीएएम), उत्पाद जीवन चक्र प्रबंधन का विनिर्माण संयंत्रों, औद्योगिक उपकरणों एवं मशीनरी के डिज़ाइन एवं उनके विश्लेषण करने के लिए आधुनिक ज्ञान/पद्धति/तकनीक से अवगत करवाना।
- हीटिंग और कूलिंग सिस्टम, परिवहन प्रणाली, विमान, रोबोटिक्स, चिकित्सा उपकरण, हथियार आदि के आधुनिक तकनीक/पद्धति का अध्ययन करना।
- विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ बहु-विषयक एवं साझा अनुसंधान कार्य करना।

प्रस्तावित कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- त्रिक अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक
- यांत्रिक अभियांत्रिकी में विद्या वाचस्पति

छात्रों की संख्या (प्रौद्योगिकी स्नातक.)

| | स्वीकृत प्रवेश | छात्रों की संख्या (2020-21) |
|--------------|----------------|-----------------------------|
| प्रथम वर्ष | 30 | 30 |
| द्वितीय वर्ष | 30 | 20 |
| तीसरा वर्ष | 30 | 27 |
| चौथा वर्ष | 30 | 30 |

संकाय विवरण

विभाग के सभी संकाय सदस्य अपने कार्य के प्रति पूरी ईमानदारी से समर्पित रहने के साथ-साथ छात्रों की रचनात्मकता एवं नवोन्मेष को महत्व देते हैं। संकाय सदस्य इन मूल्यों को प्रत्येक स्थिति में सही निर्णय लेने के लिए विभाग के अभिन्न हिस्से के रूप में अपने साथ बनाये रखते हैं।

- डॉ. शंभूनाथ बर्मन**
सहायक आचार्य और विभागाध्यक्ष
विद्या वाचस्पति (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2014), एमई (बीईएसयू शिबपुर, 2008)
अनुसन्धान क्षेत्र: एक्सपरिमेटल एंड न्यूमेरिकल हीट ट्रांसफर एंड सीएफडी

- डॉ. रंजन बसाक**
सहायक आचार्य
विद्या वाचस्पति (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2012), एम.एम.ई. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2000)
अनुसन्धान क्षेत्र: फ्लूइड मैकेनिक्स एंड मशीन डिज़ाइन

अस्थायी संकाय

डॉ. देबजीत साहा

श्री सुशांत कुमार प्रधान

श्री प्रतीक कुमार शां

श्री मनोहर कुमार

डॉ. प्रदीप मंडल

डॉ. विभूति भूषण नायक

डॉ. कीर्ति तिवारी

डॉ. शिरेतु सोम

डॉ. दिपायन दास

श्री अयन प्रमाणिक

स्टाफ विवरण

श्री अमित मैती

प्रयोगशाला तकनीशियन

आईटीआई, डिप्लोमा (यांत्रिक)

तकनीकी संघ/सोसाइटी की सदस्यता

- श्री सुशांत कुमार प्रधान: आईएसटीई के सदस्य
- डॉ. प्रदीप मंडल: आईएएसएसई के सदस्य

प्रयोगशाला सुविधाएं

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग अपनी स्थापना के बाद से अध्ययन को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक आधुनिक और अत्याधुनिक

प्रयोगशालाओं की स्थापना पर जोर दे रहा है। विभाग में अब तक निम्नलिखित प्रयोगशाला सुविधाएं उपलब्ध हैं:

- यांत्रिक कार्यशाला
- फ्लूइड मैकेनिक्स एंड मशीनरी प्रयोगशाला
- एलिमेंट्स ऑफ सॉलिड मैकेनिक्स प्रयोगशाला
- प्रोडक्शन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला - प्रथम
- प्रोडक्शन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला - द्वितीय

- कंप्यूटर ग्राफिक्स प्रयोगशाला
- कैड/कैम प्रयोगशाला
- मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला
- मैट्रोलोजी एंड इंस्ट्रुमेटेशन प्रयोगशाला
- हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला
- आईसी इंजन प्रयोगशाला
- रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग प्रयोगशाला
- एनर्जी कन्वर्शन प्रयोगशाला
- किनेमैटिक्स एंड डायनामिक्स ऑफ़ मशीनरी प्रयोगशाला

- मेटल कटिंग प्रयोगशाला
- वाइब्रेशन एंड रोटर डायनामिक्स प्रयोगशाला

1. यांत्रिक कार्यशाला

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर मशीनरी के उपयोग के लिए श्रम कौशल, सटीकता एवं सुरक्षा, टीम वर्क एवं सही दृष्टिकोण विकसित करना है। यह पाठ्यक्रम मापन दक्षता को भी बढ़ाता है साथ ही आधारभूत इंजीनियरिंग तकनीकों एवं उपकरणों जो की आमतौर पर कार्यशाला अभ्यास के दौरान उपयोग में लिए जाते हैं को भी बेहतर बनाता है।



यांत्रिक कार्यशाला का सचित्र दृश्य

2. फ्लूइड मैकेनिक्स एंड मशीनरी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य फ्लूइड मैकेनिक्स एवं हाइड्रोलिक मशीनों के मूल सिद्धांतों के बारे में ज्ञान एवं समझ को सुदृढ़ करना और बढ़ाना है। इस प्रयोगशाला में बेसिक फ्लूइड मैकेनिक्स के अनुप्रयोगों एवं सिद्धांतों को सहजता से समझने के अनुरूप प्रयोगों को डिज़ाइन किया गया है। इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य फ्लूइड मैकेनिक्स एवं इससे सम्बंधित अनुप्रयोगों की मानक तकनीकों पर विचार विमर्श करना एवं उनका अभ्यास करना है। इसमें अलग-अलग संचालन बिंदुओं (ऑपरेटिंग पॉइंट्स) पर विभिन्न उपकरणों का व्यवहार एवं प्रदर्शन का अध्ययन भी

शामिल है। इस प्रयोगशाला में अभ्यास पूरा करने के बाद छात्र फ्लूइड मशीनरी के सिद्धांत एवं उसकी संकल्पना को समझने में समर्थ होंगे जैसे विभिन्न प्रकार के टर्बाइन एवं पंप और हाइड्रोलिक मशीनों पर लागू विभिन्न नॉन-डायमेंशनल पैरामीटर्स। छात्र बनौली के प्रमेय को सत्यापित करने एवं वेंचुरी-मीटर, ऑरिफिस मीटर, नोजल, पिटोट ट्यूब आदि को कैलिब्रेट करने में सक्षम होंगे। छात्र इस प्रयोगशाला कक्षा के पर्याप्त होने तक लेमिनार, तुर्बुलेंट फ्लोस का विवरण करने एवं फ्लोटिंग बैंडी की स्थिरता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

कुछ उपकरणों के चित्रमय दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:



बनौली का सिद्धांत प्रदर्शक



टर्बाइन (पेल्टन और फ्रांसिस) टेस्ट-रिंग



3. एलिमेंट्स ऑफ सॉलिड मैकेनिक्स प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को धातुओं के विभिन्न यांत्रिक गुणों के मूल्यांकन के बारे में पढ़ाना है जैसे ए) आनुपातिकता की सीमा (लिमिट ऑफ प्रोपोरशनलिटी) बी) लोचदार सीमा (इलास्टिक लिमिट) सी) उपज ताकत (पील्ड स्ट्रेंथ) डी) मौलिक बल (अल्टीमेट स्ट्रेंथ) ई) धंग

मॉडल ऑफ इलास्टिसिटी एफ) प्रतिशत बढ़ाव जी) प्रतिशत में कमी इत्यादि। इसके अलावा टोरसन परीक्षण, कठोरता परीक्षण (हार्डनेस टेस्ट), आईजोड एवं चर्पी परीक्षण, संपीड़न शक्ति (कम्प्रेसिव स्ट्रेंथ) का परीक्षण भी इस प्रयोगशाला के तहत किए जाते हैं।

कुछ उपकरणों के चित्रमय दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:



यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन



कठोरता परीक्षण मशीन



टोरसन परीक्षण मशीन



स्प्रिंग टेस्टिंग मशीन

4. कंप्यूटर ग्राफिक्स प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को ऑटोकैड की मूल बातें, 2डी मॉडलिंग और विभिन्न यांत्रिक भागों के आइसोमेट्रिक ड्राइंग के बारे में पढ़ाना है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के यांत्रिक घटकों के 3 डी मॉडलिंग किए जाते हैं।



कंप्यूटर ग्राफिक्स प्रयोगशाला

5. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला - प्रथम

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मशीन टूल्स जैसे लेथ, शेपर, प्लानर, स्लॉटर, मिलिंग, हॉबिंग और ग्राइंडिंग की कार्यप्रणाली को समझना और वांछित घटक के निर्माण के लिए उपयुक्त उत्पादन प्रक्रिया के चयन से परिचित कराना है। यह कोर्स एनसी और सीएनसी मशीन टूल प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर एडेड पार्ट प्रोग्रामिंग की मूल अवधारणाओं को भी वर्णित करता है। कुछ उपकरणों के चित्रमय दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:



प्रिसिशन कन्वेंशनल लेथ



शेपिंग मशीन



सीएनसी लेथ

6. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला - द्वितीय

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न फीड एवं गति के अन्तर्गत मशीनिंग प्रक्रियाओं में कटिंग फोर्स, औसत कटिंग तापमान को समझना है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से विभिन्न मशीनिंग प्रक्रियाओं के दौरान चिप निर्माण तंत्र एवं सम्बंधित तत्त्व (प्रकार, रंग एवं मोटाई) को समझने एवं चिप रिडक्शन कोएफिशिएंट/कटिंग अनुपात एवं कतरनी कोण पर गति एवं फीड की भिन्नता की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए डिजाइन किया गया है।

कुछ उपकरणों के वित्रमय दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:



वर्टिकल मशीनिंग ग्राइंडिंग



हॉरिजॉन्टल सर्फेस ग्राइंडिंग मशीन



टीआईजी वेल्डिंग सेट-अप



मिग वेल्डिंग सेट-अप

7. सीएडी/सीएएम प्रयोगशाला

संस्थान की सीएडी/सीएएम प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के डिजाइन सॉफ्टवेयर पेश करती है जो विभिन्न प्रकार के मशीन अवयवों के डिजाइन के लिए बहुत उपयोगी हैं। इस प्रयोगशाला में सीएडी की मूल अवधारणाएं के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस प्रयोगशाला में, छात्र सीएडी सॉफ्टवेयर (सॉलिड वर्क्स) पर बुनियादी बूलियन ऑपरेशनों का उपयोग करते हुए 2डी मॉडल और 3डी मॉडल विकसित कर सकते हैं, विभिन्न 3डी मॉडल: शेल, स्वीप, रिवॉल्वर, लॉफ्ट, एक्सटूड, फिलेटिंग, चम्फर, स्लिन आदि। सीएनसी लेट एवं एनसी मिलिंग के लिए मैनुअल पार्ट प्रोग्रामिंग का अध्ययन इस प्रयोगशाला के प्रमुख उद्देश्य है।



सीएडी/सीएएम प्रयोगशाला का सचित्र दृश्य

8. मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को मशीन ड्राइंग के तत्व, इंजीनियरिंग मैटेरियल्स की भूमिका (वर्णन), सतह खत्म, सहनशीलता, अनुभागीय दृष्टिकोण, पैच धागे के बारे में सिखाना है। छात्रों को बोल्ट और नट्स, लॉकिंग डिवाइस, की एवं कॉर्टर जॉइंट्स, नक्कल जॉइंट, रिवेटेड जॉइंट्स, शाफ्ट कपलिंग, बेयरिंग और पाइप जॉइंट के कंपोनेंट ड्रॉइंग भी सिखाई जाती हैं। इसके अलावा, इस प्रयोगशाला में छात्रों द्वारा असेंबली ड्रॉइंग एवं स्टफिंग बॉक्स, पेडस्टल बेयरिंग का कंपोनेंट ड्रॉइंग के साथ अभ्यास किया जाता है।



मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला का सचित्र दृश्य

9. मेट्रोलॉजी एंड इंस्ट्रमेंटेशन प्रयोगशाला

यांत्रिक माप एवं माप विज्ञान प्रयोगशाला का उद्देश्य यांत्रिक माप व माप विज्ञान में सिखाई गई सैद्धांतिक तथ्यों/पद्धतियों को प्रदर्शित करना और विभिन्न माप औजारों को विभिन्न मापन डिवाइस के साथ जांचना एवं उनका उपयोग करना है। छात्रों को थ्रेड प्रोफाइल मापन, ऑटोकॉलिमेटर, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, सतह खुरदरापन परीक्षक, थर्मल इमेजिंग डिवाइस का उपयोग सिखाया जाता है। कुछ उपकरणों के चित्रमय दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:



ऑप्टिकल बेवल प्रोट्रैक्टर



पोर्टेबल सतह खुरदरापन परीक्षक



साइन बार



स्लिप गेज



वर्नियर हाइट गेज



थर्मल इमेजिंग कैमरा

10. हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला

इस विशेष क्षेत्र में छात्रों के ज्ञान को मजबूत करने के लिए संस्थान की हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला के उपकरण संस्थान के टीईक्यूआईपी-III के तत्वावधान में खरीदे गए हैं। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को प्रवाहकीय, संवहनी और विकिरण गर्मी हस्तांतरण पर समुचित ज्ञान उपलब्ध करवाना है। ताप विनियोगको, विभिन्न तापमान माप मॉड्यूल आदि बारे में जानकारी उपलब्ध करवाना भी इस प्रयोगशाला का व्यापक उद्देश्य है। कुछ उपकरणों के चित्रमय दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:



कथनांक और संघनन उपकरण



कैलिब्रेशन ऑफ थर्मो कपल एपरेटस



रेडिएशन शील्ड अरेंजमेंट के साथ रेडिएशन एपरेटस

11. आईसी इंजन प्रयोगशाला

आंतरिक दहन इंजन प्रयोगशाला में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए कई उपकरण हैं जिन्हे संस्थान के टीईक्यूआईपी-III की वित्तीय सहायता से खरीदा गया है। इस प्रयोगशाला में छात्रों को वीटीडी प्लॉटिंग के साथ विभिन्न इंजनों के कट-सेक्शन मॉडल के बारे में सिखाया जाता है। इस प्रयोगशाला में सिंगल सिलेंडर डीजल, पेट्रोल इंजन, मल्टी-सिलेंडर इंजन पर परफॉर्मेंस मेज़रमेंट परीक्षण भी किया जाता है।

इन उपर्युक्त परीक्षण सुविधाओं के साथ, अनुसंधान गतिविधियों को करने के लिए ओपन ईसीयू के साथ एक बहु ईंधन वीसीआर इंजन है। विभिन्न वैकल्पिक ईंधन का उपयोग कर उपलब्ध उपकरणों के साथ दहन परीक्षण संचालन किया जा सकता है। यह प्रयोगशाला, इंजन से उत्सर्जन की जांच करने के लिए मल्टी-गैस एनालाइज़ेर से भी सुसज्जित है।

कुछ उपकरणों के चित्रमय वृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:



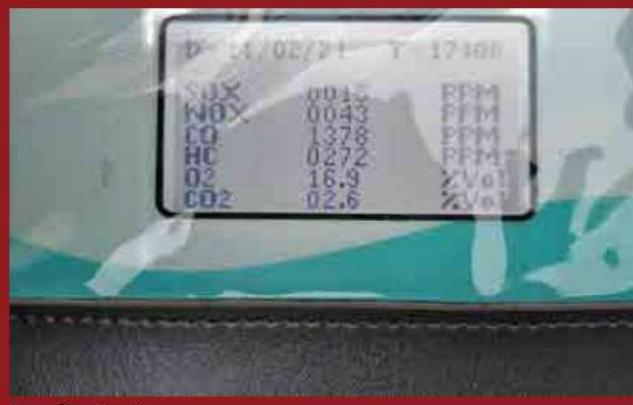
बम कैलोरीमीटर



इंजन और बॉयलर के कट सेक्शन मॉडल



इंजन



बह-गैस विश्लेषक

12. रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग प्रयोगशाला

इस विषय पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रशीतन और वातानुकूलन प्रयोगशाला में कई उपकरण शामिल हैं। हाल ही में इस प्रयोगशाला में प्रशीतन प्रयोगों से संबंधित उपकरण हैं और उन्हें संस्थान के टीईक्यूआईपी-III की वित्तीय सहायता से खरीदा गया है। विभिन्न प्रकार के कम्प्रेसर के कट-सेक्शन मॉडल, घरेलू रेफ्रिजरेटर छात्रों को विभिन्न घटकों के साथ-साथ उनके



वीसीआर परीक्षण रिग (घरेलू रेफ्रिजरेटर) -मैनुअल मोड



वीएआर परीक्षण रिग

काम करने के बारे में विचार प्रदान करने के लिए दिखाए जाते हैं। घरेलू प्रकार के रेफ्रिजरेटर, छोटे बर्फ संयंत्र (कम्प्यूटरीकृत), वीएआर प्रणाली के सीओपी का निर्धारण छात्रों को सिखाया जाता है। इस प्रयोगशाला में रेफ्रिजरेट लीक डिटेक्शन पर प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा, प्रयोगशाला एसी टेस्टिंग, थर्मो-इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर, विभिन्न प्रकार के कम्प्रेसर के मॉडल आदि से सुसज्जित है। कुछ उपकरणों के दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:



एसी टेस्ट-रिग

13. एनर्जी कन्वर्शन (ऊर्जा रूपांतरण) प्रयोगशाला

संस्थान की ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार की आधारभूत ऊर्जा रूपांतरण प्रक्रियाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए कई अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला में छात्रों को विभिन्न प्रकार के बॉयलरों के कट-सेक्शन मॉडल प्रस्तुत किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला में ब्लोअर टेस्ट रिग पर भी प्रयोग किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला के अंतर्गत अतिशीघ्र अन्य उपकरण खरीद जाने वाले हैं। कुछ उपकरणों के चित्रमय दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:



स्टर्लिंग बॉयलर का कट-सेक्शन
मॉडल



लंकाशायर बॉयलर का कट-सेक्शन
मॉडल



4-एस 4-सी पेट्रोल इंजन (काम कर रहे) के सेट-अप को असेंबल करना और हटाना



डेटा लॉगिंग सुविधा के साथ सेंट्रीफ्यूगल ब्लॉअर

14. किनेमैटिक्स एंड डायनामिक्स ऑफ मशीनरी प्रयोगशाला

किनेमैटिक्स एंड डायनामिक्स ऑफ मशीनरी प्रयोगशाला का उद्देश्य मशीन में निर्दिष्ट प्रकार की गति के लिए तंत्र के डिजाइन और विश्लेषण पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। ट्रांसमिशन सिस्टम के लिए कठोर निकायों की गति और बलों के अध्ययन के साथ, मशीन कीनेमेटिक्स और डायनेमिक्स को अच्छी तरह से समझा जा सकता है। मशीन की डायनेमिक्स को समझने के लिए गवर्नर, जायरोस्कोप, एपिसाइक्लिक गियर ट्रेन के साथ विभिन्न प्रयोग उपलब्ध हैं। यह प्रयोगशाला एक मशीन घटक के स्थिर और गतिशील संतुलन पर व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करती है। कुछ उपकरणों के चित्रमय दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:



स्थिर और गतिशील संतुलन मशीन



शाफ्ट उपकरण का चक्कर



जाइरोस्कोप उपकरण



एपिसाइक्लिक गियर ट्रेन उपकरण

15. मेटल कटिंग लेबोरेटरी

यह पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग विश्लेषण के सिद्धांतों और विधियों, मर्चेंट के मशीनिंग के सिद्धांतों का उपयोग करके मशीनिंग प्रक्रियाओं में विशेष ज्ञान और कौशल प्रदान करता है। इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य यह बताना है कि कैसे किसी उपकरण के निर्माण में नियंत्रित तरीके से सामग्री को हटाकर उपयोग किया जाता है। सहायक उपकरणों के साथ-साथ वांछित सटीकता और गुणवत्ता के लिए मशीनिंग तकनीकों को भी शामिल किया गया है। पूरे प्रयोगशाला पाठ्यक्रम में मशीन के निर्माण के विवरण, मशीनों के संचालन, सामान्य तकनीकों के विवरण के बजाय प्रक्रिया के आधारभूत/मूल अवयवों/घटकों को समझने पर जोर दिया जाएगा।



रेडियल ड्रिल मशीन



यूनिवर्सल मिलिंग मशीन

16. वाइब्रेशन एंड रोटर डायनामिक प्रयोगशाला

वाइब्रेशन एंड रोटर डायनामिक प्रयोगशाला का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के यांत्रिक अवयवों/घटकों के लिए स्वतंत्र एवं प्रणोदित वाइब्रेशन के विश्लेषण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। यह प्रयोगशाला प्रणोदित वाइब्रेशन (कंपन) पर प्रतिध्वनि एवं अवशोषक प्रभावों, तार की लंबाई के आधार पर दोलन अवधि का निर्धारण करने जैसे प्रयोगों

का प्रदर्शन करती है। यह प्रयोगशाला मुक्त एवं अवरुद्ध टोरसोनियल कंपन पर व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करती है। मशीन की गतिशीलता को समझने के लिए गवर्नर, इलास्टिक शाफ्ट, कैम मैकेनिज्म के साथ विभिन्न प्रयोग उपलब्ध हैं। कुछ उपकरणों के चित्रमय व्यश्य नीचे दर्शाए गए हैं:



फ्री एंड फोर्स्ड कंपन उपकरण (टीईएम 155)



यूनिवर्सल वाइब्रेशन सिस्टम (टीईएम 150)



कैम(सीएम) तंत्र

एचपीसी और सॉफ्टवेयर

- अंडरग्रेजुएट परियोजना कार्य एचपीसी प्लेटफॉर्म के साथ-साथ संस्थागत एनएसवाईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए जा रहे हैं।
- पीएचडी छात्र और विभाग के संकाय सदस्य अपने शोध कार्यों के संचालन के लिए एचपीसी सुविधा के साथ-साथ एनएसवाईएस और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का लाभ उठा रहे हैं।
- विभाग द्वारा विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए ऑनलाइन एकीकृत शिक्षण/कार्यक्रम उपकरण का भी उपयोग किया जा रहा है, जैसे-प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, बुनियादी कार्यशाला, माप विज्ञान और मापन को महामारी के दौर में छात्रों को अधिक प्रभावी तरीके से पढ़ाने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

Course Title: Operations Research
Course Code: ME37117
Pre-requisite: Industrial Engineering
Course Content:
Module I (14 Hours)
An overview of operations research modeling approaches. Basic linear algebra - matrices and system of linear equations - linear dependence and linear independence. Mathematical formulation of linear programming problems. Graphical solution. Simplex algorithm. The simplex algorithm. Artificial starting solution - M-method - non-unique optimal. Alternative optimal solution. Unboundedness. Degeneracy. Duality and sensitivity analysis and its concepts. Dual linear programming. Application of sensitivity analysis.

Module II (14 Hours)
Assignment models. Minimization, maximization, methods of solution. Transportation problems. Methods of obtaining optimal solutions. Techniques in transportation problems. Trans-shipment problems. Traveling Salesman Problem. Shortest route problem. with mixed integer - fractional integer problems. Integer LP and Branch-and-bound.

Module III (16 Hours)
Network analysis. Heuristic approach to Scheduling. Job sequencing. Flow shop scheduling. Job shop scheduling. CPM and PERT. Critical path method. Network planning and control. Project management.

कार्यक्रम के दौरान लिया गया स्पैन

- अंतिम वर्ष (आठवें सेमेस्टर) के वैकल्पिक विषयों के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के संबंध में विभाग ने क्रमशः 6 फरवरी 2021 और 10 फरवरी 2021 को एक और पाठ्यचर्या विकास कार्यक्रम आयोजित किया। आचार्य अविंत्य मुखोपाध्याय, जादवौर विश्वविद्यालय, आचार्य राजीव कुमार गर्ग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर, आचार्य शंखा देब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर एवं आचार्य हिमांशु चौधरी, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

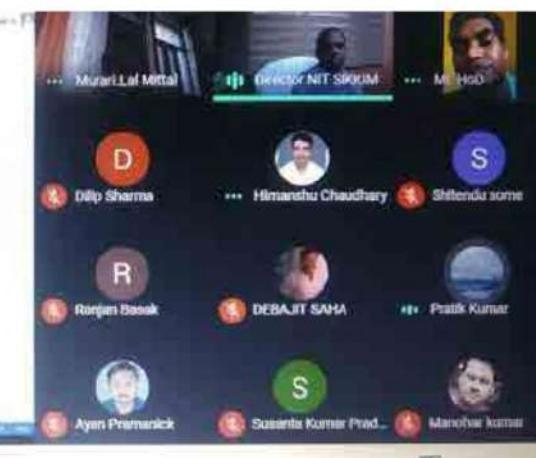


कार्यक्रम की झलकियाँ

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 22-26 फरवरी 2021 के दौरान थर्मो-फ्लुइड्स (आरटीटीएफ 21) में हालिया रुझानों पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन के दौरान देश भर से सक्रिय भागीदारी की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। कार्यशाला ऑनलाइन मोड (जी-मीट) के माध्यम से और संस्थान के टीईक्यूआईपी-III के वित्तीय समर्थन के तहत आयोजित किया गया। ऑनलाइन कार्यशाला का उद्देश्य थर्मो-फ्लुइड्स के क्षेत्रों में नवीन विचारों और अनुसंधान कार्यों के आदान-प्रदान के साथ-साथ उनकी आगामी उन्नति के लिए एक प्रभावी मंच बनाना है। शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र के प्रख्यात वक्ताओं ने कार्यशाला के विषयगत क्षेत्रों पर अपने व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के निदेशक आचार्य रजत गुप्ता एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के निदेशक आचार्य महेश चंद्र गोविल की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। कार्यशाला में वक्ताओं के नाम और विषय निम्नानुसार सूचीबद्ध हैं:

आयोजित सम्मेलन/विशेष व्याख्यान/सेमिनार/कार्यशाला

- वैकल्पिक विषयों के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के साथ-साथ अंतिम वर्ष (सातवें सेमेस्टर) पाठ्यक्रम के प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों को 5 अगस्त 2020 को अंतिम रूप देने के संबंध में विभाग द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था। आचार्य महेश चंद्र गोविल, निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, आचार्य दिलीप शर्मा, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, आचार्य हिमांशु चौधरी, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, आचार्य मुरारी लाल मित्तल, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया था।



| क्रमांक | वक्ता का नाम | बातचीत का विषय |
|---------|---|--|
| 1 | प्रो. सुमन चक्रवर्ती आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर | माइक्रोफ्लूइडिक्स फॉर मेडिकल डायग्नोस्टिक्स |
| 2 | प्रो. रजत गुप्ता निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मिजोरम | वर्टिकल एक्सिस विंड टर्बाइन में हालिया प्रगति- एक समीक्षा |
| 3 | प्रो. शैलेंद्र ढी शर्मा आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे | वोर्टेक्स जनरेटर: पैसिव फ्लो कॉट्रोल डिवाइस विथ एक्टिव रोल |
| 4 | डॉ. सिरशेंदु मंडल सहायक आचार्य, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर | डेस्क्रिबिंग एंड कंट्रोलिंग थर्मो- एकॉस्टिक इंस्टाबिलिटी थ्रू सिंक्रोनाइजेशन थोरी |
| 5 | डॉ. पल्लव सिन्हा महापात्र सहायक आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास | वेत्ताबिलिटी इंजीनियरिंग एंड इट्स एप्लीकेशन इन थर्मो-फ्लुइड्स |
| 6 | डॉ. सौम्यदीप सेत्त सहायक आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर | ड्रापवाइज कंडेंसेशन ऑफ लो सर्फेस टेंशन फ्लुइड्स ऑन नैनो स्ट्रक्चर्ड लिकिड इन्फुसड सर्फेस |
| 7 | प्रो. अमरेश दलाल आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी | डेवलपमेंट ऑफ ए जनरल पर्पस सीएफडी सॉल्वर फॉर मल्टीफिजिक्स एप्लिकेशन्स |
| 8 | प्रो. सप्तर्षि बसु आचार्य, आईआईएससी बैंगलोर | फ्लूइड मैकेनिक्स एत मल्टीप्ल स्पशेट्स्पोरल स्केल्स |
| 9 | प्रो. बिजन कुमार मंडल आचार्य, आईआईएसटी शिबपुर | सिमुलेशन ऑफ रेक्टिंग फ्लोस |
| 10 | प्रो. स्वर्णेंदु सेन आचार्य, जादवपुर विश्वविद्यालय | अर्ली प्रेडिक्शन ऑफ इंस्टैब्लिटीज इन ए नेचुरल सर्कुलेशन लूप |
| 11 | डॉ. सौविक चटर्जी शिक्षा तकनीकी इंजीलवादी, मैथवर्क्स | फिजिकल मॉडलिंग ऑफ थर्मो-फ्लुइडिक सिस्टम्स फॉर एन्ड -टू-एन्ड एप्लिकेशन्स |

कार्यशाला की झलकियाँ नीचे दर्शाई गई हैं:



- टीईव्यूआईपी-III, भारत सरकार के प्रायोजन के तहत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा "डिजाइन और निर्माण में समकालीन मुद्दे (सीआईडीएम 21)" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन 15-19 मार्च, 2021 के दौरान किया गया। प्रस्तावित ऑनलाइन कार्यशाला का उद्देश्य डिजाइन और विनिर्माण के साथ-साथ उनकी आगामी प्रगति के क्षेत्रों में नवीन विचारों और अनुसंधान कार्यों के आदान-प्रदान के लिए एक प्रभावी मंच बनाना था। कार्यशाला के

इस उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला, माननीय निदेशक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के माननीय निदेशक प्रो. महेश चंद्र गोविल की उपस्थिति ने इस अवसर को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। इस कार्यक्रम में देश भर से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए भाग लिया। कार्यशाला में वक्ताओं के नाम और विषय निम्नानुसार सूचीबद्ध हैं:

| क्रमांक | वक्ता का नाम | बातचीत का विषय |
|---------|--|--|
| 1 | प्रो. सतीश सी. शर्मा आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की | रोल ऑफ बियमरेटिक्सिन तरीबोलोजिकल डिजाइन ऑफ मशीन एलिमेंट्स |
| 2 | डॉ अरिजीत भट्टाचार्य एसोसिएट आचार्य, नॉर्विच बिजनेस स्कूल | सर्कुलर इकॉनमी इन मैन्युफैक्चरिंग सलाई चेन्स एंड प्रोडक्ट डिजाइन |
| 3 | प्रो. हिमांशु चौधरी आचार्य, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर | ऑप्टीमल डायनामिक बैलेंसिंग ऑफ मल्टीबॉडी सिस्टम्स |
| 4 | प्रो. सूर्यकांत पाल आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर | एआई इन मैन्युफैक्चरिंग |

| क्रमांक | वक्ता का नाम | बातचीत का विषय |
|---------|--|--|
| 5 | प्रो. मोहम्मद फारूक वानी आचार्य, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर | लाइफ साइकिल मॉडलिंग एंड इवेल्यूएशन एत कॉन्सेप्चुअल डिज़ाइन स्टेज (सीडीएस) |
| 6 | प्रो. शांतनु दास आचार्य, कल्याणी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज | फॅडमेंटल्स एंड प्यू एडवांसेज ऑफ आर्क वेल्डिंग |
| 7 | प्रो. राजीव कुमार गर्ग आचार्य, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर | लीन मैन्युफैक्चरिंग: नीड, कॉन्सेप्ट एंड टेक्निक्स |
| 8 | प्रो. देवासिंह दत्ता आचार्य, आईआईएसटी शिबपुर | एफईएम एज ए जनरल सॉल्वर ऑफ फील्ड प्रोब्लमस |
| 9 | डॉ प्रशांत कुमार महतो एसोसिएट आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम), धनबाद | एरोइलस्टिक एनालिसिस ऑफ कम्पोजिट एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर |
| 10 | प्रो. गौतम सूत्रधर निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मणिपुर | आई. टी इनेबल्ड मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी: पर्सेपेक्टिव इंडस्ट्री 4.0 |
| 11 | डॉ. जॉय प्रकाश मिश्रा सहायक आचार्य, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बीएचयू | इवेल्यूएशन ऑफ मशीनिंग प्रोसेस |
| 12 | प्रो अमिताभ राय प्राचार्य, जलपाइगुड़ी शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज | एप्लीकेशन ऑफ थोरी ऑफ कंस्ट्रैंट्स इन दी मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस |

कार्यशाला की इलेक्ट्रिकीय नीचे दी गई हैं:



- विभाग ने वैद्युत एवं कनिका अभियांत्रिकी एवं संगणक अभियांत्रिकी विभाग के साथ संस्थान के टीईक्यूआईपी-III की वित्तीय सहायता से दिनांक 15-19 मार्च 2021 के दौरान फ़ज़ी लॉजिक सिस्टम (एफएलएसईए- 21) पर पांच दिवसीय अँनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया था। इस आयोजन में कुल 461 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया और भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की के प्रो. एस. पी. गुप्ता ने किया। विशेषज्ञों, जिन्होंने व्याख्यान दिया, की सूची निम्न प्रकार है:
 - प्रो. एन.पी. पाढ़ी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
 - प्रो. नीलाद्रि चटर्जी, गणित विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
 - आचार्य शिव प्रसाद यादव, गणित विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
- प्रो. स्लेहाशीष चक्रवर्ती, गणित विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रातरकेला
- प्रो. निर्मलबरन हुई, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर
- प्रो राजेश कुमार, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
- डॉ. स्वागतम दास, कणिका एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, आईएसआई कोलकाता
- डॉ. हैदर बांका, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम) धनबाद
- डॉ वी लक्ष्मण गोमती नयागम, गणित विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान विची

कार्यशाला की इलेक्ट्रिकीय नीचे दी गई हैं:

National Institute of Technology Sikkim
Department of Electrical and Electronics Engineering
Fifth Day Workshop
Fuzzy Logic Systems in Engineering Applications
15th to 19th March 2021

Chief Guest
Prof. S. P. Gupta
Director General
College of Engineering Roorkee
Former Deputy Director
Indian Institute of Technology Bombay

TEQIP -3

प्रोफेशनल प्रैक्टिस

विभाग द्वितीय वर्ष से छात्रों के सॉफ्ट स्किल्स को मजबूत करने के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन व्यावसायिक अभ्यास कक्षाएं आयोजित कर रहा है। यह प्लेसमेंट के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों के बेहतर प्रदर्शन के लिए बहुत उपयोगी है।

सामुदायिक विकास में भागीदारी

निकट के स्कूलों के छात्रों ने यांत्रिक अभियांत्रिकी के बारे में जानकारी एवं इसका अनुभव प्राप्त करने के लिए विभाग की सभी प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं का दौरा किया। इसके अलावा, स्थानीय निवासियों से बातचीत करने एवं अभियांत्रिकी के बारे में उनकी समझ को सुदृढ़ करने के लिए संकाय सदस्य नियमित रूप से आस पास के स्थानों/गांवों में जाते रहते हैं।

विभागीय संकाय सदस्यों एवं अन्य कर्मचारियों ने भारत सरकार के "स्वच्छ भारत अभियान" एवं अन्य सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में भाग लिया। पिछले 2020-21 से सामुदायिक विकास कार्यक्रम की झलक नीचे दिखाई गई है:



विभागीय परियोजनाएं (प्रोजेक्ट्स)

- नालिसिस ऑफ एटमोस्फियरिक बांडिंग लेयर यूजिंग एनहांस्ड वाल फंक्शन एंड इम्प्रूवड इनलेट कंडीशन, टीईक्यूआईपी-III, एनपीआईयू द्वारा अनुदान, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार (रु. 2 लाख).
- डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ सोलर -पीवी बेस्ड विंटर एयर कंडीशनिंग सिस्टम फॉर टिपिकल क्लासरूम्स, टीईक्यूआईपी-III, एनपीआईयू द्वारा अनुदान, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार (रु. 2 लाख).

विद्या वाचस्पति विद्वानों का विवरण

| छात्र का नाम | धोसिस शीर्षक/अनुसंधान क्षेत्र | Supervisor (s) | स्थिति |
|------------------------|---------------------------------------|--|--------|
| श्री लक्षण आर | सिमुलेशन ऑफ एटमोस्फियरिक बांडिंग लेयर | डॉ. रंजन बसाक | जारी |
| श्री अन्वेश विरकुंवर | मटेरियल कैरेक्टराइजेशन | डॉ. रंजन बसाक डॉ. शौकिक घोष (जेयू कोलकाता) | जारी |
| श्री प्रसन दीवानी | नॉन -ट्रेडिशनल मशीनिंग (ईडीएम) | डॉ. प्रणब कुमार कुंडू डॉ. रंजन बसाक | जारी |
| श्री सदाम हुसैन मलिक | नेचुरल कन्वेक्शन इन एनक्लोसर | डॉ. प्रणब कुमार कुंडू डॉ. रंजन बसाक डॉ. देबब्रत दासगुप्ता (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली) | जारी |
| श्री आदित्य कुमार सिंह | थर्मो -फ्लूइड | डॉ. शंभुनाथ बर्मन | जारी |

अंतिम वर्ष स्नातक छात्रों का इंटर्नशिप विवरण

| विद्यार्थी का नाम | विवरण |
|-------------------|---|
| मनिता धातल दर्जी | क्रिएटिंग ए "wow" कस्टमर एक्सपीरियंस/ शिंडलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड / सेल्स (मैजूदा स्थापना) |
| के प्रेम स्वरूप | भारतीय रेलवे (एसई रेलवे कार्यशाला, खड़गपुर) - एलएचबी बोगी |
| आदित्य राज | एसआरपी एंड पीसीपी यूज़ इन दा एक्सट्रैक्शन ऑफ कोल बेड मीथेन - ओएनजीसी बोकारो |
| पोलोजू श्रीनाथी | विंटर इंटर्न एट विज़ाग स्टील प्लांट इन दा डिपार्टमेंट ऑफ एमएप्सएम |
| विवेक कुमार | एलएचबी बोगी - साउथ इस्टर्न रेलवे वर्कशॉप खड़गपुर, वेस्ट बंगाल |

| विद्यार्थी का नाम | विवरण |
|---------------------|---|
| सत्यम कुमार | एमटीपीएस में व्यावसायिक प्रशिक्षण |
| नरोत्तम | मॉनिटर एंड इम्प्लीमेंट इन्फ्रारेट रिडक्शन प्लान/स्किंडलर इंडिया/ एक्सिसिंग इंस्टीलेशन |
| मुत्रा कुमार | मीडियम मर्चेंट एंड स्ट्रक्चरल मिल (एमएमएसएम) विभाग में विजाग स्टील प्लांट में इंटर्न। |
| आतिफ खान | मारुति विटारा ब्रॉनी के रूफ रेल स्टड के सरेखण और लंबवतता की जांच के लिए उपकरण का डिजाइन |
| धीरज कुमार सिंह | गो-कार्ट डिजाइनिंग / बाबा ऑटोमोबाइल वर्कशॉप, जयपुर राजस्थान |
| सुदीप प्रसाद राजाकी | वेर्ज़ो से आई सी -इंजन डिज़ाइन |
| सूर्य दया शर्मा | स्काई वाई राइडर, बॉश द्वारा आभासी औद्योगिक प्रशिक्षण |
| ऋत्विक ए जॉर्ज | एलएचबी बोगी - रेलवे कार्यशाला खड़गपुर, पश्चिम बंगाल |
| सुमित कुमार सोमू | डीजल लोकोमोटिव बोगियां- आरडीएसओ में कार्यशाला |
| कुंदन कुमार मंडल | शीतकालीन इंट। रोलिंग मिल में एमएमएसएम की गहराई में भिलाई स्टील प्लांट (सेल) |
| स्वप्निल वर्मा | गो-कार्ट डिजाइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट पर बाबा ऑटोमोबाइल्स में काम किया |
| अयान अली | ईआई बिक्री - शिंडलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड |
| मनीष कुमार | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी में विकृत निगरानी के लिए पीजोइलेक्ट्रिकी प्रेरित विद्युत चुम्बकीय विकिरण |
| अंकित जायसवाल | चेक द स्ट्रैप कैलकुलेशन ऑफ प्राइमरी ट्रैक्शन रॉड यूज़ इन WAG 9 लोको बोगी/आरडीएसओ लखनऊ |
| पुली सृजन | इंटर्नशिप एट विजाग स्टील प्लांट इन डेप्य ऑफ एमएमएसएम इन रोलिंग मिल्स |
| मनीष कुमार | आरडीएसओ में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप |
| राजन कुमार | क्रिएटिंग ए "wow" कस्टमर एक्सपीरियंस/ शिंडलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड / सेल्स (मौजूदा स्थापना) |
| राजन कुमार सिन्हा | मेजिया धर्मत पावर प्लांट में व्यावसायिक प्रशिक्षण |
| समय सिंह मीणा | गो-कार्ट टीम प्रोजेक्ट, बाबा ऑटोमोबाइल में काम किया |
| अभय कुमार | विजाग स्टील प्लाट |
| सत्यम आदर्श चौधरी | मीडियम मर्चेंट एंड स्ट्रक्चरल मिल (एमएमएसएम), विजाग स्टील प्लांट में इंटर्न |
| अरुपतन गुप्ता | ऑनलाइन इंटर्नशिप एट एंटुपल एंड पैनटेक रिगार्डिंग मैटलैब एनसीस |
| तर्दुप लेपचा | वर्चुअल इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग बाय स्काई बाय राइडर, बॉश |
| सोनू कुमार शाह | ऑटोमोटिव डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग/सोहा टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड |

अंतिम वर्ष के छात्रों की परियोजनाएँ

| विद्यार्थी का नाम | परियोजना का शीर्षक |
|---------------------|--|
| सुदीप प्रसाद राजाकी | |
| कुंदन कुमार मंडल | ऑटिमाइजेशन ऑफ कंट्रूक्शन एंड डिप्यूजर वाल प्रोफाइल ऑफ लो स्पीड विड टनल |
| पुली सृजन | |
| अरुपतन गुप्ता | हीट ट्रांसफर एनालिसिस ड्यूरिंग द इंसीनरेशन ऑफ प्लास्टिक्स |
| आदित्य राज | प्रिलिमिनरी डिज़ाइन ऑफ ऐन एक्सियल फ्लो टरबाइन एंड ऐ सेन्ट्रीफ्यूगल कंप्रेसर फॉर ए तुर्बोचार्जर |
| सत्यम कुमार | |
| सूर्य दया शर्मा | सीएफडी मॉडलिंग ऑफ सोलर एपर हीटर्स |
| स्वप्निल वर्मा | कम्प्यूटेशनल एनालिसिस ऑफ हीट ट्रांसफर इन इंजन सिलिंडर्स विद फिन्स |
| तर्दुप लेपचा | कम्प्यूटेशन स्टडी ऑफ टैमेम सोलर सेल्स |
| मनीष कुमार | परफॉर्मेंस एंड कमीशन करैक्टेरिस्टिक्स ऑटिमाइजेशन ऑफ ए वीसीआर इंजन फ्यूल वाया डीजल/ बायोडीजल ब्लैंड्स थ्रू आरएसएम |
| राजन कुमार | |
| मनीष कुमार | एनवीयरो-इकनोमिक एनालिसिस ऑफ नॉन मेटालिक डोमेस्टिक सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम्स |
| पोलोजू श्रीनाथी | |
| अभय कुमार | ऑटिमाइजिंग ऑफ मशीनिंग पैरामीटर्स इन सीएनसी डिलिंग ऑफ इंकोनेल-718 |
| अयान अली | ऑटिमाइजिंग ऑफ मशीन पैरामीटर्स ड्यूरिंग मिलिंग ऑफ टीआई6ए14वी इन वर्टीकल मशीनिंग सेंटर |
| ऋत्विक ए जॉर्ज | |
| के प्रेम स्वरूप | पैरामीटर ऑटिमाइजेशन इन मेटल एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग यूसिंग एमआईजी क्लैडिंग |
| राजन कुमार सिन्हा | मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ पैरामीटर्स यूज़ इन एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग विद क्लैडिंग यूसिंग आर्टिफीसियल न्यूरल नेटवर्क |
| आतिफ खान | ऑटिमाइजेशन ऑफ सीएनसी मिलिंग पैरामीटर्स फॉर कटिंग एआईएसआई डी2 स्टील |

| विद्यार्थी का नाम | परियोजना का शीर्षक |
|-------------------|---|
| नरोत्तम | ऑटिमाइजेशन ऑफ मशीनिंग पैरामीटर्स इन सीएनसी लेत ऑफ एच13 टूल स्टील |
| मुत्रा कुमार | स्टडी ऑफ वेरियस आउटपुट पैरामीटर्स इन सीएनसी टर्निंग फॉर डिफरेंट कॉम्बिनेशंस ऑफ टूल इन्स्टर्ट एंड वर्क पीस मैटेरियल्स |
| समय सिंह मीणा | ऑटिमाइजेशन ऑफ प्रोसेस पैरामीटर्स इन सीएनसी मिलिंग ऑफ ऐ आई 7075 बाय कार्बाइड टूल्स कन्सीडरेशन ऑफ अन्ड्रोपोमेट्रिक्स इन फार्म टूल डिज़ाइन फॉर नार्थ इंडियन फार्मर |
| सुमित कुमार सोमू | वर्क रिलेटेड मुस्कुलोस्केलेटल डिसअॉर्डर अमोंग माइन वर्कर्स |
| धीरज कुमार सिंह | डेवलपमेंट ऑफ ऑफ ए वर्चुअल इंटरफ़ेस फॉर हेल्प असिस्टेंस फॉर डिफरेंटली एबल्ड पीपल |
| सोनू कुमार शाह | ऑटिमाइजेशन ऑफ द पावर सलाई इन स्टन गन |
| विवेक कुमार | डिज़ाइन एंड एनालिसिस ऑफ ट्यून्ड वाइब्रेशन अब्सॉर्बर फॉर कपल्ड सिस्टम |
| मनिता धाटल दार्जी | एनालिसिस एंड डिज़ाइन फेब्रिकेशन ऑफ डायानामिक एंटी रेसोनेन्ट आइसोलेटर्स |
| सत्यम आदर्श चौधरी | स्टीडी स्टेट एनालिसिस ऑफ वाइड टेपर्ड लैंड स्लाइडर बिअरिंग अंडर इलास्टो हाइड्रोडायनामिक लुब्रिकेशन |
| बिनोद लामिचाने | थोरेटिकल एनालिसिस ऑफ द काइनेटिक एनर्जी रिकवरी सिस्टम इन बाइसिकल यूसिंग फीव्हील |

स्नातक छात्रों की उपलब्धियां

- ऋत्विक ए जॉर्ज (वर्तमान अंतिम वर्ष के छात्र) को एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में एमएस पढ़ने के लिए चुना गया है।
- मनिता धाटल दार्जी और राजन कुमार को शिंडलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में नियुक्त किया गया है।
- इंफोसिस लिमिटेड में पोलोजू श्रीनाथ, मनीष कुमार, राजन कुमार सिन्हा की नियुक्ति की गयी है।
- नरोत्तम को टेक्नोफोर्ट में नियुक्त किया गया है।
- धीरज कुमार सिंह को सारथी.एआई में नियुक्त किया गया है। (पीपीओ)

छात्र कार्यक्रम

विभाग ने महामारी की अवधि के दौरान कई ऑनलाइन छात्र कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जैसे विभाग स्तर पर प्रेरण कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी, 2021 को शाम 4:30 बजे मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में ऑनलाइन (गूगल मीट) के द्वारा मनाया गया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के महत्व के बारे में एक संदेश फैलाने के साथ-साथ रमन की खोज को विहित करने के उद्देश्य से विभाग के प्रमुख डॉ शंभुनाथ बर्मन के नेतृत्व में कार्यक्रम शुरू किया गया था। इस अवसर पर डीन अकादमिक, डॉ रंजन बसाक और विभागीय संकायों ने भाग लिया। दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष के बी.टेक छात्रों ने इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ कार्यक्रम में विज्ञान दिवस पर भाषण, गायन, स्स्वर पाठ, कहानी सुनाना, बीट बॉक्सिंग और वाद्य यंत्र शामिल थे। इस आयोजन ने छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए और इस महामारी के समय में एक-दूसरे से जुड़ने के लिए एक एक मंच प्रदान किया।



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह की झलकियां



सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकियां

कार्यशाला/एसटीसी/एफडीपी संकाय सदस्यों द्वारा भाग लिया गया

| संकाय का नाम | कार्यक्रमों के नाम जैसे एफडीपी, एसटीसी और अन्य पाठ्यक्रम | अवधि/तिथि |
|----------------------|---|----------------------|
| डॉ. प्रदीप मंडल | एनईपी 2020: टुवर्डस होलिस्टिक एजुकेशन (एफडीपी) | 1 - 5 मार्च 2021 |
| | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो -फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | इफेक्टिव रिसर्च प्रपोजल राइटिंग – चैलेंजेज, स्ट्रेटेजीज एंड गाइडलाइन्स (एफडीपी) | 9 - 13 मार्च 2021 |
| डॉ. कीर्ति तिवारी | एनईपी 2020: टुवर्डस होलिस्टिक एजुकेशन (एफडीपी) | 1 - 5 मार्च 2021 |
| | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो -फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी: थोरी एंड प्रैक्टिस (एसटीसी) | 17 - 21 फरवरी 2021 |
| | फ्ऱज़ी लॉजिक सिस्टम इन इंजीनियरिंग एप्लिकेशन्स (एसटीसी) | 15 - 19 मार्च 2021 |
| | फ्लोनेक्स वेबिनार - थर्मोडीनामिक डिज़ाइन, मॉडलिंग, सिमुलेशन, एनालिसिस एंड ऑप्टिमाइजेशन | 10 जून 2020 |
| | रिसर्च स्टूकरिंग, स्टैटिस्टिकल इनसाइट्स एंड एम्प; पब्लिकेशन स्ट्रेटेजीज (एसटीसी) | 26 - 27 सितम्बर 2020 |
| डॉ. विभूति भूषण नायक | एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स ट्रेनिंग वर्कशॉप आर्गनाइज़ बाई: नेशनल प्रोजेक्ट इम्प्लामेटेशन यूनिट | 4 - 7 दिसंबर 2020 |
| | सस्टेनेबल एनर्जी टेक्नोलॉजीज: सिंथेसिस ऑफ अल्टरनेटिव फ्यूल्स, कैरेक्टराइजेशन, एंड मॉलिक्युलर सिम्युलेशन्स | 7 - 11 दिसंबर 2020 |
| | कंटेम्पररी इश्यूज इन डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीआईडीएम २१) (एसटीसी) | 15 - 19 मार्च 2021 |
| | रिन्यूएबल एनर्जी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट: ओपोरचुनिटीज एंड चैलेंजेज | 8 - 11 सितम्बर 2020 |
| | आउटकम बेस्ड इंजीनियरिंग एजुकेशन एंड अक्रेडिटेशन (ओबीईए २०२०) | 21 - 23 सितम्बर 2020 |
| | फ्लोनेक्स वेबिनार - थर्मोडीनामिक डिज़ाइन, मॉडलिंग, सिमुलेशन, एनालिसिस एंड ऑप्टिमाइजेशन | 22 सितम्बर 2020 |
| डॉ. शितेंदु सोम | इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में थर्मल प्रबंधन | 14 - 16 दिसंबर 2020 |
| | डिज़ाइन, मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ सोलर थर्मल, सोलर पीवी सिस्टम्स यूजिंग पालीसन | 15 जनवरी 2021 |
| | बायो मॉइक्रोफ्लूइडिक्स | 19 - 20 फरवरी, 2021 |
| | एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी: थोरी एंड प्रैक्टिस (एसटीसी) | 17 - 21 फरवरी 2021 |
| | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो -फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | एनईपी 2020: टुवर्डस होलिस्टिक एजुकेशन (एफडीपी) | 1 - 5 मार्च 2021 |
| डॉ. शितेंदु सोम | कंटेम्पररी इश्यूज इन डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीआईडीएम २१) (एसटीसी)) | 15 - 19 मार्च 2021 |
| | एनईपी 2020: टुवर्डस होलिस्टिक एजुकेशन (एफडीपी) | 1 - 5 मार्च 2021 |
| | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो -फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | कंटेम्पररी इश्यूज इन डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीआईडीएम २१) (एसटीसी) | 15 - 19 मार्च 2021 |
| डॉ. शितेंदु सोम | एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी: थोरी एंड प्रैक्टिस (एसटीसी) | 17 - 21 फरवरी 2021 |
| | इफेक्टिव रिसर्च प्रपोजल राइटिंग – चैलेंजेज, स्ट्रेटेजीज एंड गाइडलाइन्स (एफडीपी) | 9 - 13 मार्च 2021 |
| | साइबर सिक्योरिटी (एफडीपी) | 1 - 5 दिसंबर 2020 |

| संकाय का नाम | कार्यक्रमों के नाम जैसे एफडीपी, एसटीसी और अन्य पाठ्यक्रम | अवधि/तिथि |
|---|---|----------------------------|
| डॉ. दिपायन दास | इफेक्टिव ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंसियल मैनेजमेंट (एसटीटीपी) | 24 अगस्त - 11 सितम्बर 2020 |
| | एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी: थोरी एंड प्रैक्टिस (एसटीसी) | 17 - 21 फरवरी 2021 |
| | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो-फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | कंटेम्पररी इश्यूज इन डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीआईडीएम २१) (एसटीसी) | 15 - 19 मार्च 2021 |
| श्री सुशांत कुमार प्रधान | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो-फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | एनईपी 2020: ट्रुवर्डस होलिस्टिक एजुकेशन (एफडीपी) | 1 - 5 मार्च 2021 |
| | इफेक्टिव रिसर्च प्रपोजल राइटिंग - चैलेजेज, स्ट्रेटेजीज एंड गाइडलाइन्स (एफडीपी) | 9 - 13 मार्च 2021 |
| | कंटेम्पररी इश्यूज इन डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीआईडीएम २१) (एसटीसी) | 15 - 19 मार्च 2021 |
| श्री मनोहर कुमार | एनईपी 2020: ट्रुवर्डस होलिस्टिक एजुकेशन (एफडीपी) | 1 - 5 मार्च 2021 |
| | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो-फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | रिसर्च स्ट्रॉक्चरिंग, स्टैटिस्टिकल इनसाइट्स एवं एम्प; पब्लिकेशन स्ट्रेटेजीज (एसटीसी) | 26 - 27 सितम्बर 2020 |
| | एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स ट्रेनिंग वर्कशॉप आर्गनाइज्ड बाई: नेशनल प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट | 4 - 7 दिसंबर 2020 |
| श्री प्रतीक कुमार शाँ | कंटेम्पररी इश्यूज इन डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीआईडीएम २१) (एसटीसी) | 15 - 19 मार्च 2020 |
| | एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी: थोरी एंड प्रैक्टिस (एसटीसी) | 1 सप्ताह |
| | स्ट्रेटेजीज इन मॉडर्न पेडागोगी (एफडीपी) | 1 सप्ताह |
| | साइबर सिक्योरिटी (एफडीपी) | 1 सप्ताह |
| डॉ देबजीत साहा | एनईपी २०२०: ट्रुवर्डस होलिस्टिक एजुकेशन (एफडीपी) | 1 - 5 मार्च 2021 |
| | रीसेंट ट्रेंड्स इन थर्मो-फ्लुइड्स (एसटीसी) | 22 - 26 फरवरी 2021 |
| | कंटेम्पररी इश्यूज इन डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (सीआईडीएम २१) (एसटीसी) | 15 - 19 मार्च 2021 |
| | एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी: थोरी एंड प्रैक्टिस (एसटीसी) | 17 - 21 फरवरी 2021 |
| पर्मोडायनामिक्स यूजिंग फ्लोनेक्स सिमुलेशन सॉफ्टवेयर | थर्मोडायनामिक्स यूजिंग फ्लोनेक्स सिमुलेशन सॉफ्टवेयर | जुलाई 24, 2020 |
| | एग्जामिनेशन रिफॉर्म्स ट्रेनिंग वर्कशॉप आर्गनाइज्ड बाई: नेशनल प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट | 4 - 7 दिसंबर 2020 |
| | स्ट्रेटेजीज इन मॉडर्न पेडागोगी (एफडीपी) | 16 - 20 फरवरी 2021 |
| | फंडामेंटल्स एंड एप्लिकेशन्स ऑफ कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स इन फ्लूइड - थर्मल सिस्टम्स | 13 - 17 मार्च 2021 |
| पेडगोगीस ऑफ ऑनलाइन टीचिंग एंड इवैल्यूएशन: प्री एंड पोस्ट कोविद-19 | पेडगोगीस ऑफ ऑनलाइन टीचिंग एंड इवैल्यूएशन: प्री एंड पोस्ट कोविद-19 | 7 - 11 दिसंबर 2020 |

जनपद अभियांत्रिकी विभाग

“

मानव सभ्यता की विकास की कहानी, पुक प्रकार से अभियांत्रिकी की कहानी है। जिसमें लम्बे पुर्व कठिन संघर्ष के माध्यम से प्रकृति की असीमित शक्तियों का उपयोग करते हुए मानव कल्याण हेतु कार्य किया जा रहा है।

लियोन स्प्रैग डीकैम्प

एक देश का विकास आंतरिक रूप से उसके आधारिक संरचना से जुड़ा होता है, जिसकी प्रगति देश के अभियंताओं के सामूहिक कौशल से होती है। भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था के विकास के लिए नवोन्मेषी, टिकाऊ तकनीकी नवाचार महत्वपूर्ण हैं, जो सामाजिक-आर्थिक क्रांति की ओर अग्रसर है। बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ती मूलभूत जरूरतों के साथ, देश के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण करना अनिवार्य है जो प्रगति के ताळालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को संतुलित करने और पूरा करने में सक्षम हो। इस संदर्भ में संरचनात्मक अभियांत्रिकी, सर्वेक्षण, पर्यावरण अभियांत्रिकी, भूकंप अभियांत्रिकी, भू-तकनीकी अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी और परिवहन अभियांत्रिकी जैसे विविध क्षेत्र के माध्यम से जनपद अभियांत्रिकी देश के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण हितधारक होगा।

देश की आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम ने वर्ष 2013 में सातक और विद्या वाचस्पति कार्यक्रम की पेशकश करते हुए इस विभाग की स्थापना की। जनपद अभियांत्रिकी के सातक कार्यक्रम के प्रवेश के लिए 30 छात्रों की अधिकतम सीमा है। कार्यान्वयन में आसानी के साथ रचनात्मक व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए सैद्धांतिक अवधारणाओं को लागू करने के लिए जनपद अभियंताओं की विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों द्वारा अत्यधिक मांग की जाती है। जनपद अभियांत्रिकी विभाग के पाठ्यक्रम को इस तरह बनाया गया है जिससे अच्छे अभ्यास करने वाले नैतिक अभियंताओं के उत्पादन के साथ-साथ छात्रों में अनुसंधान के लिए एक योग्यता पैदा हो सके जिससे उन्हें विभिन्न औद्योगिक और साथ ही अनुसंधान संगठनों में कार्य करने में मदद मिलेगी सतत और हरित प्रौद्योगिकियों पर विशेष जोर देते हुए विभाग ऐच्छिक विषयों की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है। विभाग के पास वर्तमान में पांच प्रयोगशालाएं हैं जैसे सर्वेइंग प्रयोगशाला, मटेरियल टेस्टिंग प्रयोगशाला, जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, एनवॉरमेन्टल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, सॉफ्टवेयर एनालिसिस प्रयोगशाला, वॉटर रिसोर्सेस इंजीनियरिंग प्रयोगशाला की

स्थापना के लिए खरीद प्रक्रिया चल रही है। विभाग जल्द ही जनपद अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में सातकोत्तर कार्यक्रम की पेशकश करने की योजना बना रहा है। विभाग को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे पूर्व छात्र विभिन्न सरकारी क्षेत्रों और प्रतिष्ठित निजी क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं। इसके साथ ही, बड़ी संख्या में छात्र जनपद अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम परिसर के निर्माण और रखरखाव गतिविधियों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। विभाग दक्षिण सिविकम के रावंगला स्थित परिसर के भूनिर्माण, बागवानी और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देता है।

विभाग के संकाय सदस्यों ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान वर्तमान महामारी परिवर्ष के अनुकूल छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं की पेशकश की है। सभी पाठ्यक्रम सामग्री को डिजीटल कर दिया गया है और छात्रों को ईमेल के माध्यम से भेजा जाता है। विभाग ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सहायता के लिए उच्च गुणवत्ता वाले एनपीटीईएल और अन्य एमओओसी पाठ्यक्रमों का उपयोग किया है। हालांकि हाल के वर्षों में इंटरनेट कनेक्टिविटी सुविधाओं में भारी सुधार हुआ है, इसके बावजूद दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले कुछ छात्रों को कनेक्टिविटी के समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनकी इन समस्याओं को दूर करने के लिए हर ऑनलाइन क्लास को रिकॉर्ड कर उन्हें ईमेल पर भेजा जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया को भी ऑनलाइन और टेलीफोन का उपयोग करके पूरा किया गया, जिससे सबसे वर्चित छात्र को भी पर्याप्त अवसर मिल सके। शिक्षा मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन उपलब्ध आभासी प्रयोगशालाओं का उपयोग करके विभागीय प्रयोगशाला कक्षाएं भी आयोजित की गईं।

पाठ्यक्रम

- जनपद अभियांत्रिकी में सातक

संकाय सदस्य विवरण

डॉ. संगीता देब बर्मन

डॉ. कुशल घोष

डॉ. द्वारदर्शी चटर्जी

डॉ. शौभिक पात्रा

श्री नीलांजन दत्ता

श्री देवाशीष रॉय

श्री सुमित कुमार

श्री राहुल विश्वास

श्री बिक्रम पॉल

कर्मचारी विवरण

श्री शुभो दास

प्राविधिक सहायक

सुश्री चंदा मोक्तान

प्रयोगशाला तकनीशियन

तकनीकी एसोसिएशन / सोसायटी की सदस्यता

| क्रमांक | तकनीकी सोसायटी | सदस्यता का प्रकार | संकाय का नाम |
|---------|---|-----------------------------------|----------------------|
| 1 | इंस्टीटूट्स ऑफ पब्लिक हेल्प इंजीनियरिंग (सदस्यता संख्या एएम-787) | संबद्ध सदस्य | श्री नीलांजन दत्ता |
| 2 | इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हयड्रोलॉजिकल साइंस (आईएएचएस सदस्यता संख्या 16519) | आजीवन सदस्य | डॉ. संगीता देब बर्मन |
| 3 | इंडियन कंक्रीट इंस्टीटूट्स | आजीवन सदस्य | डॉ. कुशल घोष |
| 4 | इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) | संबद्ध सदस्य और चार्टर्ड अभियन्ता | श्री सुमित कुमार |
| 5 | इंडियन जियोटेक्निकल सोसाइटी, आईजीएस सदस्य कोड: एलएम 4497 एसोसिएटेड विथ डीप फॉउण्डेशन्स इंस्टीटूट्स ऑफ इंडिया (डीएफआई) | आजीवन सदस्य | डॉ. शौभिक पात्रा |

प्रयोगशाला सुविधाएं

| क्रमांक | प्रयोगशाला का नाम | संकाय प्रभारी |
|---------|-------------------------------------|--------------------|
| 1 | सर्वेङ्ग प्रयोगशाला | श्री बिक्रम पॉल |
| 2 | मटेरियल टेस्टिंग प्रयोगशाला | डॉ. कुशल घोष |
| 3 | जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला | डॉ. शौभिक पात्रा |
| 4 | एनवॉरमेन्टल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला | श्री नीलांजन दत्ता |
| 5 | स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला | श्री राहुल विश्वास |

1. सर्वेङ्ग प्रयोगशाला

सर्वेक्षण, किसी स्थान की सापेक्ष स्थिति और सापेक्ष दूरी को निर्धारित करने का साधन है। यह जनपद अभियांत्रिकी विभाग का एक अभिन्न अंग है। सभी जनपद अभियांत्रिकी परियोजनाओं जैसे राजमार्ग, पुलों, रेलवे, जल आपूर्ति, सीवेज डी प्रस्ताव, जलाशयों और बांधों, भवन निर्माण,

ट्रांसमिशन टॉवर, सिंचाई नहर आदि के निर्माण के लिए प्रस्तावित क्षेत्र का सर्वेक्षण आवश्यक है। परियोजनाओं और आवश्यकताओं के आधार पर सर्वेक्षण के उद्देश्य भिन्न हो सकते हैं। अभियांत्रिकी परियोजनाओं की आर्थिक व्यवहार्यता सर्वेक्षण के कार्य को पूरा किए बिना उचित रूप से पहचानी नहीं जा सकती है। सर्वेक्षण प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को टीटल स्टेशन, थियोडोलाइट, ऑटो स्तर, ग्लोबल

पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस), प्लेन टेबल, कम्पास, आदि जैसे विभिन्न सर्वेक्षण उपकरणों का उपयोग करके उपयुक्त पैमाने में नक्शा तैयार करने के लिए परिचित और सक्षम बनाना है। पारंपरिक और साथ ही समकालीन तरीकों और प्रौद्योगिकी से सर्वेक्षण करने के लिए सर्वेक्षण प्रयोगशाला छात्रों को अत्याधुनिक सर्वेक्षण लैस एनटीटी का उपयोग

करने का अनुभव प्रदान करती है जो उन्हें वर्तमान में व्यावहारिक रूप से उपयोग की जा रही प्रौद्योगिकियों का अनुकूलन करने के लिए प्रेरित करेगा। मानक सामान्य उपकरणों के अलावा, निम्नलिखित प्रमुख उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं:

| क्रमांक | उपकरण का नाम | किए गए प्रयोग |
|---------|--|--|
| 1 | डम्पी लेवल, ऑटो लेवल | दिए गए डेटम के संबंध में दिए गए किसी स्थान की ऊँचाई का पता लगाना। |
| 2 | ट्रांजिट थियोडोलाइट, डिजिटल थियोडोलाइट | पुनरावृत्ति और पुनर्मूल्यांकन की विधि और नियंत्रण बिंदुओं की स्थापना के द्वारा क्षैतिज कोण का मापन, ट्रावर्स स्टेशनों और कोणों के बीच की दूरी को मापने के द्वारा उनकी स्थिति निर्धारित की जा रही है जो विभिन्न स्टेशनों पर उनके समीपवर्ती स्टेशनों द्वारा घटाए गए हैं। |
| 3 | टोटल स्टेशन | इस उपकरण का उपयोग क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर कोणों के साथ-साथ स्थान की दूरी को मापने के लिए किया जाता है। |
| 4 | जीपीएस | सर्वेक्षण प्रक्रिया तेजी से करने के लिए जीपीएस का उपयोग किया जाता है, क्योंकि यह सीधे कोणों और मध्यवर्ती बिंदुओं के बीच की दूरी को मापने के बिना ही एक स्थिति (अक्षांश, देशांतर और ऊँचाई) दे सकता है। |



ऑटो लेवल



ट्रांजिट थियोडोलाइट



टोटल स्टेशन

2. मटेरियल टेस्टिंग प्रयोगशाला

सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला छात्रों को निर्माण सामग्री की विभिन्न विशेषताओं से परिचित कराती है और उन्हें विभिन्न प्रकार के भार और पर्यावरणीय जोखिम के अधीन होने पर अनुभूति के साथ-साथ दीर्घकालिक यांत्रिक और स्थायित्व विशेषताओं को समझने में मदद करती है। अल्ट्रासोनिक पल्स वेलोसिटी टेस्टिंग मशीन और रिबाउंड हैमर जैसे उपकरणों के उपयोग को प्रदर्शित करके संरचनाओं के गैर-

विनाशकारी परीक्षण को भी महत्व दिया जाता है। स्थिरता की अवधारणा पर भी जोर दिया गया है ताकि इसके संबंध में सामग्री के प्रभाव को कम किया जा सके। प्रयोगशाला पाठ्यक्रम का निर्माण छात्रों को निर्माण उद्योग के प्रचलित परीक्षण मानकों के साथ-साथ सामग्री विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित विशाल संभावनाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से किया गया है। मानक छोटे उपकरणों के अलावा, निम्नलिखित प्रमुख उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं:

| क्रमांक | उपकरण का नाम | किए गए प्रयोग |
|---------|--|--|
| 1 | एग्रीगेट इमैक्ट टेस्टर | समुच्चय के सकल प्रभाव मूल्य (AIY) का निर्धारण जो अचानक आघात या प्रभाव के एकत्रीकरण के प्रतिरोध के सापेक्ष माप प्रदान करता है। |
| 2 | एयर परमीबिलिटी उपकरण | परीक्षण नमूना के प्रति वर्ग सेंटीमीटर में ठीक सामग्री के विशिष्ट सतह क्षेत्र को मापकर पोर्टलैंड सीमेंट की सुंदरता का निर्धारण। |
| 3 | कंक्रीट मिक्सर (मोटर चालित) | कंक्रीट मिक्सचर सीमेंट, एग्रीगेट और पानी के मिश्रण को सजातीय मिलाने की एक मशीन है। |
| 4 | कम्प्रेशन फैक्टर उपकरण | कम, मध्यम और उच्च व्यावहारिकता के साथ कंक्रीट के संघनन कारक को निर्धारित करता है। |
| 5 | भी बी कंसिस्टोमीटर | मिश्रित कंक्रीट की व्यावहारिकता का निर्धारण। वी - बी परीक्षण गतिशीलता और समायोज्यता के बारे में एक संकेत देता है। |
| 6 | रिबाउंड हैमर | कंक्रीट या चट्टान की लोचदार गुणों, कठोरता और ताकत की परीक्षण। |
| 7 | अल्ट्रा-सोनिक पल्स वेलोसिटी टेस्टिंग उपकरण | कंक्रीट और प्राकृतिक चट्टानों की गुणवत्ता की जांच के लिए एक इन-सीटू, गैर-विनाशकारी परीक्षण करता है। यहां, कंक्रीट संरचना या प्राकृतिक चट्टान के गठन से गुजरने वाली अल्ट्रासोनिक पल्स के वेग को मापने के द्वारा कंक्रीट या चट्टान की ताकत और गुणवत्ता का आकलन किया जाता है। |
| 8 | डिजिटल कम्प्रेशन टेस्टिंग उपकरण | कठोर कंक्रीट की संपीड़न शक्ति का निर्धारण। |
| 9 | फ्लो टेबल उपकरण | इसका उपयोग अत्यधिक तरल वाले मुख्य रूप से कंक्रीट के ताजा गुणों का आकलन करने के लिए किया जाता है। |



हॉट एयर ओवन



कम्प्रेशन टेस्टिंग उपकरण

3. जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला सातक छात्रों के लिए मृदा यांत्रिकी, मानक मृदा परीक्षण के बारे में बुनियादी बातों को जानने और आगे की समझ के लिए एक आधार बनाने के स्थान है। प्रयोगशाला

छात्रों को उत्कृष्ट अन्वेषण के लिए अत्याधुनिक सुविधा भी उपलब्ध कराती है। भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला अच्छी तरह से विभिन्न प्रकार मृदा, उथला स्थापना और जमीन सुधार तकनीकों के वर्णन पर अनुसंधान के लिए सुविधाओं से सुसज्जित है। मानक मामूली उपकरणों के अलावा, निम्नलिखित प्रमुख उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं :

| क्रमांक | उपकरण का नाम | किए गए प्रयोग |
|---------|--|--|
| 1 | स्वायल हाइड्रोमेटर्स और सीव | मृदा के कण आकार वितरण का निर्धारण |
| 2 | परमीबिल्टी उपकरण | मृदा के परमीबिल्टी निर्धारण |
| 3 | कंसॉलिडेशन उपकरण | एक आयामी ओडोमीटर परीक्षण करके मिट्टी के प्राथमिक घनीभवन के कारण सैटेलैमैट्स का निर्धारण। |
| 4 | कैलिफोर्निया बिअरिंग रेसीओ टेस्टिंग उपकरण | सड़कों के आधार की मजबूती और ताकत का मूल्यांकन। |
| 5 | डायरेक्ट शियर टेस्ट उपकरण, डाटा अधिग्रहण प्रणाली के साथ 12 गति मोटराइज्ड | मिट्टी या चट्टान सामग्री के कतरनी शक्ति गुणों का मापन, और मिट्टी या चट्टान द्रव्यमान में अलगाव का पता लगाना |
| 6 | ट्राईएक्सियल शियर टेस्ट उपकरण, डेंटा अधिग्रहण प्रणाली के साथ | मिट्टी के तनाव- विकृति की विशेषताओं का निर्धारण और ढलान के डिजाइन के लिए आवश्यक मिट्टी की कतरनी शक्ति अर्थात् कोहेशन और आंतरिक घर्षण के कोण का मापन, किसी भी स्तर की असर क्षमता की गणना, और कई अन्य विश्लेषणों में इस उपकरण का उपयोग किया जाता है। |
| 7 | लेबोरेटरी वेन शियर टेस्ट उपकरण - मोटर चालित | चिकनी मिट्टी की कतरनी शक्ति का मापन, लगभग 0.5 किलोग्राम बल / सेमी ² की कम कतरनी ताकत वाली मिट्टी के लिए उपयोगी है। इस परिक्षण से मृदा के प्राकृतिक और अशांत स्थिति में कतरनी शक्ति का निर्धारण किया जाता है। |
| 8 | यूनिवर्सल स्वायल सैंपल एक्स्ट्रूडर (इलेक्ट्रॉनिक सह हाथ संचालित) | यह व्यापक रूप से मिट्टी के नमूने को निष्कासन करने के लिए उपयोग किया जाता है। |
| 9 | अनकन्फाइंड कंप्रेशन टेस्टिंग उपकरण (मोटर चालित) | मिट्टी के असीमित संपीड़ित ताकत का निर्धारण |
| 10 | रिलेटिव डेंसिटी उपकरण | मोटे दाने वाली मिट्टी के आपेक्षिक घनत्व का निर्धारण |
| 11 | स्वैलिंग प्रेशर टेस्ट उपकरण | अविरत आयतन विधि द्वारा विस्तार मिट्टी के सूजन के दबाव का अनुमान। |
| 12 | स्टैण्डर्ड पेनेट्रेशन टेस्ट उपकरण | मिट्टी के एसपीटी संख्या (एन) का निर्धारण (विशेषकर दानेदार मिट्टी के लिए) |



ट्राईएक्सियल शियर टेस्ट



डायरेक्ट शियर टेस्ट उपकरण

4. एनवॉरमेन्टल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण प्रदूषण जो पानी और हवा से होते हैं, के खतरनाक प्रभावों से अवगत कराना है। पीएच मीटर, टीडीएस मीटर, डीओ मीटर, यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बीओडी इनक्यूबेटर, सीओडी मापने के उपकरण, वॉटर बाथ, आटोक्लेव, माइक्रोबियल विश्लेषण असेंबली, आर्सेनिक परीक्षक मशीन, फ्लोराइड, नाइट्रेट और अमोनिया के लिए इलेक्ट्रोड,

अनुमापन परीक्षण किट, शेकर, जैसे उपकरण निस्पंदन असेंबली और जार परीक्षण उपकरण छात्रों को पर्यावरण अभियांत्रिकी की मौलिक अवधारणाओं को समझने में मदद करते हैं। प्रयोगशाला में अत्याधुनिक अनुसंधान उपकरण जैसे हुआल-बीम यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर भी शामिल है जो धातु आयनों, उच्च संयुग्मित कार्बनिक यौगिक और जैविक मैक्रो अणुओं जैसे विभिन्न विश्लेषिकों के मात्रात्मक निर्धारण के लिए उपयोग किया जाता है। मानक मामूली उपकरणों के अलावा, निम्नलिखित प्रमुख उपकरण प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं :

| क्रमांक | उपकरण का नाम | किए गए प्रयोग |
|---------|---|---|
| 1 | टीडीएस मीटर | किसी दिए गए पानी के नमूने के कुल भंग ठोस को निर्धारित करने के लिए। |
| 2 | यूवी-स्पेक्ट्रोफोटोमीटर | इसका उपयोग विभिन्न विश्लेषणों जैसे धातु आयनों, अत्यधिक संयुग्मित कार्बनिक यौगिक और जैविक मैक्रो अणुओं के मात्रात्मक निर्धारण के लिए किया जाता है। |
| 3 | माइक्रोप्रोसेसर डिसॉल्वड ऑक्सीजन मीटर | किसी दिए गए पानी के नमूने में मौजूद ऑक्सीजन का निर्धारण करने के लिए। |
| 4 | नाइट्रेट, फ्लोराइड और अमोनियम आयन कंसन्ट्रेशन परीक्षण के लिए इलेक्ट्रोड | इसका उपयोग पानी के नमूने की नाइट्रेट, फ्लोराइड और अमोनियम आयन सांद्रता को मापने के लिए किया जाता है। |
| 5 | इनक्यूबेटर | दिए गए पानी के नमूने का बीओडी निर्धारित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण उपकरण। यह विभिन्न पर्यावरणीय विश्लेषण में भी बहुमुखी अनुप्रयोग है। |
| 6 | माइक्रोबायोलॉजिकल विश्लेषण असेंबली | पानी में मौजूद कुल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया निर्धारित करने के लिए। |



यूवी- स्पेक्ट्रोफोटोमीटर



माइक्रोबायोलॉजिकल विश्लेषण इकाई

5. स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला

संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में सरिया की समीडक क्षमता, भार के कारण विक्षेपण आदि, गरबर बीम पर भार के कारण प्रभाव,

श्री हिंजड आर्क, पैराबोलिक आर्क, दो समर्थन पर बीम की कतरनी बल और झुकने की क्षमता, सिंगल प्लेन ट्रस, इत्यादि प्रयोग के द्वारा स्रातक छात्रों को संरचनात्मक विश्लेषण और डिजाइन की मौलिक अवधारणाओं की सत्यापन करने में सक्षम बनाना है।

| क्रमांक | प्रयोगशाला का नाम | किए जाने वाले प्रयोग |
|---------|--------------------------|---|
| 1 | बकलिंग बिहैवियर ऑफ बार्स | इसका उपयोग विभिन्न कारकों जैसे सामग्री विनिर्देश, प्रभावी लंबाई आदि के कारण सरिया के बकलिंग व्यवहार पर प्रभावों का निरीक्षण करने के लिए किया जाता है। |

| क्रमांक | प्रयोगशाला का नाम | किए जाने वाले प्रयोग |
|---------|--|--|
| 2 | लाइन ऑफ इन्फ्लुएंस ऑन द गरबर बीम | इसका उपयोग गरबर बीम की आंतरिक प्रतिक्रियाओं पर गतिमान भार के प्रभाव का निरीक्षण करने के लिए किया जाता है। |
| 3 | थ्री हिंजड आर्क | इसका उपयोग स्थिर और गतिमान भार के प्रभावों का थ्री हिंजड आर्क की प्रतिक्रियाओं पर निरीक्षण करने के लिए किया जाता है। |
| 4 | पैराबोलिक आर्क | इसका उपयोग स्थिर और गतिमान भार के प्रभावों का पैराबोलिक आर्क की प्रतिक्रियाओं पर निरीक्षण करने के लिए किया जाता है। |
| 5 | बीम ऑन टू सोर्ट शियर फ़ोर्स एंड बेंडिंग मोमेंट | इसका उपयोग बिंदु भार के कारण बीम के कतरनी बलों और झुकाव का निरीक्षण करने के लिए किया जाता है। |
| 6 | सिंगल प्लेन ट्रस | इस प्रयोग का उद्देश्य एकल बाहरी बल के कारण एकल समतल ट्रस के प्रत्येक बार में बलों को मापना है। |



लाइन ऑफ इन्फ्लुएंस ऑन द गरबर बीम



थ्री हिंजड आर्क



बकलिंग बिहैवियर ऑफ बार्स



सिंगल प्लेन ट्रस



बीम ऑन टू सोर्ट शियर फ़ोर्स एंड बेंडिंग मोमेंट

शैक्षणिक पाठ्यचर्या के अलावा, विभाग ने कोविड 19 की महामारी के दौरान वर्चुअल मोड के माध्यम से छात्रों के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रम और कार्यशालाओं का भी आयोजन किया है।

विभाग द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यशालाओं की सूची नीचे दी गई है:

मुख्य वक्ता / विशेषज्ञ व्याख्यान

जनपद अभियांत्रिकी के क्षेत्र में हालिया विकास की जानकारी हेतु छात्रों के तकनीकी कौशल और जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग ने निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया:

| कार्यशाला का नाम | तारीख |
|---|----------------------|
| रीसेंट ट्रेन्ड ऑन टेक्नोलॉजी इन एनवॉरमेंटल एंड वॉटर रिसोर्सेज मैनेजमेंट | 22 से 26 फरवरी, 2021 |
| रीसेंट एडवांसेज इन इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी | 2 से 6 मार्च, 2021 |

संसाधन व्यक्तियों की सूची

| | |
|---|---|
| आचार्य अनंत रामास्वामी, भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलुरु | डॉ. कौशिक रॉय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना |
| आचार्य अमिय कुमार समानता, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर | आचार्य सुब्रत चक्रवर्ती, भारतीय अभियांत्रिकी विभाग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, शिबपुर |
| डॉ. अर्नब बनर्जी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली | डॉ. रोमनबाबू ओइनम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति |
| आचार्य पी के गोयल, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय | डॉ. वैभव सिंघल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना |
| श्री सुमित कुमार, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम | आचार्य श्रीकांत दास, विंडसोर विश्वविद्यालय |
| आचार्य जयंत कुमार, भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलुरु | डॉ. कृष्ण रॉय, ऑकलैंड विश्वविद्यालय |
| डॉ. मोहना षणमुगम सुंदरम, एआईटी, थाईलैंड | आचार्य राकेश कुमार, निदेशक, नीरी |
| आचार्य ब्रजेश कुमार दुबे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर | आचार्य रिद्धि सिंह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे |
| आचार्य दीपक कश्यप, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ | आचार्य पवन कुमार लाभसत्वार |
| आचार्य अनिर्बान गुप्ता, भारतीय अभियांत्रिकी विभाग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान शिबपुर | आचार्य सोमनाथ मुखर्जी, जादवपुर विश्वविद्यालय |
| आचार्य बिस्वजीत रूज, सीएसआईआर सीएमईआरआई | आचार्य ऋतुजा एम चवण, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल |

विभागीय समितियाँ / प्रकोष्ठ

| क्रमांक | संकाय सदस्यों का नाम | समिति/प्रकोष्ठों का नाम |
|---------|--|---|
| 1 | 1. डॉ. अनिन्दय बिस्वास, संयोजक 2. डॉ. संगीता देब बर्मन, सदस्य 3. श्री नीलांजन दत्ता, सदस्य 4. श्री देबाशीष रॉय, सदस्य 5. डॉ. कुशल घोष, सदस्य 6. डॉ. सौविक पात्रा, सदस्य 7. डॉ. सुमित साहा, संबद्ध विभाग के सदस्य | अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एपीईसी) |
| 2 | 1. डॉ. संगीता देब बर्मन, संयोजक 2. डॉ. अनिन्दय बिस्वास, विभागाध्यक्ष (स्वतंत्र प्रभार) 3. डॉ. कुशल घोष, सदस्य 4. श्री नीलांजन दत्ता, सदस्य | विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी) |
| 3 | जनपद अभियांत्रिकी विभाग के सभी संकाय सदस्य | विभागीय संकाय बोर्ड (डीएफबी) |
| 4 | 1. श्री राहुल बिस्वास 2. डॉ. सौविक पात्रा | परीक्षा प्रकोष्ठ |
| 5 | श्री राहुल बिस्वास | प्रशिक्षण और नियुक्ति प्रकोष्ठ |

विभाग के संकाय सलाहकार

| क्रमांक | वर्ष | संकाय सलाहकार का नाम |
|---------|--------------|----------------------|
| 1 | प्रथम वर्ष | डॉ. कुशल घोष |
| 2 | द्वितीय वर्ष | श्री सुमित कुमार |
| 3 | तृतीय वर्ष | श्री नीलांजन दत्ता |
| 4. | चतुर्थ वर्ष | श्री देबाशीष रॉय |

छात्र समाज / इंटर्नशिप / पाठ्येतर गतिविधियाँ

छात्र समाज

जनपद अभियांत्रिकी विभाग एक गैर-लाभकारी संगठन "निर्माण" संचालित करता है। इस समाज के सदस्यों में सातक छात्र, संकाय सदस्य, विभाग के कर्मचारी और पूर्व छात्र शामिल हैं। यह सोसायटी जनपद अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों के समग्र विकास में मदद और सुविधा प्रदान करने के लिए काम करती है। निर्माण वर्ष भर की बनाई योजना से विभिन्न आयोजनों और गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने और तेज करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। जब भी संभव हो, मंच को अन्य विभागों के छात्रों के साथ साझा किया जाता है।

सातक अंतिम वर्ष की परियोजनाओं की सूची

| क्रमांक | पर्यवेक्षक | परियोजना का शीर्षक | छात्रों का नाम और रोल नंबर | क्षेत्र |
|---------|--------------------|---|---|--------------------------|
| 1. | श्री नीलांजन दत्ता | स्टडी ऑफ काइनेटिक मॉडलिंग ऑफ एक्टिवेटेड एलुमिना एस अडसोर्बेंट फॉर आर्सेनिक रिमूवल फ्रॉम कंटामिनटेड वॉटर | 1. चन्दन कुमार (बी170190सीई) 2. आदित्य आनंद (बी170148सीई) | एनवॉरमेन्टल इंजीनियरिंग |
| | | एन ऑस्ट्रिमाइजेशन स्टडी फॉर प्रोडक्शन ऑफ लिकिड प्यूल फ्रॉम हाई डेसिटी पॉलीइथीलीन वेस्ट थ्रु पायरोलिसिस | 3. सोनम राजेंद्र येंगडे (बी160038सीई) 4. जुटकोंडा अरुण (बी170183सीई) | |
| 2. | डॉ दूरदर्श चटर्जी | स्टेबिलाइजेशन ऑफ स्लोप्स यूजिंग गैबियन फेसिंग एंड जीओप्रिड इन सिक्किम | 1. लक्षाना टैगोर (बी1180173 सीई) 2. अंकिता चटर्जी (बी160175सीई) 3. पंकज कुमार (बी180108सीई) | जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग |
| 3. | डॉ सौविक पात्रा | अ स्टडी ऑन स्टेबिलाइजेशन ऑफ सबग्रेड स्पोआईल यूजिंग प्लास्टिक वेस्ट मटेरियल | 1. हरीश कुमार (बी170057सीई) 2. राजेश कुशवाह (बी170127सीई) 3. अभिषेक सागर (बी170134सीई) | जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग |
| 4. | डॉ. कुशल घोष | इफेक्ट ऑफ स्ट्रॉक्चरल कॉन्फ़िगरेशन ऑन बिहौवियर ऑफ टॉल स्लेंडर स्ट्रॉक्चर्स सब्जेक्टेड टू लैटरल लोड्स | 1. लोकेश सोनी (बी170043सीई) 2. दीपक सिंह (बी170146सीई) 3. संजीत मार्टन (बी170080सीई) | स्ट्रॉक्चरल इंजीनियरिंग |
| 5. | श्री बिक्रम पातल | इफेक्ट ऑफ इन्फिल वाल्स एंड इट्स ओपनिंग ऑन द सिस्मिक परफॉरमेंस ऑफ बिल्डिंग | 1. अनिमेष कुमार (बी170180सीई) 2. कमल कांत (बी180174सीई) 3. अनुष्का श्रीवास्तव (बी180039 सीई) | स्ट्रॉक्चरल इंजीनियरिंग |
| 6. | श्री सुमित कुमार | थोरिटिकल वेलिडेशन ऑफ डिजाइन रिजल्ट्स ऑफ अ आरसीसी बिल्डिंग एनालाइज़ड बाई स्टैड प्रो | 1. संगे डेलेक लेप्चा (बी170031सीई) 2. निशी कुमारी (बी170105सीई) 3. मनीष कुमार प्रसाद (बी170107सीई) 4. दीपक कुमार (बी170161सीई) | स्ट्रॉक्चरल इंजीनियरिंग |
| 7. | श्री राहुल बिस्वास | प्रेडिक्शन ऑफ कम्प्रेसिव स्ट्रेथ ऑफ प्लाई ऐश कंक्रीट यूजिंग मशीन लर्निंग टेक्निक्स | 1. दुर्गेश प्रताप सिंह (बी170085सीई) 2. सोनू कुमार भगत (बी170104सीई) 3. स्मृति तमांग (बी170026सीई) 4. शुभम कुमार (बी170131सीई) | हाईवे इंजीनियरिंग |

| क्रमांक | पर्यवेक्षक | परियोजना का शीर्षक | छात्रों का नाम और रोल नंबर | क्षेत्र |
|---------|------------------|--|--|-----------------------|
| 8. | श्री देबाशीष रौय | स्टडी ऑफ इफेक्टिवनेस ऑफ कौरबान थोरी इन द एनालिसिस ऑफ टी बीम ब्रिज्ज्स | 1. दीपक कुमार (बी170170सीई) 2. प्रिय सरकार (बी170032सीई) 3. मुकेश कुमार (बी170180सीई) 4. इंद्रजीत कुमार (बी170166सीई) | राजमार्ग अभियांत्रिकी |



गणित विभाग

“

‘गणित मानव की सबसे सुन्दर व शक्तिशाली रचना है।

स्टीफन बेनाख

“

गणित क्या है? यह प्रकृति द्वारा उत्पन्न पहेलियों को सुलझाने का सिर्फ एक व्यवस्थित प्रयास है।

शकुंतला देवी

विश्व की वैज्ञानिक क्रांति में गणित एक सक्रिय घटक रहा है और भारत ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राचीन भारत अपनी गणितीय प्रतिभाओं और अपने क्रांतिकारी विचारों के लिए प्रसिद्ध है। आर्यभट्ट, वराहिमिहिर, ब्रह्मगुप्त और भास्कर द्वितीय अपने समय के अग्रणी पथप्रदर्शक थे। सिंधु घाटी सभ्यता के युग से लेकर वैदिक काल तक, भारत का ‘व्यावहारिक गणित’ में योगदान रहा है। इस ‘व्यावहारिक गणित’ में वास्तविक जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव वाले गणितीय उपकरण शामिल हैं।

गणित विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विषयों का एक अभिन्न और मौलिक हिस्सा है। इसी कारण गणित विभाग 2010 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान का एक अभिन्न अंग रहा है। शुरुआत से ही, गणित विभाग छात्रों के आवश्यक पृष्ठभूमि के निर्माण के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु कर्यरत रहा है। गणित के विषय में एक ठोस आधार छात्रों को अकादमिक समस्याओं, वास्तविक जीवन की समस्याओं और शोध समस्याओं के समर्थन में सक्षम बनाता है। कुल मिलाकर एक उत्कृष्ट गणितीय कौशल वाला छात्र, सामान्य तौर पर, एक बेहतर और अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने में सक्षम होता है। गणित विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर, और विधा-वाचस्पति छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेता है। गणित विभाग वर्तमान में सभी अभियांत्रिकी शाखाओं के स्नातक छात्रों के लिए दो अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है - गणित- I और गणित- II। विभाग दो और अनिवार्य पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है, गणित- III (एमई और सीई अभियांत्रिकी के स्नातक छात्रों के लिए) और संगणना गणित (सीएसई, ईईई और ईसीई के स्नातक छात्रों के लिए)। स्नातकोत्तर और विधा-वाचस्पति के लिए छात्रों के लिए, विभाग उनके अनुसंधान और पेशेवर आवश्यकताओं के अनुरूप कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

गणित विभाग संख्यात्मक रैखिक बीजगणित, संचालन अनुसंधान, और वर्णक्रमीय ग्राफ सिद्धांत के विषयों में विधा-वाचस्पति भी प्रदान करता है। संख्यात्मक रैखिक बीजगणित, रैखिक बीजगणित और संख्यात्मक विधियों के चौराहे पर है, और इसमें कुशल एल्गोरिदम उत्पन्न करने के लिए आव्यूह संचालन का अध्ययन शामिल है। संचालन अनुसंधान में बेहतर निर्णय लेने के लिए विश्लेषणात्मक तरीके शामिल हैं; इस प्रकार, इसे व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक माना जाता है। वर्णक्रमीय ग्राफ सिद्धांत, ग्राफ से जुड़े आव्यूह के आइजनवैल्यू और आइजनवेक्टर के माध्यम से ग्राफ के गुणों का अध्ययन करती है। गणित विभाग देश के कुछ बेहतरीन संस्थानों के साथ अनुसंधान सहकार्यता में सक्रिय रूप से शामिल है। उदाहरण के लिए, हमारे एक संकाय और विधा-वाचस्पति छात्र वर्तमान में गणित विभाग, जेएनयू नई दिल्ली के डॉ जी पी सिंह के साथ कार्यरत हैं।

विभाग सभी यूजी छात्रों को उनके प्लेसमेंट के लिए तैयार करने के उद्देश्य से, पेशेवर अभ्यास पर एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम स्नातक छात्रों के करियर को बढ़ाने के लिए आवश्यक अभ्यास में से एक है। व्यावसायिक अभ्यास का मुख्य लक्ष्य योग्यता, संगणकीय दक्षता और संचार कौशल को मजबूत करना है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हम अक्सर मात्रात्मक योग्यता परीक्षण और तर्क परीक्षण आयोजित करते हैं। इस तरह की तैयारी से छात्र गेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

विज्ञन

विभाग की वृष्टि देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में गणितीय कौशल को विकसित करने के लिए सर्वोत्तम स्थानों में से एक बनना है। गणित विभाग उत्कृष्ट शोध और सहकार्यता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए और अधिक विधा-

वाचस्पति छात्रों की भर्ती करना चाहता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम देश और सिक्किम राज्य के विकास और लाभ के लिए अनुप्रयुक्त गणित और सांख्यिकी पर आधारित परियोजनाओं पर कार्य करने का प्रयत्न करेंगे।

मिशन

गणित विभाग अपने क्षेत्र में संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए समान रूप से श्रेष्ठता के लिए प्रयास करता है। हमारा मिशन युवा शिक्षार्थियों में स्वतंत्र रूप से गणित की दुनिया में विलीन होने के लिए पर्याप्त रुचि जगाना है। इसके अलावा, हमारा विभाग गणित के शिक्षण, अनुसंधान और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को समान प्राथमिकता देता है।

गणित विभाग के सभी पाठ्यक्रमों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और प्रसिद्ध संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा अद्यतन किया जाता है।

मूल्य

हम अपने छात्रों को अच्छे नैतिक मूल्य प्रदान करते हुए समावेशी शिक्षा और खुली चर्चा और विचार विमर्श में विश्वास करते हैं। एक कक्षा को पढ़ाने से लेकर शोध प्रकाशित करने और एक एलाइरिथम विकसित करने तक, हमारा विभाग समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशिता और समान अवसर में विश्वास करता है। इसके अलावा, हम शिक्षा के प्रति एक समग्र वृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करते हैं।

संकाय सदस्य विवरण

डॉ. रवि श्रीवास्तव

सहायक प्राध्यापक

विधा-वाचस्पति (आईआईटी गुवाहाटी-2012), नेट-जेआरएफ, एम. विज्ञान सातकोत्तर (बीएचयू),
विज्ञान में सातक (वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय)
अनुसंधान क्षेत्र: न्यूमेरिकल लीनियर अलजेब्रा, स्पेक्ट्रल ग्राफ थ्योरी

डॉ. ओम प्रकाश

सहायक प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष

विधा-वाचस्पति (आईआईटी खड़गपुर-2013), नेट-जेआरएफ,
विज्ञान सातकोत्तर (बीएचयू)
विज्ञान में सातक (वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय)
अनुसंधान क्षेत्र: प्रोडक्शन प्लानिंग एंड इन्वेंटरी
कण्ट्रोल, ऑपरेशनल रिसर्च, मैथमेटिकल फाइनांस

अस्थायी संकाय सदस्य

डॉ. सुरेश कुमार चौबे

सहायक प्रोफेसर

डॉ. प्रशांत झा

सहायक प्रोफेसर

गणित विभाग में परियोजना विवरण

- हाइब्रिड प्रोडक्शन सिस्टम विथ अनस्टैन रीटर्न कालिटी एंड डिफरेंट रीमैन्युफैक्चरिंग पॉलिसीस, टी ई क्यू आई पी -III, एन पी आई यू मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित बीज अनुदान। (2 लाख रुपये)।
- स्पेक्ट्रल प्रॉपर्टीज ऑफ कोरोना प्रोडक्ट ऑफ साइंड ग्राफ्स अंडर एच के मार्किंग, टी ई क्यू आई पी -III, एन पी आई यू मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित बीज अनुदान। (2 लाख रुपये)।

विभागीय समितियां

| क्रमांक | संकाय सदस्य | समिति का नाम |
|---------|---|---|
| 1 | i) डॉ. रवि श्रीवास्तव (संयोजक) ii) डॉ. ओम प्रकाश (सदस्य और विभागाध्यक्ष) iii) डॉ. एस के चौबे (सदस्य) iv) डॉ. प्रशांत झा (सदस्य) v) डॉ. अनिंद्या बिस्वास (सदस्य) | डिपार्टमेंटल पोस्ट ग्रेजुएट कमिटी (डी पी जी सी) |

शोध छात्र विवरण

| क्रमांक | शोधार्थी | पर्यवेक्षक | अनुसंधान क्षेत्र |
|---------|-----------------------|--|-------------------------|
| 1 | सुश्री अपराजिता बोहरा | डॉ. रवि श्रीवास्तव डॉ. संग्राम राय (सीएसई) डॉ. जी पी सिंह (जेएनयू) | स्पेक्ट्रल ग्राफ थ्योरी |

भौतिक विज्ञान विभाग

“

हम सोचते हैं कि ब्रह्माण्ड अजनबी है बल्कि यह हमारी सोच से भी
ज्यादा अजनबी है।

वर्नर हेइसेनबर्ग

भौतिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम के स्थापना वर्ष (2010) से ही इसका एक अभिन्न अंग रहा है। विभाग के संकाय सदस्य गण संस्थान के प्रशासन, शिक्षण और शोध में सक्रियता से लगे हुए हैं। विभाग अनुसंधान के निम्नलिखित शाखाओं में कार्यरत है - अरेखीय प्रणाली पर शोर का प्रभाव, अरेखीय गतिशीलता, मात्रात्मक वित्त, शेयर बाजार का समय श्रृंखला विश्लेषण, कम तापमान भौतिक विज्ञान, कांटम जानकारी और कई शारीर भौतिक विज्ञान के साथ इसका अंतराफलक।

विभाग वर्तमान में विद्या-वाचस्पति कार्यक्रम का संचालन कर रहा है और बहुत जल्द ही विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रस्तावित करने का आकांक्षी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, विभाग भौतिक विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम के प्रस्ताव के बारे में भी कल्पना कर रहा है। विभाग के प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रम के विस्तार हेतु शिक्षण और अनुसंधान संकायों को मजबूत करने के लिए सक्षम एवं गुणवत्ता युक्त संकाय सदस्यों को नियुक्त करने की आवश्यकता है। विभाग जो की नए युग के कांटम सूचना और गणना के अनुसंधान क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखता है, निकट भविष्य में अनुसंधान के विविध अत्याधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता के लिए प्रयाश करेगा। विभाग छात्रों में जिज्ञासा का संचार करने हेतु तत्पर है जिससे वे अपने विषय के जानकार हों सके तथा उन्हें तेजी से बदलती दुनिया के अनुकूल बनाने के लिए तैयार करना और उन्हें एक खुशहाल और सफल जीवन व्यतीत करने में मदद करना ही विभाग का लक्ष्य है।

वर्तमान में विभाग स्नातक कार्यक्रम की विभिन्न अभियांत्रिकी शाखाओं में अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है। विभाग द्वारा अभियांत्रिकी विषयों के स्नातक छात्रों के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थोरी, इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी प्रोफेशन का परिचय, गणित, अर्धचालक उपकरण, ठोस अवस्था के यन्त्र आदि जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। विभाग के संकाय सदस्यों ने वर्तमान महामारी

के परिवृश्य को अपनाते हुए वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान छात्रों को ऑनलाइन शिक्षण की प्रस्तुति की है। सभी पाठ्यक्रम सामग्री को डिजीटल कर दिया गया है और छात्रों को ईमेल के माध्यम से भेजा गया है। विभाग ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सहायता के लिए उच्च गुणवत्ता वाले एनपीटीईएल और अन्य मूक्स पाठ्यक्रमों का उपयोग किया है। विभाग समझता है कि हालांकि हाल के वर्षों में इंटरनेट कनेक्टिविटी सुविधाओं में भारी सुधार हुआ है, लेकिन दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले कुछ छात्रों को कनेक्टिविटी के मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए हर ऑनलाइन क्लास को रिकॉर्ड कर उन्हें ईमेल पर भेजा गया है। मूल्यांकन प्रक्रिया को भी ऑनलाइन और टेलीफोन का उपयोग करके पूरा किया गया, जिससे सबसे विंचित छात्र को भी पर्याप्त अवसर सुनिश्चित किया जा सके। शिक्षा मंत्रालय, ऑनलाइन उपलब्ध आभासी प्रयोगशालाओं का उपयोग करके प्रयोगशाला कक्षाएं भी आयोजित की गईं।

वर्तमान में अस्थायी परिसर में प्रयोगशाला की जगह न मिलने के कारण विभाग के पास सीमित प्रयोगशालाएं हैं। हालांकि संस्थान आवश्यक प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए औद्योगिक शेड का निर्माण कर और जगह बनाने का प्रयास कर रहा है। संस्थान आशान्वित भी है कि जल्द ही स्थायी कैपस बन जाएगा।

संकाय विवरण

- **डॉ अनिन्द्या बिश्वास**
पोस्टडॉक(एचआरआई इलाहाबाद, आईएमएससी चेन्नई, आईएसीएसकोलकाता)
विधा-वाचस्पति (कलकत्ता विश्वविद्यालय) विज्ञान सातकोत्तर (कलकत्ता विश्वविद्यालय)
अनुसंधान क्षेत्र: कम तापमान का भौतिक विज्ञान, विज्ञान में सातक, कांटम जानकारी और बहु शरीर भौतिक विज्ञान के साथ के साथ इसका अंतराफलक
- **डॉ एमडी नुरुज्जमान**
सहायक प्राध्यापक
पोस्टडॉक(टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के उपयुक्त गणित का केंद्र बैंगलोर, विधा-वाचस्पति (होमीभाभा नेशनल इंस्टीट्यूट, बीएआरसी), विज्ञान सातकोत्तर (जाधवपुर विश्वविद्यालय) के लिए
अनुसंधान क्षेत्र: प्रायोगिक अरेखीय गतिशीलता, शेयर बाजार विश्लेषण

कर्मचारी विवरण

हैप्पी मंडल
प्रयोगशाला सहायक

प्रयोगशाला सुविधाएं

1. **अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला:** भौतिक विज्ञान विभाग की अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है, ताकि नए लोगों को विषय के व्यापक दायरे का अनुभव करने में सुविधा मिल सके। इस प्रयोगशाला में सेमीकंडक्टर, लेजर डायोड, होल प्रभाव, विद्युत ले जाने वाले कुंडल के कारक चुम्बकीय क्षेत्र, तरल पदार्थ की चुम्बकीय संवेदनशीलता के कारण चुम्बकीय क्षेत्र के गुणों की जांच करने के लिए प्रायोगिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रों को ऑप्टिकल फाइबर, न्यूटन के रिंग उपकरण और माइक्रोलसन इंटरफ़ेरोमीटर से जुड़े प्रयोग के माध्यम से प्रकाश के कुल आंतरिक प्रतिबिंब और प्रकाश के हस्तक्षेप जैसी कुछ ऑप्टिकल घटनाओं के विषय में जानकारी मिलती है। इन में से कुछ प्रयोगों को सातक छात्र अपने सैद्धांतिक अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम में अध्ययन करते हैं। फाइबर ऑप्टिक्स उपकरण का उपयोग ऑप्टिकल फाइबर के संख्यात्मक एपर्चर को मापने के लिए किया जाता है जबकि माइक्रोलसन इंटरफ़ेरोमीटर उपकरण का उपयोग प्रकाश स्रोत की तरंगदैर्घ्य को निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है।

अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला

2. **अनुसंधान प्रयोगशाला:** विभाग का अनुसंधान प्रयोगशाला अनुसंधानों के लिए एक आवश्यक उपकरण है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं:

- **बारासोल BMC 2 रेडान मॉनिटर:** यह उपकरण पृथ्वी की पपड़ी में रेडॉन गैस की एकाग्रता का पता लगाने के लिए फ्रांस के अल्लाडे द्वारा निर्मित एक सेमीकंडक्टर डिटेक्टर है। इसके माध्यम से छात्र पृथ्वी-पपड़ी के परिवर्तन की जानकारी कर सकते हैं। इसमें 1 से 240 मिनट तक मापने वाला एडजस्टेबल टाइम विंडो है और डिटेक्शन रेंज 0 बीक्यू/एम3 से 1 जीबीक्यू/एम3 तक है।
- **वर्कस्टेशन:** वर्तमान में विभाग में दो वर्कस्टेशन हैं, जिनमें से एक में इंटेल Xeon 6128 3.4 GHz 6 कोर प्रोसेसर और 512 GB रैम है। वर्तमान में, इस वर्कस्टेशन का उपयोग कांटम सूचना के परिप्रेक्ष्य से उलझे हुए स्पिन सिस्टम के गुणों का अध्ययन करने के लिए किया जा रहा है। यह कार्य कांटम सूचना और अभिकलन के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की पहल के अनुरूप है। भौतिकी विभाग में शोधकर्ताओं द्वारा की गई गणना में से कुछ में कांटम बिट्स या काइबेट्स के सिमुलेशन शामिल हैं। गणना के दौरान, शोधकर्ताओं को बड़े मेट्रिसेस का विकर्ण भी करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, यदि एक भौतिक प्रणाली, कहे तो, 16 (कण) की जांच की जाती है, जिसमें 216x216 तत्वों से बने मैट्रिक्स को तिरछा करना पड़ता है, जिसके भंडारण के लिए 4 GB मेमोरी स्पेस की आवश्यकता होती है। गणना के लिए सृति की आवश्यकता प्रणाली के आकार की जांच के साथ तेजी से बढ़ती है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि लैंक्ज़ोस विकर्णीकरण एलोरियम जैसे तरीके हमेशा उपयोगी नहीं होते हैं और पूर्ण विकर्ण अत्यंत आवश्यक है। संपूर्ण गणना के लिए कुछ सौ गीगाबाइट भंडारण स्थान की आवश्यकता होती है। वर्कस्टेशन ने ऐसी जाटिल गणितीय समस्याओं को सुगम बना दिया है। अन्य कार्य केंद्रों का उपयोग गैर-रेखिक गतिशीलता से विचारों का उपयोग करके शेयर बाजार की जांच और भविष्यवाणी करने के लिए किया जा रहा है। वर्कस्टेशनों का उपयोग समानांतर प्रोग्रामिंग के लिए भी किया जा सकता है और प्रोग्रामिंग के लिए GPU कार्ड भी उपलब्ध कराये गए हैं।
- **श्रृंखला वेवरफॉर्म जेनरेटर:** इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के एनालॉग के साथ-साथ डिजिटल संकेतों को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।
- **हाई-एंड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप:** इलेक्ट्रॉनिक संकेतों की निगरानी के लिए डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप का उपयोग किया जाता है। इसका उपयोग विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक सर्किट से लंबे डेटा प्राप्त करने के लिए भी किया जाता है।



अनुसंधान प्रयोगशाला

विभागीय समितियां

| क्रमांक | संकाय सदस्यों का नाम | समिति का नाम |
|---------|---|--------------------------------------|
| 1. | 1. डॉ. डॉ अनिन्द्या बिश्वास, संयोजक 2. डॉ. एमडी नुरुज्जमान | विभागीय संकाय बोर्ड (डीएफबी) |
| 2. | 1. डॉ. एमडी नुरुज्जमान, संयोजक 2. डॉ. अनिन्द्या बिश्वास 3. डॉ. ओमप्रकाश, गणित विभाग | विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी) |
| 3. | डॉ. एम नुरुज्जमान | प्रयोगशाला प्रभारी |

विभाग में चल रहे परियोजना विवरण

- इनोवेटिव एंड स्टेनेबल डिसिशन सपोर्ट सिस्टम फॉर ड्रिंकिंग वाटर इंडियन हिमालयन रीजन ऑफ सिक्किम एंड वेस्ट बंगाल, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) (50 लाख रुपये) द्वारा वित्त पोषित है।
- कांग इन्वेस्टीगेशन ऑफ “शेयर्ड प्योरिटी” ऑफ कंट्रांटम स्टेट्स, टीईक्यूआईपी-III द्वारा वित्त पोषित बीज अनुदान, एनपीआईयू, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित (2 लाख रुपये)।
- आइडेंटिफिकेशन ऑफ अर्थक्क -इंड्यूस्ट अनोमालीस इन काम्प्लेक्स सॉइल आर एन -222 टाइम सीरीज, टीईक्यूआईपी-III द्वारा वित्त पोषित बीज अनुदान, एनपीआईयू, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार (2 लाख रुपये)।

अन्य विभागों/संस्थानों के साथ सहयोग

विभाग ने साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता, जादवपुर विश्वविद्यालय, प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय और हरीश-चंद्र शोध संस्थान, प्रयागराज के साथ सक्रिय शोध सहयोग किया है। रेडॉन गैस निगरानी प्रणाली की स्थापना जादवपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से जल्द भूकंप का पता लगाने के लिए संभावित तरीके की जानकारी के लिए किया गया है।

शोधार्थी विवरण

| क्रमांक | शोधार्थी | निदेशक | अनुसंधान क्षेत्र |
|---------|---------------|------------------|---|
| 1 | अजीत महता | डॉ एम नुरुज्जमान | शेयर बाजार का नॉनलीनियर टाइम सीरीज विश्लेषण। |
| 2 | जॉर्ज बिश्वास | डॉ अनिय बिस्वास | कई शरीर कांटम प्रणालियों में कांटम उलझन और अन्य कांटम उपायों की जांच। |
| 3 | अनीश राय | डॉ एम नुरुज्जमान | गैर रेखीय समय शृंखला विश्लेषण, शेयर बाजार के लक्षण वर्णन। |
| 4 | नीलंजन नंदी | डॉ अनिय बिस्वास | कांटम सूचना विज्ञान। |

कार्यशालाओं

विभाग ने सन् 2020 - 21 में दो ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आईआईटी, एनआईटी, तथा अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय और प्रमुख अनुसंधान संस्थान से प्रख्यात शोधकर्ताओं ने कार्यशालाओं में व्याख्यान दिया है। विभिन्न विश्वविद्यालय और संस्थान के संकाय सदस्य, शोध विद्वान, और सातकोत्तर छात्रों ने कार्यशालाओं में भाग लिया। विभाग ने निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया।

- इफेक्टिव रिसर्च प्रोजेक्ट राइटिंग - चैलेजेज स्टेटेजीज एंड गाइडलाइन्स के ऊपर संकाय विकास कार्यक्रम, 9 से 13 मार्च 2021 - एआईसीटीई द्वारा प्रयोजित (विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया)

संसाधन व्यक्ति

| | | |
|--|--|---|
| आचार्य अजय कुमार रे, निर्देशक, जी आई एस आई ए एस आर कोलकाता | आचार्य अद्रीजीत गोस्वामी, आईआईटीकेजीपी | आचार्य मैनाक सेनगुप्ता, आईआईएसटी |
| डॉ औरकोपाल किशोर गोस्वामी, आईआईटीकेजीपी | डॉ राजीव शर्मा, डीएसटी | डॉ गौरव गुप्ता, साइबर कानून और ई सुरक्षा समूह |
| डॉ ब्रजेश कुमार दुबे, आईआईटीकेजीपी | आचार्य हिरणमय साहा, आईआईएसटी | आचार्य अनिरबान गुप्ता, आईआईएसटी |
| आचार्य अनिर्बान चक्रवर्ती, जेएनयू | सुश्री प्रियंका तोमार, बीपीआरडी | आचार्य भार्गव मैत्र, आईआईटीकेजीपी |
| डॉ रोहित भाकर, एमएनआईटी | डॉ सुशील कुमार, एनपीएल | आचार्य विद्याधर सुबुद्धि, आईआईटी गोवा |

- कांटम सूचना और गणना के ऊपर संकाय विकास कार्यक्रम, 5 से 17 अक्टूबर 2020 – सै. टीईक्यूआईपी - III द्वारा प्रयोजित

संसाधन व्यक्ति

| | | |
|--|--|---|
| आचार्य अदिति सेन दे, एच आर आई डॉ इंद्रनील चक्रवर्ती, आईआईआईटी हैदराबाद | आचार्य उज्ज्वल सेन, एच आर आई डॉ रामीज रहमान, प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय | डॉ कन्हैया पांडे, आईआईटी गुवाहाटी डॉ अमित कुमार पाल, आईआईटी पलक्कड़ |
| आचार्य अर्चन एस मजुमदार, एस एन बी एन सी बी एस | डॉ संदीप के गोयल, आई आई यस ई आर मोहाती | डॉ प्रभा मंडीयम, आईआईटी मद्रास |
| आचार्य अरुण कुमार पति, एच आर आई डॉ आर प्रभु, आईआईटी धारवाड | आचार्य टी येस महेश, आई आई येस ई आर पुणे डॉ बालादित्य सूरी, आई आई एससी | |

रसायन विज्ञान विभाग

“

“रसायन विज्ञान एक मूल विज्ञान है जो भौतिक, जीव विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान को व्यावहारिक विषयों जैसे औषधि, पदार्थ विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी से जोड़ता है”

रसायन विज्ञान विभाग 2010 में अपनी स्थापना के बाद सेही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का एक अभिन्न विभाग रहा है। स्थापना के बाद से विभाग प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। विभाग ने 2015 में रसायन विज्ञान में विद्या-वाचस्पति कार्यक्रम को प्रारम्भ किया। 2017 के बाद से, रसायन विज्ञान में दो वर्षीय विज्ञान स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है। देश भर के छात्र केंद्रीकृत कॉउंसलिंग (सी. सी. एम. एन.) और संस्थान प्रवेश परीक्षा (आई. ए. टी.) के माध्यम से विभाग के विज्ञान स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश लेते हैं। पिछले तीन वर्षों से विज्ञान स्नातकोत्तर में पूरी सीटें भर रही हैं। विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों /संस्थानों के समकक्ष बनाया गया है जिसके लिए शिक्षा और उद्योग जगत की आवश्कताओं को ध्यान में रखा गया है। पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है की यह नेट एवं गेट जैसे राष्ट्रीय स्तर पर क्रियोगी प्रीरक्षाओं में छात्रों को अहर्ता प्राप्त करने के लिए छात्रों की जरूरतें को भी पूरा कर सके। पाठ्यक्रम में व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को अनिवार्य किया गया है एवं छात्र शैक्षणिक उल्कृष्टता और प्रतिष्ठित उद्योगों के विभिन्न संस्थानों में इंटर्नशिप भी करते रहे हैं। विज्ञान स्नातकोत्तर छात्रों को परिसर स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से विभिन्न दबा उद्योगों, अनुबंध अनुसंधान संगठनों और शैक्षिक संस्थानों में स्थानान्प्रदान किया गया है।

विभाग में शैक्षणिक रूप से उल्कृष्ट संकाय सदस्य मौजूद हैं। विभाग अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के लिए प्रौद्योगिकी स्नातक और विज्ञान स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में व्यावहारिक पाठ्यक्रमों का समर्थन करता है। विभाग में शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों के साथ एक जीवंत अनुसंधान वातावरण है। वर्तमान में विभाग में डीएसटी, सीएसआईआर और डीबीटी भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित कई प्रायोजित परियोजनाओं का निष्पादित किया जारहा है। विभाग के संकाय सदस्य नियमित रूप से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रिकाओं में शोध पत्रों को प्रकाशित करते रहे हैं।

2020 में विशेष उपलब्धि: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के रसायन विज्ञान विभाग ने वर्ष 2020 में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों (रसायन विज्ञान) के प्रकृति सूचकांक में 69वा स्थान प्राप्त किया। कुल 31 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का रसायन विज्ञान विभाग 6वा स्थान पर है।

विज्ञ

हमारी दृष्टि एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शिक्षण और अनुसंधान संस्थान के रूप में हमारी प्रतिष्ठा को बढ़ाने की है जो अपने नवाचार, उल्कृष्टता और खोज के लिए मान्यता प्राप्त हो, और देश भर में सर्वश्रेष्ठ छात्रों, संकाय और कर्मचारियों को आकर्षित करे। विभागीय पाठ्यक्रम छात्रों के समग्र विकास के लिए इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। विभाग को यह प्रशंसनीय है की यह उत्तर-पूर्व एनआईटी में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है, और भारत के सारे एनआईटी में शीर्ष 10 और भारत के रासायनिक विज्ञान शिक्षण संस्थानों में शीर्ष 50 में से एक है।

मिशन

हमारा मिशन एक ऐसे विभाग को बनाए रखना है जो शिक्षण और अनुसंधान, सुविधाओं के साथ-साथ सीखने के अवसरों और कार्य अनुभव की प्रासंगिकता के मामले में देश के सर्वश्रेष्ठ विभागों के रूप में जाना जा सके। विभाग बहु-विषयक और अंतरराष्ट्रीय सहयोगी खोज, सलाह और नेतृत्व, तथा आर्थिक रूप से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्यमिता के द्वारा रसायन विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान और सेवा के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। विभाग छात्रों/संकाय टीम की उपलब्धि, पेशेवर सेवा, मान्यता, वैश्विक जुड़ाव सहित अद्वितीय आणविक विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्रों के माध्यम से एनआईटी सिक्किम को आंतरिक मजबूती प्रदान करता है। विभाग एनआईटी सिक्किम के मिशन, लक्ष्यों और अनुसंधान केंद्रित क्षेत्रों में अनुकरणीय योगदान देता रहा है।

मूल्य

हम उन मूलों की आकांक्षा रखते हैं जो हमारे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को दी जाने वाली व्यक्तिगत वृद्धि और संतुष्टि के मामले में उच्चतम पेशेवर और शैक्षणिक मानकों पर आधारित हों, हम जो भी करते हैं वह उल्कृष्टता, टीम वर्क, सम्मान, विश्वास, अखंडता और नैतिकता पर आधारित होती हो।

विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम

- रसायन विज्ञान में विज्ञान सारकोत्तर
- रसायन विज्ञान में विद्या वाचस्पति

प्रौद्योगिकी स्नातक छात्रों के लिए विभाग में संचालित पाठ्यक्रम

- सभी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान, अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला और स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम।

छात्र संख्या

सामान्य आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (जनरल-ईडब्ल्यूएस) सीटों के कार्यान्वयन के कारण 2020 में 2 वर्षीय एमएससी कार्यक्रम में प्रवेश को 15 से बढ़ाकर 19 कर दिया गया।

विद्या वाचस्पति शोधार्थी-पांच (05)

विज्ञान स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (2020-22) - पढ़ रहे छात्र : पंद्रह (15); प्रवेश : 19; भर्ती: 18 (सीसीएमएन: 16 + आईएटी: 02); छोड़ें: 03

विज्ञान स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (2019 - 21) - पढ़ रहे छात्र : पंद्रह (15); प्रवेश : 15; छोड़ें: 00

संकाय सदस्य विवरण

डॉ. तारकनाथ कुंडू

सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष
शोधोत्तर (बोस संस्थान, 2008-09, आईआईएससी बैंगलोर,
2009-12)
विद्या वाचस्पति (बोस संस्थान / जादवपुर विश्वविद्यालय, 2008)
विज्ञान स्नातकोत्तर (कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2001)
अनुसन्धान क्षेत्र: सिथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान; औषधीय
रसायन विज्ञान

डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास

सहायक प्राध्यापक
शोधोत्तर (मिनेसोटा विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
2012-13)
विद्या वाचस्पति (उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, 2011), विज्ञान
स्नातकोत्तर (उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, 2003)

अनुसन्धान क्षेत्र: कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण, लघु अणु सक्रियण,
जैव-प्रेरित उत्प्रेरक

डॉ. सुमित साहा

सहायक प्राध्यापक
शोधोत्तर (शांत्तोंग विश्वविद्यालय, चीन 2018-19)
विद्या वाचस्पति (आईएसीएस/जादवपुर विश्वविद्यालय, 2012),
विज्ञान स्नातकोत्तर (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गापुर,
2007)

अनुसन्धान क्षेत्र: सिथेटिक कार्बनिक रसायन, प्राकृतिक
उत्पादों का कुल संश्लेषण

अस्थायी संकाय

डॉ. निधि गोविल

डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य

डॉ. सव्यसाची प्रमाणिक

डॉ. बिप्लब कुमार मैती

डॉ. श्रुति गुरु

कर्मचारी विवरण

श्री सुमन पाठक

सुश्री चंद्रमा मजूमदार

विद्या वाचस्पति छात्र

| क्रमांक | छात्र/छात्रा का नाम | विषय | पर्यवेक्षक |
|---------|------------------------|-----------------------------------|----------------------------|
| 1 | श्री सविदुलाल बिश्वास | स्माल मॉलिक्यूल एक्टिवेशन | डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास |
| 2 | सुश्री सृजना सुब्जा | टोटल सिथेसिस ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स | डॉ. सुमित साहा |
| 3 | श्री सृजन नारायण चौधरी | डिऑक्सीजन रिडक्शन | डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास |
| 4. | श्री पंजो लेपचा | कैटेलिटिक वाटर ऑक्सीडेशन | डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास |
| 5 | श्री रामानंद दास | सिथेसिस ऑफ सी मैक्सीडिएस | डॉ. तारकनाथ कुंडू |

प्रयोगशालाएं और अनुसंधान सुविधाएं

| क्रमांक | प्रयोगशाला का नाम | उद्देश्य | उपलब्ध उपकरण | प्रभारी संकाय |
|---------|---|---|--|----------------------------|
| 1 | अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान | कार्यक्रम के सभी प्रथम वर्ष के छात्रों को भौतिक विज्ञान, गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमानों, पर्यावरणीय प्रभावों के ज्ञान से परिचित करना। | माइक्रोबैलेस, माइक्रोसेंट्रफ्यूज, पीएच मीटर, कंडक्टोमीटर, हॉट एयर ओवन, वैक्यूम पंप, फ्रिज आदि। | डॉ. सुमित साहा |
| 2 | विज्ञान स्रातकोत्तर कार्बनिक रसायन | विज्ञान स्रातकोत्तर छात्रों को जैविक गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमानों, जैविक अणुओं के कार्यात्मकीकरण, प्राकृतिक उत्पादों के अलगाव और लक्षण वर्णन, मल्टीस्टेप सिंथेस, बायोकेमिस्ट्री प्रयोगों के बारे में सिखाना। | चिलर के साथ आईलारोटर वाष्ठीकरण, पलक पीएसएल 1810 80डिग्री सेल्सियसरिएक्शन चैंबर, जैस्को एफटी-आईआर 4700, मेटलर-टोलेडो 0.01 मिलीग्राम माइक्रोबैलेस, दस्ताने बॉक्स, -20डिग्री सेल्सियसआदि। | डॉ. तारकनाथ कुंडू |
| 3 | विज्ञान स्रातकोत्तर अकार्बनिक रसायन विज्ञान | विज्ञान स्रातकोत्तर छात्रों को लवण, गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमानों, उत्प्रेरक गतिविधियों, बायोइनआर्गेनिक रसायन की पहचान के बारे में सिखाना। | इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, गैस क्रोमेटोग्राफ, हंसटेक ऑक्सीग्राफ, बीओडी इनक्यूबेटर, सीओडी डाइजेस्टर आदि। | डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास |
| 4 | विज्ञान स्रातकोत्तर फिजिकल केमिस्ट्री | भौतिक स्थिरांक, जैव भौतिक प्रयोगों के मात्रात्मक अनुमान। | थर्मोसाइंटिफिक इवोल्यूशन 300 यूवी-दश्यमान स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, पॉटेंसिमीटर, पोलारीमीटर | डॉ. निधि गोविल |
| 5 | कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान प्रयोगशाला | आण्विक सिमुलेशन, कांटम रासायनिक ऊर्जा गणना, प्रतिक्रिया मार्गों की भविष्यवाणी। | गॉसियन 9 और गॉस व्यू 5 | डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य |

विभाग में चल रही परियोजनाएं/योजनाएं

- ट्यूनिंग द रीएक्टिविटी ऑफ़ मेटल - ऑक्सीजन इंटरमीडिएट्स इन सी एच एक्टिवेशन एंड वाटर ऑक्सीडेशन, एस ई आर बी, डीएसटी (33 लाख) द्वारा वित्त पोषित।
- मॉलीक्यूलर वाटर ऑक्सीडेशन कैटेलिस्ट बेस्ड ऑन अर्थ अंबंडान्ट ट्रांजीशन मेटल्स, सीएसआईआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित (15 लाख)।
- सिंथेसिस ऑफ़ कंडेंस्ड हेटेरोसाइकल्स विथ बायोएक्टिव पोटेंशियल, तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय, राष्ट्रीय परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित अनुदान।
- बायोइन्स्पार्ड मेटल काम्प्लेक्स ऐस एलेक्ट्रोकैटालीसिस फॉर ऑक्सीजन रिडक्शन रिएक्शन, तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय, राष्ट्रीय परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित अनुदान।
- मेडीसनली पोटेंट बायोलॉजिकली एक्टिव मैक्रोलैक्टोन : इनिशिएटिव टू सर्च इंडस्ट्रियल स्केल सिंथेसिस, तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम - तृतीय द्वारा वित्त पोषित बीज अनुदान, राष्ट्रीय परियोजना क्रियान्वयन इकाई, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित।

अन्य संस्थानों के साथ सहयोग

प्रयोगशाला कक्षाओं और अनुसंधान का संचालन करने के लिए विभाग ने निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग किया है:

- यॉर्क विश्वविद्यालय, यूके - डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास
- मैक्स पॉइंक इंस्टीट्यूट फॉर केमिकल एनर्जी कन्वर्जन, जर्मनी- डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास
- उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी- डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास / डॉ. सुमित साहा
- सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय, सिक्किम- विभाग के सभी संकाय सदस्य
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे- डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य
- आईआईएसईआर कोलकाता- डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य
- इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ द कल्टिवेशन ऑफ़ साइंस, कोलकाता- डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास / डॉ. सुमित साहा
- राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे- डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य

- सीएसआईआर- भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून- डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता- डॉ. तारकनाथ कुंडू
- एमटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता- डॉ. तारकनाथ कुंडू
- फाकुलडेड डे साईनक्स ई टेक्नोलोजीअ विश्वविद्यालय नोवा दे लिस्बोआ, पुर्तगाल - डॉ. बिप्लब के. मैट

यूजीसी-सीएसआईआर-नेट और गेट 2020 योग्यता विवरण

| क्रमांक | छात्र/छात्रा का नाम | सत्र | उत्तीर्ण परीक्षा | अखिल भारतीय रैंक |
|---------|---------------------|-----------|------------------|------------------|
| 1. | सुश्री कोंगकी गोगोई | 2018-2020 | गेट 2021 | 3270 |
| 2. | विशाल राय | 2018-2020 | गेट 2021 | 4704 |
| 3. | अरिंदम साना | 2020-2022 | गेट 2021 | 2291 |

नई प्रयोगशाला व्यवस्था

- जनपद अभियांत्रिकी विभाग की तत्कालीन सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला को रसायन विज्ञान विभाग को सौंप दिया गया था। उक्त कमरे को विज्ञान स्नातकोत्तर कार्यक्रम में भौतिक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला और विश्लेषणात्मक और पर्यावरण प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों के लिए एक प्रयोगशाला में परिवर्तित किया जा रहा है।
- जनपद अभियांत्रिकी इंजीनियरिंग विभाग की तत्कालीन भू-तकनीकी प्रयोगशाला को भी रसायन विज्ञान विभाग को सौंप दिया गया था। उक्त कक्ष को प्राद्यौगिकी स्तरक विभिन्न कार्यक्रमों के प्रथम वर्ष के अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला पाठ्यक्रम के लिए प्रयोगशाला में परिवर्तित किया जा रहा है।

कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का सुदृढ़ीकरण

उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग में अत्यधिक स्टीक कांटम रासायनिक गणना के लिए दो निम्नलिखित अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर पैकेज खरीदे गए थे:

- आणिक और आवधिक प्रणालियों में गुणों की विभिन्न गणना के लिए एम्स्टर्डम आणिक सिमुलेशन (एएमएस) सूट।
- आणविक गुणों और प्रतिक्रिया मॉडलिंग के अध्ययन के लिए टर्बोमोल।

विभागीय गतिविधियाँ

डॉ. तारकनाथ कुंडू (संयोजक), डॉ निधि गोविल (समन्वयक), और डॉ. सुमित्र साहा (समन्वयक) द्वारा “ रीसेंट एडवांसेज इन आर्गेनिक एंड बायोमॉलीक्यूलर केमिस्ट्री 2021 (आर ए ओ बी सी 21) ” पर टीईक्यूआईपी-III द्वारा वित्त पोषित पांच दिवसीय (22 - 26 मार्च, 2021) अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें यूके, जर्मनी, चीन, पुर्तगाल और विभिन्न आईआईटी, सीएसआईआर लैब्स और सीआरओ उद्योग के प्रसिद्ध वैज्ञानिक व्यक्ति थे।

अंतिम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा परियोजनाएं

| क्रमांक | छात्र/छात्रा का नाम | पर्यवेक्षक | परियोजना का शीर्षक |
|---------|---------------------|---|--|
| 01 | सुभर्जन मुदुलि | डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास | मॉलीक्यूलर कैटेलिस्ट फॉर ऑक्सीजन रीडक्शन एंड वाटर ऑक्सीडेशन |
| 02 | अमरेंद्र डोले | डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य | अग्रीगेशन इंड्यूस्ट्री एमिशन बेस्ड डाई सेसिटाइज्ड सोलर सेल |
| 03 | मधुरेंद्र राज | डॉ. सुमित्र साहा | सिथेटिक स्टडी ट्रुवर्ड्स (\pm)डेंड्रोडोलाइड एल |
| 04 | चिन्मय वरुण कोवर | डॉ. बिप्लब के. मैती | इंटरेक्शन बिट्वीन आयरन एंड सीरम अल्ब्यूमिन : स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडी |
| 05 | ज्योति अग्रवाल | डॉ. बिप्लब के. मैती | एलिवेटेड सीरम - कॉपर लेवल; स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडी |
| 06 | स्वीटी | डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास | रोल ऑफ रीडॉक्स - इनएक्टिव मेटल आयन्स इन द रीएक्टिविटी ऑफ मैग्नीज़ - ऑक्सो कम्प्लेक्सेस |
| 07 | कंचन | डॉ. प्रकाश पी. नीलकंदन डॉ. तारकनाथ कुंडू | सिथेसिस एंड फोटोफिसिकल स्टडीज ऑफ एम (I)- फंक्शनलाइज्ड बॉडीपी कंपाउंड्स |
| 08 | प्रियंका | डॉ. प्रकाश पी. नीलकंदन डॉ. श्रुति गुरु | सिथेसिस एंड फोटोफिसिकल प्रॉपर्टीज ऑफ डाई लोडेड - नैनोपार्टिकल्स |

| क्रमांक | छात्र/छात्रा का नाम | पर्यवेक्षक | परियोजना का शीर्षक |
|---------|---------------------|--|--|
| 09 | कौंधरे गणेश हनुमंत | डॉ. सुमित साहा | सिथेटिक स्टडी टुर्बईस ऑप्टिकली एक्टिव एपोक्साइड |
| 10 | मानसी मणि सिंह | डॉ. तारकनाथ कुंडू | सिथेसिस ऑफ सी-ग्लाइकोसाइड फ्रॉम डी - ग्लूकोस बाई फोटोरेडॉक्स रिएवशंस |
| 11 | रिया पॉल | डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास | ऑक्सीडेटिव रेअक्टिविटी ऑफ आयरन (III) साइक्लाम काम्प्लेक्स |
| 12 | बिदिसा डोवारा | डॉ. कल्याण ज्योति देवरी डॉ. सुमित साहा | डिज़ाइन ऑफ बाइमेटालिक अग्नि एलॉय नैनोपार्टिकल्स ऐस ऐन एफिशिएट फोटोकैटलिस्ट फारू द सिंथेसिस ऑफ अज़ोबेजीन अंडर विज़िबल लाइट |
| 13 | प्रसंजीत मोदक | डॉ. तारकनाथ कुंडू | सिथेसिस ऑफ पोटेंशिअली बायोएक्टिव थीआजोलो [5,4-E] इंडोल्स बाय फोटोरेडॉक्स मेथड |
| 14 | अंशुमला दत्ता | डॉ. राहुल कर डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य | एटीऑक्सीडेंट बिहेवियर ऑफ पी - कौमैरिक एसिड विद द अप्रोच ऑफ हाइड्रोक्सिल फ्री रेडिकल |
| 15 | चयनिका हजारिका | डॉ श्रुति गुरु | सिथेसिस ऑफ एमजी (ओ एच) 2 नैनोपार्टिकल्स यूसिंग ऑरेंज पील एक्सट्रैक्ट एंड पॉलीसोरबेट - 80 फारू सैइल एंड वाटर रेमेडिएशन एलीक्शंस |

विभागीय जिम्मेदारियां

| क्रमांक | जिम्मेदारियां | संकाय प्रभारी |
|---------|---|--|
| 01. | विभागाध्यक्ष | डॉ. तारकनाथ कुंडू |
| 02. | विज्ञान स्रातकोत्तर नामांकन (उप प्रभारी, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में विज्ञान स्रातकोत्तर के लिए केंद्रीकृत परामर्श) और संयोजक, विज्ञान स्रातकोत्तर के लिए संस्थान प्रवेश परीक्षा | डॉ. तारकनाथ कुंडू |
| 03. | स्रातकोत्तर में प्रवेश के लिए संस्थान प्रवेश परीक्षा 2020 कार्यक्रम के संयोजक, | डॉ. तारकनाथ कुंडू |
| 04. | विभाग स्रातकोत्तर समिति (डीपीजीसी) | डॉ. सुमित साहा (संयोजक) डॉ. तारकनाथ कुंडू (विभागाध्यक्ष) डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास (सदस्य) डॉ. निधि गोविल (सदस्य) डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य (सदस्य) डॉ. सव्यसाची प्रमाणिक (सदस्य) डॉ. धनंजय त्रिपाठी (अध्यक्ष सीनेट द्वारा मनोनीत सदस्य) |
| 05. | अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति | डॉ. तारकनाथ कुंडू (संयोजक) डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास (सदस्य) डॉ. सुमित साहा (सदस्य) डॉ. निधि गोविल (सदस्य) |
| 06. | विज्ञान स्रातकोत्तर भौतिक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला | डॉ. निधि गोविल |
| 07. | विज्ञान स्रातकोत्तर इनऑर्गेनिक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला | डॉ. अचिंतेश नारायण बिस्वास |
| 08. | विज्ञान स्रातकोत्तर ऑर्गेनिक रसायन विज्ञान प्रयोगशाला | डॉ. तारकनाथ कुंडू |

| क्रमांक | जिम्मेदारियां | संकाय प्रभारी |
|---------|--|---|
| 09. | विज्ञान स्रातकोत्तर एनालिटिकल और पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला | डॉ. बिल्ब कुमार मैती |
| 10. | विज्ञान स्रातकोत्तर कम्प्यूटेशनल रसायन प्रयोगशाला | डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य |
| 11. | प्रौद्योगिकी स्रातक अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला | डॉ. सुमित साहा |
| 12. | परीक्षा प्रक्रोष्ट में विभागीय सदस्य | डॉ. सुमंत्र भट्टाचार्य |
| 13. | संस्थान अनुसंधान समिति में विभागीय सदस्य | डॉ. बिल्ब कुमार मैती |
| 14. | विभागीय रिकॉर्ड कीपिंग | डॉ. बिल्ब कुमार मैती |
| 15. | संकाय सलाहकार | डॉ. तारकनाथ कुंड्र डॉ. अचितेश नारायण बिस्वास डॉ. सुमित साहा |



मार्च 2021 में विज्ञान स्रातकोत्तर 2020-22 सत्र के छात्र प्रयोगशाला कक्षा करते हुए



रसायन विज्ञान अनुसंधान प्रयोगशाला



थर्मो इवोल्यूशन 300 यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

“

किसी भी श्रेष्ठ विश्वविद्यालय की मूलभूत आधारशिला मानविकी से ही गठित होती है

टेरी ईगलटन

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग अपने अभिविन्यास में बहुविषयक है जो अंग्रेजी तथा अर्थशास्त्र व प्रबंधन में अभियांत्रिकी छात्रों को स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। वर्ष 2014 में विभाग में पीएचडी कार्यक्रम आरम्भ किया गया और भविष्य में इस विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करना लक्षित है। वर्तमान में, सामयिक रुचि के क्षेत्र जैसे कि अंग्रेजी में आधुनिक भारतीय उपन्यास, शेक्सपियर के सिनेमाई रूपांतर और उत्तर-पूर्वी साहित्य के अनुरूप विषय तथा अर्थशास्त्र में औद्योगिक अर्थशास्त्र और उद्यमिता जैसे विषयों पर विभागीय संकाय व शोधार्थी शोधरत हैं। विभाग का उद्देश्य प्रेषणशील कौशल, धन्यात्मक, भाषाविज्ञान जैसे विषयों में विशिष्ट पाठ्यक्रम तथा क्षेत्रीय और यूरोपीय भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करना है जो कि विभागीय दीर्घकालिक कार्यसूची में निहित है। विभाग छात्रों के लिए चर्चा एवं बहस जैसे अवसरों का आयोजन करता है जिससे वे प्रतिस्पर्धा और निरंतर बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना करने में सशक्त हों। विभाग देश के अन्य प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर छात्रों के बीच एक अंतःविषय वृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है।

विभाग स्नातक छात्रों के स्थानन हेतु छात्रों को औद्योगिक कार्यचालन परिवेश के अनुरूप तैयार करने का उद्देश्य रखता है। छात्रों के स्थानन अनुसार उनके अभिनियोजित उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु पाठ्यचर्चा व पाठ्यक्रम का निरंतर पुनरीक्षण विभाग द्वारा किया जाता है।

संस्थान के सीनेट से अनुमोदन उपरांत 2017 के 'पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला' के विचारों को क्रियान्वित करने हेतु विभाग द्वारा दो नए मुख्य पाठ्यक्रम 'अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य' तथा 'मानव मूल्य व प्रभावी संचार' का पठन- पाठन किया जा रहे हैं। अर्थशास्त्र और प्रबंधन के पुराने पाठ्यक्रम को अभियांत्रिकी अर्थशास्त्र और प्रबंधन के सिद्धांतों में पुनर्गठित किया गया।

विभाग छात्रों के संचार कौशल को बढ़ाने और उनमे निपुणता का संचार करने के लिए 'प्रोफेशनल प्रैक्टिस (अंग्रेजी)' नामक एक ऑडिट पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है। इस पाठ्यक्रम का छात्रों के व्यक्तित्व और ग्रहणशक्ति पर वास्तव में काफी अच्छा प्रभाव पड़ा जो सभी विभागों के अनुवर्ती सेमेस्टरों में छात्र के परिणामों पर सकारात्मक

प्रभाव और प्लेसमेंट ड्राइव में बेहतर प्रदर्शन के माध्यम से स्पष्ट है। इस ऑडिट पाठ्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव संस्थान के प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों के बेहतर प्रदर्शन के माध्यम से भी अवलोकित किया जा सकता है। यह उल्लेख करना अनिवार्य है कि 2018 में इस ऑडिट पाठ्यक्रम को शामिल करने के बाद से संस्थान के समग्र प्लेसमेंट रिकॉर्ड में लगातार वृद्धि देखी गई है। जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट है कि वर्ष 2018 के लिए प्लेसमेंट प्रतिशत 52% था, 2019 के लिए 65% था, 2020 के लिए 65% था जबकि यह वर्ष 2021 में बढ़कर 71% हो गया। इस प्रतिशत वृद्धि में अधिक प्रोत्साहन हेतु विभाग संस्थान के छात्रों के स्थानन में अपने सकारात्मक योगदान के प्रति प्रतिबद्ध है।

छात्रों के युवा मन में अंग्रेजी भाषा को प्रबल करने हेतु तथा उनकी वृद्धि और अनुभवात्मक विद्वता के लिए विभाग समूह चर्चा, वाद-विवाद और आशु - भाषण के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करता है। मई 2019 के 'पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला' में मौजूदा पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने हेतु प्रमुख शिक्षाविदों ने अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा की जिसे पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया।

प्रौद्योगिकी स्नातक छात्रों को विभाग के प्रस्तावित पाठ्यक्रम

- इंग्लिश लैंग्वेज ऐंड लिटरेचर (HS11101) - प्रौद्योगिकी स्नातक प्रथम वर्ष
- हमन वैल्यूज़ ऐंड इफेक्टिव कम्युनिकेशन (HS12101) - प्रौद्योगिकी स्नातक. प्रथम वर्ष
- प्रोफेशनल प्रैक्टिस (ZZ12402) - प्रौद्योगिकी स्नातक. प्रथम वर्ष
- इंजीनियरिंग इकोनॉमिक्स (HS15101) - प्रौद्योगिकी स्नातक. तृतीय वर्ष
- प्रबंधन के सिद्धांत (HS16101) - प्रौद्योगिकी स्नातक. तृतीय वर्ष

प्रौद्योगिकी स्नातक छात्रों के लिए भाषा प्रयोगशाला

प्रौद्योगिकी स्नातक छात्रों की भाषा सीखने की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य हेतु दिसंबर 2019 में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक आईटिल -ओरेल डिजिटल भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई। इस प्रयोगशाला को संज्ञानात्मक विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में डिज़ाइन किया गया है। यह प्रयोगशाला विभिन्न क्षेत्रों में भाषा प्रसंस्करण के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति और संस्कृति के साथ मानव भाषा के संबंधों का अन्वेषण करती

है। भाषा अध्ययन तथा मानव-कंप्यूटर इंटरफ़ेस का युग्मित अध्ययन इस क्षेत्र को समझने हेतु नए आयाम प्रस्तुत करता है जिससे छात्रों को उनकी भाषा सीखने की क्षमताओं के आकलन में सहायता प्राप्त होती है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक आधुनिक शैक्षणिक अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित की गई है जिसका उद्देश्य भाषण के उत्पादन के तरीके और उनके प्रसंस्करण और अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित करना है।

संकाय विवरण

डॉ धनंजय त्रिपाठी

सहायक प्राध्यापक

विद्या वाचस्पति (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2013), एम.ए.
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2006)

अनुसंधान क्षेत्र: साहित्यिक आलोचना, मिथक और इसके,
पुनर्पाठ, भारतीय अंग्रेजी लेखन

डॉ ऋचा मिश्रा

सहायक प्राध्यापक (अस्थायी)

डॉ मार्किर्स्या ओली सिंगो

सहायक प्राध्यापक (अस्थायी)

शोधार्थी

| क्रमांक | नाम | पर्यवेक्षण और निर्देशन | अनुसंधान का व्यापक क्षेत्र |
|---------|---------------------|--|----------------------------------|
| 1 | श्रीमती लक्ष्मी राय | डॉ धनंजय त्रिपाठी | शोक्सपिर के सिनेमाई रूपांतरण |
| 2 | श्रीमती लेखा राय | डॉ धनंजय त्रिपाठी | उत्तर-पूर्वी साहित्य |
| 3 | श्री भास्कर छेत्री | डॉ धनंजय त्रिपाठी | आधुनिक भारतीय कथा |
| 4 | सुश्री अंकिता सरमाह | डॉ धनंजय त्रिपाठी और डॉ बेदब्रत सैकिया (सह पर्यवेक्षक) | औद्योगिक अर्थशास्त्र और उद्यमिता |

अनुसंधान परियोजना पूर्ण

सिक्किम में रहस्यमय शमनवाद की मनोगत परंपरा: इसके मूल विश्वास और जनजातीय प्रकृति का अध्ययन। आईसीएसआर द्वारा वित्त पोषित

जारी अनुसंधान परियोजना

ICSSR द्वारा वित्त पोषित परियोजना शीर्षक : कोविड -19 और सिक्किम पर इसका प्रभाव: सिक्किम कैसे और क्यों अपवाद बन जाता है, इसका एक अध्ययन। डॉ धनंजय त्रिपाठी को स्वीकृत।

कार्यशाला/संकाय विकास आयोजित कार्यक्रम

- मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने 29 सितंबर - 3 अक्टूबर 2020 के दौरान "बिलिंग प्रोफिशिएंस ऐकेडेमिक राइटिंग" पर एक सप्ताह की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला पूरी तरह से टी ई क्यू आई पी -III, द्वारा वित्त पोषित।
- मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने 16-20 फरवरी, 2021 के दौरान स्ट्रैटेजी इन मॉडर्न पेडागोजी पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यशाला को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा प्रायोजित किया गया था।
- मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने 23 से 27 मार्च 2021 के दौरान उद्यमिता विकास: चुनौतियां और अवसर पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यशाला को पूरी तरह से TEQIP-III, मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया था। भारत सरकार के शिक्षा विभाग।

कई शोध विद्वानों और शिक्षण संकायों ने कार्यशाला और संकाय विकास कार्यक्रमों में भाग लिया और लाभान्वित हुए। फीडबैक सत्र में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

विभागीय समितियां

| क्रमांक | संकाय सदस्य का नाम | समिति का नाम |
|---------|---|---|
| 1 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी | विभागाध्यक्ष |
| 2 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्स ओली | विभागीय संकाय बोर्ड |
| 3 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्स ओली डॉ. अचितेश एन बिस्वास (वह) डॉ. संजय के जाना (वह) डॉ. संग्राम रे (वह) | विभाग सातकोत्तर समिति |
| 4 | डॉ. ऋचा मिश्रा | संकाय सलाहकार बीटेक प्रथम वर्ष |
| 5 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्स ओली | एनईपी 2020 के तहत भारतीय भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समिति |
| 6 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी | प्रभारी प्राध्यापक प्रशिक्षण एवं स्थानन प्रकोष्ठ |
| 7 | डॉ. ऋचा मिश्रा | विभागीय वार्षिक रिपोर्ट प्रभारी प्राध्यापक |
| 8 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी डॉ. ऋचा मिश्रा डॉ. मार्क्स ओली | विभाग ग्रेड मॉडरेशन समिति |
| 9 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी | लोक सूचना अधिकारी |
| 10 | डॉ. धनंजय त्रिपाठी | प्रभारी प्रकाशन वेब सूचना प्रणाली संकाय |

विभागीय गतिविधियों पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव

कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया में मानवता को अत्यंत नुकसान पहुंचाया, लॉकडाउन और आवाजाही में प्रतिबंधों की वजह से दिन-प्रतिदिन की मानवीय गतिविधिया और जीवन के सामान्य दैनिक कामकाज के साथ साथ पूरा जीवन ही लगभग ठप हो गया। महाशक्तियां और विकासशील देश समान रूप से महामारी के खिलाफ कठिन समय से जूझ रहे हैं। एनआईटी सिविकम भी इसका कोई अपवाद नहीं रहा। परिणामतः संस्थान के नियमित जीवन शैली को बदलते हुए कक्षाओं और परीक्षाओं को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया। यहां तक कि संस्थान परिसर में आयोजित होने वाले सेमिनार, कार्यशाला, संकाय विकास कार्यक्रम आदि भी आनलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। पीएच.डी. के लिए विभागीय साक्षकात्कार तथा परियोजना सहायकों के साक्षकार भी वर्चुअल मीट के माध्यम से आयोजित किये गए। महामारी के कारण विशेष अतिथियों के कई व्याख्यान आयोजित नहीं हो सके।

आयोजित कार्यक्रम नीचे सूचीबद्ध हैं

| क्रमांक | कार्यक्रम | तिथि |
|---------|------------------------------------|--------------------------|
| 1 | स्वच्छता अभियान | 26-01-2020 |
| 2 | दूसरा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस | 1-03-2020 |
| 3 | कोन्फ्लुएन्स (मैलाप) | 24-07-2020 से 30-08-2020 |
| 4 | हिंदी पखवाड़ा | 12-09-2020 से 17-09-2020 |
| 5 | हमें गलत साबित करें | 19-12-2020 से 20-12-2020 |
| 6 | गणतंत्र दिवस | 26-01-2021 |
| 7 | आजादी का अमृत महोस्व | 12-03-2021 |

डिपार्टमेंट क्लब, द रेंगेंट इंक द्वारा आयोजित विभिन्न अन्य गतिविधियाँ

दी रेंगेंट इंक की स्थापना 24 फरवरी 2018 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम में साहित्यिक और मुखर स्वभाव सहित छात्रों के समग्र विकास की दृष्टि से की गई थी। महामारी की मार से प्रभावित होने के बाद भी यह प्रशंशनीय है की संस्थान ने सफलतापूर्वक शैक्षणिक सत्रों का ऑनलाइन माध्यम सञ्चालन किया है। इसके अतिरिक्त द रेंगेंट इंक ने अपने वभिन्न आयोजनों को भी ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किये जिससे की विद्यार्थियों को यह आभास नो हो की महामारी से उनका शिक्षेतर जीवन प्रभावित हुआ है। दी रेंगेंट इंक के कुछ प्रमुख आयोजनों की एक झलक नीचे दिखाई जा रही है।



1. स्वच्छता अभियान

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान के तहत “स्वच्छता ही सेवा” को बढ़ावा देने के लिए गांधी जयंती के अवसर पर 02 अक्टूबर 2020 को “द रेग्नेंट इंक” द्वारा एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया था। इस अभियान में लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। अभियान में छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी भाग लिया जो की उल्लेखनीय है। शैक्षणिक भवन, प्रशासनिक भवन, बहुउद्देशीय हॉल, पार्क और छात्रावास सहित संस्थान परिसर के भीतर सभी स्थानों को स्वच्छता के लिए लक्षित किया गया था और उन्हें स्वच्छ भी किया गया।

2. अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

भाषा न केवल संचार का एक साधन है, बल्कि यह ही वह सशक्त माध्यम है जिससे हम किसी की पहचान और उसके संस्कृति को समझ भी सकते हैं। दी रेग्नेंट इंक ने 1 मार्च 2020 को बहुउद्देशीय हॉल में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अंतिम आईआईटी खड़गपुर के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. राजीव कुमार रावत थे जिहोने मातृभाषा दिवस के महत्व पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, विभिन्न छात्रों ने अपनी मातृभाषाओं जैसे हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मैथिली, भोजपुरी, अवधी, नेपाली, उर्दू और कई अन्य का उपयोग करके गायन, नृत्य, स्किट, कविता आदि के माध्यम से अपनी संस्कृति का प्रदर्शन किया। 100 से अधिक छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ यह आयोजन क्लब की एक बड़ी सफलता थी। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा राष्ट्रगान गाए जाने के साथ हुआ।



3. कॉन्फ्ल्युएन्स (मिलाप)

द रेग्नेंट इंक ने 24 जुलाई 2020 से 30 अगस्त 2020 तक विभिन्न पूर्व छात्रों के साथ संवादात्मक सत्रों की एक श्रृंखला, कॉन्फ्ल्युएन्स की शुरुआत की, जिसका लक्ष्य एनआईटी सिक्किम की वर्तमान और पिछली पीढ़ी के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करना है। इस कार्यक्रम में छह

एपिसोड शामिल थे और इसे YouTube पर सीधा प्रसारित किया गया था, जिसमें पूर्व छात्रों ने एनआईटी सिक्किम परिसर में अपनी उपस्थिति के दौरान अपनी आकर्षक कहानियों, यादों, संघर्षों और अनुभवों को साझा किया था। छात्रों ने उत्साह से भाग लिया और वक्ताओं ने सभी छात्रों को प्रोत्साहित एंड उनका मार्गदर्शन किया।

| क्रमांक | वक्ता | तिथि |
|---------|--------------------|------------|
| 1 | श्री रोहन महापात्र | 24-07-2020 |
| 2 | श्री विशाल शर्मा | 01-08-2020 |

| क्रमांक | वक्ता | तिथि |
|---------|----------------------|------------|
| 3 | सुश्री प्रियंका मिंज | 09-08-2020 |
| 4 | श्री अनुराग डी.गौर | 16-08-2020 |
| 5 | श्री आदित्य आर्य | 23-08-2020 |
| 6 | श्री अजय कुमार | 30-08-2020 |

4. हिंदी पखवाड़ा

हिंदी पखवाड़ा के तहत 12-09-2020 से 17-09-2020 तक ऑनलाइन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गयी थी जो मुख्य रूप से हिंदी भाषा के महत्व पर केंद्रित थी। इन कार्यक्रमों ने प्रत्येक छात्र को साहित्य और कला में अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच भी प्रदान किया।

| क्रमांक | आयोजन | तिथि |
|---------|------------------------|-------------------------|
| 1 | कविता पाठ | 14/09/2020 |
| 2 | कविता लेखन | 15/09/2020 |
| 3 | चित्रकारी प्रित्योगिता | 13/09/2020 - 17/09/2020 |
| 4 | निबंध लेखन प्रतियोगिता | 16/09/2020 |
| 5 | कहानी लेखन प्रतियोगिता | 17/09/2020 |
| 6 | फोटोग्राफी प्रतियोगिता | 13/09/2020 - 17/09/2020 |

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

द्वारा आयोजित

हिन्दी पखवाड़ा

१२-१७ सितम्बर २०२०

हुई धुंधली आज पर, उज्ज्वल है तकदीर
चलो सँवारें हम सभी, हिंदी की तस्वीर।

The Regnant Ink

ज्ञ ओ टध
त औ अ ग ढप
ख ऊ इ आ ई ए जर
ब ड ख क उ ए ल ण
श क ल श क ल ल ष

/TheRegnantInk



5. प्रूव अस रॉन्ग

किसी को भी चर्चा से पीछे नहीं हटना चाहिए और यह हमारी पहली ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता "प्रूव अस रॉन्ग" के साथ एक बार किर साक्षित हुआ, जो 19 और 20 दिसंबर 2020 को आयोजित की गई थी। यह एक अंतर्विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता थी जिसमें सभी विभागों के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रमों ने छात्रों को अपने आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचारों को अन्य लोगों तक पहुंचाया जिसने उनके आत्मविश्वास में वृद्धि की।



| क्रमांक | रातंड | तिथि |
|---------|--|------------|
| 1. | अंतर विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (प्रारंभिक दौर) | 19-12-2020 |
| 2. | अंतर-विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (अंतिम दौर) | 20-12-2020 |

6. गणतंत्र दिवस

द रेप्रेंट इंक ने 26 जनवरी 2021 को, देश के 72 वां गणतंत्र दिवस समारोह को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म गूगल मीट के माध्यम से बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने देश के स्वर्णिम विरासत को याद किए।

कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान के निदेशक आचार्य एम.सी. गोविल ने सम्बोधित किए। इसके बाद एक लघु ऑनलाइन स्किट प्रस्तुत की गयी जो सामाजिक दुविधा और उनके स्थायी समाधान को दर्शाती है। इस कार्यक्रम में गायन, नृत्य, कविता पाठ और कई अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे। इस आकर्षक समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापित करने से हुआ।



7. आजादी का अमृत महोत्सव

द रेप्रेंट इंक ने टी ई क्यू आई पी ॥ के सहयोग से, भारत के स्वतंत्रता संग्राम की याद में, "आजादी का अमृत महोत्सव" का आयोजन किया। देश भर में मनाये गए इस समारोह का उद्घाटन मामनीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 मार्च 202 को किया तत्त्वज्ञात देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों की शुंखला मनाई गयी जिन्हे आजादी का अमृत महोत्सव नाम दिया गया। संस्थान में इस समारोह के अंतर्गत एक वेबिनार आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अंतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री वीरेंद्र पाठक रहे। श्री पाठक ने "भारत के स्वतंत्रता संग्राम" पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। वेबिनार के बाद "द अनसंग हीरोज ऑफ इंडियन फ्रीडम फाइट: ए ट्रिब्यूट" विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जिसमें विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।



तकनीकी शिक्षा
गुणवत्ता सुधार
कार्यक्रम

(टेक्यूप-III)



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टेक्यूप-III) का लाभार्थी है। विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित यह कार्यक्रम, राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू), भारत सरकार द्वारा कार्यान्वयित किया जा रहा है। इस परियोजना के प्रमुख उद्देश्यों में से एक उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने और सुधारने के लिए तकनीकी संस्थानों को सहायता प्रदान करना है।

एनआईटी सिक्किम को मेंटी इस्टीट्यूशन के रूप में चुना गया है और गुणवत्ता और औचित्य में सुधार के लिए पंद्रह करोड़ रुपये की निधि आवंटित की गयी है। संस्थान का मार्गदर्शन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर द्वारा किया जा रहा है। संस्थान ने संस्थागत विकास प्रस्ताव में निम्नलिखित गतिविधियों को परिभाषित किया है::

- संस्थान के शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को मजबूत करने के लिए सामान (उपकरण, फर्नीचर, किताबें, सीखने के संसाधन, सॉफ्टवेयर) और मामूली सिविल कार्यों की खरीद। इस उद्देश्य के लिए कुल नौ करोड़ रुपये की निधि आवंटित गयी है।
 - शिक्षण, सीखने और अनुसंधान क्षमता में सुधार। इस बजट मद के तहत आवंटित कुल निधि चार करोड़ पचास लाख रुपये है।
 - एक करोड़ पचास लाख रुपये का शेष बजट परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए आवश्यक विविध/आकस्मिक व्यय के लिए है।
- परियोजना के सफल कार्यान्वयन और परियोजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, निम्नलिखित सदस्यों की एक समर्पित दल का गठन किया गया है।

| क्रमांक | पद नाम | संकाय सदस्य का नाम |
|---------|--|---|
| 1. | संस्थागत परियोजना निदेशक (आईपीडी) | आचार्य महेश चंद्र गोविल, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम |
| 2. | तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम समन्वयक (टीसी) | डॉ. रंजन बसाक |
| 3. | तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम नोडल अधिकारी, अकादमिक | डॉ. संग्राम राय |
| 4. | तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम नोडल अधिकारी, वित्त | डॉ. अनिंद्या बिस्वास |
| 5. | तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम नोडल अधिकारी, प्रोक्योरमेंट | डॉ. अचिंतेश नारायण विस्वास |
| 6. | समन्वयक, स्टार्टअप | डॉ. अंजन कुमार रे |
| 7. | समन्वयक, इकिटी एक्शन प्लान | डॉ. बी. बालाजी नाइक |
| 8. | समन्वयक, पर्यावरण | डॉ. मलय रॉय |
| 9. | समन्वयक, गेट | डॉ. तरुण विश्वास |

टेक्यूप-III परियोजना के तहत विभिन्न शैक्षणिक और खरीद गतिविधियों की योजना बनाई गई है। हमने टेक्यूप-III परियोजना के तहत आवंटित निधि का सफलतापूर्वक उपयोग किया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में विभिन्न मदों में किये गये व्यय का विवरण नीचे दिया गया है।

तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम परियोजना के अंतर्गत व्यय

| क्रमांक | कार्यकलाप | कुल व्यय |
|---------|------------------------------------|------------------------------|
| 1. | उपकरण | रु. 52,22,830/- |
| 2. | अधिगम संसाधन | रु. 55,17,095/- |
| 3. | विद्यार्थी अधिगम सुधार | रु. 11,39,059/- |
| 4. | सहायता | रु. 84,31,450/- |
| 5. | संकाय / कर्मचारी विकास एवं प्रेरणा | रु. 17,82,382/- |
| 6. | शोध एवं विकास | रु. 4,09,485/- |
| 7. | सुधार एवं अभिशासन | रु. 8,04,536/- |
| 8. | उपयोग वस्तुएं | रु. 19,299/- |
| 9. | उपकरण सञ्चालन एवं अनुरक्षण | रु. 9,63,702/- |
| 10. | कार्यालय व्यय | रु. 23,94,332/- |
| 11. | बैठकें | रु. 4,50,819/- |
| 12. | यात्रा व्यय | रु. 42,000/- |
| 13. | वेतन | रु. 8,94,000/- |
| | | कुल रु. 2,80,70,989/- |

जिन गतिविधियों को पहले ही सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जा चुका है, वे इस प्रकार हैं -

संस्थान में टेक्यूप-III के तहत आयोजित कार्यशालाएं/प्रशिक्षण/बैठकें

| शीर्षक | विषय विशेषज्ञ / प्रतिभागी | दिनांक |
|--|--|------------------------------|
| यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य दिलीप शर्मा, एमएनआईटी जयपुर आचार्य हिमांशु चौधरी, एमएनआईटी जयपुर आचार्य मुरारी लाल मित्तल, एमएनआईटी जयपुर | 5 अगस्त 2020 |
| "इफेक्टिव ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट" पर अल्पकालिक प्रशिक्षण | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य एम.सी. गोविल, एनआईटी सिक्किम आचार्य उदयकुमार आर. यारागट्टी, एमएनआईटी जयपुर आचार्य ललित के. अवस्थी, एनआईटी जालंधर डॉ. एस. के. मिश्रा, डॉ बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर डॉ. सौरव गुप्ता, डॉ बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर डॉ. मनीष जिंदल, एनएबीईटी, नई दिल्ली श्री जयंत शर्मा, एमएनआईटी जयपुर आचार्य के.आर. नियाजी, एमएनआईटी जयपुर सीए साहिल मिंडा, एनआईटी सिक्किम श्री आर. के. मांझीवाल, आईआईटी जम्मू श्री जेसन राजकुमार, सीएजी अधिकारी श्री बीरबल सिंह, एमएनआईटी जयपुर डॉ सर्वेश के तिवारी, एमएनएनआईटी इलाहाबाद श्री सोनम तोपगे ताशी, एसडीएम रावंगला सीए सुशील दास, अभ्यास सीए आचार्य आर. एल. रैना, जेकेएलयू, जयपुर श्री दीपक माहेश्वरी, एमएनआईटी जयपुर | 24 अगस्त से 11 सितंबर, 2020 |
| कॉन्प्रिटिव रेडियो टेक्नोलॉजी : कांसेट, इवोलुशन एंड एटेना रिकायरमेंट्स | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य चिन्मय साहा, वैमानिकी विभाग, आईआईएसटी, त्रिवेंद्रम, केरल | 19 सितंबर 2020 |
| "अवेयरनेस कैम्पेन ऑन प्रिवेटिव मेजर एंड ड्रग डिमांड रिडक्शन" पर कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> श्री प्रेम दास राय, साथी, इकिप आचार्या प्रतिमा मूर्ति, निमहंस बैंगलोर | 26 सितंबर 2020 |
| Workshop on "Skill Development and Safety Training" | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य एम.सी. गोविल, एनआईटी सिक्किम श्री जी.पी. उपाध्याय, अपर मुख्य सचिव, सिक्किम सरकार डॉ. संजय राय, चिकित्सा अधिकारी, नामची जिला अस्पताल श्री बासुदेव खानाल, रावंगला बन अधिकारी श्री राम नेपाल, एनआईटी सिक्किम श्री राहुल भायूत, एनआईटी सिक्किम श्री अमित मैती, एनआईटी सिक्किम श्री सुभो दास, एनआईटी सिक्किम श्री रेवनाथ शर्मा, एनआईटी सिक्किम श्री मनीष कुमार, एनआईटी सिक्किम श्री अमृत शर्मा, एनआईटी सिक्किम सुश्री सहेली साहा, एनआईटी सिक्किम सुश्री चंदा मुक्तान, एनआईटी सिक्किम श्री भास्कर भट्टराई, एनआईटी सिक्किम | 5 सितंबर से 3 अक्टूबर 2020 |
| "बिल्डिंग प्रोफिशिएंसी इन अकादमिक राइटिंग" पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य क्रिस्टोफर की चैपल, लोयोला मैरीमाउंट यूनिवर्सिटी, यूएसए आचार्य फ्रैंक जी. केरियोरिस यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग, यूएसए डॉ. गिलियन झूले मिलांडस विश्वविद्यालय (एयूएस) आचार्य किशोर जी. कुलकर्णी यूनिवर्सिटी ऑफ डेनवर (यूएसए) डॉ. कैरोलिन कैबेल, लीड्स विश्वविद्यालय, यूके आचार्य एल.आर. शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, भारत आचार्य अनुराग के. अग्रवाल, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद | 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2020 |

| शीर्षक | विषय विशेषज्ञ / प्रतिभागी | दिनांक |
|---|---|--------------------------------|
| “कांटम इन्फॉर्मेशन एंड कम्प्यूटेशन” पर संकाय विकास कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य अदिति सेन डे, एचआरआई आचार्य इंद्रनील चक्रवर्ती, आईआईआईटी हैदराबाद आचार्य अर्चना एस मजूमदार, एसएनबीएनसीबीएस आचार्य अरुण कुमार पति, एचआरआई आचार्य आर प्रभु, आईआईटी धारवाड़ आचार्य उज्जवल सेन, एचआरआई आचार्य रमिजरहमान, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय आचार्य संदीप के गोयल, आईआईएसईआर मोहाली आचार्य टी.एस. महेश, आईआईएसईआर पुणे आचार्य बालादित्य सूरी, आईआईएससी आचार्य कृष्णपा पांडे, आईआईटी गुवाहाटी आचार्य अमित कुमार पाल, आईआईटी पलक्कड़ आचार्य प्रभा माङ्गाम, आईआईटी मद्रास | 5 से 17 अक्टूबर, 2020 |
| यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य हिमांशु चौधरी, एमएनआईटी जयपुर आचार्य अचिंत्य मुखोपाध्याय, जादवपुर विश्वविद्यालय आचार्य राजीव कुमार गर्ग, एनआईटी जालंधर। | 6 फरवरी 2021 एवं 10 फरवरी 2021 |
| “मशीन लर्निंग एंड स्पीच प्रोसेसिंग” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य एम.सी. गोविल, एनआईटी सिविकम आचार्य रिची नायक, क्यूयूटी, ब्रिस्बेन ऑस्ट्रेलिया डॉ. प्रशांत कुमार घोष, आईआईएससी बैंगलोर आचार्य एस.आर.एम. प्रसन्ना, आईआईटी धारवाड़ डॉ. नरेंद्र एन पी, आल्टो विश्वविद्यालय आचार्य मिक्को कुरिमो, आल्टो विश्वविद्यालय डॉ. संतोष के विपर्णी, एमएनआईटी जयपुर आचार्य सत गुप्ता, यूएसए आचार्य के.एस. राव, आईआईटी केजीपी आचार्य समुद्र विजया के, टीआईएफआर मुंबई डॉ. सुदर्शन रेण्डी कादिरी, आल्टो विश्वविद्यालय डॉ. सैयद शाहनवाजुद्दीन, एनआईटी पटना | 15 से 19 फरवरी 2021 |
| “रीसेट ट्रेंड ऑन टेक्नोलॉजीस इन इन्वाइरनमेंटल एंड वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य राकेश कुमार, निदेशक, नीरी आचार्य ब्रजेश कुमार दुबे, आईआईटी खड़गपुर आचार्य रिद्धि सिंह, आईआईटी बॉम्बे आचार्य दीपक कश्यप, आईआईटी रोपड़ आचार्य पवन कुमार लभासेटवार, सीएसआईआर नीरी श्री. सुमित कुमार, एनआईटी सिविकम आचार्य सोमनाथ मुखर्जी, जादवपुर विश्वविद्यालय आचार्य बिस्वजीत रुज, सीएसआईआर सीएमईआरआई आचार्य रुतुजा एम. चक्राण, मैनिट भोपाल आचार्य अनिबान गुप्ता, आईआईएसटी शिबपुर | 22 से 26 फरवरी, 2021 |
| “ रीसेट ट्रेंड्स इन थमो-फ्लूइड्स (आर टी टी एफ 21)” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य सुमन चक्रवर्ती, आईआईटी खड़गपुर आचार्य रजत गुप्ता, निदेशक, एनआईटी मिजोराम आचार्य शैलेंद्र डी शामरा, आईआईटी बॉम्बे डॉ. सिरशेंदु मंडल, एनआईटी दुर्गापुर डॉ. पल्लब सिन्हा महापात्रा, आईआईटी मद्रास डॉ. सौम्यदीप सेट, आईआईटी गांधीनगर आचार्य अमरेश दलाल, आईआईटी गुवाहाटी आचार्य सप्तर्षि बसु, आईआईएससी बैंगलोर आचार्य बिजन कुमार मंडल, IIEST शिबपुर आचार्य स्वर्णदु सेन, जादवपुर विश्वविद्यालय डॉ. सौविक चटर्जी, शिक्षा तकनीकी इंजीलवादी | 22 से 26 फरवरी, 2021 |

| शीर्षक | विषय विशेषज्ञ / प्रतिभागी | दिनांक |
|--|--|--------------------------|
| “इमर्जिंग ट्रेंड्स ऑन इंटरनेट ऑफ थिंग्स विथ एक्सपेरिमेंटल लर्निंग” पर लघु अवधि पाठ्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> • आचार्य एम.सी. गोविल, एनआईटी सिक्किम • आचार्य धनंजय सिंह, हांकुक विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय • डॉ. अमित सिंघल, बेनेट विश्वविद्यालय • डॉ. पिल्ली इमैनुएल, शुभकर, एमएनआईटी जयपुर • आचार्य ब्रेजेश लाल, आईआईटी दिल्ली • डॉ. मधुसूदन सिंह, वूसोंग विश्वविद्यालय • डॉ. एन.एस. राजपूत, आईआईटी (बीएचयू) • सेवा अभियंता, एंटुपल टेक्नोलॉजी • सेवा अभियंता, सीडीएसी, बैंगलोर • सेवा अभियंता, एडगेट टेक्नोलॉजी • सेवा अभियंता, कीसाइट इंडिया | 22 से 27 फ़रवरी, 2021 |
| “रीसेंट ट्रेंड्स इन पावर सिस्टम्स 2021 (आर टी पी एस 2021)” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> • आचार्य अभिजीत चक्रवर्ती, आईआईएसटी शिबपुर • डॉ. अनिरुद्ध भट्टाचार्य, एनआईटी दुर्गापुर • आचार्य चंदन कुमार चंदा, आईआईएसटी शिबपुर • आचार्य देबप्रिया दास, आईआईटी खड़गपुर • आचार्य के शांति स्वरूप, आईआईटी मद्रास • आचार्य खलीकुर रहमान नियाजी, एमएनआईटी जयपुर • आचार्य निदुल सिन्हा, एनआईटी सिलचर • डॉ. रोहित भाकर, एमएनआईटी जयपुर • श्री सुप्रिया पॉल, उप महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड • आचार्य स्वपन कुमार गोस्वामी, जादवपुर विश्वविद्यालय • डॉ. तन्मय मालाकार, एनआईटी सिलचर • डॉ. तूलिका भट्टाचार्जी, इंजीनियरिंग अधिकारी, केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान | 23 से 27 फ़रवरी, 2021 |
| “एन ई पी 2020 : पायनियरिंग अकादमिक रिफॉर्म्स” पर वेबिनार | <ul style="list-style-type: none"> • आचार्य एम. सी. गोविल, निदेशक एनआईटी सिक्किम, • आचार्य चंद्र शेखर, एनआईटी हमीरपुर • आचार्य राजीव त्रिपाठी, एमएनएनआईटी इलाहाबाद, • आचार्य रजत गुप्ता, निदेशक, एनआईटी मिजोरम, • आचार्य उदयकुमार यारागटी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर | 24 फ़रवरी 2021 |
| “एप्लिकेशन ऑफ पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स टू इंडस्ट्री ” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> • आचार्य भीम सिंह, आईआईटी दिल्ली • आचार्य मैनक सेनगुप्ता, आईआईएसटी शिबपुर • आचार्य मुकेश के. पाठक, आईआईटी रुड़की • आचार्य शांतनु के. मिश्रा, आईआईटी कानपुर • आचार्य अनूप के. पांडा, एनआईटी रातरकेला • डॉ. शांतनु कपाट, आईआईटी खड़गपुर • डॉ. रंजन के. बेहरा, आईआईटी पटना • श्री दीपक सैनी, भेल, भोपाल • श्री प्रदीप के. सनोदिया, पोसोको, मुंब | 2 से 6 मार्च 2021 |
| “रीसेंट अडवान्सेस इन इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी ” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> • आचार्य अनंत रामास्वामी, आईआईएससी बेंगलुरु • डॉ. कौशिक रॉय, आईआईटी पटना • आचार्य अमिय कुमार सामंत, एनआईटी, दुर्गापुर • आचार्य सुब्रत चक्रवर्ती, आईआईएसटी, शिबपुर • डॉ. अर्नब बनर्जी, आईआईटी दिल्ली • डॉ. रोमनबाबू ओइनम, आईआईटी तिरुपति • आचार्य पी के गोयल, डीटीयू • डॉ. वैभव सिंघल, आईआईटी पटना • श्री सुमित कुमार, एनआईटी सिक्किम • आचार्य श्रीकांत दास, विंडसर विश्वविद्यालय • आचार्य जयंत कुमार, आईआईएससी बेंगलुरु • डॉ. कृष्णनु रॉय, ऑकलैंड विश्वविद्यालय • डॉ. मोहना शनमुगम सुंदरम, एआईटी, पाइलैंड | 2 से 6 मार्च, 2021 |

| शीर्षक | विषय विशेषज्ञ / प्रतिभागी | दिनांक |
|---|--|----------------------|
| “मॉडन अन्टेनास फॉर प्रेजेंट एंड फ्यूचरिस्टिक वायरलेस कम्प्युनिकेशन टेक्नोलॉजी” पर कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य सतीश कुमार, निदेशक, एनआईटी कुरुक्षेत्र आचार्य डॉ. लेवेट सेवगी, प्रोफेसर, इस्तांबुल ओकान विश्वविद्यालय डॉ. गौतम चट्टोपाध्याय, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, नासा-जेपीएल कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान आचार्य प्रदीप कुमार जैन, निदेशक, एनआईटी पटना आचार्य सतीश के. शर्मा, निदेशक, एंटीना और माइक्रोवेव लैब, सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी आचार्य रौद्र घटक, प्रोफेसर, एनआईटी दुर्गापुर आचार्य देबातोष गुहा, अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फेलो, और प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट ऑफ रेडियो फिजिक्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स, कलकत्ता विश्वविद्यालय आचार्य एम.एम. शर्मा, प्रोफेसर, एमएनआईटी जयपुर आचार्य मोहम्मद एस. शरावी, डिपार्टमेंट डी जिनीइलेक्ट्रिक पॉलिटेक्निक मॉन्ट्रियल आचार्य एस.एस. पटनायक, निदेशक, एनआईटीटीआर चंडीगढ़ श्री. राजीव ज्योति, विशिष्ट वैज्ञानिक और उप निदेशक, सैक, इसरो | 8 से 13 मार्च 2021 |
| “ट्रोल सिस्टम्स एंड एप्लीकेशन्स” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य महेश चंद्र गोविल निदेशक, एनआईटी सिक्किम आचार्य बायराना नागप्पा सुरेश चांसलर, आईआईएसटी त्रिवेंद्रम आचार्य विनोद कुमार, कुलपति, जेयूआईटी, हिमाचल प्रदेश आचार्य सौमित्रो बनर्जी भौतिक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर कोलकाता आचार्य लक्ष्मीधर बेहरा, आईआईटी कानपुर आचार्य देबाशीष घोष एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, आईआईएससी बैंगलुरु आचार्य अमित पात्रा, आईआईटी खड़गपुर आचार्य बिनायू कृष्ण राय, एनआईटी सिलचर आचार्य अपराजिता सेनगुप्ता, आईआईएसटी शिबपुर डॉ. शांतनु कपाट, आईआईटी खड़गपुर डॉ. इंद्राणी कार, आईआईटी गुवाहाटी | 9 से 13 मार्च 2021 |
| “कंटेम्परी इश्सस इन डेसाइन एंड मैच्युफैक्चरिंग (सी आई डी एम 21)” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य करुणेश कुमार शुक्ला, निदेशक एनआईटी जमशेदपुर आचार्य सतीश सी. शर्मा, आईआईटी रुड़की डॉ. अरिजीत भट्टाचार्य, नॉर्विच बिजनेस स्कूल आचार्य हिमांशु चौधरी, एमएनआईटी जयपुर आचार्य सूर्यकांत पाल, आईआईटी खड़गपुर आचार्य मोहम्मद फारूक वानी, एनआईटी श्रीनगर आचार्य शांतनु दास, कल्याणी गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज आचार्य राजीव कुमार गर्ग, एनआईटी जालंधर आचार्य देबासिस दत्ता, IIEST शिबपुर डॉ. प्रशांत के.आर. महतो, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसएम), धनबाद आचार्य गौतम सूत्रधर, निदेशक, एनआईटी मणिपुर डॉ. जयें प्रकाश मिश्रा, आईआईटी बीएच्यू आचार्य अमिताभ रे, जलपाईगुड़ी सरकार इंजीनियरिंग महाविद्यालय | 15 से 19 मार्च 2021 |
| “फ़ज़ी लॉजिक सिस्टम्स इन इंजीनियरिंग एप्लिकेशन (एफ एल सी ई ए 21)” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य एन.पी. पाणी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी रुड़की आचार्य नीलाद्रि चटर्जी, गणित विभाग, आईआईटी दिल्ली आचार्य शिव प्रसाद यादव, गणित विभाग, आईआईटी रुड़की आचार्य सेहाशीष चक्रवर्ती, गणित विभाग, एनआईटी राऊरकेला आचार्य निर्मल बरन हुई, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी दुर्गापुर आचार्य राजेश कुमार, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, एमएनआईटी जयपुर डॉ. स्वागतम दास, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार विज्ञान विभाग आईएसआई कोलकाता डॉ. हैदर बांका, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद डॉ. वी. लक्ष्मण गोमती नयागम, गणित विभाग, एनआईटी त्रिची | 15 से 19 मार्च, 2021 |

| शीर्षक | विषय विशेषज्ञ / प्रतिभागी | दिनांक |
|---|---|---------------------|
| “मॉडन वायरलेस कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स एंड एटेना इंजीनियरिंग विथ एक्सपेरिमेंटल लर्निंग” पर लघु अवधि पाठ्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य नूनो बोर्जेस कार्वाल्हो, प्रोफेसर और दूरसंचार संस्थान, एवेइरो विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, आचार्य आर्टुरो, वाईआईसी टेक्नोलॉजीज डॉ. सायंतन धर, बॉश इंजीनियरिंग और बिजनेस सॉल्यूशंस डॉ. सोमक भट्टुचार्य, आईआईटी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय डॉ. आशीष माधुर, आईआईटी जोधपुर डॉ. देबदीप सरकार, आईआईएससी बैंगलो | 15 से 20 मार्च 2021 |
| “रीसेट अडवान्सेस इन आर्मेनिक एंड बायोमोलेक्यूलर केमिस्ट्री 2021” पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य जावेद इकबाल, संस्थापक अध्यक्ष, कॉस्मिक डिस्कवरीज, पूर्व प्रोफेसर आईआईटी कानपुर, पूर्व ग्लोबल हेड, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज आचार्य जोस जे.जी. मौरा, पुर्तगाल आचार्य लुकास हिंटरमैन, तकनीकी विश्वविद्यालय, म्यूनिख, जर्मनी आचार्य एंड्रयू व्हाटली, कैम्ब्रिज, यू.के. आचार्य याओ वांग, सांगडोंग, चीन आचार्य सुवर्ण कुलकर्णी, आईआईटी बॉम्बे आचार्य सी. वी. रमना, एनसीएल वी.पुणे आचार्य सुबी जैकब जॉर्ज, जेएनसीएसआर, बैंगलोर आचार्य समिक नंदा, आईआईटी खड़गपुर डॉ अककट टी. बीजू, आई.एससी. बैंगलोर डॉ. देबराज मुखर्जी, सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू डॉ इंदु भूषण देब, सीएसआईआर-आईआईसीबी कोलकाता डॉ. गौरीप्रसत्रा राय, आईआईटी तिरुपति डॉ. जोयन टी. जोसेफ डिस्कवरी केमिस्ट्री, सिनजीन इंटरनेशनल, बायोकॉन, बैंगलोर | 22 से 26 मार्च 2021 |
| “एंटरप्रेन्युअरशिप डेवलपमेंट : चैलेज एंड ऑपच्युनिटीज” पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य ऋषिकेश टी. कृष्णन, भारतीय प्रबंधन संस्थान बैंगलोर आचार्य सुरेश के. धमेजा, एनआईटीटीआर चंडीगढ़ आचार्य पी. सरवनन, भारतीय प्रबंधन संस्थान, तिरुचिरापल्ली | 23 से 27 मार्च 2021 |

संमेलन / संगोष्ठी में लेख्य प्रस्तुतीकरण / आमंत्रित व्याख्यान

| शीर्षक | संकाय / स्टॉफ़ा का नाम | दिनांक | स्थान |
|--|------------------------|-----------------------|----------------------|
| मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सेक्योरिटी एंड डेटा साइंस (एम आई एन डी) के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “एविडेंस बिल्डिंग फॉर ऐड क्लिक और वेब एक्सेस ऑन क्लाउड” एंड ” अ हाइब्रिड सुमित्रिक की क्रिटोग्राफिक मेथड टू प्रोवाइड सिक्योर डाटा ट्रांसमिशन” शीर्षक की लेख्य प्रस्तुति | श्री पंकज केसरवानी | 23 एवं 24 अप्रैल 2020 | एनआईटी सिलचर |
| पैराडाइम ऑफ कम्प्यूटिंग, कम्प्युनिकेशन एंड डेटा साइंस (पी सी सी डी एस - 2020) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “अ हरिस्टिक अप्रोच टू डिटेक्ट वेब ऐड चेक फ्रॉड्स” एंड “क्लिक ड्रॉइड : अ माइपोलोजी बेस्ड ऑन हरिस्टिक अप्रोच टू डिटेक्ट वेब ऐड चेक फ्रॉड्स” शीर्षक से पेपर प्रस्तुति | श्री पंकज केसरवानी | 1 से 3 मई 2020 | एनआईटी कुरुक्षेत्र |
| इंजीनियरिंग और सिस्टम (एससीईएस) पर आईईईई छात्र सम्मेलन में “डिज़ाइन एंड परफार्मेंस एनालिसिस ऑफ एफ डी ऑन इंसुलेटर एम ओ एस एफ ई टी / 2020” शीर्षक वाली पेपर प्रस्तुति | डॉ.जितेंद्र सिंह | 10 से 12 जुलाई 2020 | एमएनएनआईटी, इलाहाबाद |
| कम्प्युनिकेशन एंड सिग्नल प्रोसेसिंग (आईसीसीएसपी), आईईईई पर 2020 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “एक्स्ट्रा: एन एक्सटेंडेड रेडियल मीन रिस्पांस पैटर्न फॉर हैंड जेस्चर रिकॉर्डिंग” शीर्षक वाली पेपर प्रस्तुति | श्रीमती गोपा भौमिकी | 28 से 31 जुलाई 2020 | आईआईटी रोपड़ |

| शीर्षक | संकाय /स्टॉफा का नाम | दिनांक | स्थान |
|---|--|-----------------------|--|
| स्मार्ट टेक्नोलॉजीज फॉर पावर, एनर्जी एंड कंट्रोल (एसटीपीईसी) पर आईईई फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में “ऑटोमेटेड अल्गोरिथम ट्रू डेटमाइन डिज़ाइन कर्ब्स इन पैरामीटर स्पेस फॉर इंटरकनेक्टेड कन्वर्टर्स” शीर्षक वाला पेपर प्रेजेटेशन। | <ul style="list-style-type: none"> डॉ. प्रदीप कुमार डॉ. कुंतल मंडल | 25 एवं 26 सितंबर 2020 | एनआईटी नागपुर |
| स्मार्ट टेक्नोलॉजीज फॉर पावर, एनर्जी एंड कंट्रोल (एसटीपीईसी) पर आईईई फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में “सीएचबीएमएलआई बेस्ड पी वी डी जी सिस्टम्स विथ इम्प्रूव्हल पावर क्लाइटी फीचर्स एंड बैटरी बैकअप” शीर्षक वाला पेपर प्रेजेटेशन। | डॉ. अरबिंद पांडा | 25 एवं 26 सितंबर 2020 | एनआईटी नागपुर |
| “कम्प्रेशन ऑफ इंक्रीमेंटल करेंट बेस्ड एम पी पी टी अल्गोरिथम्स फॉर विंड फेड डी सी माइक्रोग्रिड” नामक पेपर प्रस्तुति स्मार्ट टेक्नोलॉजीज फॉर पावर, एनर्जी एंड कंट्रोल (एसटीपीईसी) पर आईईई पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। | <ul style="list-style-type: none"> डॉ. कुंतल मंडल डॉ. अरबिंद पांडा | 25 एवं 26 सितंबर 2020 | एनआईटी नागपुर |
| “डिज़ाइन ऑफ पी वी एमुलेटर फेड एम पी पी टी कंट्रोल्ड डी सी -डी सी बूस्ट कनवर्टर फॉर बैटरी चार्जिंग” शीर्षक वाली पेपर प्रस्तुति पावर, स्मार्ट टेक्नोलॉजीज फॉर पावर, एनर्जी एंड कंट्रोल (एसटीपीईसी) पर आईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। | <ul style="list-style-type: none"> डॉ. कुंतल मंडल डॉ. मलय रॉय | 25 एवं 26 सितंबर 2020 | एनआईटी नागपुर |
| ऑप्टिकल एंड वायरलेस टेक्नोलॉजीज (OWT 2020) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “डुअल-बैंड डुअल पोलराइज्ड सर्कुलर पोलराइज्ड एंड लीनियरली पोलराइज्ड एल-शेप्ड पैच एंटीना लोडेड विद स्ट्रिप एंड स्कायर स्लॉट” शीर्षक से पेपर प्रेजेटेशन | <ul style="list-style-type: none"> डॉ. तारकनाथ कुड डॉ. संजय जाना श्रीमती रेशमी धारा | 3 अक्टूबर 2020 | एमएनआईटी जयपुर |
| सोशिआओ - इकनोमिक एंड हेल्प चैलेंजेस ड्यूटी कोविड - 19 एंड मिटिगेशन स्ट्रेटेजीज में “अ वाइडबैंड मोनोपोल माइक्रोस्ट्रिप एंटेना यूसिंग ट्रू क्रॉस - शेप्ड रेडिएटर” शीर्षक से पेपर प्रस्तुति (SEHCM - 2020) | श्रीमती रेशमी धारा | 22 अक्टूबर 2020 | डॉ बी आर अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर |
| मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग एंड कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस फॉर वायरलेस कम्युनिकेशन (MDCWC2020) पर वर्कशॉप में “सर्कुलर पोलराइज्ड ऑप्टिकल बैंड CPW- फेड एंटीना यूजिंग थोरी ऑफ कैरेक्टरिस्टिक मोड फॉर वायरलेस कम्युनिकेशन एप्लिकेशन” शीर्षक वाला पेपर प्रेजेटेशन | श्रीमती रेशमी धारा | 23 अक्टूबर 2020 | एनआईटी तिरुचिरापल्ली |
| इंडस्ट्रियल एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (आई सी आई आई एस) 2020 पर 15 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईईई “क्रॉसफाईट: मल्टी-स्केल क्रॉस फीचर एग्रीगेशन नेटवर्क फॉर हैंड जेस्चर रिकॉर्डिंग” शीर्षक से पेपर प्रेजेटेशन, | <ul style="list-style-type: none"> श्रीमती गोपा भौमिकी | 26 से 28 नवंबर 2020 | ईसी, तमिलनाडु |
| अडवांस्ड कम्प्यूटिंग एंड कम्युनिकेशंस, 2020 पर 26 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “पी 2 पी ट्रैफिक आइडेंटिफिकेशन यूजिंग मशीन लर्निंग एंड फीचर सिलेक्शन टेक्निक्स ” शीर्षक वाला पेपर प्रेजेटेशन | <ul style="list-style-type: none"> मो. सरफराज आलम अंसारी | 16 से 19 दिसंबर 2020 | एनआईटी सिलचर |
| अडवांस्ड कम्प्यूटिंग एंड कम्युनिकेशंस, 2020 पर 26 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “Att-PyNet: एन अटेंशन पिरामिड फीचर नेटवर्क फॉर हैंड जेस्चर रिकॉर्डिंग” शीर्षक वाली पेपर प्रस्तुति | <ul style="list-style-type: none"> श्रीमती गोपा भौमिकी | 16 से 19 दिसंबर 2020 | एनआईटी सिलचर |

| शीर्षक | संकाय /स्टॉफ का नाम | दिनांक | स्थान |
|--|--|----------------------|--|
| माइक्रो/नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस सर्किट और सिस्टम (एमएनडीसीएस 2021) पर अ डिवाइड - बाय - स्केलर डिज़ाइन अप्रोच फॉर 5 जी एप्लीकेशंस /स्प्रिंगर शीर्षक वाला पेपर प्रस्तुतिकरण | <ul style="list-style-type: none"> डॉ. संजय कुमार जाना श्री सुभानील मैती श्री लोकनाथ कुंडू | 29 से 31 जनवरी 2021 | एनआईटी सिलचर |
| स्मार्ट ग्रिड एनर्जी सिस्टम्स एंड कंट्रोल (SGESC-2021) पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "कंपरेटिव पावर कालिटी एनालिसिस ऑफ यू वी टी कंट्रोल बेस्ड डी एस टी ए टी सी ओ एम" शीर्षक से पेपर प्रेजेंटेशन | डॉ. प्रदीप कुमार | 19 से 21 मार्च 2021 | एनआईटी कुरुक्षेत्र |
| एडवांस कंप्यूटिंग एप्लिकेशन (ICACA-2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्रिएटिव एनालिसिस ऑफ एन ऑथेटिकेशन एंड की मैनेजमेंट स्कीम फॉर हाइरार्किकल आई ओ टी नेटवर्क" शीर्षक वाली पेपर प्रस्तुति | श्री उद्धालक चटर्जी | 27 एवं 28 मार्च 2021 | कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), कोलकाता |
| "अ सिरकुलरी पोलेराइज़ड क्राड - बैंड अन्नुलर रिंग एंटेना विथ असिमिट्रिक ग्राउंड प्लेन यूजिंग थोरी ऑफ कैरेक्टरिस्टिक मोड्स" छात्र अनुसंधान सम्मेलन '21 (एसआरसी'21) | <ul style="list-style-type: none"> आचार्य एम.सी. गोविल डॉ. संजय जाना श्री एस यादव श्रीमती रेशमी धारा | 28 मार्च 2021 | आईआईटी कानपुर |

कार्यशालाओं/प्रशिक्षण में भाग लिया/अनुसंधान कार्य

| शीर्षक | संकाय /स्टॉफ का नाम | दिनांक | स्थान |
|--|--|---|--|
| "वीमेन एम्पवर्मेंट एंड प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हरासमेंट" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> डॉ. सुमित साहा श्रीमती गोपा भौमिक सुश्री दीपिका छेत्री | 5 अक्टूबर 2020 | आर्थिक अनुसंधान एवं विकास के व्यवस्थित संस्थान (SIERD) |
| "राइट टू इनफार्मेशन एक्ट" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> डॉ. धनंजय त्रिपाठी श्री राम नेपाल | 6 अक्टूबर 2020 | आर्थिक अनुसंधान एवं विकास के व्यवस्थित संस्थान (SIERD) |
| "एडवांस सोलर कलेक्टर्स" एंड "वर्चुअल एक्सपेरिमेंट्स इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | डॉ. कीर्ति तिवारी | 19 से 23 अक्टूबर 2020 एवं 14 से 18 दिसंबर 2020 | आईआईटी गुवाहाटी |
| "रोबोटिक्स फॉर 3 डी प्रिंटिंग", "वेल्डिंग एंड ऐडीटिव मैन्युफैक्चरिंग" एंड "वर्चुअल एक्सपेरिमेंट्स इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | श्री मनोहर कुमार | 19 से 23 अक्टूबर 2020, 30 नवंबर से 4 दिसंबर 2020 एवं 10 से 14 दिसंबर 2020 | आईआईटी गुवाहाटी |
| "एडवांस सोलर कलेक्टर्स" एंड "नैनोस्ट्रक्चर मैटेरियल्स एंड देयर एप्लीकेशंस इन नैनो टेक्नोलॉजी" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | डॉ. सुकांत धर | 26 से 30 अक्टूबर 2020 एवं 14 से 18 दिसंबर 2020 | आईआईटी गुवाहाटी |
| "एसेंशियल मैथमेटिक्स फॉर मशीन लर्निंग विथ हैंडस ऑन ट्रेनिंग" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | डॉ. अमित कुमार यादव | 23 से 27 नवंबर 2020 | आईआईटी रुड़की |
| "एनर्जी ऑडिट फॉर स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | डॉ. प्रदीप कुमार | 30 नवंबर to 4 दिसंबर 2020 | आईआईटी रुड़की |

| शीर्षक | संकाय/स्टॉफ का नाम | दिनांक | स्थान |
|--|---|----------------------|---------------------|
| "एक्सामिनेशन रिफॉर्म्स मैडेट" पर ऑनलाइन कार्यशाला | <ul style="list-style-type: none"> • डॉ. जीतेंद्र सिंह • डॉ. अविनाश कुमार • डॉ. सुदीप्त दास • डॉ. रवि श्रीवास्तव • डॉ. प्रशांत झा • डॉ. सुरेश कुमार • डॉ. कीर्ति तिवारी • श्री मनोहर कुमार • डॉ. देबजीत साहा • डॉ. मार्किर्या ओली सिंगे • डॉ. प्रदीप कुमार • डॉ. अमित कुमार यादव • श्री जोगी पाँल • पंकज कुमार केशरवानी • श्री एमडी सरफराज आलम • सुश्री गोपा भूमिका • डॉ. दूरदर्श चटर्जी • श्री सुमित कुमार • श्री राहुल बिस्वास | 4 से 7 दिसंबर 2020 | एनपीआईयू |
| "स्टेनेबल एनर्जी टेक्नोलॉजीज : सिंथेसिस ऑफ अल्टरनेटिव प्लूल्स, कैरेक्टराइजेशन एंड मॉलिक्यूलर सिम्युलेशन्स" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | डॉ. सुकांत धर | 7 से 11 दिसंबर, 2020 | आईआईटी रुड़की |
| "अर्गोनोमिक्स इन द एरा ऑफ इंडस्ट्री 4.0" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | डॉ. दीपान दास | 14 से 18 दिसंबर 2020 | आईआईटी गुवाहाटी |
| "एडवांस सोलर कलेक्टर्स" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण | डॉ. प्रदीप कुमार | 14 से 18 दिसंबर 2020 | आईआईटी गुवाहाटी |
| आईआईएम रायपुर द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> • आचार्य एम. सी. गोविल • डॉ. रंजन बसाक • डॉ. अंजन कुमार राय | 8 से 10 फरवरी 2021 | आईआईएम रायपुर |
| आईआईएम त्रिची द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> • डॉ. अचिंतेश एन. विश्वास • डॉ. शंभूनाथ बर्मन | 8 से 10 फरवरी 2021 | आईआईएम त्रिची |
| आईआईएम विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"> • डॉ. संजय कुमार जाना • संग्राम राय • डॉ. सौरव मल्लिक | 9 से 11 फरवरी 2021 | आईआईएम विशाखापत्तनम |

सम्मेलन/बैठक/कार्यक्रम/अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया

| शीर्षक | स्टॉफ का नाम | दिनांक | स्थान |
|--|--|---|-------------------|
| "रीसेट ट्रेइंग्स इन डेवलपमेंट्स ऑफ थर्मो-फ्लूइड्स एंड रिन्यूएबल एनर्जी (टी एफ आर ई - 2020)" पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (TFRE-2020) | डॉ. प्रदीप मंडल | 26 से 28 नवंबर, 2020 | एनआईटी नागार्लैंड |
| स्वयं एनपीटीईएल कोर्स | <ul style="list-style-type: none"> • डॉ. दिपायन दास • डॉ. कीर्ति तिवारी • डॉ. देबजीत साहा • डॉ. विभूति भूषण नायक • श्री मनोहर कुमार | 18 जनवरी 2021 से 9 अप्रैल 2021 एवं 15 फरवरी से 9 अप्रैल 2021. | ऑनलाइन मोड |

पहले उल्लेखित आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों के संसाधन व्यक्तियों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया था। विशेषज्ञ व्याख्यान (उपर्युक्त कार्यशाला के अलावा)

| शीर्षक | बाह्य विशेषज्ञ का नाम | दिनांक | स्थान |
|---|--|---|---|
| फैकल्टी इंटरेक्शन और लैब विजिट | आचार्य शरद गोखले, आईआईटी गुवाहाटी | 6 फरवरी 2021 | सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी सिविकम |
| "व्यावसायिक अभ्यास" पर विशेषज्ञ व्याख्यान | आचार्य राज कमल मित्तल, आईईएसई, एसएजी निदेशक | 23 जनवरी 30 जनवरी 2021 फरवरी एवं 27 फरवरी 2021 | सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी सिविकम |
| "ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी" पर विशेषज्ञ व्याख्यान | डॉ. पिल्ली इमैनुएल शुभकर, एमएनआईटी जयपुर | 19 नवंबर 2020 | कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी सिविकम |
| "प्यूचर इंटरनेट मॉडल एंड सर्विसेज एंड इंटरनेट थिंग्स फॉर स्मार्ट कम्प्युनिटी सलूशन" पर विशेषज्ञ व्याख्यान | प्रो. धनंजय सिंह, हांकुक विदेश अध्ययन विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया | 8 एवं 9 फरवरी 2021 | कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी सिविकम |

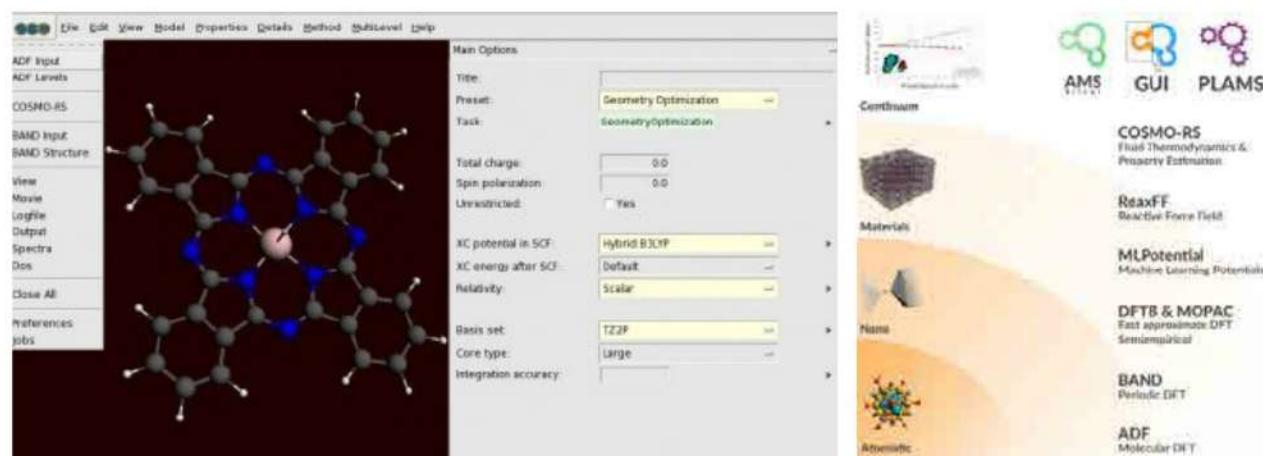
स्थान में आयोजित अन्य गतिविधियाँ

| Title / Type of Activity | Name of External Expert | Date |
|---|---|------------------------------------|
| वर्ल्ड हेरिटेज डे | श्री जी.पी. उपाध्याय, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सिविकम सरकार | 17 एवं 18 अप्रैल 2020 |
| वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम की जांच | प्रो. ए.बी. गुप्ता, एमएनआईटी जयपुर | 20 जुलाई 2020 |
| हिंदी पखवाड़ा | श्री. राजीव कुमार रावत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, आईआईटी खड़गपुर एवं श्री. जी.पी. उपाध्याय, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सिविकम सरकार | 12 से 17 सितंबर 2020 |
| वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम की जांच | डॉ बाबू राय, एनआईटी पटना | 27 सितंबर 2020 |
| स्वच्छता अभियान | - | 2 अक्टूबर, 2020 |
| वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम की जांच | प्रो. ए. मुरली कृष्णा, आईआईटी तिरुपति | 14 अक्टूबर 2020 |
| वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम की जांच | प्रो. अमिय सामंत, एनआईटी दुर्गापुर | 15 अक्टूबर 2020 एवं 10 दिसंबर 2020 |
| इंडक्शन प्रोग्राम 2020 | <ul style="list-style-type: none"> प्रो. जे.पी. सिंघल, पूर्व कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय प्रो. सी.बी. शर्मा, संस्थापक और सीईओ, डॉ. सीबीएस साइबर सुरक्षा सेवाएं प्रो. एम.सी. गोविल, निदेशक एनआईटी सिविकम डॉ. रंजन बसाक डॉ. संग्राम राय डॉ. सुंदर राज, निदेशक, एएआरआई विशाखापत्तनम डॉ. अंजन कुमार राय डॉ. धनंजय त्रिपाठी प्रो. रजत गुप्ता, निदेशक एनआईटी मिजोरम प्रो. गौतम सूत्रधर, निदेशक एनआईटी मणिपुर | 1 से 5 दिसंबर 2020 |
| विश्व विज्ञान दिवस | आचार्य शंकर के. पाल, नेशनल साइंस चैयर, एमेरिटस प्रोफेसर, डिस्टिंग्युशन डाइंटिस्ट एंड फॉर्मर डायरेक्टर, इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट | 28 February 2021 |
| आजदी का अमृत महोत्सव 75 वां स्वतंत्रता दिवस | श्री वीरेंद्र पाठक, वरिष्ठ पत्रकार, एनआई न्यूज इलाहाबाद | 12th मार्च 2021 |

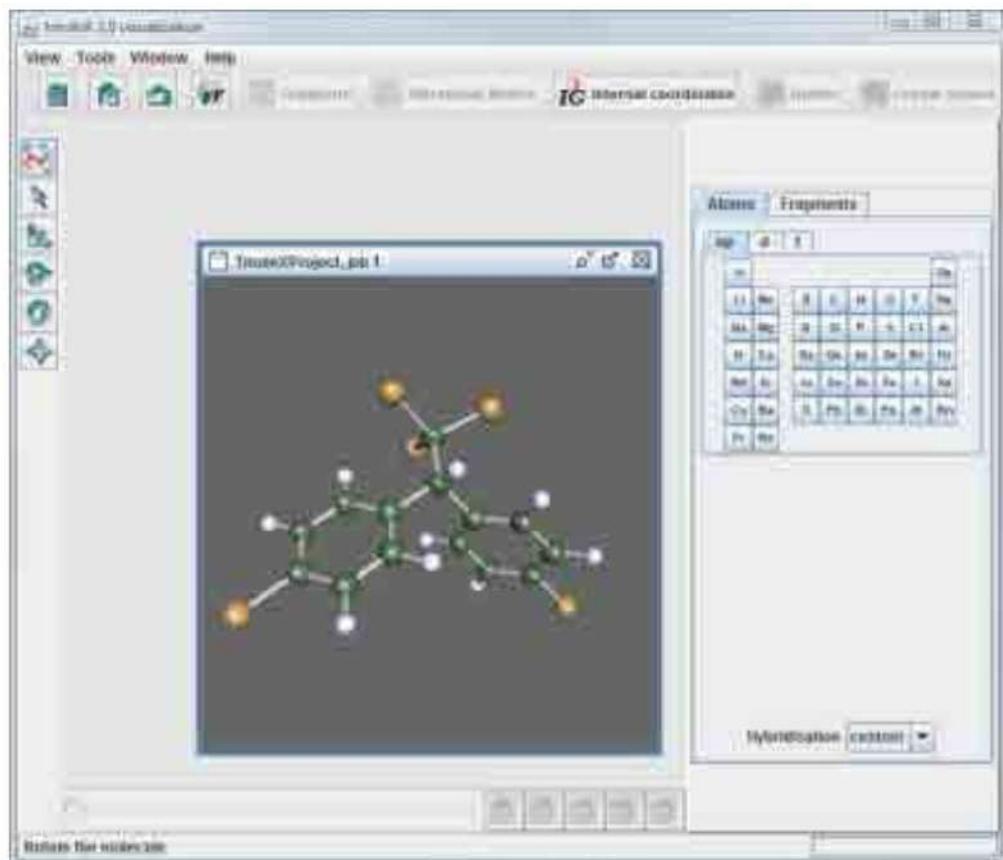
टेक्यूप-III के तहत खरीद

रसायनिकी विभाग

एम्स्टर्डम मॉडलिंग सूट (एएमएस): यह सॉफ्टवेयर रसायन विज्ञान, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग के सभी क्षेत्रों में शिक्षाविदों और उद्योगों द्वारा उपयोग किया जाता है। एम्स्टर्डम मॉडलिंग सूट (एएमएस) कांटम यांत्रिकी से लेकर कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान और सामग्री विज्ञान के लिए मॉड्यूल का एक व्यापक सेट प्रदान करता है।



टर्बोमोल सॉफ्टवेयर: यह सॉफ्टवेयर विभिन्न विशेषताओं वाले इलेक्ट्रॉनिक संरचना गणना के लिए एक प्रोग्राम पैकेज है। जैसे उत्तेजित अवस्था गणना, संरचना अनुकूलन और आणविक गतिशीलता गणना, विभिन्न स्पैक्ट्रोस्कोपिक गुणों की गणना।



कणिका संचार अभियांत्रिकी विभाग

डीएसओ: डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (डीएसओ) सिग्नल का डिजिटल रूप से संचयन और विश्लेषण करता है और इसमें डीएसओ में रीडआउट मेमोरी उपलब्ध होने के कारण किसी भी समय कार्यसाधन संभव है। इसमें एक एलसीडी फ्लैट पैनल है और तरंग के सभी गुणों को मापने और यह प्रदर्शित करने में सक्षम है।

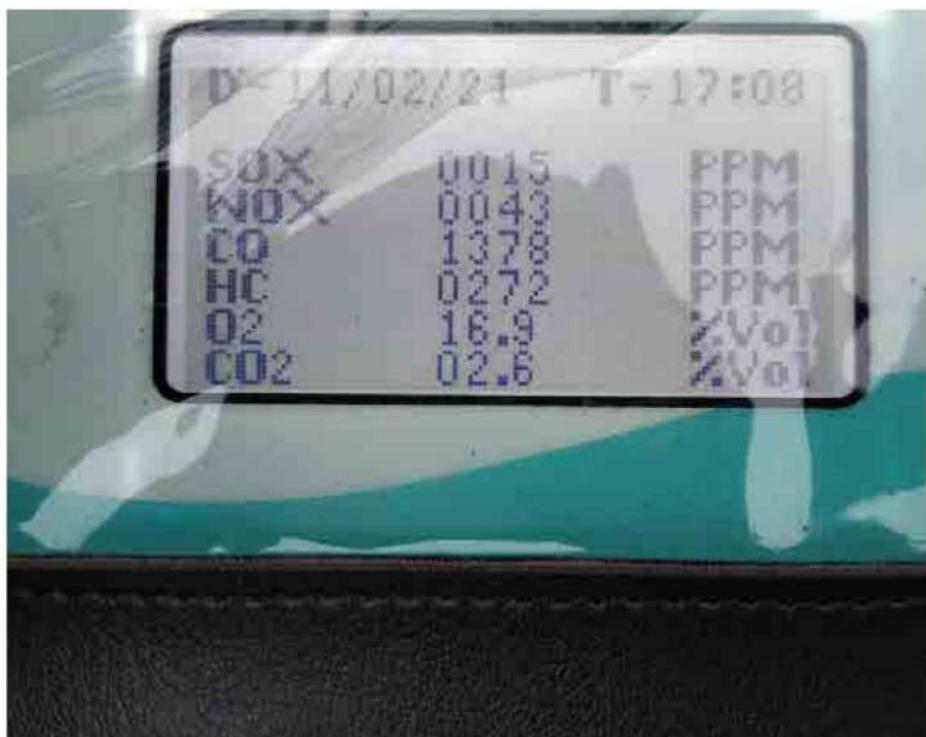
एक विवेकाधीन फ़ंक्शन जनरेटर (AFG) एक ऐसा उपकरण है जो दोहराए जाने वाले या एकल शॉट सिग्नल उत्पन्न कर सकता है, जिसमें उपयोगकर्ता द्वारा परिभाषित एक विवेकाधीन आकार होता है। इसका उपयोग उस सर्किट की कार्यक्षमता का परीक्षण करने के लिए परीक्षण के तहत सर्किट में सिग्नल लागू करने के लिए किया जा सकता है।



मैकेनिकल विभाग

रेजिस्टेंस स्पॉट वेल्डिंग मशीन: यह अंडरग्रेजुएट कोर्स की कास्टिंग, फॉर्मिंग और वेल्डिंग प्रयोगशाला के प्रयोग/ओं के संचालन के लिए TEQIP III के वित्तीय सहायता के तहत प्राप्त की गयी है।

फ्लू गैस विश्लेषक: आईसी इंजन प्रयोगशाला के मौजूदा इंजनों से उत्सर्जन को मापने के लिए इसे खरीदा गया है। इस उपकरण का उपयोग बी.टेक परियोजनाओं के साथ-साथ पीएचडी कार्यों को करने के लिए किया जाएगा।

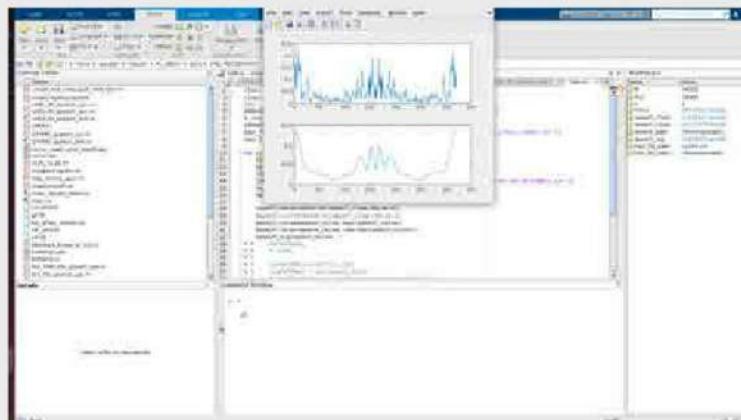


विद्युत एवं कणिका विभाग

डीस्पेस: डीस्पेस (डी एस 1104 आर एंड डी) कंट्रोलर बोर्ड छात्रों के पाठ्यक्रम से सम्बंधित प्रयोगशाला कक्षाओं, व्यावहारिक प्रशिक्षण, संबंधित परियोजना कार्यों तथा प्रौद्योगिकी स्रातकोत्तर के शोध प्रबंध और पीएचडी अनुसंधान कार्य के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, संकाय सदस्य इन संसाधनों का उपयोग अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों के लिए भी कर सकते हैं।



मेटलैब: इसका उपयोग मशीन लर्निंग, सिग्नल प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विज़न, संचार, कम्प्यूटेशनल फाइनेंस, कंट्रोल डिज़ाइन, रोबोटिक्स इत्यादि के लिए किया जाता है।



टर्निटिन: टर्निटिन किसी भी लेख को पत्रिकाओं या सम्मेलनों में संसूचित करने से पहले या छात्रों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को सप्रेषित करने से पहले ऑनलाइन संसाधनों के साथ प्रतिशत समानता की पहचान करने में सहायक होगा जिससे उनके लेखन की मौलिकता सुनिश्चित होगी। इससे अनुसंधान परिणामों के संदर्भ में संस्थान को भविष्य में लाभ होगा।

| First name & last name | User Type | Email | Action |
|------------------------|-----------|-----------------------------------|--------|
| Sarfaraj Ansari | User | sarfaraj@iitkhar.ac.in | Edit |
| Shambhu Nath Barman | User | shambhu.nath.barman@iitkhar.ac.in | Edit |
| Ranjan Basak | User | basak@online.iitkhar.ac.in | Edit |

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकिम के द्वारा सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकिम आसपास के समुदाय और गांवों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल है। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता लाने और लोगों के लिए आजीविका के लिए सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र आस-पास के गांवों, रस्तों और आसपास के क्षेत्रों में जाते हैं। सामुदायिक विकास और जागरूकता के लिए की गई कुछ गतिविधियाँ निम्न लिखित हैं:

- गाँव के आवश्यक विकास और उत्पादक आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए ग्रामीणों के साथ बैठकें की गयी हैं तथा प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन जैसे पानी और मिट्टी, आर्थिक गतिविधियों में तकनीकों को प्रयोग के बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है।

- क्षेत्र में कुशल, प्रभावी लागत और सतत विकास प्रथाओं की पहचान करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये गए हैं। जिससे आधारभूत स्तर के संगठनों को नए उत्पादों को नया रूप देने में मदद मिलेगी और ग्रामीण उद्यमियों को अपने आसपास ही रोजगार के अवसर एवं सुविधाएं प्राप्त होंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण शिक्षण एवं तकनीकी संस्थानों से जुड़ पाएंगे और तकनीक का उत्तम उपयोग कर विकास के पथ पर आगे बढ़ पाएंगे।
- ग्रामीणों को आदर्श ग्राम तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के बेहतर मानकों से परिवित कराया गया है जिससे उनका जीवन सुखद एवं स्वस्थप्रद हो सके।



लेखापरीक्षा प्रतिवेदन और वार्षिक खाता







कार्यालय प्र. महालेखाकार , (लेखापरीक्षा)
लेखापरीक्षा भवन, देवराली, सिक्किम
गान्तोक – 737 102
Office of the Pr. Accountant General (Audit),
Lekha Pariksha Bhawan, Deorali,
Sikkim, Gangtok – 737 102

No: Comm/NIT/SAR-20-21/21-22/54
Dated: 16 September 2021

सेवा में,

निदेशक महोदय,
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
रावांगला कैम्पस,
रावांगला, बारफंग ब्लॉक
साउथ सिक्किम - 737139

विषय: 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का अग्रेषण

महोदय,

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, रावांगला के लेखा पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को इसके साथ आपकी ओर से आवश्यक कार्रवाई के लिए अग्रेसित किया जाता है।

संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने के पूर्व संस्थान द्वारा अंकेक्षित लेखा एवं पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन पर यथावत् विचार तथा उसे अंगीकार किया जाना चाहिए।

इसके साथ ही, अंकेक्षित लेखा/ पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को पटल पर रखे जाने की तिथि इस कार्यालय को सूचित की जानी चाहिए। अनुमोदित वार्षिक प्रतिवेदन के हिंदी एवं अंग्रेजी प्रत्येक संस्करण की दो प्रतियां भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को अग्रेसित किए जाने के लिए इस कार्यालय को प्रस्तुत की जानी चाहिए।

कृपया इस पत्र की पावती की अभिस्वीकृति दें।

आपका विश्वासी,

उप महालेखाकार

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के लेखा पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

हमने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2007 की धारा 22 (2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 19 (2) के अधीन 31 मार्च 2021 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के संलग्नित तुलन पत्र, उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरणियां संस्थान के प्रबंधन का उत्तरदायित हैं। हमारा दायित्व लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर अपनी राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, उत्तम लेखांकन अभ्यासों के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानकों एवं प्रकटन मानकों आदि के संबंध में लेखांकन व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि के संबंध में वित्तीय लेन-देन पर लेखा परीक्षा अवलोकनों, यदि कोई हो, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों/नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से अलग से प्रतिवेदित किया जाता है।

3. हमनें अपनी लेखा परीक्षा, भारत में समान्य रूप से स्वीकार किए गये लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस विषय में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनायें और लेखापरीक्षा करें कि क्या ये वित्तीय विवरणियां मिथ्यावर्णन से मुक्त हैं। एक लेखा परीक्षा में परीक्षण, एक जांच आधार पर, राशियों को सहयोग करनेवाले साक्ष्य तथा वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण शामिल है। एक लेखा परीक्षा में उपयोग में लाए गए लेखांकन सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा बनाए गए प्राक्कलनों के मूल्यांकन के साथ वित्तीय विवरणियों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल करता है। हम विश्वास करते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय के लिए समुचित आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं कि :-

- (i) हमनें वे सभी सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।
- (ii) इस प्रतिवेदन में व्यवहृत तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।
- (iii) हमारी राय में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम द्वारा लेखाओं की उपर्युक्त बहियों तथा संबंधित अन्य अभिलेखों का संधारण, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2007 की धारा 22 (1) के अंतर्गत वांछित आवश्यकताओं के अनुरूप किया गया है, जैसा कि इन पुस्तिकाओं की जांच से प्रकट होता है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि :-

(क) चालू देयताएं एवं प्रावधान (अनुसूची 3)

प्रायोजित परियोजना के संबंध में प्राप्तियां: रु. 37.79 लाख

उपरोक्त को रु. 16.43 लाख से कम दर्शाया गया है, जो कि विश्वेश्वरैया निधि के प्रति प्राप्त राशि है, जो कि अभी भी प्राप्त है। इस संस्थान ने विश्वेश्वरैया निधि के तहत रु. 16.43 लाख की राशि व्यय की है, जो अभी भी प्रायोजक से प्राप्त होनेवाली है। इसके परिणामस्वरूप, ऋण अग्रिम एवं जमा (अनुसूची-8) रु. 16.43 लाख से कम दर्शायी गई है।

(ख) सरकार से वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान

संस्थान ने अनुदान के रूप में रु. 9.81 करोड़ की राशि प्राप्त की है तथा विगत वर्ष की अव्ययित राशि रु. 8.00 करोड़ थी। कुल उपलब्ध रु. 17.81 करोड़ के अनुदान में से, संस्थान ने रु. 17.81 करोड़ की राशि उपयोग की है, जिससे अव्ययित अनुदान शून्य रहा।

(V) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में दिए गए अपने अवलोकनों के अधीन, हम प्रतिवेदन करते हैं कि इस प्रतिवेदन में व्यवहृत तुलन-पत्र और आय-व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा का विवरण, लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

(VI) हमारी राय में तथा हमें दी गई सर्वोत्तम सूचनाओं और स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर दी गई टिप्पणियों के साथ पठित तथा ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण विषयों एवं इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के संलग्न-। में उल्लेखित अन्य विषयों के तहत, उक्त वित्तीय विवरणियां, भारत में सामान्यतया स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही एवं उचित स्थिति प्रस्तुत करती है।

(क) जहां तक यह 31 मार्च 2021 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कार्यों की स्थिति के तुलनपत्र से संबंधित है; तथा

(ख) जहां तक यह, 31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिशेष की आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
लिए और उनकी ओर से

प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा)
सिविकम, गंगटोक

स्थान: गंगटोक

दिनांक: 16.09.2021

अनुलग्नक - I

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली संस्थान के आकार एवं प्रकृति के अनुपात में है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली संस्थान के आकार एवं प्रकृति के अनुपात में है।

3. सांविधिक बकाये के भुगतान में नियमितता

प्रबंधन उचित प्राधिकरणों को सांविधिक बकायों के भुगतान में नियमित है।

4. स्थिर परिसंपत्तियों / मालसूचियों की भौतिक जांच प्रणाली

वर्ष 2019-20 के लिए माल-सूचियों एवं स्थिर परिसंपत्तियों की भौतिक जांच प्रगति में है।

स्थान: गंगटोक

दिनांक: 16.09.2021



प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा)

सिक्किम, गंगटोक

टीईक्यूआईपी III



लेखा विवरण



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31 मार्च 2021 को तुलन पत्र

राशि रूपये में

| निधियों का स्रोत | अनुसूची सं. | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|--|-------------|-------------------------|-------------------------|
| कॉर्पस / पूँजी निधि | 1 | 487,987,705.00 | 479,140,719.00 |
| निर्दिष्ट/ चिह्नित / बंदोबस्ती निधि | 2 | 2,524,641.00 | 1,161,901.00 |
| चालू देयताएं एवं प्रावधान | 3 | 59,542,565.00 | 133,923,439.00 |
| कुल | | 550,054,911.00 | 614,226,059.00 |
| निधियों का उपयोग | | | |
| स्थिर परिसंपत्तियां | 4 | | |
| मूर्त परिसंपत्ति | | 239,822,320.00 | 229,133,839.00 |
| अमूर्त परिसंपत्ति | | 2,698,810.00 | 3,341,810.00 |
| पूँजी कार्य प्रगति | | 159,944,913.00 | 158,280,121.00 |
| चिह्नित / बंदोबस्ती निधि से निवेश | 5 | | |
| दीर्घावधि | | - | - |
| अल्पावधि | | - | - |
| निवेश-अन्य | 6 | - | - |
| चालू परिसंपत्तियां | 7 | 144,386,567.00 | 220,640,725.00 |
| ऋण, अग्रिम एवं जमा | 8 | 3,202,301.00 | 2,829,564.00 |
| कुल | | 550,054,911.00 | 614,226,059.00 |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ | 23 | | |
| आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां | 24 | | |

दिनांक: 20.08.2021

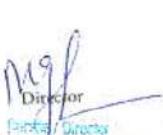
स्थान: रावंगला, दक्षिण सिक्किम

कृते, सुशील दास एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए और उसकी ओर से


कृष्ण कुमार प्रसाद
साझेदार




Director
नियोजक / Director
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Silvassa
निदेशक


Registrar
कालावद्वा / Registrar
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Silvassa
रजिस्ट्रर

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

| विवरण | अनुसूची सं. | चालू वर्ष | राशि रूपये में |
|---|-------------|-----------------------|-----------------------|
| | | 31.03.2021 | 31.03.2020 |
| आय | | | |
| शैक्षणिक प्राप्तियां | 9 | 28,067,815.00 | 37,577,288.00 |
| अनुदान / सब्सिडी | 10 | 121,818,482.31 | 170,828,916.00 |
| निवेश से आय | 11 | 2,958,470.00 | 2,332,277.00 |
| अर्जित ब्याज | 12 | 510,769.00 | 5,263,230.00 |
| अन्य आय | 13 | 2,900,218.60 | 946,438.00 |
| पूर्वावधि आय | 14 | 664,690.00 | 1,143,000.00 |
| कुल (क) | | 156,920,444.91 | 218,091,149.00 |
| व्यय | | | |
| कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय) | 15 | 103,573,649.28 | 99,983,537.00 |
| शैक्षणिक व्यय | 16 | 5,628,121.00 | 7,043,320.00 |
| प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय | 17 | 40,524,530.17 | 51,004,224.00 |
| परिवहन व्यय | 18 | 741,981.00 | 3,740,509.00 |
| मरम्मत एवं रखरखाव | 19 | 6,606,419.00 | 6,587,550.00 |
| वित्त लागत | 20 | 21,860.00 | 41,202.00 |
| मूल्यहास | 4 | 44,556,280.00 | 37,875,246.00 |
| अन्य व्यय | 21 | - | - |
| पूर्वावधि व्यय | 22 | 628,675.00 | 2,428,574.00 |
| कुल (ख) | | 202,281,515.45 | 208,704,162.00 |
| शेष जो कि व्यय पर आय का अधिशेष (क-ख) है | | -45,361,070.54 | 9,386,987.00 |
| निर्दिष्ट निधि में/से अंतरण | | - | - |
| भवन निधि | | - | - |
| अन्य (निर्दिष्ट करें) | | 2,090,975.00 | - |
| शेष जो कि अधिशेष/घाटा है, पूँजी निधि में अग्रेनीत | | -47,452,045.54 | 9,386,987.00 |
| महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ | 23 | | |
| आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां | 24 | | |

दिनांक: 20.08.2021

स्थान: रावंगला, दक्षिण सिक्किम

कृते, सुशील दास एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

कृष्ण कुमार प्रसाद
साइंटेक्स



M.G.F.
Director
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Sikkim

निदेशक

Registrar
कूलपालिका / Registrar
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Sikkim

रजिस्ट्रार

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

राशि रूपये में

| प्राप्तियाँ | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 | भुगतान | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|---|-------------------------|-------------------------|---|-------------------------|-------------------------|
| 1. प्रारम्भिक शेष | | | 1. व्यय | | |
| क) नकद शेष | 14,551.00 | 45,240.00 | क) स्थापना व्यय | 95,250,457.00 | 97,964,650.00 |
| ख) नकद शेष-परियोजना | 965,736.00 | - | ख) शैक्षणिक व्यय | 4,834,579.00 | 7,043,220.00 |
| ग) बैंक शेष | | | ग) प्रशासनिक व्यय | 37,656,475.17 | 49,583,278.00 |
| इ) चालू खाता | 33,415,090.00 | 16,417,620.00 | घ) परिवहन व्यय | 652,732.00 | 3,374,133.00 |
| ii) जमा खातों में | 32,887,129.00 | 28,704,769.00 | ड) मरम्मत एवं रखरखाव | 6,606,419.00 | 5,932,820.00 |
| iii) बचत खाता | 151,362,617.00 | 237,737,103.00 | च) पूर्वावधि व्यय | - | 30,000.00 |
| iv) परियोजना खाता | - | - | छ) वित्त लागत | 21,860.00 | 41,202.00 |
| v) ग्रांट इन ट्रांजिट | - | - | | | |
| 2. अनुदान प्राप्त | | | 2. चिन्हित/ बंदोबस्ती निधि के प्रति भुगतान | 2,778,900.00 | 1,092,513.00 |
| क) भारत सरकार से | 98,100,000.00 | 120,000,000.00 | | | |
| ख) अन्य स्रोतों से (विवरण) (पूँजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान, जिसे उपलब्ध होने पर पृथक रूप में दिखाया जाय) | - | - | | | |
| 3. शैक्षणिक प्राप्तियाँ | 32,933,981.00 | 34,662,281.00 | 3. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के प्रति भुगतान | 6,137,793.83 | 6,499,076.00 |
| 4. चिन्हित / बंदोबस्ती निधि के प्रति प्राप्तियाँ | 4,108,559.00 | 1,741,250.00 | 4. प्रायोजित फैलोशिप / छात्रवृत्तियों के प्रति भुगतान | - | - |
| 5. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के प्रति प्राप्तियाँ | 4,034,633.00 | 5,092,428.00 | 5. निवेश एवं जमा | | |
| | | | क) चिन्हित / बंदोबस्ती निधियों से | - | - |
| | | | ख) स्व-निधियों से | - | - |
| 6. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियाँ | 747,071.00 | 70,000.00 | 6. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा | - | - |
| 7. निम्न निवेश पर आय | | | 7. अनुदानों की वापसी | - | - |
| क) चिन्हित निधियाँ | | | | | |
| 8. ब्याज प्राप्ति | | | 8. स्थिर परिसंपत्तियों एवं अमूर्त स्थिर परिसंपत्तियों पर व्यय | 693,724.00 | - |
| क) बैंक जमा | 2,958,470.00 | 2,332,277.00 | पूँजी कार्य प्राप्ति | 1,664,792.00 | - |
| ख) एलेक्सी डिपोजिट | 666,245.00 | - | अमूर्त स्थिर परिसंपत्तियाँ | | |
| ग) बचत बैंक खाता | 2,192,967.00 | 5,263,230.00 | क) कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स | 24,415,915.00 | 11,301,209.00 |
| 9. निवेश नकदीकरण | - | - | ख) कार्यालय उपकरण | 23,022.00 | 402,032.00 |
| | | | ग) पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं | - | 2,216,951.00 |
| | | | घ) वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी उपकरण | 12,781,841.95 | 617,667.00 |
| | | | ड) संयंत्र एवं मशीनरी | -213,369.00 | 204,412.00 |
| | | | च) अन्य स्थिर परिसंपत्तियाँ | 11,564.00 | 41,997.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

राशि रूपये में

| प्राप्तियां | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 | भुगतान | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|--|-------------------------|-------------------------|--|-------------------------|-------------------------|
| | | | छ) फर्नीचर फिक्सचर एंड फिटिंग्स | 493,083.40 | 7,563,483.00 |
| | | | ज) खेल उपकरण | 920,668.60 | - |
| 10. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा नकदीकरण | - | - | झ) अस्थायी शेड | 5,028,260.66 | 7,141,610.00 |
| | | | ज) श्रव्य-दश्य उपकरण | 8,573,153.00 | 2,225,951.00 |
| | | | ट) विद्युत स्थापना एवं उपकरण | 129,128.00 | 8,290,756.00 |
| | | | ठ) बिल्डिंग्स | 294,420.00 | |
| | | | ड) वाहन | 1,450,348.00 | |
| | | | 9. साविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान | 25,477,195.09 | 48,815,449.00 |
| | | | 10. जमा एवं अग्रिम | 9,551,835.00 | 28,708,955.00 |
| 11. अन्य आय (पूर्वावधि सहित) | 2,900,218.60 | 2,089,438.00 | | | |
| | | | 11. अन्य भुगतान (सीपी निधि में अंतरण) | - | 4,984,032.00 |
| 12. जमा, देनदार एवं अग्रिम | 5,752,092.00 | 30,387,031.00 | | | |
| | | | 12. अंतिम शेष | | |
| | | | क) नकद शेष | 3,000.00 | 14,551.00 |
| 13. वैधानिक प्राप्तियां सहित विविध प्राप्तकर्ता | 12,984,097.00 | 25,372,127.00 | ख) बैंक शेष | | |
| | | | i) चालू खाता | 10,004,406.00 | 33,415,090.00 |
| 14. जमानती जमा राशि | 256,000.00 | 2,612,500.00 | ii) जमा खाता | 88,075,435.00 | 32,887,129.00 |
| | | | iii) बचत खाता | 42,169,944.00 | 151,362,617.00 |
| 15. अन्य कोई प्राप्तियां | 107,283.00 | 193,225.00 | iv) परियोजना खाता | 899,156.90 | 965,736.00 |
| | | | v) ग्रांट इन ट्रॉजिट | - | - |
| | 386,386,739.60 | 512,720,519.00 | | 386,386,739.60 | 512,720,519.00 |

दिनांक: 20.08.2021
स्थान: रावंगला, दक्षिण सिक्किम

कृते, सुशील दास एंड एसोसिएट्स
सनदी लेखाकार

कृष्ण कुमार प्रसाद
साझेदार

M.P.
Director
भौतिक / Director
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Silvassa

निदेशक

P.R.S.
Registrar
भौतिक / Registrar
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Silvassa

रजिस्ट्रार



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 1 : कॉर्पस / पूँजी निधि

राशि रूपये में

| निधियों का स्रोत | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|---|-------------------------|-------------------------|
| वर्ष के प्रारम्भ में शेष | 479,140,718.79 | 361,118,663.79 |
| जोड़ें: कॉर्पस / पूँजी निधि में योगदान | | |
| जोड़ें: पूँजी व्यय के लिए प्रयुक्त होने तक यूजीसी, भारत सरकार एवं राज्य सरकार से अनुदान | 56,266,551.61 | 108,635,068.00 |
| जोड़ें: चिह्नित निधि से क्रय की गई परिसंपत्तियां | - | - |
| जोड़ें: प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां, जहां संस्थानों में स्वामित्व निहित है | - | - |
| जोड़ें: परिसंपत्तियां दान/उपहार प्राप्त | - | - |
| जोड़ें: अन्य अधिशेष | 32,480.00 | - |
| जोड़ें: व्यय पर आय का अधिशेष आय एवं व्यय लेखा से अंतरित | -47,452,045.54 | 9,386,987.00 |
| वर्ष के अंत में शेष | 487,987,704.86 | 479,140,718.79 |



ग्रामीण प्रौद्योगिकी मंरक्षण शिविकम

अनुसूची - 2 : निर्दिष्ट / चिन्हित / बंदेबस्ती निधि

| विवरण | | | | | | | निषि वर्ष 31.03.2021 |
|---|-----------------------------------|--------------------|-------------------|---------------------|---------------------|----------------------|----------------------|
| अ) | निषि सीएसटी | निषि ईओई एवं दीएसए | निषि सीएसटी | निषि सहहानीपता | निषि सीएसटी प्रोबेट | निषि सीएसटी एमएचआरडी | निषि वर्ष 31.03.2020 |
| क) | प्रारम्भिक शेष | 157,685.00 | 4,124.00 | 268,933.00 | - | -8,841.00 | 740,000.00 |
| ख) | वर्ष के दौरान अधिकार | 445,915.00 | 15,000.00 | 1,435,300.00 | 2,245,425.00 | - | 4,141,640.00 |
| ग) | निषियों से नियमित निवेश से आय | - | - | - | - | - | - |
| घ) | निवेश / अग्रिम पर अंजित खाता | - | - | - | - | - | - |
| ड) | बचत ऐक खाते पर खाता | - | - | - | - | - | - |
| घ) | अन्य परिवर्तन (नियोकता योगदान) | - | - | - | - | - | - |
| | कुल (क) | 603,600.00 | 4,124.00 | 283,931.00 | 1,435,300.00 | 2,245,425.00 | -8,841.00 |
| | | | | | | | 740,000.00 |
| | | | | | | | 5,303,541.00 |
| | | | | | | | 2,254,414.00 |
| B) उपरोक्त निषियों के उद्देश्य के प्रति व्यय | | | | | | | |
| i) | पूँजीगत व्यय | - | - | - | - | - | - |
| ii) | राजस्व व्यय | 603,600.00 | - | 1,435,300.00 | - | 740,000.00 | 2,778,900.00 |
| iii) | वापरी | - | - | - | - | - | 1,091,115.00 |
| | कुल (ख) | 603,600.00 | - | 1,435,300.00 | - | 740,000.00 | 2,778,900.00 |
| | वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क. ख.) | - | 4,124.00 | 283,933.00 | 2,245,425.00 | -8,841.00 | 2,524,641.00 |
| | | | | | | | 1,161,901.00 |
| निम्न द्वारा प्रस्तुत | | | | | | | |
| नकद एवं बैंक शेष | - | 4,124.00 | 283,933.00 | - | 2,245,425.00 | - | 2,524,641.00 |
| निवेश | - | - | - | - | - | - | 1,161,901.00 |
| ब्याज अंजित लेविन देय नहीं | - | - | - | - | - | - | - |
| कुल | - | 4,124.00 | 283,933.00 | - | 2,245,425.00 | - | 2,524,641.00 |
| | | | | | | | 1,161,901.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 2क : बंदेवस्ती निधि

राशि रूपये में

| बंदेवस्ती निधि का नाम | प्रारंभिक शेष | | वर्ष के दौरान परिवर्धन | | कुल | | वर्ष के दौरान वस्तु पर क्षय | | प्रारंभिक शेष | | कुल (10+11) |
|-----------------------|---------------|-------------|------------------------|-------|-----------|-------------|-----------------------------|-------------|---------------|-------------|----------------|
| | बंदेवस्ती | संचित भ्याज | बंदेवस्ती | भ्याज | बंदेवस्ती | संचित भ्याज | बंदेवस्ती | संचित भ्याज | बंदेवस्ती | संचित भ्याज | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| क) | | (3+5) | | (4+6) | | | | | | | |
| ख) | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| ग) | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| घ) | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| ड) | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| च) | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |
| छ) | | - | - | - | - | - | - | - | - | - | |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 3 : चालू देयताएँ एवं प्रावधान

राशि रूपये में

| निधियों का स्रोत | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 | राशि रूपये में |
|---|-------------------------|-------------------------|----------------|
| | | | |
| अ. चालू देयताएँ | | | |
| 1. आपूर्तिकर्ताओं से जमा | 1,221,781.00 | 1,544,863.00 | |
| 2. विद्यार्थियों से जमा | 10,294,971.00 | 8,766,736.00 | |
| 3. विविध लेनदार | | | |
| क) माल एवं सेवाओं के लिए | 5,512,460.00 | 4,744,858.79 | |
| ख) अन्य | 2,872,796.00 | 898,868.71 | |
| 4 जमा-अन्य (ईएमडी, प्रतिभूति जमा सहित) | 2,719,238.00 | 3,603,662.00 | |
| 5 वैधानिक देयताएँ (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस) | 2,414,100.88 | 1,087,556.88 | |
| क) अतिदेय | - | - | |
| ख) अन्य | 26,146.00 | 24,146.00 | |
| 6 अन्य चालू देयताएँ | - | - | |
| क) वेतन एवं मजदूरी | - | - | |
| ख) प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां | 3,779,142.27 | 5,882,303.10 | |
| ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां | 284,402.00 | 267,102.00 | |
| घ) अनुपयोगी अनुदान | - | 79,985,033.92 | |
| ङ) मेडिकल बोर्ड निधि | 231,482.00 | 231,482.00 | |
| च) सीपीएफ फंड | 411,455.00 | 1,451,572.00 | |
| छ) मुख्यमंत्री राहत कोष | - | 125,078.00 | |
| ज) चीफ वार्डन निधि | 6,083,705.42 | 9,149,398.42 | |
| झ) अन्य देयताएँ | 521,634.00 | 28,960.00 | |
| ञ) एल्युमिनी एसोसिएशन शुल्क (2015) | 125,805.00 | 125,805.00 | |
| ट) छात्रावास मेस एवं कर्मचारी कल्याण निधि | 1,128,055.00 | 1,128,055.00 | |
| ठ) सोसायटी शुल्क (2015) | 62,903.00 | 62,903.00 | |
| ड) अग्रिम शुल्क | 4,656,377.00 | 6,633,151.00 | |
| ढ) फीस माफी देय | 4,100,117.00 | -7,000.00 | |
| ण) मंत्रालय को देय बचत ब्याज | 2,348,442.60 | - | |
| कुल (क) | 48,795,013.17 | 125,734,534.82 | |
| ख) प्रावधान | | | |
| 1 कराधान के लिए | - | - | |
| 2 ऐच्युटी | 6,055,265.00 | 5,092,106.00 | |
| 3 सुपरएनुशन पेंशन | - | - | |
| 4 संचित अवकाश नकदीकरण | 4,692,287.00 | 3,096,798.00 | |
| 5 ट्रेड वारंटियाँ / दावे | - | - | |
| 6 अन्य (निर्दिष्ट करें) | - | - | |
| कुल (ख) | 10,747,552.00 | 8,188,904.00 | |
| योग (क + ख) | 59,542,565.17 | 133,923,438.82 | |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 3क : प्रायोजित परियोजनाएं

| क्र. सं. | प्रायोजन का नाम | प्रारंभिक शेष | | वर्ष के दौरान प्राप्तियां / वसूली | कुल | वर्ष के दौरान ब्याप | क्रेडिट | डेबिट | अंतिम शेष | राशि रूपये में |
|----------|------------------------|---------------------|------------------|--------------------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|----------|-----------|----------------|
| | | क्रेडिट | डेबिट | | | | | | | |
| 1 | इंस्पार | 1,602,002.00 | | | 1,602,002.00 | | | | | - |
| 2 | अन्य | 295,758.00 | | | 295,758.00 | | | | | 295,758.00 |
| 3 | एसईआरबी - टी कुंडु | 388,584.00 | | | 388,584.00 | | | | | 200,000.00 |
| 5 | एसएमटीपी प्रोजेक्ट | 1,795,895.50 | | 1,017,406.00 | 2,813,301.50 | 1,395,142.23 | | | | 1,418,159.27 |
| 6 | विश्वविद्यालय | 661,375.00 | | | 661,375.00 | 2,304,117.00 | | | | -1,642,742.00 |
| 7 | सीएसएसआर प्रोजेक्ट | - | 23,954.00 | 79,732.00 | 55,778.00 | 55,778.00 | | | | - |
| 8 | डीएसटी - अविसेश नारायण | 123,679.00 | | | 123,679.00 | 123,596.00 | | | | 83.00 |
| 9 | यूडीएचडी परियोजना | 73,318.00 | | | 73,318.00 | 73,318.00 | | | | - |
| 10 | डीएसटी - आईसीपीएस | 509,127.50 | | 361,270.00 | 870,397.50 | 354,913.00 | | | | 515,484.50 |
| 11 | एनएमएचएस प्रोजेक्ट | 456,518.10 | | 25,725.00 | 482,243.10 | 113,661.60 | | | | 368,581.50 |
| 12 | सीएसएसआर-कोविड | - | | 62,500.00 | 62,500.00 | - | | | | 62,500.00 |
| 13 | एनएमपीईटी | - | | 2,488,000.00 | 2,488,000.00 | - | | | | 2,488,000.00 |
| | कुल | 5,906,257.10 | 23,954.00 | 4,034,633.00 | 9,916,936.10 | 6,137,793.83 | 3,779,142.27 | - | - | - |

अनुसूची - 3ख : प्रायोजित फ़ेलोशिप एवं स्कॉलरशिप

| क्र. सं. | प्रायोजक का नाम | 01.04.2020 को प्रारंभिक शेष | | वर्ष के दौरान सेन-डेन | क्रेडिट | डेबिट | क्रेडिट | डेबिट | अंतिम शेष | 31.03.2021 को शेष |
|----------------------------------|-------------------------------------|-----------------------------|----------|-----------------------|---------|-------|---------|-------|-----------|-------------------|
| | | क्रेडिट | डेबिट | | | | | | | |
| विश्वविद्यालय अनुदान आयोग | | | | | | | | | | |
| | मंत्रालय | | | | | | | | | |
| | अज्ञा के लिए शीर्ष वर्ग छात्रवृत्ति | 2,000.00 | - | | | | | | | - |
| | अज्ञा के लिए शीर्ष वर्ग छात्रवृत्ति | 262,880.00 | - | | | | | | | - |
| | अन्य क्षेत्रीय राज्य | - | - | | | | | | | - |
| | अन्य (निर्दिष्ट करें) | 2,222.00 | - | | | | | | | - |
| | कुल | 267,102.00 | - | | | | | | | 267,102.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - ३ग : यूजीसी, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से अप्रयुक्त अनुदान

राशि रूपये में

| | | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|----|-------------------------------------|-------------------------|-------------------------|
| क) | योजना अनुदान: भारत सरकार | | |
| | शेष अग्रानीत | 79,985,033.92 | 239,449,017.92 |
| | जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां | 98,100,000.00 | 120,000,000.00 |
| | घटाएं: वापसी | | |
| | घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त | 121,818,482.31 | 170,828,916.00 |
| | घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त | 56,266,551.61 | 108,635,068.00 |
| | अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (क) | - | 79,985,033.92 |
| ख) | यूजीसी अनुदान: योजना | | |
| | शेष अग्रानीत | | |
| | जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां | | |
| | घटाएं: वापसी | | |
| | घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त | | |
| | अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (ख) | | |
| ग) | यूजीसी अनुदान: गैर-योजना | | |
| | शेष अग्रानीत | | |
| | जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां | | |
| | घटाएं: वापसी | | |
| | घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त | | |
| | अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (ग) | | |
| घ) | राज्य सरकार से अनुदान | | |
| | शेष अग्रानीत | | |
| | जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां | | |
| | घटाएं: वापसी | | |
| | घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त | | |
| | अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (घ) | | |
| | कुल (क+ख+ग+घ) | - | 79,985,033.92 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 4 : स्थिर संपत्तियाँ

राशि रूपये में

| क्र. सं. | परिस्परि शीर्षक | वर % | सकल रक्त | | प्रारम्भिक शेष 01.04.2020 | परिवर्तन/विलोपन | अंतिम शेष 31.03.2021 | प्रारम्भिक शेष 01.04.2020 | वर के लिए सुधाराच | विवाह/समायोजन | निवाल खंड | |
|----------|-----------------------------|----------------|----------------|----------------|------------------------------|-----------------|-------------------------|------------------------------|-------------------|----------------|----------------|------------------|
| | | | | | | | | | | | 31.03.2021 | 31.03.2020 का |
| 1 | भूमि | - | 27,771,535.00 | 920,668.60 | 28,692,203.60 | - | - | - | - | - | - | - |
| 2 | कार्यालय विकास | 2% | 20,857,344.00 | 294,420.00 | 21,251,764.00 | 4,300,142.80 | 425,035.00 | 4,725,177.80 | 16,526,586.00 | 13,023,622.00 | 16,657,201.00 | |
| 3 | भवन | 33% | 13,359,623.00 | 5,028,260.66 | 18,887,883.66 | 6,790,620.00 | 6,233,002.00 | 13,964,600.00 | 5,864,262.00 | 7,069,003.00 | 55,958,340.00 | |
| 4 | अस्थायी शेष | - | 69,923,000.00 | - | 69,923,000.00 | 13,964,600.00 | - | - | 41,693,800.00 | - | 55,958,340.00 | |
| 5 | प्राइवेट छात्रावास | 20% | 424,809.00 | - | 424,809.00 | 27,091.00 | 8,496.00 | 35,587.00 | 389,222.00 | - | 397,718.00 | |
| 6 | ट्रॉफेरेल एवं जलाशृंखला | 2% | 129,128.00 | 32,133,250.00 | 7,959,586.00 | 1,606,663.00 | 9,566,249.00 | 22,567,001.00 | - | - | 24,044,536.00 | |
| 7 | सीवरेज एवं ड्रेनेज | - | 32,004,122.00 | - | - | - | - | 762,483.10 | 2,001,208.00 | - | 2,352,762.00 | |
| 8 | विद्युत स्थापना एवं उपकरण | 5% | 2,917,060.00 | -213,690.00 | 2,763,691.00 | 138,185.00 | 4,084,858.00 | 18,946,523.55 | 32,114,198.00 | 23,417,214.00 | - | |
| 9 | संभंग एवं नमीनीर्णी | 5% | 38,278,880.00 | 12781,84195 | 51,060,721.95 | 14,861,665.55 | - | 8,045,593.08 | 6,882,251.00 | 7,978,17.00 | - | |
| 10 | कैशनिक एवं प्रयोगशाला उपकरण | 8% | 14,904,822.00 | 23,022.00 | 14,927,844.00 | 6,926,005.08 | 1,119,588.00 | - | - | - | - | |
| 11 | कार्यालय / मेस उपकरण | 7.50% | 8,573,153.00 | 17,769,321.00 | 1,378,026.00 | 1,332,699.00 | 2,710,725.00 | 15,058,596.00 | 7,818,142.00 | - | - | |
| 12 | श्रव्य इश्य उपकरण | 7.50% | 9,196,168.00 | 24,415,915.00 | 90,048,493.00 | 49,815,648.00 | 8,046,569.00 | 57,862,217.00 | 32,186,276.00 | 15,816,930.00 | - | |
| 13 | कंप्यूटर एवं प्रोसेसर्स | 20% | 65,632,578.00 | 47,886,826.00 | 493,083.40 | 15,925,158.80 | 3,628,493.00 | 19,553,651.80 | 28,826,258.00 | 31,961,667.00 | - | |
| 14 | फनर्मार फिल्मस्वर एवं किटिस | 7.50% | 17,700,792.00 | - | 17,700,792.00 | 13,278,302.00 | 1,770,079.00 | 15,048,381.00 | 2,652,411.00 | 4,422,490.00 | - | |
| 15 | चेतावनीकरण | 10% | 4,738,220.00 | 1,450,348.00 | 6,188,568.00 | 2,312,152.00 | 618,857.00 | 2,931,009.00 | 3,257,559.00 | 2,426,068.00 | - | |
| 16 | कम सूच्य की परिसंपत्तियाँ | 100% | 345,533.00 | 11,564.00 | 357,097.00 | 345,533.00 | 11,564.00 | 357,097.00 | - | - | - | |
| | कुल (क) | | 368,809,991.00 | 53,908,035.61 | 422,718,026.61 | 139,676,151.78 | 43,219,556.00 | - | 182,895,707.78 | 239,822,320.00 | 229,133,839.00 | |
| 19 | पूँजी कार्यालयी भवन | 144,835,253.00 | 1,664,792.00 | 146,500,045.00 | - | - | - | - | 146,500,045.00 | 144,835,253.00 | - | |
| 20 | पूँजी कार्यालयी लिएत | 13,444,868.00 | - | 13,444,868.00 | - | - | - | - | 13,444,868.00 | 13,444,868.00 | - | |
| | कुल (छ) | | 158,280,121.00 | 1,664,792.00 | 159,944,913.00 | - | - | - | 159,944,913.00 | 158,280,121.00 | - | |
| 21 | कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | 40% | 4,133,498.00 | 693,724.00 | 4,827,222.00 | 3,727,568.40 | 162,396.00 | 3,889,904.40 | 937,317.60 | 405,989.60 | - | |
| 22 | ई.जरीस | 40% | 24,712,542.54 | - | 24,712,542.54 | 21,776,721.85 | 1,174,328.00 | 22,951,049.85 | 1,761,482.69 | 2,935,820.69 | - | |
| | कुल (ग) | | 28,846,040.54 | 693,724.00 | 29,539,764.54 | 25,504,230.25 | 1,336,724.00 | 26,840,954.25 | 2,694,810.29 | 3,341,810.29 | - | |
| | योग (क+ख+ग) | | 555,936,152.54 | 56,266,551.61 | 612,202,704.15 | 165,180,382.03 | 44,556,260.00 | - | 402,466,043.29 | 390,755,770.29 | - | |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 4क : योजना

राशि रूपये में

| क्र. सं. | परिसंपत्ति शीर्षक | कर % | साकाल रुक्ण | | भूलक्षण | | विवरण | | निवाल खंड | |
|----------|---|-------|-----------------------------|----------------|-------------------------|-----------------------------|---------------------|-------------------|-------------------------|------------------|
| | | | प्रारंभिक बोध 01.04.2020 | परिषष्ठ/विलोपन | अंतिम बोध 31.03.2021 | प्रारंभिक बोध 01.04.2020 | वर्ष के लिए भूलक्षण | विलोपन/समाप्तवाचन | अंतिम बोध 31.03.2021 | 31.03.2020 कर |
| 1 | भूमि | - | 27,771,535.00 | 920,668.60 | 28,692,203.60 | - | - | - | - | - |
| 2 | कार्यशाल विकास | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 3 | भवन | 2% | 20,557,344.00 | 294,420.00 | 21,251,764.00 | 4,300,142.80 | 425,035.00 | 4,725,177.80 | 16,226,586.00 | 16,657,201.00 |
| 4 | अस्थायी शेड | 33% | 13,359,623.00 | 5,028,260.66 | 18,887,883.66 | 6,790,620.00 | 6,233,002.00 | 13,023,622.00 | 5,864,262.00 | 7,069,003.00 |
| 5 | पाँचवां छात्रावास | 20% | 69,233,000.00 | - | 69,823,000.00 | 13,964,600.00 | 13,964,600.00 | - | 27,929,200.00 | 41,893,800.00 |
| 6 | ट्रॉफेल एवं जलालपत्र | 2% | 424,809.00 | - | 424,809.00 | 27,091.00 | 8,496.00 | 35,587.00 | 389,222.00 | 397,718.00 |
| 7 | सीरिज एवं ट्रैनिंग | 2% | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 8 | विद्युत स्थाना एवं उपकरण | 5% | 32,004,122.00 | 129,128.00 | 32,133,250.00 | 7,959,586.00 | 1,606,663.00 | 9,566,249.00 | 22,567,001.00 | 24,044,536.00 |
| 9 | संस्कृत एवं भाषाओं में | 5% | 2,977,060.00 | 213,369.00 | 2,763,691.00 | 624,298.10 | 138,185.00 | 762,483.10 | 2,001,208.00 | 2,352,762.00 |
| 10 | वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण | 8% | 38,278,880.00 | 12,781,841.95 | 51,060,721.95 | 14,861,665.55 | 4,084,858.00 | 18,946,523.55 | 32,114,198.00 | 23,417,214.00 |
| 11 | कार्यालय / सेस उपकरण | 7.50% | 14,904,822.00 | 23,022.00 | 14,927,844.00 | 6,926,005.08 | 1,119,588.00 | 8,045,593.08 | 6,882,251.00 | 7,978,817.00 |
| 12 | प्रब्रह्म उपकरण | 7.50% | 9,196,168.00 | 8,573,153.00 | 17,769,321.00 | 1,378,026.00 | 1,332,699.00 | 2,710,725.00 | 15,058,596.00 | 7,818,142.00 |
| 13 | कंप्यूटर एवं प्रोग्राम्स | 20% | 65,532,578.00 | 24,415,915.00 | 90,048,493.00 | 49,815,648.00 | 8,046,569.00 | 57,862,217.00 | 32,185,276.00 | 15,816,930.00 |
| 14 | फार्माचिर फिर्मसच एवं फिटेस | 7.50% | 47,886,826.00 | 493,083.40 | 48,379,909.40 | 15,925,158.80 | 3,628,493.00 | - | 19,553,651.80 | 28,826,258.00 |
| 15 | सेल उपकरण | 10% | 2,308,679.00 | - | 2,308,679.00 | 1,167,323.45 | 230,868.00 | 1,388,191.45 | 910,488.00 | 1,141,356.00 |
| 16 | पुस्तकालय पुस्तके एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ | 10% | 17,700,792.00 | - | 17,700,792.00 | 13,278,302.00 | 1,770,079.00 | 15,048,381.00 | 2,652,411.00 | 4,422,490.00 |
| 17 | वाहन | 10% | 4,738,220.00 | 1,450,348.00 | 6,188,568.00 | 2,312,152.00 | 618,857.00 | 2,931,009.00 | 3,257,559.00 | 2,426,068.00 |
| 18 | क्रांति मूल्य की परिसंपत्तियां | 100% | 345,533.00 | 11,564.00 | 357,097.00 | 345,533.00 | 11,564.00 | 357,097.00 | - | - |
| | कुल (क्र.) | | 368,809,991.00 | 53,908,035.61 | 422,718,026.61 | 139,676,151.78 | 43,219,556.00 | - | 182,895,707.78 | 229,822,320.00 |
| 19 | पूर्जी कार्यप्राप्ति - भवन | | 144,935,253.00 | 1,664,792.00 | 146,500,045.00 | - | - | - | 146,500,045.00 | 144,835,253.00 |
| 20 | पूर्जी कार्यप्राप्ति - विद्युत | | 13,444,866.00 | - | 13,444,866.00 | - | - | - | 13,444,866.00 | 13,444,866.00 |
| | कुल (क्र.) | | 158,280,121.00 | 1,664,792.00 | 159,944,913.00 | - | - | - | 159,944,913.00 | 158,280,121.00 |
| 21 | कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | 40% | 4,133,498.00 | 693,724.00 | 4,827,222.00 | 3,727,508.40 | 162,396.00 | 3,889,904.40 | 937,317.60 | 405,989.60 |
| 22 | ई. कर्मस | 40% | 24,712,542.54 | - | 24,712,542.54 | 21,776,721.85 | 1,174,328.00 | 22,951,049.85 | 1,761,492.69 | 2,935,820.69 |
| | कुल (ग) | | 28,846,040.54 | 633,724.00 | 29,539,764.54 | 25,304,230.25 | 1,336,724.00 | 26,840,954.25 | 2,698,810.29 | 3,341,810.29 |
| | योग (क्र+ख+ग) | | 555,936,152.54 | 56,266,551.61 | 612,202,704.15 | 165,180,382.03 | 44,556,260.00 | - | 209,736,662.03 | 402,466,043.29 |
| | | | | | | | | | | 390,755,770.29 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 4ख : गैर-योजना

| क्र. सं. | परिस्थिति शीर्षक | कर % | सकार खट्ट | | मूल्यांक | | निवाल खट्ट | |
|----------|---|------|------------------------------|----------|-------------------------|------------------------------|----------------------|------------------|
| | | | प्रारम्भिक शेष 01.04.2020 | परिवर्धन | अंतिम शेष 31.03.2021 | प्रारम्भिक शेष 01.04.2020 | वर्ष के लिए मूल्यांक | विवेचन/समाप्तेजन |
| 1 | भूमि | | | | | | | |
| 2 | कार्बनल विकास | | | | | | | |
| 3 | भवन | | | | | | | |
| 4 | सड़क एवं पुल | | | | | | | |
| 5 | ट्रॉबलेट एवं जलाधार्ति | | | | | | | |
| 6 | संवरेज एवं ट्रॉबल | | | | | | | |
| 7 | विवेचन स्थापना एवं उपकरण | | | | | | | |
| 8 | संरक्षण एवं नियन्त्रण | | | | | | | |
| 9 | कौशिक तंत्र प्रयोगशाला उपकरण | | | | | | | |
| 10 | कार्यालय उपकरण | | | | | | | |
| 11 | श्रव्य दस्त उपकरण | | | | | | | |
| 12 | कंप्यूटर एवं सॉफ्टवेर | | | | | | | |
| 13 | फॉर्मूलर फिल्सचर एवं फिटिंस | | | | | | | |
| 14 | वाहन | | | | | | | |
| 15 | पुस्तकालय पुस्तकों पर वैज्ञानिक प्रतिक्रिया | | | | | | | |
| 16 | कम मूल्य की परिसंपत्तिया | | | | | | | |
| 17 | दूरदृशी कार्य प्रगति | | | | | | | |
| 18 | कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | | | | | | | |
| 19 | ई.जनरल्स | | | | | | | |
| 20 | पेट्रोट | | | | | | | |
| | कुल (क) | | | | | | | |
| | योग (क+ख+ग) | | | | | | | |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकेम

अनुसूची - 4ग : अमृत परिसंपत्तियाँ

| क्र. सं | परिसंपत्ति शीर्षक | दर % | साफल रुचि | | मूल्यांकन | वर्ष के लिए मूल्यांकन | विलोन/सामायोजन | अंतिम योग | 31.03.2021 | 31.03.2020 | निवाप खंड |
|---------|------------------------|------|---------------|------------|-----------------------------|-----------------------|----------------|--------------|---------------|--------------|--------------|
| | | | प्रारंभिक योग | परिवर्तन | | | | | | | |
| 1 | पेटेंट वर्क कॉर्पोरेशन | - | - | - | 01.04.2020 को प्रारंभिक अवृ | 31.03.2021 | अंतिम योग | 31.03.2021 | 31.03.2020 का | 31.03.2020 | निवाप खंड |
| 2 | कम्प्यूटर सोल्यूशन | 40% | 4,133,498.00 | 693,724.00 | 4,827,222.00 | 3,727,508.40 | 162,396.00 | - | 3,889,904.40 | 937,317.60 | 100,890.00 |
| 3 | ई-परिकार्प | 40% | 24,712,542.54 | - | 24,712,542.54 | 21,776,721.85 | 1,174,328.00 | - | 22,951,049.85 | 1,761,492.69 | 7,016,131.71 |
| 4 | हेनरेट एवं ट्रेन | 40% | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| | कुल (क) | 40% | 28,846,040.54 | 693,724.00 | 29,539,764.54 | 25,504,238.25 | 1,336,724.00 | 2,684,954.25 | 2,698,810.29 | 7,117,021.71 | 7,117,021.71 |

अनुसूची - 4ग (i) : पेटेंट्स एवं कॉपीराइट

| क्र. सं. | विवरण | प्रारम्भिक शेष 01.04.2020 | परिवर्धन | सकल | परिशोधन | निवल खंड 01.04.2021 | निवल खंड 01.04.2020 |
|-------------------|--|------------------------------|----------|-----|---------|------------------------|------------------------|
| क. पेटेंट स्वीकृत | | | | | | | |
| 1 | में प्राप्त पेटेंस का 31.03.2014 को शेष (मूल मूल्य रु.) | | | | | | |
| 2 | में प्राप्त पेटेंस का 31.03.2014 को शेष (मूल मूल्य रु.) | | | | | | |
| 3 | में प्राप्त पेटेंस का 31.03.2014 को शेष (मूल मूल्य रु.) | | | | | | |
| 4 | चालू वर्ष के दौरान स्थीकृत पेटेंट्स | | | | | | |
| | कुल (क) | | | | | | |
| क्र. सं. | विवरण | प्रारम्भिक शेष 01.04.2020 | परिवर्धन | सकल | परिशोधन | निवल खंड 01.04.2021 | निवल खंड 01.04.2020 |
| ख. | आवेदन किए गए पेटेंट के संबंध में लैबिट पेटेंट्स | | | | | | |
| 1 | के दौरान किया गया व्यय | | | | | | |
| 2 | के दौरान किया गया व्यय | | | | | | |
| 3 | के दौरान किया गया व्यय | | | | | | |
| | कुल (ख) | | | | | | |

कृष्ण

कृष्ण गीता (क+ख)



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 4घ : गैर-योजना

| क्र. सं. | परिसंचि शीर्षक | कर % | सकार खट | | मूल्यांक | | निवाल खट |
|----------|---|------|------------------------------|------------------------|-------------------------|---------------------------------------|----------|
| | | | प्रारम्भिक शेष 01.04.2020 | परिवर्धन 31.03.2021 | अंतिम शेष 31.03.2021 | वर्ष के लिए मूल्यांक विवाह/समायोजन | |
| 1 | भूमि | | | | | | |
| 2 | कार्यशाल विकास | | | | | | |
| 3 | वृक्ष | | | | | | |
| 4 | सड़क एवं पुल | | | | | | |
| 5 | ट्रॉबलेल एवं जलापूर्ति | | | | | | |
| 6 | सीरेज एवं हेलोज | | | | | | |
| 7 | विद्युत स्थाना एवं युकरण | | | | | | |
| 8 | संरक्षण एवं समीकरण | | | | | | |
| 9 | कैशनिक एवं प्रयोगशाला उपकरण | | | | | | |
| 10 | कार्यालय उपकरण | | | | | | |
| 11 | श्रव्य दस्य उपकरण | | | | | | |
| 12 | कंप्यूटर एवं प्रीमियरस्ट | | | | | | |
| 13 | फार्मिचर फिल्सवर इं फिटिस | | | | | | |
| 14 | वाहन | | | | | | |
| 15 | पुस्तकालय पुस्तकें एवं ऐडिजिटिक पत्रिकाएं | | | | | | |
| 16 | कम मूल्य की परिसंचितियाँ | | | | | | |
| 17 | प्रूटी कार्म प्राप्ति | | | | | | |
| | कुल (क) | | | | | | |
| | कुल (छ) | | | | | | |

राशि रूपये में



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 5 : चिन्हित से निवेश बंदोबस्ती निधियां

| | | राशि रूपये में |
|----------------------------|----------------------------------|-------------------------|
| | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
| 1 | केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में | |
| 2 | राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में | |
| 4 | अन्य स्वीकृत प्रतिभूति | |
| 3 | शेयर्स | |
| 4 | डिबंगर एवं बांड | |
| 5 | बैंकों में सावधि जमा | |
| 6 | अन्य (निर्दिष्ट करें) | |
| कुल (क + ख + ग + घ) | | - |

अनुसूची - 5A : चिन्हित/ बंदोबस्ती निधियों से निवेश (निधिनुसार)

| | | राशि रूपये में |
|------------|-------------------------|-------------------------|
| | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
| 1 | | |
| 2 | | |
| 4 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | बंदोबस्ती निधि निवेश | |
| कुल | | - |

अनुसूची - 6 : निवेश - अन्य

| | | राशि रूपये में |
|------------|----------------------------------|-------------------------|
| | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
| 1 | केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में | |
| 2 | राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में | |
| 4 | अन्य स्वीकृत प्रतिभूति | |
| 3 | शेयर्स | |
| 4 | डिबंगर एवं बांड | |
| 5 | बैंकों में सावधि जमा | |
| 6 | अन्य (निर्दिष्ट करें) | |
| कुल | | - |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 7 : चालू परिसंपत्तियां

राशि रूपये में

| | | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|--|-----------------------|-------------------------|-------------------------|
| 1 भंडार | | | |
| क) भंडार एंड पुर्जे | | - | - |
| ख) लूज ट्रूल्स | | - | - |
| ग) प्रकाशन | | - | - |
| घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोग्य एंड ग्लासवेयर | | - | - |
| ङ) भवन सामग्री | 1,840,391.00 | 1,588,564.00 | |
| च) विद्युत सामग्री | - | - | |
| छ) स्टेशनरी | - | - | |
| ज) जलापूर्ति सामग्री | - | - | |
| 2 विविध देनदार | | | |
| क) छह महीने की अवधि के लिए बकाया ऋण | 100,000.00 | 100,000.00 | |
| ख) अन्य | 1,227,654.86 | 307,039.00 | |
| 3 नकद एवं बैंक शेष | | | |
| क) अनुसूचित बैंकों में | | | |
| - चालू खाते में | 10,004,405.93 | 33,415,089.53 | |
| - सावधि जमा खाते में | 88,075,435.00 | 32,887,129.00 | |
| - बचत खाते में | 43,135,680.19 | 152,328,352.96 | |
| - ग्रांट इन ट्रांजिट | - | - | |
| ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में | | | |
| - सावधि जमा खाते में | - | - | |
| - बचत खाते में | - | - | |
| ग) हाथ में नकद | 3,000.00 | 14,551.00 | |
| 4 डाकघर बचत खाता | | | |
| कुल | 144,386,566.98 | 220,640,725.49 | |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुलग्नक - क

राशि रूपये में

| | | चातूर्वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|------|---|--------------------------|-------------------------|
| I) | बचत खाता | | |
| 1 | एमएचआरडी खाता से अनुदान | 18,544,137.13 | 127,835,108.00 |
| 2 | विश्वविद्यालय प्राप्ति खाता | 15,837,767.70 | 14,299,544.50 |
| 3 | छात्रवृत्ति खाता | | |
| 4 | शैक्षणिक शुल्क प्राप्ति खाता | | |
| 5 | विकास (योजना) खाता | | |
| 6 | संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीबीटी) खाता | | |
| 7 | यूजीसी योजना फैलोशिप खाता | | |
| 8 | कॉर्पस निधि खाता (ईएमएफ) | | |
| 9 | प्रायोजित परियोजनाएं निधि खाता | 899,156.90 | 965,736.00 |
| 10 | प्रायोजित फैलोशिप खाता | | |
| 11 | बंदोबस्ती एवं चेयर खाता (ईएमएफ) | | |
| 12 | यूजीसी जेआरएफ फैलोशिप खाता (ईएमएफ) | | |
| 13 | एचबीए निधि खाता (ईएमएफ) | | |
| 14 | कॉन्वेयांस खाता (ईएमएफ) | | |
| 15 | यूजीसी राजीव गांधी नेशनल फैलोशिप खाता (ईपमएफ) | | |
| 16 | शैक्षणिक विकास निधि खाता (ईएमएफ) | | |
| 17 | जमा खाता (नामित निधि) | | |
| 18 | विद्यार्थी निधि खाता | 6,363,163.46 | 7,776,392.46 |
| 19 | विद्यार्थी सहायता निधि खाता | | |
| 20 | सीपीएफ खाता | 1,491,455.00 | 1,451,572.00 |
| II) | चालू खाता | 10,004,405.93 | 33,415,089.53 |
| III) | अनुसूची बैंकों में सावधि जमा | 88,075,435.00 | 32,887,129.00 |
| | | 141,215,521.12 | 218,630,571.49 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 8 : क्रण, अग्रिम एवं जमा

राशि रूपये में

| | | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
|----------|--|-------------------------|-------------------------|
| 1 | कर्मचारियों को अग्रिम कर्मचारीगण (बिना ब्याज वाला) | | |
| क) | वेतन | | |
| ख) | त्पोहार | | |
| ग) | चिकित्सा अग्रिम | | |
| घ) | अवकाश यात्रा रियायत | | |
| ड) | अन्य (निर्दिष्ट करें) | 133,358.00 | 391,202.00 |
| 2 | कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम (ब्याज वाला) | | |
| क) | वाहन ऋण | | |
| ख) | गृह ऋण | | |
| ग) | अन्य (निर्दिष्ट करें) | | |
| 3 | अग्रिम एवं अन्य राशियाँ नकद में या वस्तु रूप में या मूल्य के लिए प्राप्त की जा सकती हैं | | |
| क) | पूँजी खाते पर | - | - |
| ख) | आपूर्तिकर्ता को | 10,000.00 | 410,000.00 |
| ग) | एनआईटी कालीकट | 118,150.00 | 118,150.00 |
| घ) | सोत पर कर कटौती | 130,503.00 | - |
| ड) | सीडीएसी | - | -193,772.00 |
| च) | किलयर न हुए चेक | 229,437.00 | 229,437.00 |
| 4 | पूर्वदत्त व्यय | | |
| क) | बीमा | | |
| ख) | अन्य व्यय (वार्षिक रखरखाव शुल्क) | | |
| 5 | जमा | | |
| क) | टेलीफोन | | |
| ख) | लीज रेंट | | |
| ग) | बिजली | | |
| घ) | एआईसीटीई, यदि प्रयोज्य हो | | |
| ड) | अन्य (निर्दिष्ट करें) | | |
| 6 | आय प्रोदूत | | |
| क) | चिन्हित / बंदोबस्ती निधि से निवेश पर | | |
| ख) | निवेश-अन्य | | |
| ग) | ऋण एवं अग्रिम पर | | |
| घ) | अन्य (वसूल न हुई आय सहित) | | |
| 7 | अन्य - चालू परिसंपत्तियां यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त | | |
| क) | प्रायोजित परियोजनाओं में डेबिट शेष | | |
| ख) | प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति में डेबिट शेष | | |
| ग) | अनुदान प्राप्त | | |
| घ) | यूजीसी से अन्य प्राप्त | | |
| 8 | दावे प्राप्त | | |
| | कुल | 3,202,301.00 | 2,829,564.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 9 : शैक्षणिक प्राप्तियां

| | | राशि रुपये में |
|---|-------------------------|-------------------------|
| | चालू वर्ष 31.03.2021 | विगत वर्ष 31.03.2020 |
| विद्यार्थियों से शुल्क | | |
| क) शैक्षणिक | | |
| 1 ट्यूशन शुल्क | 20,002,080.00 | 21,617,573.00 |
| 2 प्रवेश शुल्क | 130,000.00 | 80,500.00 |
| 3 नामांकन शुल्क | - | - |
| 4 पुस्तकालय शुल्क | 1,019,100.00 | 1,154,900.00 |
| 5 प्रयोगशाला शुल्क | - | - |
| 6 आर्ट एंड क्राफ्ट शुल्क | - | - |
| 7 पंजीकरण शुल्क | 240,450.00 | 232,350.00 |
| कुल (क) | 21,391,630.00 | 23,085,323.00 |
| ख) परीक्षा | | |
| 1 प्रवेश शुल्क | - | - |
| 2 वार्षिक परीक्षा शुल्क | 814,500.00 | 726,200.00 |
| 3 मार्कशीट, प्रमाणपत्र शुल्क | - | - |
| कुल (ख) | 814,500.00 | 726,200.00 |
| ग) अन्य शुल्क | | |
| 1 पहचान पत्र शुल्क | 21,900.00 | 18,400.00 |
| 2 जुर्माना / विविध शुल्क | 274,036.00 | 433,315.00 |
| 3 चिकित्सा शुल्क | 930,300.00 | 1,125,200.00 |
| 4 प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट शुल्क | 201,000.00 | - |
| 5 छात्रावास शुल्क | 1,939,124.00 | 8,640,650.00 |
| 6 छात्रावास प्रवेश | 78,000.00 | 103,000.00 |
| 7 पूर्व छात्र शुल्क | - | - |
| कुल (ग) | 3,444,360.00 | 10,320,565.00 |
| घ) अन्य शुल्क | | |
| 1 प्रकाशन की बिक्री | - | - |
| 2 प्रवेश पत्र की बिक्री | - | - |
| 3 विषय-सूची, प्रश्न पत्र, आदि की बिक्री | - | - |
| 4 प्रवेश पत्र सहित प्रोस्पेक्टस की बिक्री | - | - |
| कुल (घ) | | |
| इ) अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां | | |
| 1 कार्यशाला, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण | - | - |
| 2 संगोष्ठियों के लिए पंजीकरण | - | - |
| 3 विकास शुल्क | 963,375.00 | 1,088,250.00 |
| 4 मेस स्थापना शुल्क | - | 815,150.00 |
| 5 छात्र गतिविधि शुल्क | 1,091,750.00 | 1,180,800.00 |
| 6 दीक्षांत समारोह | 219,000.00 | 200,000.00 |
| 7 अन्य | 143,200.00 | 161,000.00 |
| कुल (इ) | 2,417,325.00 | 3,445,200.00 |
| कुल (क से इ) | 28,067,815.00 | 37,577,288.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकिम

अनुसूची - 10 : अनुदान/सब्सिडियां (गैर वस्तुली योग्य अनुदान प्राप्त)

| विवरण | योजना | | कुल योजना | गैर योजना यूजीसी | वाल्‌वर्ष | विवरत वर्ष |
|---|-----------------------|--------|-----------------------|---------------------|-----------------------|-----------------------|
| | भारत सरकार | यूजीसी | | | | |
| शेष अपार्नित | 79,985,033.92 | - | - | 79,985,033.92 | - | 239,449,017.92 |
| जोड़: वर्ष के दैरण प्राप्तियां | 98,100,000.00 | - | - | 98,100,000.00 | - | 120,000,000.00 |
| कुल | 178,085,033.92 | - | 178,085,033.92 | | 178,085,033.92 | 359,449,017.92 |
| घटाएः: यूजीसी को वापस | - | - | - | - | - | - |
| शेष | - | - | - | - | - | - |
| घटाएः: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क) | 56,266,551.61 | | 56,266,551.61 | | 56,266,551.61 | 108,635,068.00 |
| शेष | 56,266,551.61 | - | 56,266,551.61 | - | 56,266,551.61 | 108,635,068.00 |
| घटाएः: राजस्व के लिए प्रयुक्त व्यय (ख) | 121,818,482.31 | | 121,818,482.31 | | 121,818,482.31 | 170,828,916.00 |
| शेष अमेनित (ग) | - | - | - | - | - | 79,985,033.92 |

राशि रूपये में



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 11 : निवेशों से आय

राशि रूपये में

| विवरण | चिह्नित/बंदोबस्ती निधियां | | अन्य निवेश | |
|--|---------------------------|-----------|--------------|--------------|
| | चालू वर्ष | विगत वर्ष | चालू वर्ष | विगत वर्ष |
| 1. ब्याज | | | | |
| क) सरकारी प्रतिभूति | | | | |
| ख) अन्य बांड / डिबेचर | | | | |
| 2. सावधि जमा पर ब्याज | - | | | |
| 3. सावधि जमा/कर्मचारियों को अग्रिम पर ब्याज पर आय प्रोट्रैट लेकिन बकाया नहीं | | | 2,958,470.00 | 2,332,277.00 |
| 4. बचत बैंक खाता पर ब्याज | - | | | - |
| 5. अन्य (निर्दिष्ट करें) | - | - | 2,958,470.00 | 2,332,277.00 |
| चिह्नित/बंदोबस्ती निधि में स्थानांतरित | | | | |
| शेष | | | 2,958,470.00 | 2,332,277.00 |

अनुसूची - 12 : ब्याज अर्जित

राशि रूपये में

| विवरण | चालू वर्ष | विगत वर्ष |
|----------------------------------|------------|--------------|
| 1. अनुसूचित बैंक में बचत खाते पर | 510,769.00 | 5,263,230.00 |
| 2. ऋण पर | | |
| क) कर्मचारीगण / स्टाफ | | |
| ख) अन्य | | |
| 3. अन्य देयताएं एवं अन्य प्राप्य | | |
| शेष | 510,769.00 | 5,263,230.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 13 : अन्य आय

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | राशि रुपये में विगत वर्ष |
|----------|---|---------------------|-----------------------------|
| क | भूमि एवं भवन से आय | | |
| 1 | छात्रावास कमरा किराया | - | - |
| 2 | लाइसेंस शुल्क | 60,680.00 | 58,855.00 |
| 3 | ऑडिटोरियम / खेल मैदान / कन्वेशन सेंटर आदि का किराया प्रभार | - | - |
| 4 | बिजली शुल्क वसूल | 245,257.37 | 188,357.00 |
| 5 | जल प्रभार वसूल | - | - |
| | कुल (क) | 305,937.37 | 247,212.00 |
| ख | संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री | | |
| | कुल (ख) | - | - |
| ग | कार्यक्रमों के आयोजन से आय | | |
| 1 | वार्षिक समारोह / खेल कार्निवल से सकल प्राप्तियां घटाया: वार्षिक कार्यक्रम / खेल कार्निवल पर प्रत्यक्ष व्यय | - | - |
| 2 | उत्सवों से सकल प्राप्तियां घटाएँ: उत्सवों पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय | - | - |
| 3 | शैक्षणिक यात्रा के लिए सकल प्राप्तियां घटाएँ: यात्राओं पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय | - | - |
| 4 | अन्य (विद्यार्थी योगदान) | - | - |
| | कुल (ग) | - | - |
| घ | अन्य | | |
| 1 | कंसल्टेंसी से आय | - | 100,000.00 |
| 2 | आरटीआई शुल्क | 210.00 | - |
| 3 | रायल्टी से आय | - | - |
| 4 | आवेदन पत्र (भर्ती) की बिक्री | - | 126,350.00 |
| 5 | विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, वैस्टर पेपर आदि की बिक्री) | 16,662.00 | 33,658.00 |
| 6 | परिसंपत्तियों की बिक्री / निपटान पर लाभ | - | - |
| क) | स्वाधिकृत परिसंपत्तियां | - | - |
| ख) | निःशुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां | - | - |
| 7 | संस्थानों, कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान / दान | - | - |
| 8 | वेतन की वसूली | 9,378.00 | 394,718.00 |
| 9 | पीएचडी नामांकन शुल्क | 64,400.00 | 33,500.00 |
| 10 | निविदा शुल्क | - | 4,000.00 |
| 11 | परिवहन शुल्क वसूली | - | 7,000.00 |
| 12 | जुर्माना एवं अर्थदंड | - | - |
| 13 | अन्य आय | - | - |
| 14 | स्कैप की बिक्री | 63,806.00 | - |
| 15 | प्रोजेक्ट से ओवरहेड्स | 2,439,825.23 | - |
| | कुल (घ) | 2,594,281.23 | 699,226.00 |
| | कुल योग (क से घ) | 2,900,218.60 | 946,438.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 14 : पूर्वावधि आय

| | विवरण | चालू वर्ष | विगत वर्ष | राशि रुपये में |
|---|----------------------|-------------------|---------------------|----------------|
| 1 | शैक्षणिक प्राप्तियां | - | - | - |
| 2 | निवेश से आय | - | - | - |
| 3 | अर्जित ब्याज | - | - | - |
| 4 | अन्य आय | 664,690.00 | 63,000.00 | |
| 5 | चेक का व्युतक्रम | - | - | - |
| 6 | एचआरए की वसूली | - | - | 1,080,000.00 |
| | कुल | 664,690.00 | 1,143,000.00 | |

अनुसूची - 15 : कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

| क्र. सं. | Particulars | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | | राशि रुपये में |
|----------|-------------------------------|-----------------------|-----------|-----------------------|----------------------|-----------|----------------------|----------------|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल | |
| क) | वेतन एवं मजदूरी | 75,008,764.00 | | 75,008,764.00 | 74,276,486.00 | | 74,276,486.00 | |
| ख) | भत्ते और बोनस | 16,462,077.00 | | 16,462,077.00 | 13,495,174.00 | | 13,495,174.00 | |
| ग) | भविष्य निधि में योगदान | - | | - | - | | - | |
| घ) | अन्य निधि (एनपीएस) में योगदान | 5,260,292.28 | | 5,260,292.28 | 5,624,849.00 | | 5,624,849.00 | |
| ड) | कर्मचारी कल्याण व्यय | - | | - | - | | - | |
| च) | सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ | 3,652,256.00 | | 3,652,256.00 | 1,937,188.00 | | 1,937,188.00 | |
| छ) | एलटीसी सुविधा | 1,317,676.00 | | 1,317,676.00 | 791,003.00 | | 791,003.00 | |
| ज) | चिकित्सा सुविधा | 437,111.00 | | 437,111.00 | 704,310.00 | | 704,310.00 | |
| झ) | बाल शिक्षा भत्ता | 486,000.00 | | 486,000.00 | 349,068.00 | | 349,068.00 | |
| ज) | मानदेय | 17,097.00 | | 17,097.00 | - | | - | |
| ट) | टीए / डीए | 820,695.00 | | 820,695.00 | 1,898,784.00 | | 1,898,784.00 | |
| ठ) | बकाया | 7,723.00 | | 7,723.00 | 858,129.00 | | 858,129.00 | |
| ड) | संकायों को सीपीडीए | 103,958.00 | | 103,958.00 | 48,546.00 | | 48,546.00 | |
| | कुल | 103,573,649.28 | | 103,573,649.28 | 99,983,537.00 | | 99,983,537.00 | |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 15क : कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

राशि रूपये में

| विवरण | पेशन | ग्रेचुटी | अवकाश नकदीकरण | कुल |
|--|---------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| 01.04.2020 को प्रारम्भिक शेष | | | | - |
| जोड़ें: अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान का पूंजीकृ मूल्य | | | | - |
| कुल (क) | | | | |
| घटाएं: वर्ष के दौरान किए गए भुगतान | | | | - |
| 31.03.2021 को उपलब्ध शेष | | | | - |
| जीवनांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2021 को आवश्यक प्रावधान | | | | - |
| क चालू वर्ष में किए जाने का प्रावधान | - | 1,467,411.00 | 2,184,845.00 | 3,652,256.00 |
| ख नई पेशन योजना में योगदान | 5,260,292.28 | | | 5,260,292.28 |
| ग सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति | | | | - |
| घ गृहनगर सेवानिवृत्ति के लिए यात्रा | | | | - |
| ड लिंक बीमा भुगतान जमा | | | | - |
| कुल (क+ख+ग+घ+ड) | 5,260,292.28 | 1,467,411.00 | 2,184,845.00 | 8,912,548.28 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 16 : शैक्षणिक व्यय

राशि रूपये में

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | |
|----------|--|--------------|-----------|--------------|--------------|-----------|--------------|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल |
| क) | प्रयोगशाला व्यय | 55,971.00 | | 55,971.00 | 183,299.00 | | 183,299.00 |
| ख) | पाठ्यचर्चा विकास कार्यशाला व्यय | 53,941.00 | | 53,941.00 | 9,609.00 | | 9,609.00 |
| ग) | संगोष्ठियों / कार्यशालाओं पर व्यय | - | | - | - | | - |
| घ) | संकाय दौरा हेतु भुगतान | - | | - | - | | - |
| ङ) | परीक्षा | | | - | - | | - |
| च) | विद्यार्थी चिकित्सा बीमा | 891,684.00 | | 891,684.00 | 882,980.00 | | 882,980.00 |
| छ) | प्रवेश व्यय | - | | - | 5,640.00 | | 5,640.00 |
| ज) | दीक्षांत समारोह व्यय | 212,400.00 | | 212,400.00 | 15,037.00 | | 15,037.00 |
| झ) | प्रकाशन | - | | - | - | | - |
| झ) | वृत्ति / मीन्स-कम मेरिट छात्रवृत्ति / पीएचडी छात्रवृत्ति | - | | - | 189,436.00 | | 189,436.00 |
| ट) | मिश्रित सिग्नल और आरएफ सर्किट डिजाइन परियोजना | - | | - | - | | - |
| ठ) | विद्यार्थी छात्रावास शुल्क वापसी | - | | - | - | | - |
| ड) | शैक्षणिक व्यय | 208,181.00 | | 208,181.00 | 198,033.00 | | 198,033.00 |
| ढ) | खेलकूद गतिविधियाँ | - | | - | - | | - |
| ण) | एम.टेक. / पीएच.डी. फेलोशिप | 3,964,480.00 | | 3,964,480.00 | 3,418,100.00 | | 3,418,100.00 |
| त) | पुस्तकालय व्यय | - | | - | 49,855.00 | | 49,855.00 |
| थ) | सांस्कृति गतिविधियाँ | 220,754.00 | | 220,754.00 | 1,277,589.00 | | 1,277,589.00 |
| द) | पंजीकरण शुल्क | - | | - | - | | - |
| ध) | प्रशिक्षण एवं नियोजन | 20,710.00 | | 20,710.00 | 813,742.00 | | 813,742.00 |
| न) | पीएचडी अध्येता आकस्मिक व्यय | - | | - | - | | - |
| प) | यात्रा भत्ते | - | | - | - | | - |
| | कुल | 5,628,121.00 | | 5,628,121.00 | 7,043,320.00 | | 7,043,320.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 17 : प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

राशि रूपये में

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | |
|----------|---|---------------|-----------|---------------|---------------|-----------|---------------|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल |
| अ) | आधारभूत ढांचा | | | | | | - |
| क) | विद्युत एवं ऊर्जा | 1,203,141.00 | | 1,203,141.00 | 1,474,516.00 | | 1,474,516.00 |
| ख) | जल प्रभार | - | | - | - | | - |
| ग) | बीमा | - | | - | - | | - |
| घ) | किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित) | 6,478,488.00 | | 6,478,488.00 | 6,776,598.00 | | 6,776,598.00 |
| ब) | संचार | - | | - | - | | - |
| ड) | डाक एवं स्टेशनरी | - | | - | - | | - |
| च) | टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क | 865,229.17 | | 865,229.17 | 907,751.00 | | 907,751.00 |
| स) | अन्य | - | | - | - | | - |
| छ) | मुद्रण एवं स्टेशनरी (उपभोग) | 366,452.00 | | 366,452.00 | 700,820.00 | | 700,820.00 |
| ज) | यात्रा एवं यातायात व्यय | -42,523.00 | | -42,523.00 | 1,581,845.00 | | 1,581,845.00 |
| झ) | हॉस्पिटलिटी | 116,530.00 | | 116,530.00 | 95,224.00 | | 95,224.00 |
| झ) | लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक | 359,410.00 | | 359,410.00 | 358,200.00 | | 358,200.00 |
| ट) | वार्षिक रखरखाव शुल्क | - | | - | - | | - |
| ठ) | विज्ञापन एवं प्रचार | - | | - | 75,600.00 | | 75,600.00 |
| ड) | बीडब्ल्यूसी बैठक | 49,041.00 | | 49,041.00 | 167,936.00 | | 167,936.00 |
| ढ) | कार्यालय व्यय | 10,072,225.00 | | 10,072,225.00 | 5,826,051.00 | | 5,826,051.00 |
| ण) | बाहरी विशेषज्ञों को सम्मान | 208,000.00 | | 208,000.00 | 175,000.00 | | 175,000.00 |
| त) | कैम्पस मेंटेनेंस एवं हाउस कीपिंग | 16,090,232.00 | | 16,090,232.00 | 20,898,069.00 | | 20,898,069.00 |
| थ) | बागवानी एवं लैंडस्केप | - | | - | - | | - |
| द) | सुरक्षा सेवाएँ एवं अन्य | 4,299,762.00 | | 4,299,762.00 | 9,326,623.00 | | 9,326,623.00 |
| ध) | सामुदायिक विकास | - | | - | - | | - |
| न) | चिकित्सा केंद्र व्यय | 430,976.00 | | 430,976.00 | 1,496,912.00 | | 1,496,912.00 |
| प) | कंप्यूटर सेंटर व्यय | - | | - | - | | - |
| फ) | भर्ती व्यय | 23,668.00 | | 23,668.00 | 819,489.00 | | 819,489.00 |
| ब) | बीओजी एवं एफसी बैठक | - | | - | 199,667.00 | | 199,667.00 |
| भ) | विविध व्यय | 3,899.00 | | 3,899.00 | 123,923.00 | | 123,923.00 |
| | कुल | 40,524,530.17 | | 40,524,530.17 | 51,004,224.00 | | 51,004,224.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 18 : परिवहन व्यय

राशि रूपये में

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | |
|----------|-----------------------------------|------------|-----------|------------|--------------|-----------|--------------|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल |
| 1 | वाहन (संस्थानों द्वारा स्वामित्व) | | | | | | |
| क) | संचालन व्यय | 580,772.00 | | 580,772.00 | 1,126,880.00 | | 1,126,880.00 |
| ख) | बीमा व्यय | 161,209.00 | | 161,209.00 | 114,077.00 | | 114,077.00 |
| 2 | किराए / लीज पर वाहन | | | - | | | - |
| क) | किराया / पट्टे व्यय | - | | - | 2,499,552.00 | | 2,499,552.00 |
| 3 | वाहन (टैक्सी) किराया व्यय | - | | - | - | | - |
| | योग | 741,981.00 | | 741,981.00 | 3,740,509.00 | | 3,740,509.00 |

अनुसूची - 19 : मरम्मत और रखरखाव

राशि रूपये में

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | |
|----------|------------------------------|--------------|-----------|--------------|--------------|-----------|--------------|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल |
| क) | भवन | 5,069,578.00 | | 5,069,578.00 | 5,687,969.00 | | 5,687,939.00 |
| ख) | फर्नीचर एवं फिक्सचर | 156,886.00 | | 156,886.00 | 237,257.00 | | 237,257.00 |
| ग) | कार्यशाला एवं यंत्र | | | - | | | - |
| घ) | कार्यालय उपकरण | 8,850.00 | | 8,850.00 | 92,584.00 | | 92,584.00 |
| ङ) | नेटवर्क / इंटरनेट | 47,448.00 | | 47,448.00 | 46,610.00 | | 46,610.00 |
| च) | निर्माण एवं कैम्पस का रखरखाव | - | | - | 58,672.00 | | 58,672.00 |
| छ) | श्रव्य दृश्य उपकरण | - | | - | - | | - |
| ज) | सफाई सामग्री एवं सेवाएं | - | | - | - | | - |
| झ) | बुक बाइंडिंग शुल्क | - | | - | - | | - |
| ज) | बागवानी | - | | - | - | | - |
| ट) | एस्टेट मेट्रेनेस | - | | - | - | | - |
| ठ) | अन्य (छात्रावास व्यय) | - | | - | - | | - |
| ड) | सड़क एवं कनेक्शन की मरम्मत | - | | - | - | | - |
| ढ) | विद्युतीय रखरखाव | 1,179,801.00 | | 1,179,801.00 | 94,249.00 | | 94,249.00 |
| ण) | वाहन रखरखाव | 143,856.00 | | 143,856.00 | 370,239.00 | | 370,239.00 |
| | कुल | 6,606,419.00 | | 6,606,419.00 | 6,587,580.00 | | 6,587,580.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 20 : वित्त लागत

राशि रूपये में

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | |
|----------|-----------------------|------------------|-----------|------------------|------------------|-----------|------------------|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल |
| क) | बैंक शुल्क | 21,860.00 | | 21,860.00 | 41,202.00 | | 41,202.00 |
| ख) | अन्य (निर्दिष्ट करें) | - | | - | - | | - |
| | कुल | 21,860.00 | | 21,860.00 | 41,202.00 | | 41,202.00 |

अनुसूची - 21 : अन्य व्यय

राशि रूपये में

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | |
|----------|--|-----------|-----------|-----|-----------|-----------|-----|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल |
| क) | अशोध एवं संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए प्रावधान | | | | | | - |
| ख) | अशोध शेष बट्टे खाते में | | | | | | - |
| ग) | अन्य संस्थानों / संगठनों को अनुदान / सब्सिडी | | | | | | - |
| घ) | अन्य (निर्दिष्ट करें) | | | | | | - |
| | कुल | | | | | | - |

अनुसूची - 22 : पूर्वावधि व्यय

राशि रूपये में

| क्र. सं. | विवरण | चालू वर्ष | | | विगत वर्ष | | |
|----------|-------------------|-------------------|-----------|-------------------|---------------------|-----------|---------------------|
| | | योजना | गैर-योजना | कुल | योजना | गैर-योजना | कुल |
| 1 | स्थापना व्यय | - | | - | - | | - |
| 2 | शैक्षणिक व्यय | | | - | | | - |
| 3 | प्रशासनिक व्यय | | | - | | | - |
| 4 | जमानती जमा | | | - | | | - |
| 5 | मरम्मत एवं रखरखाव | - | | - | - | | - |
| 6 | अन्य व्यय | 628,675.00 | | 628,675.00 | 2,428,574.00 | | 2,428,574.00 |
| 7 | चेक का व्युतपत्र | - | | - | - | | - |
| | कुल | 628,675.00 | | 628,675.00 | 2,428,574.00 | | 2,428,574.00 |



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखा को पारम्परिक लागत परिपाटी के तहत तैयार किया जाता है, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया जाय तथा सामान्य तौर पर लेखा की प्रोदृत पद्धति पर न हो।

2. राजस्व स्वीकृति

- 2.1 विद्यार्थियों से शुल्क (ट्यूशन शुल्क एवं छात्रावास शुल्क को छोड़कर), प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज का भुगतान नकद आधार पर किया जाता है। प्रत्येक सेमेस्टर के लिए अलग से एकत्र किए गए ट्यूशन शुल्क और छात्रावास शुल्क का हिसाब प्रोदृत आधार पर किया गया तथा 31 मार्च 2021 को प्राप्त ट्यूशन फीस एवं छात्रावास शुल्क को देयताओं के रूप में अग्रिम शीर्षक के तहत दर्शाया गया है।
- 2.2 भवन निर्माण, वाहनों एवं कम्प्यूटर को क्रय करने के लिए कर्मचारियों को ब्याज वाले अग्रिम पर ब्याज की गणना प्रत्येक वर्ष प्रोदृत आधार पर की जाती है, जबकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन के सम्पूर्ण पुनर्भुगतान के पश्चात होती है।

3. स्थिर परिसंपत्तियां एवं मूल्यहास

- 3.1 अचल परिसंपत्तियों को आवक माल ढुलाई, ड्यूटी और करों तथा अधिग्रहण, स्थापना और प्रारम्भ करने से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय सहित अधिग्रहण की लागत पर उल्लेखित किया जाता है।
- 3.2 उपहार / दान की गई परिसंपत्तियों का मूल्यांकन घोषित मूल्य पर किया जाता है, जहाँ उपलब्ध हो; यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की भौतिक स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर मूल्य का आकलन किया जाता है। इहें पूंजी निधि में क्रेडिट द्वारा सेट किया जाता है और संस्थान पर स्थिर परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। मूल्यहास को संबंधित संपत्तियों पर लागू दरों के रूप में भारित किया जाता है।
- 3.3 स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन कम संचित मूल्यहास पर किया जाता है। अचल संपत्ति पर मूल्यहास को निम्न दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाता है:-

| क्र.सं. | मूर्त परिसंपत्तियां | दर |
|---------|--|------|
| 1 | भूमि | 0% |
| 2 | कार्यस्थल विकास | 0% |
| 3 | भवन | 2% |
| 4 | सड़के एवं पुल | 2% |
| 5 | नलकूप एवं जलापूर्ति | 2% |
| 6 | सीवरेज एवं ड्रेनेज | 2% |
| 7 | विद्युत स्थापना एवं उपकरण | 5% |
| 8 | संयंत्र एवं मशीनरी | 5% |
| 9 | वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण | 8% |
| 10 | कार्यालय उपकरण | 7.5% |
| 11 | श्रव्य दृश्य उपकरण | 7.5% |
| 12 | कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स | 20% |
| 13 | फर्नीचर फिक्चर एंड फिटिंग | 7.5% |
| 14 | खेल उपकरण | 10% |
| 15 | पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं | 10% |

| क्र सं. | अमूर्त परिसंपत्तियां (क्रण परिशोध) | दर |
|---------|------------------------------------|--------|
| 1 | ई. जर्नल्स | 40% |
| 2 | कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | 40% |
| 3 | पेटेट | 9 वर्ष |

- 3.4 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यहास प्रदान किया जाता है।
- 3.5 जहाँ कोई परिसंपत्ति पूरी तरह से मूल्यहास की जाती है, उसे तुलन पत्र में रु. 1 के अवशिष्ट मूल्य पर ले जाया जाएगा और आगे मूल्यहास नहीं किया जाएगा। इसके बाद मूल्यहास की गणना पृथक रूप से प्रत्येक वर्ष के जोड़ पर की जाती है जो परिसंपत्ति शीर्षक के लिए लागू

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकम

अनुसूची - 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

मूल्यहास की दर पर होती है।

- 3.6 चिह्नित निधि एवं निधि प्रायोजित परियोजनाओं से निर्मित परिसंपत्तियां, जहां संस्थानों में ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व पूंजी निधि में क्रेडिट द्वारा सेटअप किया गया है और संस्थानों की स्थिर परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया गया है। संबंधित दरों पर लागू दरों पर मूल्यहास भारित किया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधियों से बनाई गई परिसंपत्तियाँ जहां स्वामित्व प्रायोजकों द्वारा बनाए रखा जाता है, लेकिन संस्था द्वारा रखा और उपयोग जाता है, को लेखा पर टिप्पणियों में पृथक रूप से प्रकट किया जाता है।
- 31 मार्च 2021 को पूंजी परिसंपत्तियों का मूल्य रु. 24.91 लाख है, जिसके स्वामित्व को अभी भी स्थानांतरित किया जाना है।
- 3.7 परिसंपत्तियां, जिनमें प्रत्येक का मूल्य रु. 2,000.00 या उससे कम (पुस्तकालय पुस्तकों को छोड़कर) है, को छोटे मूल्य की परिसंपत्तियां माना जाएगा, के अधिग्रहण के समय 100% मूल्यहास प्रदान किया जाएगा। हालांकि भौतिक लेखांकन एवं नियंत्रण ऐसी परिसंपत्तियों के धारकों द्वारा जारी रखा जाएगा।

4. अमूर्त परिसंपत्तियां

- 4.1 पेटेंट और कॉपी राइट, ई-जर्नल्स और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त आस्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।
- 4.2 इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स (ई-जर्नल्स) को सीमित लाभ के मद्देनजर लाइब्रेरी बुक्स से अलग किया गया है जिसे प्रदान किए गए में से प्राप्त किया जा सकता है। ई-पत्रिकाएं मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन अस्थायी रूप से पूंजीकृत हैं और शैक्षणिक एवं अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा अर्जित शाश्वत ज्ञान के संदर्भ में व्यय की मात्रा और लाभ के मद्देनजर; पुस्तकालय पुस्तकों के संबंध में प्रदान किए गए 10% मूल्यहास के मुकाबले 40% की उच्च दर पर ई-जर्नल्स के संबंध में मूल्यहास प्रदान किया जाता है।
- 4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर व्यय को कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स से अलग किया गया है, क्योंकि इन के संबंध में अप्रचलन के अमूर्त होने से अलावा बहुत अधिक है। कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स के संबंध में प्रदान किए गए 20% के मूल्यहास के प्रति सॉफ्टवेयर पर 40% की उच्च दर पर मूल्यहास प्रदान किया जाता है।

5. भंडार

रसायनों, कांच के बने पदार्थ, प्रकाशनों और अन्य भंडारों की खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय के रूप में जाना जाता है। 31 मार्च 2021 तक अंतिम भंडार रु. 18,40,391.00 है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

संस्थान ने सेवानिवृत्ति लाभ यानि न्यू पेंशन योजना को अपने सभी नियमित कर्मचारियों के लिए अपनाया है। निदेशक एमएनआईटी जयपुर से प्रतिनियुक्त पर है और जब एमएनआईटी जयपुर द्वारा मांग की जाती है तो उसके सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान एमएनआईटी जयपुर को किया जाता है।

7. चिह्नित / बंदोबस्ती निधियां

विशिष्ट उद्देश्यों के लिए प्राप्त निधियों को चिह्नित निधियों के रूप में रखा गया है। प्राप्ति एवं व्यय नकद आधार पर किया जाता है। बैंक खाते में अप्रयुक्त राशि को रखा जाता है।

- 7.1. कॉर्पस / पूंजी निधि
- एक पूंजी निधि का रखरखाव संस्थान द्वारा किया जाता है। यह निधि वर्ष के दौरान स्थिर संपत्तियों के लिए उपयोग किए जाने वाले अनुदान के मूल्य और 31 मार्च को व्यय पर आय के अधिशेष से बनी है।
- जिस निधि को अप्रेसित किया जाता है, उसे एक अलग बैंक खाते में शेष राशि और बैंक के साथ सावधि जमा और सावधि जमा पर प्रोदूत ब्याज के रूप में दर्शाया जाता है।

8. बंदोबस्ती निधियां

संस्थान द्वारा कोई बंदोबस्ती निधि नहीं रखी गई है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिविकिम

अनुसूची - 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

9 सरकारी एवं यूजीसी अनुदान

- 9.1 सरकारी अनुदान और यूजीसी अनुदान की गणना वसूली के आधार पर की जाती है। हालाँकि, वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त हो जाती है और अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान का लेखा-जोखा प्रोट्रॉफ आधार पर होता है और एक बराबर राशि अनुदान से वसूल की जाती है।

9.2 पूँजीगत व्यय के लिए उपयोग की जाने वाली सीमा (प्रोट्रॉफ आधार पर) सरकारी अनुदान और यूजीसी से प्राप्त अनुदान को पूँजी निधि में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

9.3 राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए सरकारी और यूजीसी अनुदान (प्रोट्रॉफ आधार पर) का उस हद तक उपयोग किया जाता है, जिस वर्ष उन्हें प्राप्त होने वाली आय के रूप में उपयोग किया जाता है।

अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों से भुगतान किए गए अग्रिम सहित) को अग्रानीत किया जाता है और तुलन-पत्र में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

10. चिन्हित निधियों का निवेश एवं ब्याज आय प्रोटूट

व्यय के लिए तुरंत आवश्यक नहीं होने पर, इस तरह की निधि के प्रति उपलब्ध राशि बैंकों के साथ सावधि जमा के लिए जमा की जाती है, जिससे बचत खाते में शेष राशि बच जाती है।

प्राप्त ब्याज, ब्याज अर्जित किया गया और देय एवं ब्याज अर्जित किया गया, लेकिन ऐसे फंडों के कारण संस्थान की आय के रूप में नहीं माना जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

- 11.1 चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजित से प्राप्त धनराशि को "जारी प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति चालू देयताएं एवं प्रावधान - चालू देयताएं - अन्य देयताएं - प्राप्तियां" में क्रेडिट किया जाता है। जब एवं जैसे हो के व्यय को ऐसी परियोजनाओं में किया/अग्रिम होता है या संबंधित परियोजना को आवंटित शीर्षक शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, देयता खाते को डेबिट किया जाता है।

11.2 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित कनिष्ठ अनुसंधान फैलोशिप के लिए चिह्नित निधि के अलावा, फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति भी विभिन्न संगठनों द्वारा प्रायोजित हैं। इन्हें प्रायोजित परियोजनाओं के रूप में उसी तरह से देखा जाता है, सिवाय इसके कि खर्च आम तौर पर फैलोशिप और छात्रवृत्ति के संवितरण पर होता है, जिसमें फेलो और अध्येताओं द्वारा आकस्मिक व्यय के लिए भत्ते शामिल हो सकते हैं।

11.3 संस्थान खद भी फैलोशिप और स्कॉलरशिप प्रदान करता है, जिसे शैक्षणिक व्यय के रूप में जाना जाता है।

12. आयकर

संस्था की आय को कर की धारा 10 (23c) (iiiab) के तहत आयकर से मक्तु किया जाता है इसलिए इसे लेखा में बनाया जाता है।



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 24 : लेखा पर टिप्पणियां

1. 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम' का गठन संसद द्वारा पारित अधिनियम 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एक्ट 2009' द्वारा किया गया था।

वित्तीय विवरण 'केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए वित्तीय विवरणों के प्रारूप' के आधार पर तैयार किए गए हैं, जैसा कि मानव संसाधन विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया है।

2. कराधान

विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23C) (iiiab) के प्रावधान के अनुसार आयकर के भुगतान से हृष्ट प्राप्त है।

3. स्थिर परिसंपत्तियां

- 3.1 स्थिर परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत, आवक माल ढुलाई, छूटरी और करों तथा अधिग्रहण, स्थापना और प्रारम्भ करने से संबंधित प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष खर्चों सहित बताया जाता है।
- 3.2 नए भवन एवं संरचनाओं के नवीनीकरण और निर्माण पर किए गए पूँजीगत व्यय राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई भूमि पर किए गए हैं। ऐसी भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार के पास है।

4. मूल्यहास

- 4.1 अचल संपत्ति पर मूल्यहास को निम्न दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाता है:

| क्र. सं. | मूर्त परिसंपत्तियां | दर |
|----------|--|------|
| 1 | भूमि | 0% |
| 2 | कार्यस्थल विकास | 0% |
| 3 | भवन | 2% |
| 4 | सड़के एवं पुल | 2% |
| 5 | नलकूप एवं जलापूर्ति | 2% |
| 6 | सीवरेज एवं ड्रेनेज | 2% |
| 7 | विद्युत स्थापना एवं उपकरण | 5% |
| 8 | संयंत्र एवं मशीनरी | 5% |
| 9 | वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण | 8% |
| 10 | कार्यालय उपकरण | 7.5% |
| 11 | श्रव्य दृश्य उपकरण | 7.5% |
| 12 | कंप्यूटर एवं पेरिफेरल्स | 20% |
| 13 | फर्नीचर फिक्वर एंड फिटिंग | 7.5% |
| 14 | खेल उपकरण | 10% |
| 15 | पुस्तकालय पुस्तकों एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं | 10% |

| क्र. सं. | अमूर्त परिसंपत्तियां (क्रण परिशोध) | दर |
|----------|------------------------------------|--------|
| 1 | ई. जर्नल्स | 40% |
| 2 | कंप्यूटर सॉफ्टवेयर | 40% |
| 3 | पेटेंट | 9 वर्ष |

- 4.3 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यहास प्रदान किया जाता है।

- 4.4 परिसंपत्तियाँ, जिनमें से प्रत्येक की व्यक्तिगत वेल रु. 2,000.00 या उससे कम है (पुस्तकालय पुस्तकों को छोड़कर) को कम मूल्य की परिसंपत्तियों के रूप में माना जाता है और उनके अधिग्रहण के समय ऐसी परिसंपत्तियों के संबंध में 100% मूल्यहास प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची - 24 : लेखा पर टिप्पणियां

- 4.5 संस्थान ने अस्थाई शोड का निर्माण किया है जिसकी जीवन प्रत्याशा तीन साल से है क्योंकि संस्थान एक अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है, जिस प्रकार परिसंपत्तियों को भवनों के परिवर्धन में पूँजीकृत नहीं किया गया है। तदनुसार 33% प्रति वर्ष की दर से मूल्यहास भारित होता है।
- 4.6 संस्थान ने एक प्रीफ़ेब हॉस्टल। और ॥ का निर्माण किया है, जिसकी जीवन प्रत्याशा पाँच साल से है क्योंकि संस्थान एक अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है, इसलिए परिसंपत्तियों को भवनों के परिवर्धन में पूँजीकृत नहीं किया गया है। तदनुसार 20% प्रति वर्ष की दर से मूल्यहास भारित किया जाता है।
- 4.7 सीडीएसी पुणे द्वारा संस्थान को एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटर सेटअप दान दिया गया है जो परीक्षण परिचालन में है और वर्तमान में उसे सीडीएसी के इंजीनियरों द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है। उच्च प्रदर्शन कंप्यूटर को पूरी तरह से संस्थान को सौंपने के बाद परिसंपत्ति को संस्थान की परिसंपत्तियों में ले जाया जाएगा।

5. संबंधित पार्टी प्रकटीकरण

| | |
|--------------------|-----------------------------------|
| लेन-देन का नाम | : डॉ. निधि गोविल |
| लेन-देन की प्रकृति | : विजिटिंग फैकल्टी सदस्य - मानदेय |
| राशि | : ₹. 9,00,000.00 |

6. पूँजी प्रतिबद्धता

पूँजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले अनुबंधों की अनुमानित राशि ₹. 3.00 करोड़ (पिछले वर्ष ₹. 5.00 करोड़) के लिए प्रदान नहीं की गई है।

7. आकस्मिक देयता

तुलन पत्र की तारीख को कोई आकस्मिक देयता नहीं है।

8. परियोजना लेखा

परियोजना लेखा को वित्तीय विवरणों की अनुसूची में दर्शाया गया है और प्रत्येक परियोजना के 31 मार्च 2021 तक की शेष राशि को वर्तमान देयताओं के तहत ध्यान में रखा गया है।

9. चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं जमा

प्रबंधन की राय में, चालू संपत्ति, ऋण, अग्रिम और जमा साधारण पाठ्यक्रम में प्राप्ति पर एक मूल्य है, जो तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है।

10. अनुसूचियां 1 से 24 तक 31 मार्च 2021 को तुलन पत्र और उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए उस वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का एक अभिन्न अंग बनाता है।

11. पुनर्वर्गीकरण

पिछले वर्षों के अंकड़ों को फिर से समूहीकृत और जहाँ भी आवश्यक हो, फिर से व्यवस्थित किया गया है।



गणतंत्र दिवस





National Institute of Technology Sikkim

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

बारफंग ब्लॉक, रावंगला सब-डिवीजन, दक्षिण सिक्किम - 737 139

निदेशक कार्यालय : +91 7479013180